H.L.8(L.b)/10

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

27 सितम्बर, 1995

खंड 2, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 27 सितम्बर, 1995

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(3)66
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3)7
ध्यानाकर्षण सूचनाएं/विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(3)81
वाक आउट	(3)86
ध्यानाकर्षण सूचनायें/विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(3)87
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(3)88
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)88
बैठक का समय बढ़ाना	(3)127
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)127

मूल्य : 484.00

	पृष्ठ संख्या
बैठक का समय बढ़ाना	(3)158
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)158
अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–	
सदन में किसी मिनिस्टर की सीट पर विधान सभा के किसी उच्चाधिकारी के बैठने सम्बन्धी, श्री ओम प्रकाश बेरी द्वारा उठाये गये प्वायंट आफ आर्डर पर	(3)172
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)173
बैठक का समय बढ़ाना	(3)188
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)188
बैठक का समय बढ़ाना	(3)203
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)203
बैठक का समय बढ़ाना	(3)218
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)218
बैठक का समय बढ़ाना	(3)225
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)226
बैठक का समय बढ़ाना	(3)235
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)235
बैठक का समय बढ़ाना	(3)239
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)239
वाक आउट	(3)240
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)240

हरियाणा विधान सभा

बुधवार 27 सितम्बर, 1995

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9-30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : साहेबान, अब सवाल होंगे।

HARYANA NIWAS

*1200. **Smt. Chandravati :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) the total expenditure incurred on the construction of Haryana Niwas, Chandigarh;

(b) the names and addresses of the contractor/agency to whom the construction of the Niwas as referred to in part 'a' above was entrusted together with the payment made to them; and

(c) whether it is a fact that the cracks have been developed in the building of Haryana Niwas, if so, the reasons thereof ?

Public Works (B&R) Minister (Sh. Amar Singh) :

(a) A sum of Rs. 1,85,04,633.81 had been incurred for the construction of Haryana Niwas, Chandigarh.

(b) The name and addresses of the contractor/agency to whom the construction of the Haryana Niwas had been entrusted together with payment made to them is enclosed at Annexure.

(c) No Sir, there are no cracks which are harmful to the safety and soundness of the structure. However, there were surface cracks in the building which have been repaired.

[Shri Amar Singh]

ANNEXURE

Sr. No.	Name and address of agency/ contractor	Nature of work	Amount paid (Rs.)
1	2	3	4
1.	M/s. P.L. Dua & Sons, Chandigarh.	Main Work	1,48,380.14
2.	M/s. Sunil Constn. Co., Chandigarh.	Main Work	2,61,622.14
3.	M/s. ACE Build. Pvt. Ltd., Chandigarh.	Main Work	44,88,334.94
4.	Sh. Pawan Kumar, Chandigarh	Security Fencing	5,80,396.50
5.	M/s. Mod Curtain Devices, New Delhi.	Brass Railing	1,86,210.00
6.	Departmental Charges.	Building Work	14,18,600.46
7.	M/s. Banwari Lal & Sons, Chandigarh.	Granite Tile Flooring	1,49,064.00
8.	M/s. Paramount Metal Works, Manimajra.	Almn. Glazing	63,547.00
9.	Sh. Sanjeev Kapoor, Chandigarh.	Painting & Spirit polish	1,11,963.00
10.	M/s. Deepak Builders. Chandigarh.	Removal of Surplus Earth	1,30,663.00
11.	M/s. Bliss Industries, Ambala City.	Moulding Work	59,465.00
12.	Sh. Hazara Singh, Vijay Chauhan, Chandigarh.	Marble Flooring	71,929.83
13.	M/s. Bee Pee Enterprises, Chandigarh.	Glazed Tiles	44,945.70
14.	—do—	Chequed Tiles	48,976.84
15.	M/s. Sham Lal & Co., Chandigarh.	Marble Shelves	12,803.70
16.	Sh. Naresh Kumar, Chandigarh.	Painting on Sandtax Matt	10,423.50

1	2	3	4
17.	M/s. Deepak Builders, Chandigarh.	Surplus earth	17,549.00
18.	Sh. Jaswinder Singh Chopra, Chandigarh.	Parking Area	16,254.00
19.	M/s. Vinod Cement Co., Chandigarh.	Water Proofing	14,826.00
20.	—do—	Leak Proofing	15,924.00
21.	Sh. Jaspal Singh, Chandigarh.	Earth Work	19,680.00
22.	—do—	Surplus Earth	19,900.00
23.	M/s. Shivalik Agro Poly Products Ltd., Chandigarh.	Polythene Sheets	28,921.00
24.	M/s. P.K. Steel Industries Ltd., Chandigarh.	Steel Glazing	2,857.00
25.	—do—	M.S. Gate & Rolling Shutter	18,129.00
26.	M/s. Haryana Minerals Ltd., New Delhi.	Purchase of Marbles	3,55,528.41
27.	Local Purchases (By Deptt.)	Local Purchase	6,00,654.56
28.	Purchase from Govt. Deptt./ Agency.	Local Purchase	1,03,166.75
29.	Advt. expenses/Structural Design, outern of vehicles, legal fee etc.	—	83,203.76
30.	Temporary Muster Roll Payment	—	3,01,217.82
31.	Procurement of Cement & Steel	ADDL. Expdt. due to diff. of rate.	14,86,741.88
32.	M/s. B.M. Gupta, Chandigarh.	Consultant charges	24,500.00
33.	M/s. Bee Pee Constn. Co., Chandigarh.	Wooden Frames in A.C.	2,111.00
34.	Sh. Jamil Ahmed, Chandigarh.	Painting & fixing of Grills	4,000.00
35.	T.M.R., Advertisement, Petty Purchases.	Advt. & TMR	53,646.51
36.	Deptt. Charges	Deptt. charges	6,68,924.63
37.	M/s. Bee Pee Constn. Co., Chandigarh.	Substation Room	4,80,777.23
38.	M/s. Youngman Electrical, Karnal.	L.T. Panel	1,57,310.00

[Shri Amar Singh]

1	2	3	4
39.	M/s. Ess Ess Consultants, Chandigarh.	E.I. Work	2,10,419.35
40.	M/s. Kuldeep Elect. Co., Chandigarh.	E.I. Hot Water Boiler	78,593.00
41.	Sh. Kuldeep Electric Co., Chandigarh.	Fire Extinguishers	29,925.00
42.	—do—	Power Capicitor	39,072.00
43.	M/s. Classic Insulation Furnishers, Chandigarh.	Insulation Work	6,575.00
44.	M/s. Blue Star Ltd., S/26, Chandigarh.	A.C. Work	42,10,707.00
45.	M/s. Kuldip Electric Co., Chandigarh.	Covers for frame in Electric room	32,094.00
46.	M/s. Youngman Electricals, Karnal.	Street lighting	2,45,681.47
47.	Sh. Som Nath Contractor, Karnal.	Flood Lighting	63,638.82
48.	M/s. Meera & Co., Karnal.	D.G. Sets	3,15,289.27
49.	M/s. Mech. Enggs., Chandigarh.	Hot Water Boiler	1,11,858.00
50.	Sh. Harkrishan Singh Dhiman, Chandigarh.	Laying of RCC Pipes	28,444.20
51.	M/s. Jyoti Electricals, Chandigarh.	E.I. Work	17,385.00
52.	M/s. Ess. Ess Engg., 117/Indl. Area. Chandigarh.	Hot Water Boiler	3,10,000.00
53.	M/s. M.P. Enterprises, Chandigarh.	A.C.B. Cables	1,41,253.00
54.	Payment to U.T. Admn.	Sewerage & Drainage	4,00,550.00
		Total Rs.	1,85,04,633.81

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि हरियाणा निवास की बिल्डिंग के सरफेस में करैक्स क्यों आए जबकि वह नई बिल्डिंग है ? इसके साथ साथ मैं यह भी जानना चाहती हूं कि जो करैक्स आए, क्या वे उसी ऐजेंसी से रिपेयर करवाए जिसने यह बिल्डिंग बनाई थी ? क्या उनको उन करैक्स की रिपेयर की नई पेमेंट की है, अगर पेमेंट की है तो कितनी की है ?

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, इस बिल्डिंग के सरफेस में जो करैक्स हैं, वह हेयर करैक्स हैं। प्लास्टर में मामूली करैक्स अकसर आ जाते हैं। मौसम बदलने पर गर्मी और सर्दी में करैक्स आ जाते हैं। इस बिल्डिंग में जो करैक्स आये थे, वह रिपेयर हो चुके हैं। उन करैक्स की रिपेयर उसी ऐजेंसी से नहीं करवाई जिस ऐजेंसी से यह बिल्डिंग बनवाई थी। जब से पी० डब्ल्यू० डी० ने इस बिल्डिंग को अपनी पोजैशन में लिया है, वह उसकी हर साल व्हाइट वाशिंग करता है और जो थोड़ा बहुत रिपेयर का काम होता है, वह भी करता है। जब इस बिल्डिंग की व्हाइट वाशिंग करवाई गई थी उसी समय उन करैक्स की रिपेयर हो गई। वह कोई हार्मफुल करैक्स नहीं थे।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मंत्री जी यह मानते हैं कि इस बिल्डिंग में करैक्स आए हैं। क्या मंत्री जी ने उन करैक्स को देखा है कि वे हार्मफुल हैं या नहीं हैं ? यदि किसी बिल्डिंग में करैक्स आते हैं तो वे हार्मफुल ही होते हैं, फायदेमंद नहीं होते। यदि फायदेमंद होते हों तो आप मुझे बता दें। मैं जानना चाहती हूं कि करैक्स को रिपेयर करवाने पर कितनी पेमेंट की गई ? मुझे तो ऐसा लगता है कि जिस आर्कीटेक्चर ने इस बिल्डिंग का नक्शा बनाया है, वह भोंडी शक्ल का है और ऐसा ही उसने इसका नक्शा बनाया है। मैं समझती हूं वह नक्शा अच्छा नहीं बनाया।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, अगर बहन जी ने अपनी कोठी बनाई हो तो उसमें भी स्वाभाविक हो जाता है कि थोड़े बहुत करैक्स आ जाते हैं क्योंकि जब मौसम बदलता है तो गर्मी सर्दी में थोड़ा बहुत फैलाव होता है, गर्मी में फैलाव होता है और सर्दी में सिकुड़ती है। उस बिल्डिंग में जो करैक्स आए वह कोई हार्मफुल नहीं थे। जो करैक्स आए थे वह मामूली थे और जब बिल्डिंग की व्हाइट वाशिंग की गई उस समय उनको रिपेयर कर दिया गया।

श्री० छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, मंत्री जी ने खुद माना है कि उस बिल्डिंग में करैक्स आए। मंत्री जी कोई टैक्नीकल आदमी तो हैं नहीं; इसलिए इनको क्या पता कि वह करैक्स कैसे आए ? मैं इनसे जानना चाहता हूं कि क्या इन्होंने इंजीनियर्ज की कोई कमेटी बनाई जो यह बताती कि वह करैक्स कैसे आए ? वह बिल्डिंग नई है तो नई बिल्डिंग में करैक्स कैसे आए ? इसका मतलब यह हुआ कि एट दि टाईम ऑफ कंस्ट्रक्शन

[प्रो0 छत्तर सिंह चौहान]

मैटीरियल घटिया लगाया गया। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस बात की जांच करने के लिए आप कोई कमेटी बैठाएंगे जो यह बता सके कि उस बिल्डिंग में करैक्स क्यों आए और किस कारण से आए ?

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, हरियाणा निवास की बिल्डिंग बहुत शानदार बिल्डिंग बनी है । इस बिल्डिंग में जो स्टेट गैस्ट्स ठहरते हैं, वे हमें बार बार तारीफ के लैटर लिखते हैं । मेरे लायक दोस्त आनरेबल मैम्बर चौहान साहब कहते हैं कि करैक्स के बारे में जांच करने के लिए कमेटी बैठाई जाए । जो हेयर क्रैक्स थे, वे सफेदी वगैरा करते समय दूर हो गये हैं और जो खर्च आता है, उसी में खर्चा कवर हो गया है । इसमें ज्यादा खर्च नहीं हुआ, अलग से खर्चा बताने की आवश्यकता नहीं है और न ही कोई इंजीनियर की टीम बना कर उसको दिखाने की आवश्यकता है। वह बहुत शानदार बिल्डिंग है। यदि मैंबर चाहें तो वे मेरे साथ चल कर इस बिल्डिंग को देख सकते हैं । हरियाणा निवास सिक्योरिटी प्वायंट आफ व्यू से भी सेफ है । इसमें कैंटीन की सुविधा भी पूरी है और सारी बिल्डिंग एयर कंडीशंड है ।

श्री हरि सिंह नलवा : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से आदरणीय मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि कहीं मन्त्री जी और आदरणीय बहन जी को कोई मुगालता तो नहीं है । आज मौडर्न जमाना है । आप एजुकेटिड आदमी हैं । मैं बताना चाहता हूं कि पुराने जमाने में ताजमहल बना था और सारा साल, चाहे बारिश हो लेकिन उसकी कब्र पर साल में एक बार बारिश की बूंद गिरती है । इस पर अंग्रेजों ने काफी खोज की लेकिन वे किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाये । इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि कहीं इंजीनियरों ने तो पुराने समय के ताजमहल के तर्ज पर आज का हरियाणा निवास तो नहीं बनाया है ?

(इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया गया)

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने इस हरियाणा निवास पर 1 करोड़ 85 लाख 4 हजार 633 रुपये का खर्च अनेक्सचर में दिखाया है। इससे लगता है कि छोटी से छोटी चीज भी किसी प्राईवेट ठेकेदार से कराई गई लगती है। साथ ही तकरीबन 21 लाख रुपया विभाग के डिपार्टमैंटल चार्जिज में दिखाया है । मैं जानना चाहता हूं कि जब सारा काम ही बाहर के किसी ठेकेदार से करवाया गया है तो फिर ये 21 लाख रुपये जो विभागीय खर्च के दिखाए हैं, किस चीज के लिए हैं ?

श्री अमर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि जो बिल्डिंग कांट्रैक्टर्ज से बनवाई जाती है, उसकी देखरेख डिपार्टमैंट की होती है, क्योंकि देखरेख डिपार्टमैंट की होती है, इसलिए डिपार्टमैंट

उसके चार्जिज लेता है । जो डिफरैंट कांट्रैक्टर्ज से या एजैंसीज से काम करवाया गया है, उसकी देखभाल पी0डब्ल्यू0डी0 के आफिसर्ज तथा कर्मचारियों ने की, उसके लिए 14% चार्जिज डिपार्टमैंट ने लिये हैं जो कि कुल मिलाकर करीब 20-21 लाख रूपये बने हैं । मेरे लायक दोस्त आनरेबल मैम्बर बहुत ही तजुर्बेकार हैं (विघ्न) स्पीकर सर, मैं यह बताना चाहूंगा कि डिपार्टमैंट चार्जिज जो लिए जाते हैं, वह इस बात के लिए होते हैं कि जो काम कांट्रैक्टर या एजैंसी करती है, वह उसकी देखभाल करते हैं ताकि कहीं वे मैटीरियल में मिलावट तो नहीं करते या कोई सब स्टैंडर्ड मैटीरियल इस्तेमाल तो नहीं करते, ये चार्जिज इसके लिए हैं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल डिफ़रैंट है । The charges which have been incurred because of security or the supervision by the department, are part of the department's job. इस काम के लिए उनको सरकार की तरफ से तनख्वाह मिलती है, फिर ये 14% किस बात का लेते हैं ? आप खुद कण्स्ट्रक्शन करें या दूसरी एजैंसी से तैयार करवायें क्या 14% लेने की बात ठीक है ? स्पीकर सर, मेरे माननीय लायक मन्त्री महोदय जब कभी भी मन्त्री बने हैं या इनको कैबिनेट मन्त्री बनाने का मौका आया है तो हर बार इनको पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर का ही पोर्टफोलियो मिलता है, इसलिए इस महकमें में तो ये ज्यादा तजुर्बेकार हैं । मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि यह जो कार्य है उसके लिए तो अधिकारियों/कर्मचारियों को तनख्वाह दी जाती है । जो तनख्वाह दी जाती है, वह किस हैड से जाती है ?

श्री अमर सिंह : स्पीकर सर, यह बिल्डिंग बी0 आई0 पीज0 के लिए बनाई गई है और इसकी डिपार्टमैंटल देखभाल पी0डब्ल्यू0डी0 ने की थी इस वजह से ये चार्जिज लिए गए हैं ।

श्रीमती चन्द्रावती : अध्यक्ष महोदय, अनैक्श्चर में आईटम नं0 27 तथा 28 पर जो खर्चा दिखाया है, वह लोकल परचेज में लगा रखा है । मैं आपसे पूछना चाहूंगी कि एक आईटम पर लगभग 6 लाख खर्च किया है और दूसरी आईटम पर एक लाख के लगभग खर्च किया है लेकिन उन आईटम के नाम नहीं लिखे हैं । यह 6 तथा एक लाख किस बात पर खर्च हुआ ? क्या मन्त्री जी बताने की कृपा करेंगे ?

श्री अमर सिंह : स्पीकर सर, आनरेबल मैम्बर ने जो सवाल किया था, उस सवाल से यह सवाल उत्पन्न नहीं होता है । इन्होंने सीधा सवाल पूछा है कि इस बिल्डिंग पर कितना पैसा लगा और ठेकेदार कौन-कौन थे । वह मैंने बता दिया है ।

Anti-Pollution Devices

*1195. **Prof. Chhattar Singh Chauhan** : Will the Minister of State for Environment be pleased to state—

(a) whether any survey has been conducted in regard to the non-installation of anti-pollution devices in the factories of the State, so far; and

[Prof. Chhattar Singh Chauhan]

(b) if so, the districtwise names of the factories in which the said devices have not been installed so far ?

Minister of State for Forests (Rao Dharam Paul) :

(a) Yes, Sir.

(b) Names of the Industrial units, which have not installed pollution control devices are given districtwise in the Annexure, which is placed on the table of the House.

ANNEXURE

Distt. Ambala

Sr. No.	Name of the Unit
1	2
1.	M/s Krishna Rice Mills, Ambala.
2.	M/s Mittal Trading Co., Ambala.
3.	M/s Shri Ram Rice Mills, Ambala.
4.	M/s Sunil Trading Co., Ambala.
5.	M/s A. K. Rice Mills, Ambala City.
6.	M/s Bharat & Co., Ambala City.
7.	M/s Ganesh Rice & Dal Mills, Ambala City.
8.	M/s Jai Laxmi Rice Mills, Ambala City.
9.	M/s Jagdamba Rice Mills, Ambala City.
10.	M/s Jyoti Rice & General Mills, Ambala City.
11.	M/s Kesena Ji Rice Mills, Ambala City.
12.	M/s Khosla Rice & General Mills, Ambala City.
13.	M/s Laxmi Rice Mills, Ambala City.
14.	M/s Madan Lal, Ram Murti, Ambala City.
15.	M/s Mahesh Rice & Dal Mills, Ambala City.
16.	M/s Mahavir Rice & Dal Mills, Ambala City.
17.	M/s Mittal Rice & General Industries, Ambala City.
18.	M/s Modern Rice Mills, Ambala City.
19.	M/s Haryana Rice Mills, Ambala City.
20.	M/s Shiva Rice & Dal Mills, Ambala City.
21.	M/s Singla Rice Traders, Ambala City.

1	2
22.	M/s Suraj Rice Mills, Ambala City.
23.	M/s Attar Singh, Manjit Singh Rice Mills, Barara, Distt. Ambala.
24.	M/s Goel Rice Traders, Barara, Ambala.
25.	M/s K. G. Rice Mills, Barara, Ambala.
26.	M/s Rama Rice Mills, Barara, Ambala.
27.	M/s Ashoka Rice & General Mills, Mullana.
28.	M/s Saraswati Rice & General Mills, Mullana.
29.	M/s Durga Trading Co., Naneda, Ambala.
30.	M/s Shakti Rice Mills, Naneda.
31.	M/s Guru Nanak Rice Mills (Durga Rice Mills), Naraingarh.
32.	M/s Krishna Rice Mills, Naraingarh.
33.	M/s Shankar Rice Mills, Naraingarh.
34.	M/s Shiv Shakti Rice Mills, Naraingarh.
35.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Naraingarh,
36.	M/s Shri Ganesh Rice Mills, Naraingarh.
37.	M/s Bhagwati Rice Mills, Shahjadpur, Ambala.
38.	M/s Nahan Foundry, Chandigarh Road, Ambala.
39.	M/s Krishana Foundry, Naraingarh Road, Ambala City.
40.	M/s Bharat Iron & Brass Foundry, Naraingarh Road, Ambala City.
41.	M/s Hind Engineering & Foundry Works, Chandigarh Road, Ambala City.
42.	M/s Luxmi Foundry, Chandigarh Road, Ambala City.
43.	M/s Vee Emm Foundry, Chandigarh Road, Ambala City.
44.	M/s Dewan Gee Casting, Ambala City.
45.	M/s Haryana Foundry & Engg. Works, Chandigarh Road, Ambala City.
46.	M/s Seth Brothers Rollers Flour Mills, Ambala City.
47.	M/s Sanjay Agro Industry, Dukheri Road, Ambala.
48.	M/s Sh. Markanda Stone Crusher, Vill. Dera, Naraingarh, Ambala.
49.	M/s Ravi Motor Garrage, Ambala Cantt.
50.	M/s Gotra Servicing Station, Near Sabji Mandi, Ambala Cantt.
51.	M/s Hind Motor, Ambala Cantt.
52.	M/s Norton Motors, Ambala Cantt.
53.	M/s Bassan Motors, Ambala Cantt.
54.	M/s Premier Motors, Ambala Cantt.
55.	M/s Batra Servicing Station, Ambala Cantt.
56.	M/s Super Car Servicing Station, Ambala Cantt.
57.	M/s Maruti Modern Automobiles, G. T. Road, Ambala Cantt.

1	2
58.	M/s Jatinder Servicing Station, Motor Market, Ambala Cantt.
59.	M/s Sidhi Servicing Station, Motor Market, Ambala Cantt.
60.	M/s Chaudhary Ram Servicing Station, Motor Market, Ambala Cantt.
61.	M/s Uppal Servicing Station, Baldev Nagar, Ambala Cantt.
62.	M/s Devi Oil Store, G. T. Road, Ambala City.
63.	M/s S. D. Trading Corporation. Near Civil Hospital, Ambala City.
64.	M/s D. K. Automobiles, G. T, Road, Ambala City.
65.	M/s Dhari Servicing Station, Near HLRDC office, Naraingarh.
66.	M/s Haryana Pesticides, Village Mandhor, Ambala City.
67.	M/s Gurmeet Brothers, Bright Electroplating, Ambala.
68,	M/s Arjun Electroplating Works, Ambala,
69,	M/s Parkash Electroplating Works, Ambala.
70.	M/s New Electroplating Works, Ambala.
71.	M/s Raj Bright Electroplating Works, Ambala.
72.	M/s Modern Electroplating Works, Ambala.
73.	M/s Jainco Industries, Sabathu Road, Ambala City.
74.	M/s Subhash Surgical Industries, Ambala City.
Distt. Bhiwani	
75.	M/s Mittal Chemicals Corpn., Bhiwani.
76.	M/s Industries Corporation, Bhiwani.
77.	M/s Haryana Flouaides, I. A. Bhiwani.
78.	M/s Jyoti Insecticides, Rohtak Road, Charkhi Dadri.
79.	M/s Ambika Stone Crusher, Khanak.
80.	M/s Durga Stone Crusher, Khanak.
81.	M/s Govt. Stone Crusher, Khanak.
82.	M/s Mahan Stone Crusher, Kapoori.
83.	M/s Nalwa Stone Crusher, Bhiwani.
84.	M/s Nagpal Stone Crushers, Khanak.
85.	M/s National Stone Crushers, Khanak.
86.	M/s Punjab Stone Crushers, Khanak.
87.	M/s Parbhat Stone Crushers, Khanak.
88.	M/s Rajesh Stone Crushers, Tosham.
89.	M/s Shubhash Stone Crushers, Khanak.
90.	M/s Surbhi Stone Crushers, Khanak.
91.	M/s Verma Stone Crushers, Khanak.
92.	M/s Vishwakarma Stone Crushers, Khanak.
93.	M/s Haryana Stone Crushers, Tiwala.

1	2
94.	M/s Krishna Stone Crushers. Nigana.
95.	M/s Shiva Bhola Stone Crushers, Khanak.
96.	M/s Hisar Stone Crushers, Khanak.
97.	M/s Anurag Stone Crushers, Khanak.
98.	M/s Dalmia Cement, Charkhi Dadri.
99.	M/s Shiv Bhola Stone Crusher, Kheri, Battar.
100.	M/s Gian Organics, Near Hansi, Distt. Bhiwani.
101.	M/s C.C.I., Charkhi Dadri.
Distt.	**Faridabad**
102.	M/s Surya Engineering works, 6 I.A. Faridabad.
103.	M/s Prem Metal Industries, 6 I.A., Faridabad.
104.	M/s Talson India, 110/6, Faridabad.
105.	M/s Shree Casting, 252/24, Faridabad.
106.	M/s Minasha Castings, 213/24, Faridabad.
107.	M/s Rapid Casting Foundry, 178/24, Faridabad.
108.	M/s P.K. Engineering & Foundry works, 221/24, Faridabad.
109.	M/s Modern Auto Industries, 44/4, Faridabad.
110.	M/s Metal Cast Industries, 278/24, Faridabad.
111.	M/s Kalka Ji Engineering Co., 248/24, Faridabad.
112.	M/s Jatindra Casting & Engineering works, 205/24, Faridabad.
113.	M/s Surendra Casting Corporation, 159/24, Faridabad.
114.	M/s India Casting, 295/94, Faridabad.
115.	M/s India Garage Equipment, 51/6, Faridabad.
116.	M/s Globe Enterprises, 165/25, Faridabad.
117.	M/s Dua Industries, 226/24, Faridabad.
118.	M/s Davindra Machine Tools, Sohna Road, Ballabgarh.
119.	M/s Vijay Engg. & Metal Works, 201-202/24, Faridabad.
120.	M/s S.L. Minerals & Refractories, Payal Road, Sikri, Faridabad.
121.	M/s Dhariwal Eng. Works, 32/24, Faridabad.
122.	M/s Aggarwal Foundry & Engg. works, 12/24, Faridabad.
123.	M/s Sankla Engineering Works, 25/24, Faridabad.
124.	M/s Marshall Foundry & Engg. Works, 259/24, Faridabad.
125.	M/s Vijay Malleable (P) Ltd., 166/24, Faridabad.
126.	M/s Veco Industries, 360/24, Faridabad.
127.	M/s Venus Industries, 186/24, Faridabad.
128.	M/s Guru Arjun Foundry, 98/24, Faridabad.
129.	M/s Vishvkarma Engg. Works. 207/24, Faridabad.
130.	M/s A-One Casting Sohna Road, Ballabgarh.
131.	M/s Amar Foundry, 106/6, Faridabad.

[Rao Dharam Paul]

1	2
132.	M/s Alloy Cast (P) Ltd., 59/6, Faridabad.
133.	M/s Cast-E-Cula, 108/6, Faridabad.
134.	M/s Bharat Industrial Corpn., 98/25, Faridabad.
135.	M/s Abay Foundry Sohna Road, Mangla, Ballabgarh.
136.	M/s Haya Casting Works, Samayapur, Sohna Road, Ballabgarh
137.	M/s Hari Om Foundry, Mulerna Road, Ballabgarh.
138.	M/s Amar Engg. Works, 106/6, Faridabad.
139.	M/s Modern Engg., 4/5, Faridabad.
140.	M/s Bector Casting, 328/24, Faridabad,
141.	M/s Marshal Udyog, 296/24, Faridabad.
142.	M/s Industrial Casting Corpn., 247/24, Faridabad.
143.	M/s G. S. Foundry, shed No. 720 A, NIT, Faridabad.
144.	M/s K. K. Casting (P) Ltd., 5 NIT, Faridabad.
145.	M/s Souvernior Ceramics. 66-A, NIT, Faridabad.
146.	M/s Industrial Ceramic Products, 41-42/25, Faridabad.
147.	M/s Olympic Refractory, Vill. Kaily, Ballabgarh.
148.	M/s Husaka Refractory, 333/24, Faridabad.
149.	M/s Raonak Refractory, 294/24. Faridabad.
150.	M/s Newar Corbron & Ceramics, 175/24, Faridabad.
151.	M/s Bee-Ell Industries, 80/25, Faridabad.
152.	M/s Continental Refractory, 42/25, Faridabad,
153.	M/s Sameer potteries, 89/25, Faridabad.
154.	M/s Rathi Ceramics,391-294/25, Faridabad.
155.	M/s Raja Refractories, 350/24, Faridabad.
156.	M/s.Elight Ceramics, 161/24, Faridabad.
157.	M/s Haryana Refractories, 65-66/25, Faridabad.
158.	M/s Super Ceramic Inds., 47/25, Faridabad.
159.	M/s Haryana Sanitary Ware Industries, 14/25, Faridabad.
160.	M/s Ceramics India, 36/25, Faridabad.
161.	M/s Techno Ceramics, 47/25, Faridabad.
162.	M/s AIS Ceramics, G.T. Road, Palwal,
163.	M/s Ma-Met Refractories, 44th MR, Faridabad.
164.	M/s Shankar Ceramics, Payal Road, Sikri, Ballabgarh.
165.	M/s K.J.R. Ceramics, Payal Road, Sikri, Ballabgarh.
166.	M/s Sushila Ceramics, 395/24, Faridabad.
167.	M/s Delux Ceramics, Sohna Road, Gonchhi, Ballabgarh,
168.	M/s Dev Mangal Ceramics, 3/4, MR, Faridabad.
169.	M/s Sethi Ceramics, Sohna Road, Gonchhi, Ballabgarh.
170.	M/s Mahavir Ceramics, 3/4, MS Sohna Road, Gonchhi.

1	2
171.	M/s Navyug Ceramics, 172/24, Faridabad.
172.	M/s Haryana Potteries, 75/3, Mathura Road, Tumasara, Palwal.
173.	M/s Pratibha Ceramics, 146/24, Faridabad.
174.	M/s Associated Refractories, Mujessar, Faridabad.
175.	M/s Sun Tech. Ceramics, 49/25, Faridabad.
176.	M/s Northern India Iron & Steel Co., 20/6, M.R. Faridabad.
177.	M/s Oriphic Dyeing & Printing, 120/24, Faridabad.
178.	M/s East India Cotton Mfg. Co., 17-H, NIT, Faridabad.
179.	M/s Haryana Overseas, Sector 25, Faridabad.
180.	M/s Shiva Dyeing & Printing Mills, 103/24, Faridabad.
181.	M/s T.R. Solvent Oils (P) Ltd., Vill. Dundsa, Faridabad.
182.	M/s J.A.V. Forgings (P) Ltd., Vill. Bhakri, Ballabgarh.
183.	M/s Shyam Rice Mills (P) Ltd., Vill. Alhapur, Palwal.
184.	M/s K.R. Thermo Pack (P) Ltd., Sohna Road, Palwal.
185.	M/s Thermo Media Industries, Vill. Malerna, Ballabgarh.
186.	M/s International Ceramics & Chemicals, 170/24, Faridabad.
187.	M/s Hindustan Wires Ltd., 267-268/24, Faridabad.
188.	M/s P.S.R. Paper Mills (P) Ltd., 88-89/25, Faridabad.
189.	M/s Thermo Shape Industries, 25th MS, MR, Faridabad.
190.	M/s Haryana Textile Corpn., 97/25, Faridabad.
191.	M/s D.D. Organics, 18/25, Faridabad.
192.	M/s Competent Alloys, 62/25, Faridabad.
193.	M/s Husaka Steel, 44th K.M. softa, Palwal.
194.	M/s Mukesh Strips and Tubes Ltd., 23/2, MR, Faridabad.
195.	M/s Rib & Sons (P) Ltd., 24, MR, Faridabad.
196.	M/s Bhupindra Steel Ltd., 25/6, MR, Faridabad.
197.	M/s Chandra Indus. plot No. 17 & 18, Vill. Sarurpur, Faridabad.
198.	M/s Chopra Casting, 44/24, Faridabad.
199.	M/s Vinmon Engrs. & Foundry, New Azzi Colony, Ballabgarh.
200.	M/s Diamond Casting Engg. (IInd plant) Sohna Road, Ballabgarh.
201.	M/s M.K. Castings, Adrash Nagar, Malerna Road, Ballabgarh.
202.	M/s Shivaji H.T. Corpn., Sec.-29, 42/1, MR, Faridabad.
203.	M/s Friends Casting, E-70-71, Sanjay Colony, Sec.-23, Faridabad.
204.	M/s Marshal Foundry Works (P) Ltd., 360/24, Faridabad.
205.	M/s Robin Casting Co. Vill. Sarurpur, Faridabad.
206.	M/s Parvati Dyeing & Printing Mills, 64/25, Faridabad.
207.	M/s Shree Rama Processors (P) Ltd., 13/6, MR, Faridabad.
208.	M/s Karnita Tex prints, 20/2, MR, Faridabad.

[Rao Dharam Paul]

1	2
209.	M/s S.S. Dyeing & Printing Mills, 82/6, Faridabad.
210.	M/s Supreme Metal Works, 386/24, Faridabad.
211.	M/s Gurdyal Shamlal (P) Ltd., 54, MS, G.T. Road, Vill. Alhapur, Faridabad.
212.	M/s Super Iron syndicate, 2-3-Sanjay Memorial Indl. Estate 20 MR, Faridabad.
213.	M/s Amar Udyog, A-555, Dabua colony, Faridabad.
214.	M/s Anil Engineering Works, A-39, SGM Nagar, NIT, Faridabad.
215.	M/s Crucible Casting Co., 16/5, MR, Faridabad.
216.	M/s Cupo Casting, 16/5, MR, Faridabad.
217.	M/s First collection P. No. 39, Sector-27 A, Faridabad.
218.	M/s Guru Nanak Casting, 16/5, MR Faridabad.
219.	M/s Jagjit Industries, 16/5, MR, Faridabad.
220.	M/s Kamal Engg., 3G/198, NIT, Faridabad.
221.	M/s Kay Kay Fluid seals, P. No. 15, Sector 27-A, Faridabad.
222.	M/s R. Chemicals, P. No. 70, Sector 27-A, Faridabad.
223.	M/s Goyal Steels, 2J/51, B.P., NIT, Faridabad.
224.	M/s Taj Forging, P. No. 40, Sector 27-A, Faridabad.
225.	M/s Akhil Bhartia Dyeing & Printing Mills, 14/3, MR, Faridabad.
226.	M/s Amrita Tex Prints, J-37/9, DLF, I.A. Faridabad.
227.	M/s A.Y. Enterprises, unit-I, 27, DLF, I.A., Faridabad.
228.	M/s Bhartiya Electrical Steel Co. Ltd., (F.D.) 13/4, MR, Faridabad.
229.	M/s Bhartia Electrical Steel Co. Ltd., (C.D.) 13/4, MR, Faridabad.
230.	M/s Bhaskar Stone Ware pipe 20 KM., MR, Faridabad.
231.	M/s Clutch Auto Ltd., 12/4, MR, Faridabad.
232.	M/s Chadda Retreated 10/27, DLF, I.A., Faridabad.
233.	M/s Continental Refineries P. No. 3, 13/3, MR, Faridabad.
234.	M/s C.M. Prints (P) Ltd., 14/5, MR, Faridabad.
235.	M/s Colts International (P) Ltd., 12/4, MR, Faridabad.
236.	M/s Dujodwala Udyog, 14/1, Mathura Road, Faridabad.
237.	M/s Elite Engineers, 67, DLF, I.A., Faridabad.
238.	M/s Goyal Inds. Corpn., 14/5, MR, Faridabad.
239.	M/s Ferrous Alloys Forging, Pvt. Ltd., 111, DLF, I.A., Faridabad.
240.	M/s Freezking Inds. (P) Ltd., 13/2, MR Faridabad.
241.	M/s G.D. Indl. Engineers, 13/4, MR, Faridabad.
242.	M/s Girdhar Silk Mills, 68, DLF, I.A. Faridabad.

1	2
243.	M/s H. R. Refrectories, Co., 12/2, MR, Faridabad.
244.	M/s Indo Lowenbau Breweries, 13/1, MR, Faridabad.
245.	M/s Indo Tex Crafts (P) Ltd., 98, DLF, I.A., Faridabad,
246.	M/s J.B. Gupta & sons, 13/1, MR, Faridabad.
247.	M/s Jeet prints (P) Ltd., 49, DLF, I.A., Faridabad,
248.	M/s K.G, Khosla Compressors Ltd., 18/8, KM, MR, Faridabad.
249.	M/s Kailash prints, 59 A, DLF, I.A. Faridabad.
250.	M/s Kulson Enterprises, SSI, P. No. 12, NIT, NH-2, Faridabad.
251.	M/s Loviska Textiles (P) Ltd., 4, DLF, I.A., Faridabad.
252.	M/s Maharaja prints (P) Ltd., 19 K.M., MR, Faridabad.
253.	M/s Meenakshi Dyeing & printing Mills, 14/6, Faridabad.
254.	M/s Mode Prints (P) Ltd., 15/1, MR, Faridabad.
255.	M/s Maharishi Ayurveda Corporation Green Field, Amarnagar, Faridabad.
256.	M/s Nupri Dyeing & Bleaching, 12, Sector 27 C, Faridabad.
257.	M/s Poonior Refractories Co., 12/2, MR, Faridabad.
258.	M/s Q.S.S. Dyers & Printers, 54, DLF, I.A., Faridabad.
259.	M/s Ruby Knitting Inds., 14/5, MR, Faridabad.
260.	M/s Ranvish Collection (P) Ltd., 34, DLF, I.A., Faridabad.
261.	M/s Rare Edition Prints (P) Ltd., 85, DLF, I.A. Faridabad.
262.	M/s SJ. Knitting & Finishing Mills, 13/7, MR, Faridabad.
263.	M/s S&N Viz, & Co., 60, Sector 27 C, Faridabad.
264.	M/s Standard Foundry Works, 13/1, MR, Faridabad.
265.	M/s Taneja Udyog, 687/31 C, Faridabad.
266.	M/s Universal Steel & Alloys Ltd., 20 KM. MR, Faridabad.
267.	M/s Vulcon Rubber Co. (P) Ltd. 13/4, MR, Faridabad.
268.	M/s K.K. Kohli & Bros. Ltd., 14/5, MR, Faridabad.
269.	M/s Chaudhary Stone Crusher Co., P. No. 79, Mohabtabad, Faridabad.
270.	M/s Shiv Enterprises, P. No. 81, Mohabtabad, Faridabad.
271.	M/s Balaji Stone Cr. Co., P. No. 83, Mohabtabad, Faridabad.
272.	M/s Bhagwati Stone Cr. Co., P. No. 85, Mohabtabad, Faridabad.
273.	M/s Adlkha Stone Cr. Co., P. No. 90, Mohabtabad, Faridabad.
274.	M/s Gokal Chand Hari Chand, P. No. 50, Pali Zone, Faridabad.
275.	M/s A-One Stone Cr. Co., P. No. 61-A, Mohabtabad, Faridabad.
276.	M/s Shree Ganesh Stone Cr. Co., P. No. 74-A, Mohabtabad. Faridabad.

1	2
277.	M/s Sidhu Stone Cr. Co., P. No. 28, Pali Zone, Faridabad.
278.	M/s Darshan Lal Ahuja & Sons, P. No. 41, Pali, Faridabad.
279.	M/s Krishna Stone Cr. Co., P. No. 103, Mohabtabad, Faridabad
280.	M/s Gurbaks Singh & Sons, P. No. 56 E, Pali, Faridabad.
281.	M/s Garg Stone Cr. Co., P. No. 61-D, Mohabtabad, Faridabad.
282.	M/s Nav Nirman Stone Cr. Co., P. No. 61-E, Mohabtabad Faridabad.
283.	M/s New Saraswati Stone Cr. Co., P. No. 67, Mohabtabad, Faridabad.
284.	M/s Agro Fab. Inds., 15/1, MR, Faridabad.
285.	M/s Associated Engg., 15/27, Faridabad.
286.	M/s BPR Tex prints, 12/7, MR, Faridabad.
287.	M/s Dugodwala Inds., 14/1, MR, Faridabad.
288.	M/s Escorts R & D Center, 25 KM, MR, Faridabad.
289.	M/s Escorts Ltd., Plant-I, 18/4, MR, Faridabad.
290.	M/s Escorts Tractors Ltd., (FD), 2/13, Faridabad.
291.	M/s Escorts Tractors Ltd., (FD), Plant-III, 2/13, Faridabad.
292.	M/s General Engg. Works, 12/2, MR, Faridabad.
293.	M/s C.K. Process, 14/5, MR, Faridabad.
294.	M/s Shree Lalit Fabrics, 13/6, MR, Faridabad.
295.	M/s Samanta Dyeing & Printing Mills, 11/7, MR, Faridabad.
296.	M/s Pooja Forge Ltd., 1/41, DLF, Faridabad.
297.	M/s Sterling Tools, 5 A, DLF, Faridabad.
298.	M/s Rare Prints, 39, DLF, Faridabad.
299.	M/s Radian & Pathare, 80 A, DLF, Faridabad.
300.	M/s Thermocool Radiators, 18 A, DLF, Faridabad.
301.	M/s Premier Dyeing & Printing Mills, 12/4, Faridabad.
302.	M/s Paintwell Inds., 18 C, DLF, Faridabad.
303.	M/s Rank Suspansion Pvt. Ltd., 45/27 C, Faridabad.
304.	M/s Ruby Knitting, 14/5, MR, Faridabad.
305.	M/s Asel Silk Mills, 10-11, DLF, Faridabad.
306.	M/s Spectrum Creations, 50/27 A, Faridabad.
307.	M/s Dina Organics, 45/27 A, Faridabad.
308.	M/s Nester pharmaceuticals, 11, WE Area, Faridabad.
309.	M/s Systopic Lab., 16/5, MR, Faridabad.
310.	M/s Dolfin Inds., 16/2, MR, Faridabad.
311.	M/s Batra Associates, 15/1, MR, Faridabad.
312.	M/s Jai Chemicals, 14/1, MR. Faridabad.
313.	M/s Vaneet Packagings, Sector 37, Faridabad.

1	2
314.	M/s Induce Precision Castings, 14/5, MR, Faridabad.
315.	M/s Melco Precision, 4/27 A, Faridabad.
316.	M/s Melco Precision, Link Road, Faridabad.
317.	M/s Centry NF Castings, 14/5, MR, Faridabad.
318.	M/s A. K. Inds., 14/5, MR, Faridabad.
319.	M/s Precisions Castings, 14/5, MR, Faridabad.
320.	M/s Pee Cee Casting, 14/5, MR, Faridabad.
321.	M/s Haryana Melable & Alloys, 42/27 C, Faridabad.
322.	M/s Matry Alloys Casting, 130, DLF, I.A., Faridabad.
323.	M/s N.F. Small Tech., 1-22 A, DLF, I.A., Faridabad.
324.	M/s Batra Die Casting, 1B/225, NIT, Faridabad.
325.	M/s Sterling Caste, 18 A/7, DLF, Faridabad.
326.	M/s Usha Die Casting, A-8, DLF, Faridabad.
327.	M/s Kohinoor Paints, 23, 6 KM, MR, Faridabad.
328.	M/s A.K. Rolling Mills, 12/2, MR, Faridabad.
329.	M/s Advance Forging, 31, DLF, Faridabad.
330.	M/s Ess Thermofoam, 12/1, MR, Faridabad.
331.	M/s Forgewell Inds., 24, DLF, Faridabad.
332.	M/s Ferrous Forging, 68 E, DLF, Faridabad.
333.	M/s MR Steel Forging, 153, DLF, Faridabad.
334.	M/s Sehgal Heat Treatment Centre, 92-A, DLF, Faridabad.
335.	M/s Forge, 14/27 B, Faridabad.
336.	M/s Venus Metal Powder, 25/27-B, Faridabad.
337.	M/s Faridabad Metal Udyog, 15/4, MR, Faridabad.
338.	Ms Client Forging, 13/3, MR, Faridabad.
339.	M/s Bharat Valve, 1-18, DLF, Faridabad.
340.	M/s Sureka Coated & Tubes, 15th Mile Stone, MR, Faridabad.
341.	M/s Rubber ways, 13/3, MR Faridabad.
342.	M/s LMC Enterprises, 15/3, MR, Faridabad.
343.	M/s Jai Jyoti Steel, Vill. Bhakhri, Faridabad.
344.	M/s Mega Forge, 9B/27A, Faridabad.
345.	M/s Bharat Foundry, SGM Nagar, Faridabad.
346.	M/s Nirankari Stone Cr. Co., P. No. 112, Mohabtabad, Faridabad.
347.	M/s Mauria Udyog Ltd., Sohna Road, Sector 25, Faridabad.
348.	M/s Pal Chemical Industries, Payla Road, Ballabgarh.
349.	M/s Kumar Textile (P) Ltd., 155/25, Faridabad.
350.	M/s Rangoli Industries, 443, Bhaaka Pali Road, Ballabgarh.
351.	M/s Shiffa Scientific Fibre, 28, NIT, Faridabad.
352.	M/s Unique Platore, 208/24, Faridabad.

[Rao Dharam Paul]

1	2
353.	M/s K.K. Board, 62/4, KM, MR, Vill. Kusuroopur, Palwal, Faridabad.
354.	M/s Shyam Rice Mills Pvt. Ltd., Vill. Alhapur, Palwal.
355.	M/s I.N.A. Polyster Button Ltd., Vill. Dundsa, Faridabad.
356.	M/s Supper Screws (P) Ltd., 30/24, Faridabad.
357.	M/s Pooja Metal Processors (P) Ltd., 181/24, Faridabad.
358.	M/s R.R. Industries, 310/24, Faridabad.
359.	M/s Karnita Tex Prints, MR, Faridabad.
360.	M/s Sidwal Refractories Industries, 25/6, Faridabad.
361.	M/s Sargani Tools India, 139/24, Faridabad.
362.	M/s Rado Industries, 101/25, Faridabad.
363.	M/s MPS Sarvo/Air Diary (P) Ltd., 41 Km, MS Vill. Kaily, Ballabgarh.
364.	M/s Kelvinator of India Ltd., 28, NIT, Faridabad.
365.	M/s Kelvinator of India Ltd., 29, NIT, Faridabad.
366.	M/s Shree Rama Processors Pvt. Ltd., 13/6, MR, Faridabad.
367.	M/s Gunno Processing, 90-G, DLF, I.A., Faridabad.
368.	M/s Arim Metal Indus. Ltd., 13/2, MR, Faridabad.
369.	M/s Amrita Tex Prints, J 37/9, DLF, Faridabad.
370.	M/s Bee K. Bee Prints Pvt. Ltd., 160, DLF, Faridabad.
371.	M/s Duetech Organics Pvt. Ltd., 1/38, DLF, Faridabad.
372.	M/s Drug Tech Chemicals, 1-31, DLF Faridabad.
373.	M/s First Prints Pvt. Ltd., 82, DLF, Faridabad.
374.	M/s Indo Tex Crafts Pvt. Ltd., 91, DLF, Faridabad.
375.	M/s Tara Chand Saluja and Sons, Neelam Chowk, Faridabad.
376.	M/s Paintwell Engrs, 18-C, DLF, Faridabad.
377.	M/s Rare Edition Prints, 85, DLF, Faridabad.
378.	M/s Ranviesh Collection Pvt. Ltd., 34/27 C, Faridabad.
379.	M/s Sissodia Engineering Works, 18/2, MR, Faridabad.
380.	M/s C.K. Process, 14/5, MR, Faridabad.
381.	M/s Universal Codvoyor Bletings, 10-11, Gurukul, Faridabad.
382.	M/s Electrocoters, 2 E/107, BP, NIT, Faridabad.
383.	M/s Nestor Pharmaceuticals, 11, Indl. Area, Faridabad.
384.	M/s BPR Tex Prints, 12/7, MR, Faridabad.
385.	M/s Shree Lalit Fabrics, 13/6, MR, Faridabad.
386.	M/s Om Enterprises, 50/27 C, Faridabad.
387.	M/s Thermocool Radiators, 18 A, DLF, Faridabad.
388.	M/s Rank Suspension Pvt. Ltd., 56/27 C, Faridabad.
389.	M/s S.S.S. Electroplators, 71/8, DLF, Faridabad.
390.	M/s R.T. Metals, 16/10, DLF, Faridabad.

1	2
391.	M/s Dolfin Prints, 16/2, MR, Faridabad.
392.	M/s Swatantra Dyeing & Printing, 13/6, MR, Faridabad.
393.	M/s Richa Knits, 1-16, DLF, I.A., Faridabad.
394.	M/s Mohni Tech., 18, DLF, I.A., Faridabad.
395.	M/s Cosmos Process, 12/1, MR, Faridabad.
396.	M/s Laxmi Dyeing & Printing Mills, 50, DLF, I.A., Faridabad.
397.	M/s Kolor Fab., 1-10, DLF, I.A., Faridabad.
Distt. Gurgaon	
398.	M/s Shree Geeta Stone Cr. Co., Naurangpur Zone, Gurgaon.
399.	M/s Blue Grit Udyog, Naurangpur Zone, Gurgaon.
400.	M/s Dharam Stone Cr. Co., Naurangpur Zone, Gurgaon.
401.	M/s Bharat Stone Cr. Co., Naurangpur Zone, Gurgaon.
402.	M/s Rathi Stone Crusher, Naurangpur Zone, Gurgaon.
403.	M/s Arawali Stone Cr. Co., Naurangpur Zone, Gurgaon.
404.	M/s New Maman Stone Cr. Co., Naurangpur Zone, Gurgaon.
405.	M/s New Sidhu Stone Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
406.	M/s Mansa Devi, Stone Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
407.	M/s Maa Durga Stone Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
408.	M/s Universal Stone Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
409.	M/s Bharat Grit Udyog Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
410.	M/s New Delhi Stone Cr. Co. Indri Zone, Gurgaon.
411.	M/s Dahiya Grit Udyog Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
412.	M/s H. M. Stone Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
413.	M/s Dagar Stone Cr., Naurangpur, Gurgaon.
414.	M/s Super Star Stone Cr. Co., Indri Zone, Gurgaon.
415.	M/s Upkar Stone Cr., Rewason Zone, Gurgaon.
416.	M/s Ganga Stone Cr. Co., Rewason Zone, Gurgaon.
417.	M/s Vishal Stone Crushing Co., Vill. Naurangpur, Gurgaon.
418.	M/s Chaudhary Stone Cr. Co., Raisina Zone, Gurgaon.
419.	M/s Suman Stone Cr. Co., Raisina Zone, Gurgaon.
420.	M/s Hanuman Stone Cr. Co., Raisina Zone, Gurgaon.
421.	M/s Ganesh Stone Cr. Co., Raisina Zone, Gurgaon.
422.	M/s New India Stone Cr., Raisina Zone, Gurgaon.
423.	M/s Sheo Ram Stone Cr. Co., Raisina Zone, Gurgaon.
424.	M/s Vikas Stone Crusher Co., Vill. Shekopur, Gurgaon.
425.	M/s Mahabir Stone Crusher Co., Naurangpur, Gurgaon.
426.	M/s Pooja Stone Crushing Co., Naurangpur, Gurgaon.
427.	M/s Superstar Stone Crushing Co., Naurangpur, Gurgaon.
428.	M/s Fairdeal Stone Crushing Co., Rewasan, Gurgaon.

1	2
429.	M/s Shiv Shankar Stone Crushing Co., Rewasan, Gurgaon.
430.	M/s Mahashakti Stone Crushing Co., Rewasan, Gurgaon.
431.	M/s Dahiya Stone Crushing Co., Vill. Indri, Gurgaon.
432.	M/s Delhi Stone Crushing Co., Vill Indri, Gurgaon.
433.	M/s Aikta Stone Crushing Co., Vill. Raisina, Gurgaon.
434.	M/s Brassco India, 99 UV Phase-I, Gurgaon.
435.	M/s Krishna Metal Finishers, Vill. Sirhol, Gurgaon.
436.	M/s Kanika Engg. Works I.D.C. Mehrauli Road, Gurgaon.
437.	M/s Haryana Industries, Sector 18, Gurgaon.
438.	M/s Modern Hi-Tech Products,, M.I.A., Gurgaon.
439.	M/s Mohan Udyog, Sector 18, Gurgaon.
440.	M/s Indo Nippon Food Ltd., 7, HSIDC, Gurgaon.
441.	M/s Joyline, Plot No. 16, HSIDC, Sector-18, Gurgaon.
442.	M/s Supreme Exports (India), 435, Phase II, Udyog Vihar, Gurgaon.
443.	M/s Mina Exports Ltd., 138, Phase-I, Udyog Vihar, Gurgaon.
Distt. Hisar	
444.	M/s Afam Surgical & Scientific, Fatehabad.
445.	M/s Aggarwal Oil Mills, Hansi.
446.	M/s Arean Cement, Hansi.
447.	M/s Amar Alloys, Hisar.
448.	M/s Bhavani Rice Mills, Fatehabad.
449.	M/s Baba Rice & General Mills., Ratia, Hisar.
450.	M/s Bharat Metal, Hisar.
451.	M/s S.B.D. Oil & Gen. Mills, Hisar.
452.	M/s Bharat Iron & Foundry, Hisar.
453.	M/s Bajaj Dye Chem, Hisar.
454.	M/s Baba Rubber Industry, Fatehabad.
455.	M/s Chaudhary Solvex, Tohana.
456.	M/s Haryana Strips, Hisar.
457.	M/s Hafed Seed Processing, Ratia.
458.	M/s Hindustan Chemicals, Hisar.
459.	M/s Haryana Iron & Steel Rolling Mills, Hisar.
460.	M/s Hisar Oil & General Mills, Hisar.
461.	M/s Haryana Oil & General Mills Hisar.
462.	M/s Indo Furnace, Hisar.
463.	M/s Jain Card Board, Hansi.
464.	M/s Jagdish Oil Mills, Fatehabad.
465.	M/s Jaglan Glue, Juglan.

1	2
466.	M/s Virendra Straw Board, Kullan.
467.	M/s Luxmi Rolling Mills, Hisar.
468.	M/s Nav Bharat Oil Mills, Hisar.
469.	M/s Nand Steel, Hisar.
470.	M/s Rawalwasia Oil Industry, Hisar.
471.	M/s Sandly Industry, Hisar.
472.	M/s Shalimar Card Board, Tohana.
473.	M/s S.M. Rubber, Fatehabad.
474.	M/s Sarlia Steel Hisar.
475.	M/s Shree Ganesh Rolling Mills, Hisar.
476.	M/s Tirupati Oil Mills, Hisar.
477.	M/s East Punjab Mfg. Co., Hisar.
478.	M/s Uklana Oil Mills, Uklana.
479.	M/s Vinod Oil Mills, Hisar.
480.	M/s Batra Seniors, Hisar.
481.	M/s Perryson Metal, Hisar.
482.	M/s Rajgariah Oil Mills, Hisar.
483.	M/s Diamond Rubber Industry, Hansi.
484.	M/s Rawalwasia Oil & Gen. Mills, Hisar.
485.	M/s Banka Oil Mills, Daultpur.
486.	M/s Kinara Tubes, Hisar.
487.	M/s Lakhi Ram Steel, Hisar.
488.	M/s Shyam Sunder (Hr.) Industry, Hisar.
489.	M/s Amar Industry, Hisar.
490.	M/s Beniwal Cotton, Hisar.
491.	M/s Rajindra Oil Mills, Hisar.
492.	M/s Franklin Steel, Delhi Road, Hisar.
493.	M/s Luxmi Pipe, Bhiwani Road, Hansi.
494.	M/s Mahabali Straw Board, Village Moth, Hisar.
495.	M/s Osho Ceramic, Hisar.
496.	M/s Hafed Spinning Mills, Hansi.
497.	M/s Nand Steel (P) Ltd., Hisar.
498.	M/s Haryana Concast Ltd., Hisar.
Distt. Jind	
499.	M/s Navneet Ceramics (P) Ltd, Jind.
500.	M/s Arya Ceramics, Jind Road, Safidon.
501.	M/s Raj Hans Oil Extraction, Jind.
502.	M/s Preet Synthetics, 61-62, HSIDC, Jind.

1	2
503.	M/s Ved Surgicals, HSIDC Estate, Jind.
504.	M/s Whitel Surgicals, Rohtak Road, Jind.
505.	M/s Bhagwati Surgicals Cotton Industries, Old Hansi Road, Jind.
506.	M/s Sohan Surgicals, Hansi Road, Jind.
507.	M/s Shri Jagdamba Surgical, Bhiwani Road, Jind.
Distt.	**Kaithal**
508.	M/s Jiwan Rice & General Mills, Patti Chaudhry, Kaithal.
509.	M/s Balajit Rice & General Mill, Kaithal.
510.	M/s Jagdamba Rice & General Mill, Kaithal.
511.	M/s Tara Chand Rice & General Mill, Kaithal.
512.	M/s Bansal Rice & General Mill, Kaithal.
513.	M/s Kiran Rice & General Mill, Kaithal.
514.	M/s Lekh Raj & Son, Patti Gaddar, Kaithal.
515.	M/s Aggarwal Rice Co., Shergarh.
516.	M/s Chatan Rice & General Mill, Patti Gaddar, Kaithal.
517.	M/s Durga Rice & General Mill, Kaithal.
518.	M/s Laxmi Kice & General Mill, Kaithal.
519.	M/s Shiv Shankar Rice & General Mill, Kaithal.
520.	M/s Kaithal Rice & General Mill, Kaithal.
521.	M/s Annapurna Rice & General Mill, Kaithal.
522.	M/s Bharma Rice & General Mill, Kaithal.
523.	M/s D. D. Enterprises, Jind Road, Kaithal.
524.	M/s S.A.S. Enterprises, Jind Road, Kaithal.
525.	M/s Satyam Rice Mill, Jind Road, Kaithal.
526.	M/s Lekh Raj Narinder Kumar, Jind Road Kaithal.
527.	M/s Vishnu Agro Industry, Kurukshetra Road, Kaithal.
528.	M/s Modern Rice & General Mills, Kaithal.
529.	M/s Hukam Chand Satish Kumar, Kaithal.
530.	M/s Aggarwal Rice & General Mill, Cheeka.
531.	M/s Garg Rice & General Mills, Kharudi Road, Cheeka.
532.	M/s Modern Rice & General Mill, Kharudi Road, Cheeka.
533.	M/s Bhagwati Rice & General Mill, Kharudi Road, Cheeka.
534.	M/s Jai Jyoti Rice & General Mill, Kharudi Road, Cheeka.
535.	M/s Janta Rice & General Mill, Kaithal Road, Cheeka.
536.	M/s Kaithal Rice & General Mill, Kaithal Road, Cheeka.
537.	M/s Sant Ram Rice & General Mill, Kaithal Road, Cheeka.
538.	M/s Goel Rice & General Mill, Guhla Road, Cheeka.
539.	M/s Krishna Rice & General Mill, Guhla Road, Cheeka.

1	2
540.	M/s Mahabir Rice & General Mill, Guhla Road, Cheeka.
541.	M/s Gupta Rice & General Mill, Pehowa Road, Cheeka.
542.	M/s Nav Bharat Rice & General Mill, Pehowa Road, Cheeka.
543.	M/s Cheeka Rice & General Mill, Pehowa Road, Cheeka.
544.	M/s Mittal Rice & General Mill, Pehowa Road, Cheeka.
545.	M/s Guru Nanak Rice & General Mill, Pehowa Road, Cheeka.
546.	M/s Shiv Shankar Rice & General Mill, Pehowa Road, Cheeka.
547.	M/s Rana Rice & General Mills, Kharuol Road, Cheeka.
548.	M/s B. B. Rice & General Mills, Pehowa Road, Cheeka.
549.	M/s Saraswati & General Mill, Pehowa Road, Cheeka.
550.	M/s Kaithal Rice & General Mill, Patiala Road, Cheeka.
551.	M/s Jai Durga Rice & General Mill, Kharudi Road, Cheeka.
552.	M/s Pawal Rice Co. Guhia Road, Cheeka.
553.	M/s Shankar Rice & General Mill, Pundri.
554.	M/s Luxmi Rice & General Mill, Pundri.
555.	M/s Jai Bajrang Rice & General Mill, Pundri.
556.	M/s Subhash Rice & General Mill, Pundri.
557.	M/s Sarup Rice Mill, Kaul.
558.	M/s Ashoka Rice & General Mill, Dhand.
559.	M/s Shukla Rice & General Mill, Dhand.
560.	M/s Kishan Rice Mill, Dhand.
561.	M/s Mohindra Rice & General Mill, Dhand.
562.	M/s Bajaj Rice & General Mill, Kaithal.
563.	M/s Lekh Raj, Narinder Kumar Rice Mill, Near Hindu High School, Kaithal.
564.	M/s Jai Bharat Foundry, Kaithal.
565.	M/s Costwell India, Karnal Road, Kaithal.
566.	M/s Haryana Foundry, Kaithal.
567.	M/s Amit Foundry, Kaithal.
568.	M/s Bansal Mettal Industry, Kaithal.
569.	M/s Babar Foundry, Kaithal.
570.	M/s Chaudhary Ispat Udyog, Jind Road, Kaithal.
571.	M/s O.K. Engg. Works, Vill. Amargarh Gamri, Kaithal.
572.	M/s Pasco Industries, Kamal Road, Kaithal.
573.	M/s Bala Ji Foundry, Shargarh Road, Kaithal.
574.	M/s Rama Foundry, Kaithal.
575.	M/s A.K. Motors, Kaithal.
576.	M/s Tara Chand, Awadh Bihari Near Bus Stand, Kaithal.
577.	M/s Auto Sales (Escorts Tractor) Near Pehowa Chowk, Kaithal.
578.	M/s Supreme Enterprises, Ambala Road, Kaithal.

1	2
579.	M/s. Kamboj Tractors (Eicher Tractor) Ambala Road, Kaithal.
Distt. Karnal	
580.	M/s A.M. Rice Mills, Charaon.
581.	M/s Bhagwati Rice Mills, Charaon.
582.	M/s Gupta Rice Mills, Gharaunda.
583.	M/s Hafed Rice Mills, Gharaunda.
584.	M/s Jagdamba Rice & General Mills, Gharaunda.
585.	M/s Jai Rice Mills, Gharaunda.
586.	M/s Laxmi Rice Mills, Gharaunda.
587.	M/s Sham Lal & Co., Rice Mills, Gharaunda.
588.	M/s Shiv Shankar Rice & General Mills, Gharaunda.
589.	M/s Vir Rice & General Mills, Gharaunda.
590.	M/s Amar Rice Mills, Indri.
591.	M/s Bharat Rice Mills, Indri.
592.	M/s Durga Rice Mills, Indri.
593.	M/s Ganesh Rice Mills, Indri.
594.	M/s Jagdamba Rice Mills, Indri.
595.	M/s Luxmi Overseas, Indri.
596.	M/s Luxmi Rice Mills, Indri.
597.	M/s Mahavir Rice Mills, Indri.
598.	M/s Rameshwar Dass Anil Kumar, Indri.
599.	M/s Pawan Rice Mills, Indri.
600.	M/s R.D. Rice & General Mills, Indri.
601.	M/s Saraswati Klundary Factory, Indri.
602.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Indri.
603.	M/s Shri Chand Raghubir Chand Mills, Indri.
604.	M/s Hari Ram Rice Mills, Jundla.
605.	M/s Hanga Rice Mills, Jundla.
606.	M/s Swastik Rice Mills, Jundla.
607.	M/s Adarsh Industrial Corporation, Karnal.
608.	M/s Agrohi Traders, Karnal.
609.	M/s Anand Rice and General Mills, Karnal.
610.	M/s Arora Rice Mills, Karnal.
611.	M/s Raj Chand Rice Mills, Karnal.
612.	M/s Bansal Rice & General Mills, Karnal.
613.	M/s Bharat Rice Traders (Hoji Ram Satya Paul), Karnal.
614.	M/s Bansi Rice Mills, Karnal.
615.	M/s Batra Rice Mills, Karnal.

1	2
616.	M/s Bharat Rice Co., Karnal.
617.	M/s Duli Chand Narinder Kumar, Karnal.
618.	M/s Gargi Overseas Pvt. Ltd., Karnal.
619.	M/s Gian Chand Rakesh Kumar, Karnal.
620.	M/s Goal Rice Mills, Karnal.
621.	M/s Guru Harikishan Rice Mills, Karnal.
622.	M/s Guru Nanak Rice Mills, Karnal.
623.	M/s Hafed Rice Mills, Karnal.
624.	M/s Hanuman Rice & General Mills, Karnal.
625.	M/s Hari Ram Paras Ram, Karnal.
626.	M/s Inder Singh Ajit Singh, Karnal.
627.	M/s J.V. Rice Mills, Karnal.
628.	M/s Jai Manoo Devi Training Co., Karnal.
629.	M/s Jhandu Mal Tara Chand, Karnal.
630.	M/s Janki Dass and Sons, Karnal.
631.	M/s Jagdamba Rice Mills, Karnal.
632.	M/s Jhandu Mal Panna Lal Rice Mills & Gold Storage, Karnal.
633.	M/s Jawalaji Mini Rice Mills, Karnal.
634.	M/s K.J. Internation Rice Mills, Karnal.
635.	M/s Karnal Rice & General Mills, Karnal.
636.	M/s Krishna Rice and General Mills, Karnal.
637.	M/s Laxmi Rice Mills, Karnal.
638.	M/s Hankali Traders, Karanl.
639.	M/s Modern Rice Mills, FCI, Karnal.
640.	M/s Narula Rice & General Mills, Karnal.
641.	M/s New Karnal & General Mills, Karnal.
642.	M/s Parkash Rice Mills, Karnal.
643.	M/s Prem Rice & General Mills, Karnal.
644.	M/s R.K. Rice Mills, Karnal.
645.	M/s Raj Laxmi Trading Co; Karnal.
646.	M/s Rama Rice Mills, Karnal.
647.	M/s Rattan Rice Co., Karnal.
648.	M/s S.R. International, Karnal.
649.	M/s Sachdeva Brothers, Karnal.
650.	M/s Sat Pal & Brothers, Karnal.
651.	M/s Seema Rice Mills, Karnal.
652.	M/s Shyam Lal Sunder Lal, Karnal.
653.	M/s Shiv Rice & General Mills, Karnal.
654.	M/s Shive Rice Co;, Karnal.
655.	M/s Shri Ganesh Rice & General Mills, Karnal.

[Rao Dharam Pal]

1	2
656.	M/s Singh Rice Mills, Karnal.
657.	M/s Shri Ram Rice Co., Karnal.
658.	M/s Sohan Lal Aggarwal & Sons, Karnal.
659.	M/s Suresh Rice & General Mills, Karnal.
660.	M/s Sushil Rice & General Mills, Karnal.
661.	M/s Uggar Sain Trading Co., Karnal.
662.	M/s Umed Singh Trading Co., Karnal.
663.	M/s Uchana Rice Mills, Karnal.
664.	M/s Aggarwal Rice & General Mills, Karnal.
665.	M/s Durga Rice Mills, Kunjpura.
666.	M/s Shiv Rice Mills, Kunjpura.
667.	M/s Vikas Rice Mills, Karnal.
668.	M/s Vishnu Rice Mills, Karnal.
669.	M/s Singla Rice Mills, Munak.
670.	M/s Deva Singh Sham Singh Rice Mills, Nilokheri.
671.	M/s Dev Gun Rice Mills, Nilokheri.
672.	M/s Gobind Ram Vishan Dass Rice Mills, Nilokheri.
673.	M/s Kisan Rice Mills, Nilokheri.
674.	M/s Modern Rice Mill, Nilokheri.
675.	M/s Nilokheri Rice Mills, Nilokheri.
676.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Nilokheri.
677.	M/s Zimidar Rice Association, Nilokheri.
678.	M/s Aggarwal Rice Mills, Nissing.
679.	M/s Durga Rice Mills, Nissing.
680.	M/s Ganesh Rice Mills, Nissing.
681.	M/s Gopal Rice Mills, Nissing.
682.	M/s Haryana Rice Mills, Nissing.
683.	M/s Janta Rice Mills Nissing.
684.	M/s Krishna Rice Mills, Nissing.
685.	M/s Laxmi Rice Mills, Nissing.
686.	M/s Mansa Devi Rice Mills, Nissing.
687.	M/s Mahabir Rice Mills, Nissing.
688.	M/s Raja Ram Rice Mills, Nissing
689.	M/s Shanti Rice Mills, Nissing.
690.	M/s Sita Ram Rice Mills, Nissing.
691.	M/s Shiv Shakti Rice Mills, Nissing.
692.	M/s Singla Rice Mills, Nissing
693.	M/s Tara Chand Rice Mills, Nissing.
694.	M/s Vilayti Ram Sunil Kumar, Nissing.

1	2
695.	M/s United Rice Land Ltd. Samana.
696.	M/s Saraswati Rice Mills, Shahpur.
697.	M/s Ambica Rice Mills, Taraori.
698.	M/s Arjan Dass Brij Lal & Co., Taraori.
699.	M/s S.K. Chopra & Co., Taraori.
700.	M/s Bala Ji Rice Mills, Taraori.
701.	M/s Bajrang Bali Rice Mills, Taraori.
702.	M/s Bajrang Trading Co., Taraori.
703.	M/s Bharat Rice & Oil Mills, Taraori.
704.	M/s Bhagwanti Rice Mills, Taraori.
705.	M/s Bhola Nath Rom Raj, Taraori.
706.	M/s Chandan Rice Mills, Taraori.
707.	M/s Chaudhary Rice Mills, Taraori.
708.	M/s Dasmesh Rice Mills, Taraori.
709.	M/s Devi Chand Vinod Kumar, Taraori.
710.	M/s Durga Rice & General Mills, Taraori.
711.	M/s C.G. International, Taraori.
712.	M/s G.V. (God Vishnu) Rice Mills, Taraori.
713.	M/s Ganesh Trading Co., Taraori.
714.	M/s Garg Rice Mills, Taraori.
715.	M/s Guru Nanak Rice Mills, Taraori.
716.	M/s Hanuman Rice Mills, Taraori.
717.	M/s Hari Rice Mills, Taraori.
718.	M/s Hari Ram Rattan Mills, Taraori.
719.	M/s Haryana Trading Co., Taraori.
720.	M/s J. D. Rice Mills, Taraori.
721.	M/s Jagruti Trading Co., Taraori.
722.	M/s Jagdamba Rice Trading Co., Taraori.
723.	M/s Janki Dass Rice Mills, Taraori.
724.	M/s Kashmiri Lal Sat Pal, Taraori.
725.	M/s Kisan Rice Mills, Taraori.
726.	M/s Kisan Trading Co., Taraori.
727.	M/s Kundan Rice Mills, Taraori.
728.	M/s Lakshmi Rice Mills, Taraori.
729.	M/s Mahavir Rice Mills, Taraori.
730.	M/s Mam Chand Ram Kumar, Taraori
731.	M/s Mittal Rice Trading Co., Taraori.
732.	M/s Narain Rice Mills, Taraori.
733.	M/s Nathi Ram & Sons, Taraori.
734.	M/s Pankaj Rice Trading Co. Taraori.

[Rao Dharam Paul]

1	2
735.	M/s Pawan Rice Trading Co., Taraori.
736.	M/s Puran Chand Trading Co., Taraori.
737.	M/s R.D. Industries, Taraori.
738.	M/s Sachdeva & Sons Rice Mills Ltd., Taraori.
739.	M/s Sachdeva & Sons, Taraori.
740.	M/s Saraswati Rice & General Mills, Taraori.
741.	M/s Shakti Rice Mills, Taraori.
742.	M/s Shanti Cereals Pvt. Ltd., Taraori.
743.	M/s Shiv Shakti Rice Mills, Taraori.
744.	M/s Shree Hans Rice & General Mills Taraori.
745.	M/s Shri Ram Rice Unit, Taraori.
746.	M/s Shri Hans Gram Udyog Mandal, Taraori.
747.	M/s Som Parkash & Sons, Taraori.
748.	M/s Shri Ram Sushil Kumar, Taraori.
749.	M/s Subash Rice Mills, Taraori.
750.	M/s Tajinder Kumar & Brothers, Taraori.
751.	M/s Arjun Dass Brij Lal Co., Taraori.
752.	M/s Shanti Cereals, G.T. Road, Taraori.
753.	M/s Bharat Rice & Oil Mills, Taraori.
754.	M/s Deva Singh Sham Singh Rice, Karnal.
755.	M/s Jagdambay Rice Mills, Taraori.
756.	M/s K.J. International, Karnal.
757.	M/s Veer Rice & General Mills, Gharaunda.
758.	M/s Zamindra Rice Association, Nilokheri.
759.	M/s Janta Rice Mills, Nissing.
760.	M/s Uchana Rice Mills, Jundla Gate, Karnal.
761.	M/s Parkash Iron & Foundry Works, Karnal.
762.	M/s Ankur Enterprises, Kaithal Road, Karnal.
763.	M/s Jain Casting Mills, Kaithal Road, Karnal.
764.	M/s Yogesh Woollen Mills, G.T. Road, Karnal.
765.	M/s Metro Motors, Indri Bye-Pass, Karnal.
766.	M/s Premium Spinning Mills, 118/7, K.M., G.T. Road, Karnal.
767.	M/s Karnal Motor Garrage, Opp. Bus Stand, Karnal.
768.	M/s General Motor Workshop, Opp. Bus Stand, Karnal.
769.	M/s Mann Services Station, Near Bus Stand, Karnal.
770.	M/s A One Service Station, Near Dhawat, Karnal.
771.	M/s Car Scane Centre, G.T. Road, Karnal.
772.	M/s Tara Leather, Kaithal Road, Karnal.

1	2
Distt. Kurukshetra	
773.	M/s Bansal Rice Mills, Bapan.
774.	M/s Durga Rice Mills, Bapan.
775.	M/s Mahalaxmi Rice Mills, Bapan.
776.	M/s Maya Ram & Sons, Bapan.
777.	M/s Rama Rice Mills, Bapan.
778.	M/s Ram Sarup Arjan Dass, Bapan.
779.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Bapan.
780.	M/s Tara Chand & Sons, Bapan.
781.	M/s Dhingra Rice & General Mills, Vill. Umri, Kurukshetra.
782.	M/s Laxmi Rice & General Mills, Ladwa.
783.	M/s Amar Rice Mills, Ladwa.
784.	M/s Hindustan Rice & General Mills, G.T. Road, Pipli, Kurukshetra.
785.	M/s Ashoka Rice & General Mills, Dhand.
786.	M/s Ganesh Rice Mills, Dhand.
787.	M/s Hafed Rice Mills, Dhand.
788.	M/s Hanuman Rice Mills, Dhand.
789.	M/s Jagdamba Rice Mills, Dhand.
790.	M/s Kisan Rice Mills, Dhand.
791.	M/s Mahindra Rice Mills, Dhand.
792.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Dhand.
793.	M/s Shukla Rice Mills, Dhand.
794.	M/s Bhagwati Rice Mills, Ismaliabad.
795.	M/s Bharat Rice & General Mills, Ismalabad.
796.	M/s Chaman Rice Mills, Ismaliabad.
797.	M/s Ganesh Rice Mills, Ismaliabad.
798.	M/s Gupta Rice Mills, Ismaliabad.
799.	M/s Kamla Rice Mills, Ismaliabad.
800.	M/s Kanahoa Rice Mills, Ismaliabad.
801.	M/s Khosla Rice Mills, Ismaliabad.
802.	M/s Khurana Rice Mills, Ismaliabad.
803.	M/s Kocher Rice Mills, Ismaliabad.
804.	M/s Lakshmi Rice Mills, Ismaliabad.
805.	M/s Papneja Rice Mills, Ismaliabad.
806.	M/s Rikhi Ram Rice Mills, Ismaliabad.
807.	M/s Shakti Rice Mills, Ismaliabad.
808.	M/s Shanti Rice Mills, Ismaliabad.
809.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Ismaliabad.
810.	M/s Singla Rice Mills, Ismaliabad.

[Rao Dharam Paul]

1	2
811.	M/s Swami Rice Mills, Ismaliabad.
812.	M/s Kisan Rice Mills, Jhansa.
813.	M/s Shankar Rice Mills, Jhansa.
814.	M/s Sarup Rice Mills, Kaul.
815.	M/s Subhash Rice & General Mills, Kaul.
816.	M/s Ashoka Rice Mills, Kurukshetra.
817.	M/s Bajaj Rice Mills, Kurukshetra.
818.	M/s Bhagwati Rice Mills, Kurukshetra.
819.	M/s Durga Rice & General Mills, Kurukshetra.
820.	M/s Gian Rice & General Mills, Kurukshetra.
821.	M/s Goal Rice Mills, Kurukshetra.
822.	M/s Jagdamba Rice Mills, Kurukshetra.
823.	M/s Jain Rice Mills, Kurukshetra.
824.	M/s Khan Chand Prikahar Kumar, Kurukshetra.
825.	M/s Kurukshetra Rice & General Mills, Kurukshetra.
826.	M/s Lachhman Dass Ram Sarup, Kurukshetra.
827.	M/s Laxmi Rice and General Mills, Kurukshetra.
828.	M/s H.B. Rice & General Mills, Kurukshetra.
829.	M/s Mahavir Rice Mills, Kurukshetra.
830.	M/s Paras Rice Mills, Kurukshetra.
831.	M/s Sabharwal Rice & General Mills, Kurukshetra.
832.	M/s Sadhu Ram Joginder Parkash, Kurukshetra.
833.	M/s Sampati Rice Mills, Kurukshetra.
834.	M/s Saraswati Rice Mills, Kurukshetra.
835.	M/s Shakti Rice & General Mills, Kurukshetra.
836.	M/s Shiva Rice Mills, Kurukshetra.
837.	M/s Shri Gopal Krishna Rice & General Mills, Kurukshetra.
838.	M/s Singla Rice Mills, Kurukshetra.
839.	M/s Subhash Rice & General Mills, Kurukshetra.
840.	M/s Suraj Rice Mills, Kurukshetra.
841.	M/s The Thanesar Co-op. Society Rice Mills, Kurukshetra.
842.	M/s Aggarwal Rice Mills, Ladwa.
843.	M/s Amar Rice Mills, Ladwa.
844.	M/s Anpurna Rice Mills, Ladwa.
845.	M/s Asharfi Rice International, Ladwa.
846.	M/s Ashoka Rice Mills, Ladwa.
847.	M/s Baru Mal Sadhu Ram, Ladwa.
848.	M/s Baru Mal Vishnu Sarup, Ladwa.

1	2
849.	M/s Bharat Rice & General Mills, Ladwa.
850.	M/s Chiranji Lal Luxmi Chand, Ladwa.
851.	M/s Dayal Rice & General Mills, Ladwa.
852.	M/s Dhillon Rice Mills, Ladwa.
853.	M/s Daulat Ram Narinder Kumar, Ladwa.
854.	M/s Ganesh Rice Mills, Ladwa.
855.	M/s Garg Rice Mills, Ladwa.
856.	M/s Goel Rice Mills, Ladwa.
857.	M/s Goel Trading Co., Ladwa.
858.	M/s Hafed Rice Mills, Ladwa.
859.	M/s Jai Singh Karan Singh, Ladwa.
860.	M/s Khurana Rice Mills, Ladwa.
861.	M/s Kul Bhushan and Sons, Ladwa.
862.	M/s Ladwa Rice Mills, Ladwa.
863.	M/s Laxmi Rice & Dal Mills, Ladwa.
864.	M/s Mohan Rice Mills, Ladwa.
865.	M/s Mukand Rice & General Mills, Ladwa.
866.	M/s Om Parkash Rajinder Pal, Ladwa.
867.	M/s Panjeta Rice Mills, Ladwa.
868.	M/s Parkash Rice Mills, Ladwa.
869.	M/s R.S. Rice Mills, Ladwa.
870.	M/s R.K. Rice Mills, Ladwa.
871.	M/s Rama Rice & General Mills, Ladwa.
872.	M/s Ram Dhan Rice Mills, Ladwa.
873.	M/s Ram Dhari Mal & Sons, Ladwa.
874.	M/s Ramjas Rice Mills, Ladwa.
875.	M/s Shankar Rice Mills, Ladwa.
876.	M/s Sharma Rice Mills, Lawa.
877.	M/s Shiv Shakti Rice Mills, Ladwa.
878.	M/s Uday Ram Babu Ram, Ladwa.
879.	M/s Varinder Enterprises, Ladwa.
880.	M/s Vishnu Sarup Parkash Chand, Ladwa.
881.	M/s Vishnu Sarup Raj Kumar, Ladwa.
882.	M/s Chhotu Ram Amar Singh Rice Mills, Hathana.
883.	M/s Guru Nanak Rice Mills, Hathana
884.	M/s Oswal Rice Mills, Hathana.
885.	M/s Balaji International, Pehowa.
886.	M/s Bansal Trading Co. Pehowa.
887.	M/s Bhagat Rice Traders, Pehowa.
888.	M/s Bhagwati Rice Trading Co., Pehowa.

[Rao Dharam Pal]

1	2
889.	M/s Golden Rice Mills, Pehowa.
890.	M/s Gupta Rice Mills, Pehowa.
891.	M/s Hafed Rice Mills, Pehowa.
892.	M/s Jagdamba Rice Mills, Pehowa.
893.	M/s Janta Trading Co., Pehowa.
894.	M/s Jindal Rice Mills, Pehowa.
895.	M/s Luxmi Rice Mills, Pehowa.
896.	M/s Mahabir Rice Mills, Pehowa.
897.	M/s Parkash Rice Trading Co., Pehowa.
898.	M/s Sarswati Rice Trading Co., Pehowa.
899.	M/s Sethi Rice Mills, Pehowa.
900.	M/s Shanti Rice Mills (Pehowa Rice), Pehowa.
901.	M/s Singla Rice Mills, Pehowa.
902.	M/s Bajrang Bali Rice Mills, Pipli.
903.	M/s Hindustan Rice & General Mills, Pipli.
904.	M/s Lakshmi Rice Mills, Pipli.
905.	M/s Sain Dass & Co., Pipli.
906.	M/s Shri Vardhaman Rice & Oil Mills.
907.	M/s Aggarwal Flour, Rice & Oil Mills, S/Markanda.
908.	M/s Bansal Rice & General Mills, Shahabad Markanda.
909.	M/s Chadha Rice Mills, Shahabad Markanda.
910.	M/s Chanan Shah Mahohar Lal, Shahabad Markanda.
911.	M/s Deepak Traders, Shahabad Markanda.
912.	M/s Deep Rice Mills, Shahabad Markanda.
913.	M/s Devi Dayal Sachin Kumar, Shahabad Markanda.
914.	M/s Durga Rice & General Mills, Shahabad Markanda.
915.	M/s Hafed Rice Mills, Shahabad Markanda.
916.	M/s Hakim Rai Yash Pal, Shahabad Markanda.
917.	M/s Jai Shiv Shankar Industry, Shahabad Markanda.
918.	M/s Jai Sons Rice Mills, Shahabad Markanda.
919.	M/s Jeevan Dass Har Nain Dass, Shahabad Markanda.
920.	M/s K.D. Rice Mills, Shahabad Markanda.
921.	M/s Kesar Dass Ghanshyam Dass, Shahabad Markanda.
922.	M/s Krishna Rice Mills, Shahabad Markanda.
923.	M/s Ladha Ram Prem Nath, Shahabad Markanda.
924.	M/s Maha Laxmi Rice Mills, Shahabad Markanda.
925.	M/s Mangal Rice Mills, Shahabad Markanda.
926.	M/s Markanda Rice Mills, Shahabad Markanda.

1	2
927.	M/s National Industry, Shahabad Markanda.
928.	M/s Rama Rice Mills, Shahabad Markanda.
929.	M/s S.K. Rice Mills, Shahabad Markanda.
930.	M/s Shree Ganesh Rice Mills, Shahabad Markanda.
931.	M/s Siri Ram Rice Mills, Sahabad Markanda.
932.	M/s Shiva Ganesh Modern Rice Mills, Shahabad Markanda.
933.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Shahabad Markanda.
934.	M/s Siri Ram Bansal & Sons, Shahabad Markanda.
935.	M/s Sita Ram Rice Mills, Shahabad Markanda.
936.	M/s Vijay Kumar Parveen Kumar, Shahabad Markanda.
937.	M/s Virender Kumar & Co., Shahabad Markanda.
938.	M/s Aggarwal Rice Mills, Thol.
939.	M/s Arya Enterprises, Thol.
940.	M/s Atma Ram Rice Mills, Thol.
941.	M/s Bansal Rice Mills, Thol.
942.	M/s Raj Rice Mills, Thol.
943.	M/s Sangra Rice Mills, Thol.
944.	M/s Dhingra Rice & General Mills, Umri.
945.	M/s Parkash Rice & General Mills, Umri.
946.	M/s Vishnu Rice Dealers, Umri.
947.	M/s Balaji Rice Mills, Umri.
948.	M/s Durga Rice Mills, Umri.
949.	M/s Ganesh Rice Mills, Umri.
950.	M/s Krishna Rice Mills, Umri.
951.	M/s Luxmi Rice Mills, Umri.
952.	M/s Mahavir Rice Mills, Umri.
953.	M/s Narender Rice Mills, Umri.
954.	M/s Naveen Rice Mills, Umri.
955.	M/s Santosh Rice Mills, Umri.
956.	M/s Saranpuri Rice Mills, Umri.
957.	M/s Saraswati Rice Mills, Umri.
958.	M/s Gupta Rice & General Mills, Umri.
959.	M/s Bharat Rice Mills, Umri.
960.	M/s Shiv Shakti Rice Mills, Umri.
961.	M/s Goel Rice & General Mills, Umri.
962.	M/s Mayur Rice & General Mills, Umri.
963.	M/s Dasmesh Servicing Station, G.T. Road, Pipli.
964.	M/s Durga Servicing Station, G.T. Road, Pipli.
965.	M/s Shiv Ram Servicing Station, G.T. Road, Pipli.

[Rao Dharam Paul]

1	2
966.	M/s Kurukshetra Tractors, Salarpur Road, Kurukshetra.
967.	M/s Guru Nanak Servicing Station, Railway Road, Kurukshetra.
968.	M/s Surinder Singh, Dhal Wal and Co., Near Gurudwara, Kurukshetra.
969.	M/s Kartar Motors, Near Over Bridge, Kurukshetra.
970.	M/s Mohinder Tractors, Near Old Tehsil, Kurukshetra.
971.	M/s Lachhman Dass & Sons, Railway Road, Kurukshetra.
972.	M/s Kurukshetra Filling Station, Pipli Road, Kurukshetra.
973.	M/s Norton Motors, Railway Road, Kurukshetra.
974.	M/s Hawda Service Station, G.T. Road, Kurukshetra.
975.	M/s Jagat Servicing Station, Idgah Road, Shahabad.
976.	M/s Gobind Servicing Station, Idgah Road, Kurukshetra.
977.	M/s Yadwa Filling Station, G.T. Road, Kurukshetra.
978.	M/s Mann Filling Station, Rattangarh G.T. Road, Shahabad.
Distt. Mohindergarh	
979.	M/s Master Stone Cr. Co., Narnaul.
980.	M/s Bajrang Stone Cr. Co., Narnaul.
981.	M/s Deepak Stone Cr. Co., Narnaul.
Distt. Panipat	
982.	M/s Aggarwal Loom Tax, G.T. Road, Panipat.
983.	M/s Nirmal Woollen & General Mills, Faridpur, Panipat.
984.	M/s Bharat Woollen Finishing Industries, Word-II, Panipat.
985.	M/s Dinesh Dyeing Industries, Jatal Road, Panipat.
986.	M/s Goel Finishers I.A., Panipat.
987.	M/s Gaba Industries, G.T. Road, Panipat.
988.	M/s Guru Nanak Woollen Mills, Sanauli Road, Panipat.
989.	M/s Jai Shree Ram Woollen Finishers, Krishanpura, Panipat.
990.	M/s Jai Bharat Woollen Finishers, I.A., Panipat.
991.	M/s National Woollen & Finishers, Vill. Nizampur, Panipat.
992.	M/s Vijay Udyog 19/25, HUDA, Panipat.
993.	M/s Golden Textile, Jatal Road, Panipat.
994.	M/s Komal Textile & Printing Industry, Vill. Nibri, Panipat.
995.	M/s Pantex Processors House, Goshala Mandi, Panipat.
996.	M/s Modern Textile & Finishing Sanuli Road, Panipat.
997.	M/s P.K. Finishers, Sanauli Road, Panipat.
998.	M/s Om Woollen Finishers, Shiv Nagar, Panipat.
999.	M/s Pankaj Finishers, Krishnpura, Panipat.

1	2
1000.	M/s Ramesh Finishers, Vill. Sewah, Panipat.
1001.	M/s Shiv Shankar Sizing Mahabir Colony, Panipat.
1002.	M/s S.K. Finishers, Sanauli Road, Panipat.
1003.	M/s Shalimar Finishers, Kirshanpura, Panipat.
1004.	M/s Super Finishers, Sanauli Road, Panipat.
1005.	M/s Parkash Prints, HUDA, Panipat.
1006.	M/s Yogesh Industries, I.A. Panipat.
1007.	M/s Deep Dye House, I.A. Panipat.
1008.	M/s Mittal Iron Foundary & Engg. Works G.T. Road, Samalkha.
1009.	M/s Adarsh Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1010.	M/s Jindal Agriculture Industries, G.T. Road, Samalkha.
1011.	M/s Ambey Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1012.	M/s Jai Hind Iron Foundry & Engg. Works G.T. Road, Samalkha.
1013.	M/s Shree Ganesh Engg. Works, G.T. Road, Samalkha.
1014.	M/s Saraswati Iron Foundry & Engg. G.T. Road, Samalkha.
1015.	M/s Mohan Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1016.	M/s Shitla Udyog, G.T. Road, Samalkha.
1017.	M/s S.K. Casting G.T. Road, Samalkha.
1018.	M/s Amar Deep Foundry G.T. Road, Samalkha.
1019.	M/s Tilak Iron Foundry G.T. Road, Panipat.
1020.	M/s Deluxe International Corporation, G.T. Road, Samalkha.
1021.	M/s Gupta Foundry & Engg. Works, G.T. Road, Samalkha.
1022.	M/s Gupta Casting, Bhapra Road, Samalkha.
1023.	M/s Inder Udyog, Hathwala Road, Samalkha.
1024.	M/s R.D. Udyog, G.T. Road, Pawti Samalkha.
1025.	M/s Garg Pipe Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1026.	M/s Sun Rice Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1027.	M/s Ram Kishan Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1028.	M/s Rajindra Metal Works, G.T. Road, Samalkha.
1029.	M/s Punjab Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1030.	M/s Bharat Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1031.	M/s Shree Ram Casting G.T. Road, Samalkha.
1032.	M/s Jamuna Casting G.T. Road, Samalkha.
1033.	M/s Jamuna Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1034.	M/s Rajiv Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1035.	M/s Vinod Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1036.	M/s Goal Udyog, G.T. Road, Samalkha.
1037.	M/s Aggarwal Casting, G.T. Road, Samalkha.

[Rao Dharam Pal]

1	2
1038.	M/s Ganga Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1039.	M/s Ashoka Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1040.	M/s Ganesh Engg. Co. G.T. Road, Samalkha.
1041.	M/s Hanuman Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1042.	M/s Ganesh Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1043.	M/s Deluxe International, G.T. Road, Samalkha.
1044.	M/s Janta Foundry, Mile Stone, G.T. Road, Samalkha.
1045.	M/s Suresh Foundry & Engg. Works, G.T. Road, Samalkha.
1046.	M/s Anil Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1047.	M/s Kishan Foundry & Engg. Works, G.T. Road, Samalkha.
1048.	M/s Hari Om Casting Co. G.T. Road, Samalkha.
1049.	M/s Vidhata Casting G.T. Road, Samalkha.
1050.	M/s S.K. Udyog, G.T. Road, Samalkha.
1051.	M/s Durga Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1052.	M/s National Casting G.T. Road, Samalkha.
1053.	M/s Laxmi Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1054.	M/s Aggarwal Krishi Udyog, G.T. Road, Samalkha.
1055.	M/s Aggarwal Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1056.	M/s Roop Casting G.T. Road, Samalkha.
1057.	M/s Shiv Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1058.	M/s Balaji Udyog, G.T. Road, Samalkha.
1059.	M/s Naveen Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1060.	M/s Parveen Engineering Works, G.T. Road, Samalkha.
1061.	M/s Bhagwati Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1062.	M/s Rajesh Industries, G.T. Road, Samalkha.
1063.	M/s Rohtash Iron Foundry & Engg. Works, G.T. Road, Samalkha.
1064.	M/s Vishal Steel Industries, Samalkha.
1065.	M/s Chaudhry Industry, Vill. Pewti, Samalkha.
1066.	M/s Aggarwal Industry, G.T. Road, Samalkha.
1067.	M/s Parvati Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1068.	M/s Haryana Udyog, G.T. Road, Samalkha.
1069.	M/s Kamal Deep Foundry, G.T. Road, Samalkha.
1070.	M/s Pushkar Udyog, G.T. Road, Samalkha.
1071.	M/s Chandhary Udyog, Samalkha.
1072.	M/s Jai Hind Casting Vill. Bhapera, Panipat.
1073.	M/s Amit Toka, G.T. Road, Samalkha.
1074.	M/s Bharat Industry, G.T. Road, Samalkha.
1075.	M/s Haryana Iron Foundry, G.T. Road, Samalkha.

1	2
1076.	M/s Accurate Casting G.T. Road, Samalkha.
1077.	M/s Durga Foundry, 0/32, I.A. Panipat.
1078.	M/s Repco Industries, I.A., Panipat.
1079.	M/s Hindustan Engg. Works 0-1,. I.A., Panipat.
1080.	M/s Super Casting Opp. Durga Foundry, I.A., Panipat.
1081.	M/s Golden Back light I.A. Panipat.
1082.	M/s Malhotia Iron Feuntry, I.A. Panipat.
1083.	M/s Bhiwani Iron Foundry, I.A., Panipat.
1084.	M/s Dayal Foundry I.A., Panipat.
1085.	M/s Vishw Karma Foundry Engg. Works, I.A., Panipat.
1086.	M/s Sumco Foundry & Engg. Works, I.A., Panipat.
1087.	M/s Ram Iron Foundry Near Kacha Fatak, Panipat.
1088.	M/s Haryana Organic, Cholkana, Samalkha.
1089.	M/s Asia Spinners, Barsat Road, Panipat.
1090.	M/s Anand Spinners Pvt. I.A. Ltd. Foribur, Panipat.
1091.	M/s Anil Spinners, I.A. Road., Panipat.
1092.	M/s Arora Textile, Babiai Road, Panipat.
1093.	M/s Award Textive, Old Gohana Road, Panipat.
1094.	M/s Bhartya Woollen Mills, G.T. Road, Panipat.
1095.	M/s Bajaj Dye House, Vikas Nagar, Panipat.
1096.	M/s B.P. Woollen Mills, Kabri Road, Panipat.
1097.	M/s Due Spinner Pvt. Ltd., Babail Road, Panipat.
1098.	M/s Golden Spinner, I.A., Panipat.
1099.	M/s Gopal Dye House, Gandhi Mandi Shiv Nagar, Panipat.
1100.	M/s Gupta Dye House, Shiv Nagar, Panipat.
1101.	M/s N.S. Woollen Mills, Panipat.
1102.	M/s Indian Spinner, Gohana Road, Panipat.
1103.	M/s Jai Durga Dye House, Shiv Nagar, Panipat.
1104.	M/s J.P. Dye House Shiv Nagar, Panipat.
1105.	M/s Koshylya Woollen & Spinner Mills, G.T. Road, Panipat.
1106.	M/s Om Woollen Mill, G.T. Road, Panipat.
1107.	M/s Prem Dye House Kabri Road, Panipat.
1108.	M/s Ramesh Woollen Mills, Kabri Road, Panipat.
1109.	M/s Shri Ganesh Spinding Mills, MSD Road, Panipat.
1110.	M/s Sachdeva Dye House, Jattal Road, Panipat.
1111.	M/s Sheela Dye House, Kabri Road, Panipat.
1112.	M/s Super Dye House, Kabri Road, Panipat.
1113.	M/s S.D. Processors, Barsat Road, Panipat.
1114.	M/s Supreme Dye House, Putani Road, Panipat.

[Rao Dharam Paul]

1	2
1115.	M/s Sanjay Dye House, Sanauli Road, Panipat.
1116.	M/s Sushil Dye House Babail Road, Panipat.
1117.	M/s Sharma Dye House, Babyal Road, Panipat.
1118.	M/s Saudeep Dye House, HNDA, Panipat.
1119.	M/s Shive Dye House, HUDA, Panipat.
1120.	M/s Vinus Dye House, G.T. Road, Panipat.
1121.	M/s Varum Dye House (Gupta Textile) Gohana Road, Panipat.
1122.	M/s Golden Textile, Jattal Road, Panipat.
1123.	M/s Komal Textile Finishers, Village Nibri, Panipat.
1124.	M/s Kaithal Textile Bichpuri Road, Panipat.
1125.	M/s Hymalia Textile Pvt. Ltd., Kishanpura, Panipat.
1126.	M/s Parteek Weaving Mill, G.T. Road, Panipat (Faridpur).
1127.	M/s Rahul Textile Industry, Putani Road. Panipat.
1128.	M/s S.S. Textile Mill, Batti Rajputana, Panipat.
1229.	M/s Trupati Handloom & Handicraits, I.A. Paripat.
1130.	M/s Ashoka Finishing & Dye, G.T. Road, Panipat.
1131.	M/s Mangla Processers, Putani Road, Panipat.
1132.	M/s Rangai Udyog, I.A., Panipat.
1133.	M/s Gulati Handloom G.T. Road, Panipat.
1134.	M/s Rajdhani Woollen & Sppinning Mill, G.T. Road, Panipat.
1135.	M/s Ashu Fabric, Hathwala Road, Samlakha.
1136.	M/s Welworth House, G.T. Road, Panipat.
1137.	M/s Karigar, Bichpuri Road, Panipat.
1138.	M/s Texco India, HUDA, Panipat.
1139.	M/s Thermal Power Plant, Panipat.
1140.	M/s Meghlya Handloom Krishanpura, Panipat.
1141.	M/s Chopra Spinning Mills, Barsat Road, Panipat.
1142.	M/s Longowal Spinning Mills, G.T. Road, Panipat.
1143.	M/s Himalaya Handloom, Kishanpura, Panipat.
Distt. Panchkula	
1144.	M/s Laxmi Rice Mills, Barwala, Distt. Panchkula.
1145.	M/s R.M.S. Ceramics, Village Golpura, P.O. Mouli, Panchkula.
1146.	M/s Gupta Chemicals, Village Golpura, P.O. Mouli, Panchkula.
1147.	M/s Rajdeep Industries, Industrial Area-I, Panchkula.
1148.	M/s Hero Metal Castings, Industrial Area-I, Panchkula.

1	2

1149. M/s Rajeev Casting, Industrial Area-I, Panchkula.
1150. M/s Jasmine Enterprises, Industrial Area, Panchkula.
1151. M/s A.C.C. Stone Crushers, Mallah.
1152. M/s Panchkula Roller Flour Mills, Industrial Area, Panchkula.
1153. M/s Rattan Roller Flour Mills, Panchkula.
1154. M/s Kapoor Brothers Roller Flour Mills, Panckkula.
1155. M/s Friends Flour Mills, Industrial Area, Panchkula.
1156. M/s Yamuna Stone Crusher, Surajpur.
1157. M/s Pehowa Stone Crusher, Chandimandir.
1158. M/s Chandimandir Stone Crusher, Candimandir.
1159. M/s Kaushalya Stone Crusher, Chandimandir.
1160. M/s Kohinoor Stone Crusher, Chadimandir.
1161. M/s Supreme Stone Crusher, V. Kirtpur Kalka.
1162. M/s Kaithal Stone Crusher, Surajpur.
1163. M/s Shree Krishna Construction Co., Surajpur.
1164. M/s Anoop Stone Crusher, Chandimandir.
1165. M/s Shree Krishna Stone Crusher, Chandimandir.
1166. M/s A.K. Stone Crusher, Surajpur.
1167. M/s Lahori Lal & Co. Chandimandir.
1168. M/s Kakar Stone Crusher, Surajpur.
1169. M/s Bhagat Rai Stone Crusher, Chandimandir.
1170. M/s Sandeep Stone Crusher, Surajpur.
1171. M/s Rampur Seuri Stone Cruseer, Surajpur.
1172. M/s Krishna Stone Crusher, Chandimandir.
1173. M/s Durga Stone Crusher, Chandimandir.
1174. M/s Sita Ram Stone Crusher, Chandimandir.
1175. M/s Shakti Stone Crusher, Chandimandir.
1176. M/s Ambika Stone Crusher, Panchkula.
1177. M/s Malwa Stone Crusher, Panchkula.
1178. M/s Saraswati Stone Crusher, Panchkula.
1179. M/s Friends Stone Crusher, Panchkula.
1180. M/s Capital Stone Crusher, Panchkula.
1181. M/s Rama Stone Crusher, Panchkula.
1182. M/s Gulati Stone Crusher, Panchkula.
1183. M/s Haryana United Stone Crusher, Panchkula.
1184. M/s Guru Nanak Stone Crusher, Panchkula.
1185. M/s Janta Stone Crusher, Chandimandir.

[Rao Dharam Paul]

1	2
1186.	M/s Dhillon Stone Crusher, Panchkula.
1187.	M/s Gupta Stone Crusher, Panchkula.
1188.	M/s Ghaggar Stone Crusher, Panchkula.
1189.	M/s Guru Teg Bahadur Stone Crusher, Panchkula.
1190.	M/s Rekhi Stone Crusher, Panchkula.
1191.	M/s New Shivalik Stone Crusher, Panchkula,
1192.	M/s Anil Stone Crusher, Devinagar, Panchkula.
1193.	M/s Raman Stone Crusher, Panchkula.
1194.	M/s Jai Bharat Stone Crusher, Panchkula.
1195.	M/s Suchdeva Automobiles, Industrial Area, Panchkula.
1196.	M/s Classic Utomobiles, Industrial Area, Panchkula.
1197.	M/s Panchkula Motor Garrage, Industrial Area-II, Panchkula.
1198.	M/s Singla Filling Station, Chandigarh Road, Panchkula.
1199.	M/s Delhi Auto Service Station, Kalka Road, Pinjore,
	Distt. Rewari
1200.	M/s Kumar Metals Rolling Mills, Rewari.
1201.	M/s Hafed Metling Jatusana, Rewari.
1202.	M/s Mohindera Metals Works, Circular Rood, Rewari.
1203.	M/s Hafed India Ltd., Jatusana, Rewari.
1204.	M/s Heynon India Ltd., Vill. Salawas, Rewari.
1205.	M/s Sidhartha Papers, Dharuhera, Rewari.
1206.	M/s Kumar Rolling Metal Works, Delhi Road, Rewari.
	Distt. Rohtak
1207.	M/s Avinash Udyog. MIE, Bahadurgarh.
1208.	M/s Ajay Casting Udyog (P) Ltd. 31, KM, Stone, Bahadurgarh.
1209.	M/s Bansal Foundary, 176, IDC., Rohtak.
1210.	M/s Bee Cee Steel Rolling Mills (P) Ltd., MIE, Bahadurgarh.
1211.	M/s Hind Iron Foundary, Sanik Colony, Hisar Road, Rohtak.
1212.	M/s Kamal Agro Industries, Hisar Road, Rohtak.
1213.	M/s Kulvindra Engg. Works (P) Ltd., MIE, Bahadurgarh.
1214.	M/s Leading Engg. Works (P) Ltd., MIE, Bahadurgarh.
1215.	M/s New Haryana Foundary & Gen. Ind. MIE, Bahadurgarh.
1216.	M/s Om Foundary Works, Hisar Road, Rohtak.
1217.	M/s Prem Udyog, MIE, Bahadurgarh.
1218.	M/s Premier Foundary & Allied Products, MIE, Bahadurgarh.
1219.	M/s Sharma Casting Co., IDC, Rohtak.

1	2
1220.	M/s Shankara Machine Tools (P) Ltd., MIE, Bahadurgarh.
1221.	M/s Sai Industries, MIE, Bahadurgarh.
1222.	M/s Super Alloys Products, Rohtak Road, Vill. Sampla.
1223.	M/s Standar Steel Ind., MIE, Bahadurgarh.
1224.	M/s Vijay Casting Works, 28 IDC, Rohtak.
1225.	M/s Vijay Industries, Circular Road, Sainik Colony, Rohtak.
1226.	M/s Vishwakarma Swatantra Bharat Agriculture Works, Hisar Road, Rohtak.
1227.	M/s Durga Metal Works, Gohana Road, Rohtak.
1228.	M/s Vijay Laxmi Foundary Delhi Road, Rohtak.
1229.	M/s Shri Gulab Ceramics Industry, Bahadurgrah.
1230.	M/s Bahadurgarh Electical Goods, Bahadurgarh.
1231.	M/s Haryana Industries, Bahadurgarh.
1232.	M/s Super Ceramics Industry, Bahadurgarh.
1233.	M/s Ceramics Goods (P) Ltd., Bahadurgarh.
1234.	M/s Brite Ceramics Ind. Bahadurgarh.
1235.	M/s Jai Bharat Potterics, Bahadurgarh.
1236.	M/s Ashoka Pecelain Gram Udyog, Bahadurgarh.
1237.	M/s Cera Pipes (P) Ltd., Bhalot, Rohtak.
1238.	M/s Competent Ceramics industry, Bahadurgarh.
1239.	M/s Hindustan Potteries, Bahadurgarh.
1240.	M/s Harnam Potteries, Bahadurgarh.
1241.	M/s Jain Ceramics Industry, Bahadurgarh.
1242.	M/s Janta Gram Udyog Smaiti Potteries, Bahadurgarh.
1243.	M/s Janta Ceramics Industry, Bahadurgarh.
1244.	M/s K.K. Ceramics industry, Bahadurgarh.
1245.	M/s Meenakshi Ceramics, industry, Bahadurgarh.
1246.	M/s Prince Potteries, Bahadurgarh.
1247.	M/s Peagun Ceramics industry, Bahadurgarh.
1248.	M/s Prajapti Ceramics industry, Bahadurgarh.
1249.	M/s Sangam refrectories, Bahadurgarh.
1250.	M/s Simco Potteries Ceramics Ind. Bahadurgarh.
1251.	M/s Suraj Potteries, Bahadurgarh.
1252.	M/s Sachdeva Potteries, Bahadurgarh.
1253.	M/s Shri Gulab Ceramics Ind. Bahadurgarh.
1254.	M/s Vishnu Garnla industry, Bahadurgarh.
1255.	M/s Doaba Refracteries, MIE, Bahadurgarh.
1256.	M/s Friends Potteries, Barahi Road, Bahadurgarh.
1257.	M/s Nanak Potteries, (P) Ltd., Bahadurgarh.

[Rao Dharam Paul]

1	2
1258.	M/s Narain potteries (P) Ltd., Bahadurgarh.
1259.	M/s Barbhat potteries, (P) Ltd., Bahadurgarh.
1260.	M/s Pearlo Ceramics, Bahadurgarh.
1261.	M/s Conduct Dye and Chemical Gandhra Rohtak.
1262.	M/s Lalji Printers Bahadurgarh.
1263.	M/s Shanti Soap factory IDC Rohtak.
1264.	M/s Mahesh Soap Factory IDC Rohtak.
1265.	M/s Bansal Soap Factory IDC Rohtak.
1266.	M/s Rohtak Steel Rolling Mill, Rohtak.
1267.	M/s Vigro Industries, MIE, Bahadurgarh.
1268.	M/s Weluwood (P) Ltd., Jakhoda.
1269.	M/s Vardhman Ply Wood Industries, Rohtak.
1270.	M/s Sartaj Tanneries, Bahadurgarh.
1271.	M/s Vidhya Die Chem. Industries, Bahadurgarh.
1272.	M/s Gaylord Pharmaceuticals, Rohtak.
1273.	M/s Allied Strips Industries, Bahadurgarh.
1274.	M/s Arti Solvex, Bahadurgarh.
1275.	M/s Rohtak Card Board Mills, Vill. Dobh.
Distt. Sirsa	
1276.	M/s Juneja Rice Mills, Rania.
1277.	M/s Hafed Cotton & Seed Processing Complex, Ding.
1278.	M/s R.K. industries, Bajekan.
1279.	M/s Rathore Stoneware Industry, Sirsa.
1280.	M/s Malook Chand Vanaspati (P) Ltd., Sirsa.
1281.	M/s M.K. Auto Service Station, Sirsa.
1282.	M/s Panjab Auto Service Station, Sirsa.
1283.	M/s Haryana Chemical Industry, Sirsa.
Distt. Sonepat	
1284.	M/s Hilton Rubber Ltd., Rai, Sonepat.
1285.	M/s Hilton Rubber Ltd., Badkalsa.
1286.	M/s Haryana Rang Udyog, Bahalgarh.
1287.	M/s Subrat Orgnics, Bahalgarh.
1288.	M/s K.V.M. Steel, Bahalgarh.
1289.	M/s Top Steel, Bahalgarh.
1290.	M/s Vishal Steel, Bahalgarh.
1291.	M/s Vikas Steel, Bahalgarh.
1292.	M/s Vakson Ceramics Pvt. Ltd., Bahalgarh Road, Sonepat.
1293.	M/s Accurate Ceramics Pvt. Ltd., Sonepat.

1	2
1294.	M/s Jagdemba Rice Mills, Murthal (Grit Chamber Provided)
1295.	M/s Ajay Rice Mills, Ganaur (Grit Chamber Provided).
1296.	M/s Chhottu Ram Rice Mills, Ganaur (Grit Chamber Provided).
1297.	M/s Satnam Overseas Ltd., Sonepat.
1298.	M/s Master Industries, Murthal, Sonepat.
1299.	M/s Ashoka Chemicals, Sonepat.
1300.	M/s Bharti Transnational, Murthal.
1301.	M/s Ribba Processors, Vill. Chidana, Sonepat.
1302.	M/s R.T. Agro Industries, Ltd., G.T. Road, Kundli.
1303.	M/s Jadamba Rice Mills, Murthal.
1304.	M/s Key International, Kundli.
1305.	M/s Indo Malt Processor (P) Ltd., Murthal.
1306.	M/s HSIDC, Murthal.
1307.	M/s HSIDC, Kundli.
1308.	M/s Raghunath Equipment, Kundli.
1309.	M/s Bhavani Pigments (P) Ltd. Kharkhoda.
1310.	M/s Yogesh/Deepak Dyers, Near Singhu Border, Kundli.
Distt. Yamuna Nagar	
1311.	M/s P.L. Chopra & Co., Khajuri Road, Yamuna Nagar.
1312.	M/s Bishan Das Nayar, Saharanpur Road, Yamuna Nagar.
1313.	M/s Saraswati Saw & General Mills, Near Bye Pass Chowk, Y/Nagar.
1314.	M/s Haryana Joinery Mill, Khajuri Road, Y/Nagar.
1315.	M/s Dalip Singh & Sons, Khajuri Road, Y/Nagar.
1316.	M/s Ved Parkash & Co., Khajuri Road, Y/Nagar.
1317.	M/s Satish Kumar & Co., Khajuri Road, Y/Nagar.
1318.	M/s J.K. Timber Industries, Khajuri Road, Y/Nagar.
1319.	M/s Vijay Timber Industries, Khajuri Road, Y/Nagar.
1320.	M/s Kartar Timber Industries, Khajuri Road, Y/Nagar.
1321.	M/s Amrit Bachan Saw Mills, Khajuri Road, Y/Nagar.
1322.	M/s Modern Joinery Saw Mills, Khajuri Road, Y/Nagar.
1323.	M/s Shankar Timber Industries, Khajuri Road, Y/Nagar.
1324.	M/s Bansal Rice & General Mills, Bilaspur.
1325.	M/s Paras Rice & Generl Mills, Bilaspur.
1326.	M/s Ashoka Rice & General Mills, Chhachhrauli.
1327.	M/s Gaurv Rice Traders, Chhachhrauli.
1328.	M/s Jagdamba Rice & General Mills, Chandpur.
1329.	M/s Shiv Shankar Rice Mills, Gumpthla Road, Y/Nagar.
1330.	M/s Yamuna Rice Mills, Gumthla Road, Y/Nagar.
1331.	M/s Aggarwal Rice Mills, Jagadhri.

[Rao Dharam Paul]

1	2
1332.	M/s Gambhir Rice & General Mills, Jagadhri.
1333.	M/s Jai Ganesh Rice & General Mills, Jagadhri.
1334.	M/s. Mustfabad Rice & Cotton Ginning Factory, Jagadhri.
1335.	M/s Om Rice & General Mills, Jagadhri.
1336.	M/s Shiv Shankar Rice & General Mills, Jagadhri.
1337.	M/s Krishna Rice Mills, Kharwan.
1338.	M/s Saraswati Rice Mills, Khizrabad.
1339.	M/s Jagdamba Rice & General Mills, Mustafabad.
1340.	M/s Luxmi Rice & General Mills, Mustafabad.
1341.	M/s Jay Bee Industries, Jagadhri.
1342.	M/s Madan Udyog, Jagadhri.
1343.	M/s Parkash Strips, Jagadhri.
1344.	M/s Laj Industries, Jagadhri.
1345.	M/s L.P. Metal Industry, Jagadhri.
1346.	M/s Saraswati Udyog, Jagadhri.
1347.	M/s Prieha Strips, Jagadhri.
1348.	M/s Jai Ganesh Metal Industry, Jagadhri.
1349.	M/s Krishna Alloys Steel, Jagadhri.
1350.	M/s Jitendra Udyog, Jagadhri.
1351.	M/s Jain Dhatu Udyog, Jagadhri.
1352.	M/s Gulshan Metal Industry, Jagadhri.
1353.	M/s Liberty Metal Industry, Jagadhri.
1354.	M/s Anand Metal Works, Jagadhri.
1355.	M/s Darshan Metal, Jagadhri.
1356.	M/s Rama Engg. Works, Jagadhri.
1357.	M/s Nice Metal, Industry, Jagadhri.
1358.	M/s Navrattan Enterprises, Jagadhri.
1359.	M/s Shree Gauri Shankar Industries, Jagadhri.
1360.	M/s Chaman Lal & Sons, Jagadhri.
1361.	M/s Krishna Engg. Industries, Jagadhri.
1362.	M/s Murli Metal industries, Jagadhri.
1363.	M/s R.K. Steel Metals, Jagadhri.
1364.	M/s Himalayan Enterprises, Jagadhri.
1365.	M/s Metal Alloys, Jagadhri.
1366.	M/s Parbhat Industries, Jagadhri.
1367.	M/s Sagar Industries, Jagadhri.
1368.	M/s Singla Enterprises, Jagadhri.
1369.	M/s Gupta Metal Industry, Jagadhri.

1	2
1370.	M/s Shiv Shankar Metals, Jagadhri.
1371.	M/s Dwarka Exterprises, Jagadhri.
1372.	M/s Jagan Nath Metal, Jagadhri.
1373.	M/s Aggarwal Dhatu Udyog, Jagadhri.
1374.	M/s J.K. Metal Industry, Jagadhri.
1375.	M/s Ajanta Metal industry, Jagadhri.
1376.	M/s Brij Lal, Badri Dass, Jagadhri.
1377.	M/s Dharam Udyog, Jagadhri.
1378.	M/s Kanahiya Metal, Jagadhri.
1379.	M/s Avon Metal Tubes, Jagadhri.
1380.	M/s Poonia Metal Industry, Jagadhri.
1381.	M/s Shibu Enterprises, Jagadhri.
1382.	M/s Shiv Bhola Metal Industry, Jagadhri.
1383.	M/s Jagatsons Industries, Jagadhri.
1384.	M/s Goel Strips, Jagadhri.
1385.	M/s Mukta Metal Industry, Jagadhri.
1386.	M/s K.L. Steel Roiling Mills, Jagadhri.
1387.	M/s Aggarwal Metal Industries, Jagadhri.
1388.	M/s Uttar Bharat Metal Products, Y/Nagar.
1389.	M/s Dewan Shah & Sons, Jagadhri.
1390.	M/s Partap Metal Industry, Jagadhri.
1391.	M/s Tulsi Metal Industries, Jagadhri.
1392.	M/s Asok Produets, Jagadhri.
1393.	Mrs Luxmi Dhatu Udyog, Jagadhri.
1394.	M/s Kawality Industries Jagadhri.
1395.	M/s Satnam Metal Industry, Jagadhri.
1396.	M/s Balaji Strips, Jagadhri.
1397.	M/s Gauri Alloys, Jagadhri.
1398.	M/s Luxmi Industries, Jagadhri.
1399.	M/s Parmod Enterprises, Jagadhri.
1400.	M/s Uttam Industries, Jagadhri.
1401.	M[s Pooja Metal Industry, Jagadhri.
1402.	M/s Pritam Singh Metal, Jagadhri.
1403.	M/s Parkash Aloha Udyog, Jagadhri.
1404.	M/s Kulvindra Metal Industries, Jagadhri.
1405.	M/s Narang Udyog, Jagadhri.
1406.	M/s Dinesh Metal Industry, Jagadhri.
1407.	M/s Gurdial Metal Industry, Jagadhri.
1408.	M/s K.C. Metal Industry, Jagadhri.

[Rao Dharam Pal]

1	2
1409.	M/s Sada Ram Som Nath Rice Mills (Thana Chappar) Mustafabad.
1410.	M/s Bajrang Bali Rice Mills, Radaur.
1411.	M/s Om Parkash, Som Parkash, Radaur.
1412.	M/s Shankar Rice Mills, Radaur.
1413.	M/s Himalaya Rice Mills, & Cold Storage, Sadhaura.
1414.	M/s Oberoi Rice & General Mills, Sadhaura.
1415.	M/s Parkash Rice & General Mills, Sadhaura.
1416.	M/s Zimidara Rice Mills, Sadhaura.
1417.	M/s Garg Rice & General Mills, Sadhaura.
1418.	M/s Mangal Singh & Sons Rice & General Mills, Y/Nagar.
1419.	M/s Rekhi Rice & General Mills, Y/Nagar.
1420.	M/s Glob Sales Corporation, Indl. Area, Y/Nagar.
1421.	M/s Globe Engg. Corporation, Indl. Area, Y/Nagar.
1422.	M/s Indian Sugar & General Engg. Works, Y/Nagar.
1423.	M/s Kay Iron Works, Indl. Area, Yamuna Nagar.
1424.	M/s Oriental Engg. Works, Indl. Area, Y/Nagar.
1425.	M/s Gestal Engg. Indl. Area, Y/Nagar.
1426.	M/s Roshan Industries, Indl. Area, Yamuna Nagar.
1427.	M/s Ram Datta Mal Metal Ram, Y/Nagar.
1428.	M/s Agro Steel & Casting, I.A., Y/Nagar.
1429.	M/s Chaudhary Brothers Stone Crusher, Ballay Majra, Y/Nagar.
1430.	M/s Vikram Engg. Radhour Road, Y/Nagar.
1431.	M/s Nanak Stone Crushing Co Y./Nagar.
1432.	M/s Gita Samiti Stone Crusher, Y/Nagar.
1433.	M/s Roop Kamal Stone Crusher, Y/Nagar.
1434.	M/s Luxmi Stone Crusher, Y/Nagar.
1435.	M/s Shyam Stone Crushing Co. Y/Nagar.
1436.	M/s Satguru Stone Udyog Mandal, Y/Nagar.
1437.	M/s Shivalik Stone Crusher, Y/Nagar.
1438.	M/s Haryana Grit Udyog, Y/Nagar.
1439.	M/s Ganga Gram Udyog, Y/Nagar.
1440.	M/s Hira Store Crusher, Y/Nagar.
1441.	M/s Garg Stone Crusher, Y/Nagar.
1442.	M/s Saraswati Stone Crusher, Y/Nagar.
1443.	M/s Durga Stone Crusher, Yamuna Nagar.
1444.	M/s Paras Stone Crusher, Y/Nagar.
1445.	M/s Continental Stone Crusher, Y/Nagar.

1	2
1446.	M/s Walia Stone Crusher, Vill. Devdhar, Y/Nagar.
1447.	M/s Nirmal Honey Stone Crusher, Doiwala, Y/Nagar.
1448.	M/s Universal Stone Crusher, Doiwala, Y/Nagar.
1449.	M/s Friends Stone Crusher, Doiwala, Y/Nagar.
1450.	M/s Sai Stone Crusher, Ballay Majra, Y/Nagar.
1451.	M/s Khanna Automobiles, Near Aggarsain College, Jagadhri.
1452.	M/s Sudan Automobiles, Opp. Saraswati School, Jagadhri.
1453.	M/s J.K. Service Station, Aggarsain Chowk, Jagadhri.
1454.	M/s Agroking Machiner (P) Ltd., Court Road, Jagadhri.
1455.	M/s Northern Motors & Tractors, Opp. Dimple Cinema, Jagadhri.
1456.	M/s R. Agroking, Near Octroi, Office, Yamuna Nagar.
1457.	M/s Sharma Motor Garrage, Near Bikaner Misthan Bhandari, Y/Nagar.
1458.	M/s Kailash Motors, Opp. Rampura Colony, Y/Nagar.
1459.	M/s Mohindra Service Station, near Shivaji Chowk, Jagadhri.
1460.	M/s Subhash Service station, Opp. Ramlila Bhawan, Jagadhri.
1461.	M/s Kakka Auto Repairing, Buria Chowk, Jagadhri.
1462.	M/s Gopal Motors, Near Laldwara, Y/Nagar.
1463.	M/s Papneja Auto Agency, Palika Bazar, Yamuna Nagar.
1464.	M/s Popular Motors, Opp. Wariyam Singh Hospital, Y/Nagar.
1465.	M/s Yamuna Sindicates, Saharanpur Road, Y/Nagar.
1466.	M/s Gulati Scooter Repair, Near Garg Medical Hall, Shivaji Chowk, Yamuna Nagar.
1467.	M/s Arora Service Station, Shivaji Chowk, Y/Nagar.
1468.	M/s Shaheedi Auto Centre, Vishnu Nagar, Workshop Road, Y/Nagar.
1469.	M/s Raj Scooter Repairs, Near Ramlila Bhawan, Jagadhri.
1470.	M/s Milap Service Station, Opp. Hindu Girls College Y/ Nagar.
1471.	M/s Anidhi Service Station, Opp. S.B.I., Jagadhri.
1472.	M/s Kakka Rajdoot Centre, Court Chowk, Jagadhri.
1473.	M/s Ganga Motor Workshop & Service Station, Bye-pass Road, Y/Nagar.
1474.	M/s Parmod Auto Centre, Opp. Sales Tax Office, Y/Nagar.
1475.	M/s Manjir Auto Centre, Bye-pass Chowk, Y/Nagar.
1476.	M/s Raju Auto Centre, Bye-pass Road, Y/Nagar.
1477.	M/s Renu Scooter Centre, Vishnu Nagar, Workshop Road, Y/Nagar.

[Rao Dharam Paul]

1	2
1478.	M/s Perfect Repairs, Bye-pass chowk, Y/Nagar.
1479.	M/s Rajindra Tractor Workshop & Service Station, Bye-pass Chowk, Yamuna Nagar.
1480.	M/s R.D. Allys, Vill. & P.O. Udampur, Jagadhri.
1481.	M/s R.D. Ispat, Vill. & P.O. Balachaur, Chhachrauli Road Y/Nagar.
1482.	M/s Yamuna Paper, Vill Aurangabad, Y/Nagar.
1483.	M/s Kuber Paper, Aurangabad, Y/Nagar.
1484.	M/s Vee-Kay Ayurvedic, Yamuna Nagar.
1485.	M/s Ramesh Kumar C/o Gram Udyog, Y/Nagar.
1486.	M/s Steel Craft Industries, I/A, Y/Nagar.
1487.	M/s Super Steel & Plastic Industries, Y/Nagar.
1488.	M/s Bharat Oil & Gen. Mills, I/A, Y/Nagar.
1489.	M/s Vee-Kay Pharmaceuticals, Radaur, Y/Nagar.
1490.	M/s Sun-rice Paper Board Mill, Vill. Aurangabad, Y/Nagar.
1491.	M/s Sudhir Metal & Engg. Works Gauri Shankar Road, Jagadhri.
1492.	M/s R.K. Metal Durga Garden, Jagadhri.
1493.	M/s Bhatti Enterpises, Durga Garden, Jagadhri.
1494.	M/s Bablu Metal Industries, Durga Garden, Jagadhri.
1495.	M/s Subhash Metal Industries, Durga Garden, Jagadhri.
1496.	M/s Baba Metal Industries Durga Garden, Jagadhri.
1497.	M/s Tajindra Metal Industries, Railway Road, Jagadhri.
1998.	M/s Ramesh Chand & Co., Jagadhri.
1499.	M/s Gulshan Metal, Gauri Shankar Road, Jagadhri.
1500.	M/s Best Rolling Mills, Chhachrauli Road, Jagadhri.
1501.	M/s Paul Enterprises, Durga Garden, Jagadhri.
1502.	M/s Malhotra Metal Industries, Court Road, Jagadhri.
1503.	M/s Super Steel, Durga Garden, Jagadhari.
1504.	M/s Rama Krishna Metal Industries, Court Road, Jagadhri.
1505.	M/s Kewal Industries, Railway Road, Jagadri.
1506.	M/s Uplaksh Industries, Durga Garden, Jagadhri.
1507.	M/s Ram Lal Boypari Lal Metal Industries, Jesico Colony, Jagadhri.
1508.	M/s United Enterprises, Jesico Colony, Jagadhari.
1509.	M/s K.M. Metal Industries, Jesico Colony, Jagadhri.
1510.	M/s Arun Metal Industries, Jesico Colony, Jagadhri.
1511.	M/s Shiv Metal Industries, Jesico Colony, Jagadhri.
1512.	M/s Sudesh Metal, Jesico Colony, Jagadhri.

1	2
1513.	M/s Murli Metal Enterprises, Jesico Colony, Jagadhri.
1514.	M/s Maya Industries, Jesico Colony, Jagadhri.
1515.	M/s Rama Metal, Jesico Colony, Jagadhri.
1516.	M/s Jagan Nath Metal, Jagadhri.
1517.	M/s Santokh Metal Industries, Court Road, Jagadhri.
1518.	M/s Harnam Enterprises, Chhachrauli Road, Jagadhri.
1519.	M/s Vaibhab Industries, Ambala Road Jagadhri.
1520.	M/s Jagan Steel, Ambala Road, Jagadhri.
1521.	M/s Bright Metal Industries, Near Police Station, Jagadhri.
1522.	M/s Banish Alleys, Chhachrauli Road, Jagadhri.
1523.	M/s Nitika Industries, Vill. Udamgarh, Chhachrauli Road, Jagadhri.
1524.	M/s P.S.G. Alloys, Vill. Udamgarh, Jagadhri.
1525.	M/s Jai Durga Metal Industries, Chhachrauli Road, Jagadhri.
1526.	M/s New Man Metal Industries, Jesico Colony, Jagadhri.
1527.	M/s Shri Enterprises, Jesico Colony, Jagadhri.
1528.	M/s Kohistan Industries, Jesico Colony, Jagadhri.
1529.	M/s Raj Brothers, Chhachrauli Gate, Jagadhri.
1530.	M/s Jai Hind Metal, Near Kali Mata Mandir, Chhachrauli Road, Jagadhri.
1531.	M/s Mahavir Metal, Devi Bhawan Bazar, Jagadhri.
1532.	M/s Dwarka Metal, Old Chhachrauli Gate, Jagadhri.
1533.	M/s Ghanshyam Dass Brothers, Jagadhri.
1534.	M/s Tara Metal, Gauri Shankar Link Road, Jagadhri.
1535.	M/s Aman Dalip Industries, 1604, Rly. Road, Jagadhri.
1536.	M/s General Metal, Adarsh State, Jagadhri.
1537.	M/s Amar Nath Mahinder Kumar, Jagadhri.
1538.	M/s Raj Kamal Metal Industries, Jagadhri.
1539.	M/s Mittal strips, Bilaspur Road, Jagadhri.
1540.	M/s Johar Metal, Gulab Nagar, Jadadhri.
1541.	M/s Subidha Metal, Gulab Nagar, Jagadhri.
1542.	M/s Singla Metal, Gulab Nagar, Jagadhri.
1543.	M/s Shyam Sunder & Sons, Gulab Nagar, Jagadhri.
1544.	M/s Shyam Metal Gulab Nagar, Jagadhri.
1545.	M/s Sukh-Chain Metal, Hanuman Gate, Jagadhri.
1546.	M/s Samta Metal, Jesico Colony, Jagadhri.
1547.	M/s Nitkanth Metal, Jesico Colony, Jagadhri.
1548.	M/s Ganpati Metal, Jesico Colony, Jagadhri.
1549.	M/s K.M. Metal, Jesico Colony, Jagadhri.
1550.	M/s Kumar Steel, Ambala Road, Jagadhri.

[Rao Dharam Paul]

1	2
1551.	M/s Vikas Metal, Hanuman Gate, Jagadhri.
1552.	M/s O.B. Metal, Hanuman Gate, Jagadhri.
1553.	M/s B.P. Gilati Industries, Hanuman Gate, Jagadhri.
1554.	M/s Jain Udyog, Devi Bhawan Bazar, Jagadhri.
1555.	M/s Steel India Enterpises, Gomti Mohalla, Jagadhri.
1556.	M/s New Vardhman Enterprises, Gomti Mohalla, Jagadhri.
1557.	M/s Ramesh Kishore & Brothers, Gomti Mohalla, Jagadhri.
1558.	M/s J.D. Metal, Gomti Mohalla, Jagadhri.
1559.	M/s Ishwar India, 21, Indl. Estate, Y/Nagar.
1560.	M/s Pawco Industries, 21, Inds. Estate, Jagadhri.
1561.	M/s Kalyan Industries, Railway Station, Jagadhri.
1562.	M/s Augya Mandir Pharmacy, Jagadhri, Y/Nagar.
1563.	M/s Shivalik Industries, 50, Indl. Estate, Y/Nagar.
1564.	M/s Yamuna Pharmacy, Y/Nagar.
1565.	M/s Super Metal India, Near Chitta Mandir, Y/Nagar.
1566.	M/s Jamna Paper Board Mill, Y/Nagar.
1567.	M/s Attri Metal industry, Railway Road, Jagadhri.
1568.	M/s Garg Enterprises, Rly. Road, Jagadhri.
1569.	M/s Sardar Metal Industries, Gobind Puri Road, Jagadhri.
1570.	M/s Chhaver Metal Industries, Rly. Rood, Jagadhri.
1571.	M/s Subhash Metal Industries, Rly. Road, Jagadhri.
1572.	M/s Marry Metal Rly. Road, Jagadhri.
1573.	M/s O.P. Metal Industries, Rly. Rood, Jagaderi.
1574.	M/s Kamal Kumar Ashok Kumar, Jagadhri.
1575.	M/s J.V. Industries, Durga Garden, Jagadhri.
1576.	M/s Mahavir Metal Industries, Durga Garden, Jagadhri.
1577.	M/s Paradisee Motor Workshop, Jagadhri Road, Yamuna Nagar.
1578.	M/s Satar Paint Industries, M-30, I.A., Yamuna Nagar.
1579.	M/s Mohan Auto Industries, M-2, I.A., Yamuna Nagar.
1580.	M/s Heera Motor Garrage & Service Station, near Rampura Colony, Yamuna Nagar.

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने 158 ऐसी इण्डस्ट्रियल यूनिट्स की लिस्ट दी है जिन्होंने एण्टी पोल्यूशन डिवाईस नहीं लगाई है । मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि किन-किन इण्डस्ट्रियल यूनिट्स के खिलाफ सरकार ने डिपार्टमैंटल कार्यवाही की है ? मेरा दूसरा सवाल यह है कि कौन कौन सी इण्डस्ट्रियल यूनिट्स कोर्ट्स में गई हैं, क्या कोर्ट्स ने उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की है कि वे स्टेट में इतना भारी प्रदूषण क्यों फैला रहे हैं अध्यक्ष महोदय, ये यूनिट्स बड़ा भारी प्रदूषण फैला रहे हैं । उन्होंने माना है कि उन्होंने एण्टी प्रदूषण डिवाईस नहीं लगाए हैं । मैं माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस बारे में कोई कारगर कदम उठाने के बारे में सोच रही है या मानसिक प्रयास ही कर रहे हैं ? अध्यक्ष महोदय इसके साथ ही मेरा एक और सवाल है । जिन इण्डस्ट्रियल यूनिट्स की लिस्ट मन्त्री महोदय ने दी है, मैंने इसको पढ़ा है और गौर से देखा है। हिसार में शराब की एक फैक्टरी है लेकिन उस का नाम नहीं दिया गया है। क्या उस फैक्टरी का प्रभाव मन्त्री महोदय पर इतना पड़ा हुआ है कि उन्होंने उसका नाम तक नहीं दिया ? शहर में अगर जाएं तो इतनी दुर्गन्ध आती है कि रुमाल नाक पर रखना पड़ता है । क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि दबाव में आकर ही इन्होंने इसका नाम तक लिखने का साहस नहीं किया ?

राव धर्मपाल : स्पीकर साहब, जैसा कि माननीय सदस्य ने पूछा है कि इनके खिलाफ क्या ऐक्शन लिया जा रहा है । मैं इनको बताना चाहता हूं कि ये जो 1580 यूनिट्स पाई गई हैं उनमें से 116 यूनिट्स ऐसे हैं जिनके बिजली के कनैक्शन काट दिए गए हैं, 64 यूनिट्स बन्द हो गए हैं, 100 के खिलाफ केस दर्ज कर दिया है और 1300 के खिलाफ शो काज नोटिस दिया कि या तो आप एंटी डिवाइसिज लगा लें नहीं तो आपके खिलाफ ऐक्शन लिया जाएगा ।

दूसरे इन्होंने जानना चाहा है कि किन किन आदमियों के खिलाफ हमने ऐक्शन लिया है । उनके नाम तो मेरे पास नहीं है लेकिन जिनके खिलाफ ये ऐक्शन लागू हुआ है वे अम्बाला में आठ सिवानी में दो, फरीदाबाद में 158 और गुड़गांवा में 194 हैं अगर ये सब के बारे में जानना चाहते हैं तो इनको वह भी बता दूंगा । अब ये हिसार में ऐसोशिएटिड डिस्टिलरीज के बारे में जानना चाहेंगे तो मैं इनको बता दूं कि इनकी बी० ओ० डी० बहुत ज्यादा थी इन्होंने प्राईमरी प्लांट लगा दिए हैं और बी० ओ० डी० काफी नीचे आ गई । अब ये एक और प्लांट लगाने जा रहे हैं जिससे इनकी बी० ओ० डी० और बहुत नीचे आ जाएगी ।

श्री सतबीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो पानीपत की लिस्ट इन्होंने दी है, उसमें विशेषतौर पर तीन नाम नहीं दिए हैं, वे हैं पानीपत थर्मल प्लांट पानीपत में एच0एफ0एल0, पानीपत शूगर मिल और पानीपत में एक शराब की फैक्टरी है, इनके नाम क्यों नहीं आए हैं। इन्होंने लोगों का जीना हराम कर दिया है। क्या इन यूनिट्स ने आपके हिसाब से फारमैलेटिज पूरी कर ली हैं, आप इस बारे में बताएं ?

राव धर्मपाल: अध्यक्ष महोदय, जहां तक पानीपत थर्मल प्लांट की बात है, इन्होंने एक और दो यूनिट में यन्त्र लगाए हैं तथा तीन और चार में नहीं लगाए हैं। उनकी सारी टैक्नोलॉजी पुरानी है। हमने उनको नोटिस दिया है कि आप नई टैक्नोलॉजी से लगाएं। अब उनके खिलाफ 4-9-95 को केस रजिस्टर्ड कर दिया है। यह जो पानीपत शूगर मिल है, इनकी बी0 ओ0 डी0 विद इन लिमिट है।

श्री सतबीर सिंह कादियान: पानीपत में सूलकाने की डिस्टलरी है, उसका नाम भी नहीं आया है। वहां से लोग मुंह पर कपड़ा रख कर निकलते हैं क्योंकि वहां पर बहुत बदबू आती है।

राव धर्मपाल: अगर आप इस बारे में अलग से प्रश्न करेंगे तो जवाब मिल जाएगा।

श्री0 राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो लिस्ट दी है इसके मुताबिक 1580 इकाईयां हरियाणा में ऐसी दर्शाई हैं जिन्होंने पोल्यूशन कंट्रोल डिवाइसिज नहीं लगाए हैं। अध्यक्ष महोदय, पानीपत में जो एल0एफ0एल0 है, उससे जहरीली गैस लीक होने की वजह से कई लोग मरे थे उनके नाम भी लिस्ट में नहीं है। यह जो 1580 की संख्या है वह बहुत बड़ी संख्या है हमने सुना है कि जो फैक्टरियां दिल्ली में पोल्यूशन फैला रही हैं, उनको ये नारनौल में लगाने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ये ऐसा क्यों कर रहे हैं इस बारे में हमें बताएं ?

राव धर्मपाल: स्पीकर सर, जहां तक 1580 यूनिट्स का सवाल है, इस बारे में मैं पहले ही बता चुका हूं कि 116 यूनिट्स की बिजली डिसकनैक्ट कर दी गयी है, 64 यूनिट्स को बन्द कर दिया गया है और 100 यूनिट्स के खिलाफ केस दर्ज कर दिया गया है तथा बाकी यूनिट्स को शो काज नोटिस दे दिए गए हैं। जहां तक आपने जी ने कहा कि दिल्ली की कुछ यूनिट्स को हटा कर नंगल चौधरी के पास या अन्य कहीं पर लगा जा रहा है, इस बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारे पास ऐसा कोई भी प्रस्ताव नहीं है कि

वहां की यूनिटस को नंगल चौधरी के पास या अन्य दूसरी जगहों पर लाया जाए ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बहुत लम्बी चौड़ी लिस्ट दी है परन्तु इस लिस्ट में हथीन में जो एक शराब बनाने का कारखाना है उसका नाम नहीं है इस यूनिट से बहुत ज्यादा बदबू और दुर्गन्ध आती है । इस कारखाने की वजह से ही बीस या पच्चीस गांवों के लोगों को रात को सोने में दिक्कत आती है । मैंने यह बात कई बार इस सदन में उठायी है लेकिन मन्त्री जी द्वारा दी गयी लिस्ट में इस कारखाने का नाम क्यों नहीं है ? मैं मन्त्री जी से चाहूंगा कि वे इस बारे में सदन को जरूर आश्वासन देंगे ? इसके अलावा लिस्ट में सीरियल नं0 162 पर जो मैसर्ज ए0 आई0 एस0 सैरामिक्स जी0 टी0 रोड पलवल की यूनिट का इन्होंने जिक्र किया है इसके बारे में मुझे यह तो नहीं पता कि यह कारखाना क्या बनाता है, परन्तु इसमें से भी बहुत बदबू आती है और 6—7 गांवों के लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है इसलिये स्पीकर सर, मैं मन्त्री महोदय से आपके माध्यम से आश्वासन चाहूंगा कि वे इन दोनों उद्योगों के खिलाफ कोई कार्यवाही करेंगे ? इन्होंने जो रिप्लाई में उद्योगों की लिस्ट दी है, इसमें से दो तिहाई कारखाने तो जिला फरीदाबाद में ही स्थित हैं । मैं मन्त्री जी से पूछना चाहूंगा कि फरीदाबाद को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिये ये क्या उपाय करने जा रहे हैं ?

राव धर्मपाल : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह जी ने जिस डिस्टिलरी की बात की है उसके बारे में बताना चाहूंगा कि इसका सैम्पल लिया हुआ है लेकिन इस सैम्पल का रिजल्ट अवेटिड है । अगर इसका रिजल्ट फेल हो गया तो इसके खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा । मैं यह भी बताना चाहूंगा कि इसकी बी0 ओ0 डी0 50 हजार एम0 जी0 से ऊपर की थी । इन्होंने अपनी यूनिट में प्राइमरी प्लांट तो लगा लिया है और अब सैकेंडरी प्लांट भी लगाने जा रहे हैं। अगर वे सैकंडरी प्लांट नहीं लगाते और यदि उनका सैम्पल फेल पाया गया तो उनके खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। (विघ्न) स्पीकर सर, इसके अलावा, इन्होंने जिस दूसरी यूनिट का जिक्र किया है, उसके बारे में अभी तो मुझे पता नहीं है लेकिन मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि यमुना ऐक्शन प्लान में यमुनानगर जगाधरी, सोनीपत, पानीपत, फरीदाबाद और गुड़गांव सभी शहरों को इसके तहत लिया जा रहा है । यमुनानगर में तो यह काम शुरू भी हो चुका है और हमें आशा है कि फरीदाबाद में यह काम जल्दी ही शुरू हो जाएगा, यह मैं इनको आश्वासन देना चाहूंगा ।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : स्पीकर सर, मन्त्री जी ने जो सूचना सदन के पटल पर हाउस को दी है, उसके मुताबिक 350 यूनिटस तो केवल फरीदाबाद में ही हैं । सर, आप जानते हैं कि उत्तरी भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक नगर

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]

फरीदाबाद है। जब यह महकमा राव इन्द्रजीत सिंह के पास था, तब भी कई बार सदन में हमने इस बारे में सप्लीमैंटरी की थी और उन्होंने हमें यह आश्वासन दिया था कि फरीदाबाद को प्रदूषण मुक्त कर दिया जाएगा लेकिन केवल मात्र सदन में आश्वासन देकर ही इस भयंकर समस्या का समाधान नहीं होता है। गुड़गांव में तो जमीनों की कीमत रात दिन बढ़ रही है लेकिन फरीदाबाद में जमीनों की या रैजीडैंशियल प्लाटस की प्राईसिज स्टेबल हो गयी है। वहां की प्लानिंग भी बहुत डिफैक्टव है, सड़क के इधर तो इण्डस्ट्रियल सैक्टर है और सड़क के उस तरफ रैजिडैंशियल सैक्टर है जिसकी वजह से टी० बी० के मरीज बहुत बढ़ रहे हैं। मैं मन्त्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या इसकी गंभीरता को भांपते हुए वे स्वयं कोई विशेष कैम्पेन चलाएंगे ? वहां पर जो इंडस्ट्रीज हैं, जो डिवाईसेज को सील्व नहीं करती हैं, क्या मन्त्री जी उनके खिलाफ विशेष कैम्पेन चलाकर पूरी तरह से कानून की पालना कराएंगे ? सर, सर वहां पर लोगों में भय है इसी कारण लोगों ने प्लाटस खरीदने छोड़ दिए हैं। क्या मन्त्री जी विशेष ध्यान देकर इस समस्या से फरीदाबाद के लोगों को छुटकारा दिलाएंगे ?

राव धर्मपाल : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय बिसला साहब ने पूछा है कि क्या कोई विशेष ध्यान दिया जा रहा है, मैं इन्हें इतना ही बताना चाहूंगा कि फरीदाबाद इंडस्ट्रीज के 158 आदमियों के खिलाफ केस दर्ज हो चुका है, 25 यूनिट्स बिजली से डिसकनैक्ट कर दिए गए हैं, 106 यूनिट्स को शो-काज नोटिस दिया हुआ है, इनके खिलाफ हम बहुत जल्द सख्ती से ऐक्शन लेने जा रहे हैं। माननीय बिसला साहब ने यह भी कहा कि फरीदाबाद के आसपास की कालोनियों की हालत बहुत खराब है मैं मानता हूं कि ऐसा होगा। जैसा मैंने भाई कर्ण सिंह दलाल के सवाल के जवाब में कहा है, हम यमुना ऐक्शन प्लान के तहत ट्रीटमैंट प्लांट बहुत जल्द लगाने जा रहे हैं।

सरदार जसविन्द्र सिंह : स्पीकर सर, पोल्यूशन फैलाने वाली यूनिट्स की जो लिस्ट रखी गई, इसमें उन फैक्ट्रीज का नाम नहीं है जिनके बारे में मैं पिछले सैशन से जिक्र करता आ रहा हूं। हमारे पेहवा में हरियाणा मिल्क फूड फैक्टरी है और बादली में गत्ता फैक्टरी है। इनका गन्दा पानी घनौरा माइनर में आकर गिरता है, इसे अब तक बन्द नहीं किया गया है जिससे डेरा इस्माइलपुर और डेरा बंदरसिंह के लोग काफी परेशान हैं। क्या मन्त्री महोदय इन फैक्ट्रियों के खिलाफ ऐक्शन लेकर बन्द करवाने के बारे में कोई आश्वासन देंगे ?

राव धर्मपाल : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में 1 लाख 20 हजार के करीब छोटी, बड़ी और मीडियम यूनिट्स हैं। माननीय सदस्य किसी पर्टिकुलर यूनिट

के बारे में जानना चाहते हैं। अभी मेरे पास उसका ब्यौरा नहीं है, वे अलग से पूछ लें, जवाब दे दूंगा।

चौधरी अजमत खां : अध्यक्ष महोदय, मैं हर सैशन में जिक्र करता हूं कि हथीन में अतीका डिस्टीलरी से आने वाली बदबू क्या कभी खत्म हो सकेगी ? पलवल की शूगर मिल और हथीन की डिस्टीलरी ने लोगों का जीना हराम कर रखा है। मैं मन्त्री महोदय से आश्वासन चाहूंगा कि इन यूनिट्स को हटवाने का कब तक प्रबन्ध करेंगे ?

राव धर्मपाल : अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस में यह तो नहीं कह पाऊंगा कि इन यूनिट्स को हटा दिया जाएगा। हां, उसकी रोकथाम के उपाय अवश्य किए जाएंगे और उनको विद इन लिमिट ले आएंगे। अगर विद इन लिमिट नहीं ला पाएंगे तो उनकी क्लोजिंग के बारे में विचार करेंगे।

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से दो बातें जानना चाहता हूं। क्या कोई ऐसी राइस मिल्ज भी हैं जिनके खिलाफ पौल्यूशन के बारे में केस रजिस्टर हुए हैं क्योंकि लिस्ट में बहुत सी राइस मिल्ज के नाम हैं। मुझे इस बात का खतरा है कि कहीं यह राइस मिल वालों को परेशान करने के लिए हथियार के तौर पर इस्तेमाल न हो जाए। उनको परेशानी से बचाने के लिए मैं यह बात जानना चाहता हूं कि कितनी ऐसी यूनिट्स हैं जिनके खिलाफ केस दर्ज हैं ? कितने धन का खर्च पड़ता है एक राइस मिल को एन्टी-पौल्यूशन डिवाइस लगाने के लिए ताकि उनको इस बारे में गाइड किया जाए ? अध्यक्ष महोदय, इस लिस्ट में राइस मिलों के नाम बहुत हैं पर शराब की फैक्ट्री के नाम नहीं हैं। क्या सरकार एक अप्रैल से शराब बन्द करने जा रही है ? अगर 31 मार्च के बाद सरकार का शराब की फैक्ट्रियां बन्द करने का निर्णय हो तो इस लिस्ट में उनका जिक्र न लाया जाए। अन्यथा शराब की फैक्ट्रियों के नाम तो इसमें होने चाहिए।

10-00 बजे, **राव धर्मपाल** : अध्यक्ष महोदय, डाक्टर साहब का सवाल बिल्कुल उचित है। सारे प्रदेश के अन्दर 507 राइस मिल्ज हैं जिन्होंने हमें कंसैन्ट के लिए लिखा है। उनमें से हमने 9 को कंसैन्ट दे दी है। जो 499 रह गई हैं, उन के केसिज को हम एग्जामिन कर रहे हैं। राईस मिल्ज दो तरह के पौल्यूशन करती हैं—एक वाटर पौल्यूशन और दूसरा ऐयर-पौल्यूशन। हम इस बात को एग्जामिन कर रहे हैं कि किस तरह के पौल्यूशन की मात्रा को कम किया जाए ताकि किसी को किसी प्रकार की असुविधा न हो। हम राईस मिल्ज सैक्टर को किसी भी प्रकार से हैरास नहीं करना चाहते। लोगों की सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखना जरूरी है। जहां तक कौस्ट के बारे में डाक्टर साहब ने पूछा है, इस बारे में मैं इतना ही कह सकता हूं कि मैं कोई टैक्नीकल आदमी नहीं हूं, पूछ कर ही बताया जा सकता है। अगर बड़ा ट्रीटमैंट प्लांट लगेगा तो खर्चा ज्यादा आएगा और अगर छोटा ट्रीटमैंट प्लांट लगेगा तो खर्चा कम आएगा।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, यहां पर पोल्यूशन कंट्रोल की बात चल रही है । यह बड़ा ही सीरियस मामला है । पोल्यूशन चाहे वाटर का हो, चाहे एयर का हो, दोनों ही खतरनाक हैं । आज यह समस्या हमारी ही नहीं है बल्कि सारे विश्व की बनी हुई है । यहां पर मिनिस्टर साहब ने 1580 यूनिट्स की लिस्ट दी है । मैं उन से जानना चाहता हूं कि इनमें से कितने यूनिट्स ऐसे हैं जिन्होंने ऐन्टी पोल्यूशन डिवाइसिज लगाये हुए हैं ? दूसरा मैं यह जानना चाहता हूं कि जब यूनिट्स लगाये जाते हैं, तो उनको वाटर कनैक्शन दे दिये जाते हैं, पावर कनैक्शन भी दे दिया जाता है और लोनिंग भी हो जाती है । क्या उनसे सरकार ऐन्टी पोल्यूशन डिवाइसिज के बारे में सर्टीफिकेट लेती है कि आया आपने ट्रीटमैंट प्लांट लगा लिया है या नहीं ? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि यह स्वाभाविक है कि आज इंडस्ट्रीयल ऐरियाज जो हैं, वे बहुत ही कम हैं, जिसकी वजह से आज सारी इंडस्ट्री धीरे-धीरे नैशनल हाई-वे पर आ गई है और आ भी रही है । क्या सरकार कोई ऐसी पालिसी बनाने का विचार रखती है ताकि इन यूनिट्स को चेन्ज आफ लैन्ड यूज की इजाजत न दी जाए ? नैशनल हाई-वे पर इंडस्ट्रीज आने से पोल्यूशन और बढ़ेगा जिससे लोगों को और परेशानी होगी, क्योंकि वहां पर दूसरे वाहन भी चलेंगे । क्या सरकार इस के बचाव के लिए कोई कदम उठाने जा रही है ? क्या सरकार कोई ऐसा प्रबन्ध करने का विचार रखती है कि इंडस्ट्रीज नैशनल हाई-वे पर न लगाकर किसी फिक्सड स्थान पर ही लगाई जाएं जिससे पोल्यूशन को रोका जा सके ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ने बहुत अच्छा सवाल पूछा है । पहले ऐसी पालिसी नहीं थी लेकिन बाद में हमने यह फैसला किया कि किसी न किसी तरह से पोल्यूशन को कंट्रोल किया जाना आवश्यक है । हमने यह निर्णय लिया कि जो व्यक्ति हरियाणा प्रदेश के अन्दर इंडस्ट्री लगायेगा, उसको पहले पोल्यूशन को पूरा कंट्रोल करना होगा । इसके बचाव के लिये मशीनरी लगानी होगी और इस तरह का एक सर्टिफिकेट देना होगा कि पोल्यूशन कंट्रोल के लिये मशीनरी लगाई गयी है । इसके बाद ही वह अपनी इंडस्ट्री को चालू कर सकेगा । जहां तक नैशनल हाई-वे पर इंडस्ट्रीज लगाने का ताल्लुक है, इस बारे में यह देखना होगा कि इसके इलावा इंडस्ट्रीज के लिये उसके आसपास या कहीं दूर कोई जगह है भी या नहीं । नैशनल हाई-वे पर इंडस्ट्रीज नहीं होनी चाहिये, जिससे लोगों को परेशानी हो । इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा और न ही किसी को चेन्ज आफ लैन्ड यूज की परमिशन ही होगी । अगर होगी तो उसकी रिपोर्ट नीचे से डी०सी० से आती है । अगर नीचे से चेन्ज आफ लैन्ड यूज की रिकमैन्डेशन होगी, तभी इस बात की इजाजत होगी । इस बात की बड़ी गहराई से जांच की जाती है । अब तो बाकायदा हाई कोर्ट ने भी कह दिया है कि नैशनल हाई-वे पर जो नये बाई पास बनें, उसके 100 मीटर के अन्दर अन्दर मकान नहीं बनने चाहिएं । इसलिए हम इस बात का

पूरा ध्यान रख रहे हैं कि नैशनल हाई-वे पर कोई ऐसी इंडस्ट्रीज न लगाई जाए जिससे पोल्यूशन फैलने का डर हो ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, पहला जो मेरा सप्लीमैंटरी था, उसका जवाब आना रह गया । मैंने पूछा था कि कितनी-कितनी यूनिट्स में ये एंटी-पोल्यूशन डिवाइस लगीं ? अभी मुख्य मन्त्री जी ने नैशनल हाई-वे का जिक्र किया और कहा कि नीचे से रिपोर्ट आती है । मैं चाहता हूं कि आप कोई रूल बनाएं कि नैशनल हाई-वे से इतनी दूरी पर इंडस्ट्री लगेगी । बाई पास वाली तो कोर्ट ने कह दी लेकिन सरकार ने इस बारे में कुछ नहीं किया । स्पीकर साहब, अगर केवल सौ मीटर की दूरी पर कोई इंडस्ट्री लगेगी तो वह हानिकारक होगी, इसलिए इंडस्ट्री लगाने के लिए कोई पर्टिकुलर डिस्टैंस निर्धारित होना चाहिए ।

चौधरी भजन लाल : मैंने बताया है कि सौ मीटर के अन्दर कोई मकान नहीं बना सकता तो इंडस्ट्री कैसे लगा सकता है ?

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इंडस्ट्री के लिए सौ मीटर की दूरी तो कुछ भी नहीं ।

चौधरी भजन लाल : सौ मीटर में सवा तीन सौ फुट होते हैं, क्या यह दूरी थोड़ी है ?

Income to Market Committee, Bhiwani

*1198. **Shri Ram Bhajan Aggarwal :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the total income accrued to the Agricultural Marketing Committee, Bhiwani during the years 1992-93, 1993-94 and 1994-95 separately ;

(b) the total amount spent on various works/schemes during the period as referred to in para 'a' above, separately; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct new roads by the Bhiwani Marketing Board in District Bhiwani in the next financial year ; if so, the details thereof ?

Agriculture Minister (Sh. Harpal Singh) :

(a) The total income of Market Committee Bhiwani during the years 1993-93, 1993-94 and 1994-95 is as under :—

Sr. No.	Year	Total income in lacs
1.	1992-93	91.83
2.	1993-94	114.23
3.	1994-95	111.40

(b) Total amount spent on various works/schemes during the period as referred in para 'a' above is given in attached Annexure.

(c) If any proposal is received for the next financial year, it will be considered on merits.

ANNEXURE

STATEMENT SHOWING THE TOTAL AMOUNT SPENT ON VARIOUS WORKS/SCHEMES ON BEHALF OF MARKET COMMITTEE BHIWANI DURING THE YEARS 1992-93, 1993-94, 1994-95.

Sr. No.	Name of works/scheme	Amount spent during the year (Rs. in lacs) 1992-93	1993-94	1994-95
1.	Const. of link road from Bamla to Sanga	5.55	1.57	0.15
2.	Const. of link road from Dhani Harsukh to Rewari Khera	4.64	—	—
3.	Const. of link road from Mithathal to Badesra	0.47	—	1.06
4.	Const. of link road from Kusumbi to Devsar	4.20	—	—
5.	Const. of covered shed/P Form in NGM Bhiwani	4.10	22.31	—
6.	Const. of covered platform (Masha Khors) in NVM Bhiwani	10.81	4.26	—
7.	Const. of road from Rajgarh to Roopgarh	—	0.35	0.34
8.	Repair of urban road Bhiwani	2.79	—	—
9.	Const. of staff qtrs. of class IV & II Bhiwani (B.W.)	—	0.80	0.75
10.	Const. of link road from Chang to Chhoti Chang.	—	0.07	0.68
11.	Earth filling around const. of approach road in staff qtrs Bhiwani	—	—	1.47
12.	Providing C.C flooring in front of booths	—	—	1.53
13.	Const. of road from Krishna Colony Phatak to Sham Bag leading to Vill. Dinod.	—	—	3.52
14.	Const. of staff qtrs. for class III employess in NGM Bhiwani	—	—	0.10
15.	Development of park and earth filling in NGM Bhiwani	—	—	3.51
16.	Repair of urban road Bhiwani	—	—	4.84
17.	Repair of rural link road of MC Bhiwani	—	—	1.16
18.	Minor work of M.C. Bhiwani	0.95	2.72	1.78
	Total	33.51	32.08	20.89

श्री राम भजन अग्रवाल : स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि मार्किट कमेटीज अर्बन और रूरल एरियाज की रोडज की रिपेयर करती हैं। अब बाढ़ से जो सड़कें खराब हो गई हैं, क्या मार्किट कमेटी के पैसे से अर्बन एरिया की सड़कों की रिपेयर की जाएगी ?

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहब, पहले तो मैं माननीय सदस्य के प्रश्न के पार्ट "सी" के बारे में कहना चाहता हूं कि भिवानी में मार्किटिंग बोर्ड नहीं है बल्कि मार्किट कमेटी है। लेकिन फिर भी मैंने उसका लिखित उत्तर दे दिया है। जहां इसकी सप्लीमेंटरी का सवाल है, उसके बारे में बताना चाहता हूं कि पीछे अभी मुख्य मन्त्री जी ने फैसला किया था कि जो अर्बन रोडज मंडी को जाती हैं, उनको मार्किटिंग बोर्ड बना सकता है या उनकी रिपेयर कर सकता है। उसी पालिसी के तहत हम भिवानी म्यूनिसिपल कमेटी के एरिया में जो रोडज आपकी खराब हो गई हैं, उनकी स्पैशल रिपेयर का प्रोवीजन हम रखेंगे और आपको वे सड़कें बना कर देंगे।

प्रो० छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि मार्किट कमेटियों की सीमाएं निर्धारित करते समय किस बात का ध्यान रखते हैं ? भिवानी जिले के कुछ ऐसे गांव हैं जो मार्किट कमेटी हांसी में आते हैं, जैसे धनाना, ढाणी और कुराड़ हैं। इस वजह से इन गांवों में एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ क्योंकि ये गांव भिवानी जिले के हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि ऐसे हालात में ऐसे गांवों का काम कैसे किया जाता है ? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि वर्ष 1992-93 और 1993-94 में मार्किटिंग बोर्ड की तरफ से कितना पैसा करनाल में खर्च किया गया, कितना यमुना नगर में और कितना भिवानी में खर्च किया गया ? विभिन्न जिलों में पैसा खर्च करने का क्या क्राइटेरिया है ? मैं महसूस करता हूं कि भिवानी जिले में पिछले चार साल से हमारे क्षेत्र के साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार किया जा रहा है। भिवानी जिले में मार्किटिंग बोर्ड ने नाम मात्र का पैसा भी खर्च नहीं किया है।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य चौहान साहब लैक्चर दे रहे हैं या सवाल पूछ रहे हैं ?

प्रो० छतर सिंह चौहान : मैं आपसे ज्यादा पढ़ा लिखा हूं। (शोर)

चौधरी जगदीश नेहरा : आप वाया भटिण्डा पढ़े हो। (शोर)

प्रो० छतर सिंह चौहान : आप क्या वाया इंग्लैंड पढ़े हैं ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप चेयर को ऐड्रैस करें।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, नेहरा साहब ने बीच में टोक दिया । मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछले तीन चार साल से भिवानी जिले के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है ? दूसरे जिलों में सड़कें बनवाने और रिपेयर करवाने पर पैसा खर्च किया जा रहा है लेकिन भिवानी जिले में यह काम नहीं करवाया जा रहा है ।

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि भिवानी जिले के साथ इस सरकार ने कोई सौतेला व्यवहार नहीं किया । मैं इनको बताना चाहूंगा कि 1991 से पहले भिवानी जिले में केवल 30 किलोमीटर लम्बी सड़कें बनी थीं और इस सरकार के आने के बाद भिवानी जिले में 67 किलोमीटर लम्बी सड़कें बन चुकी हैं और 23 किलोमीटर लम्बी सड़कों पर काम चल रहा है । भिवानी जिले के साथ इस सरकार ने अच्छा बरताव किया है । दूसरे जिलों के बारे में हमें यह सैपरेट नोटिस दे दें कि कितना कितना काम हुआ है, वह हम आप को बता देंगे ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि मार्किट कमेटीज ने जिन गांवों में सब यार्ड या परचेजिंग सैंटर बनाए हुए हैं, क्या उन गांवों की गलियों को मैटल्ड रोड बनाने का प्रावधान मार्किट कमेटीज के पास है ? मैंने लिख कर दिया हुआ है कि मेरी कांस्टीच्यूएंसी बिरोय के पावड़ा गांव की गलियों को मैटल्ड रोड बनाया जाए । आप उस गांव की गलियों को कब तक मैटल्ड रोड बना देंगे ?

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहब, गांव की गलियों को पक्का करने का कोई प्रोवीजन नहीं है और न ही मार्किटिंग बोर्ड ने ऐसी कोई पालिसी बनाई है ।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर जितनी भी मार्किट कमेटीज हैं, क्या उनमें भिवानी जिला भी इन्क्लूड है ? क्या सभी मार्किट कमेटीज ने नगरपालिकाओं को पैसा ट्रांसफर कर दिया है अगर कर दिया है तो उसका जिलावार ब्यौरा क्या है और उसके ट्रांसफर करने के क्या कारण हैं ?

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मेरे नोटिस में यह बात नहीं है । अगर कहीं पर यह बात है तो हमें बता दें, हम उस बारे में इंक्वायरी करा लेंगे ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमने फैसला किया है कि शहरों में जो सड़कें म्यूनिसिपल कमेटी के एरिया में पड़ती हैं और मंडी भी म्यूनिसिपल एरिया में पड़ती है, उन सड़कों द्वारा किसान अपना अनाज चाहे ट्रैक्टर से लाते हैं, चाहे ट्रक से लाते हैं, चाहे बैल गाड़ियों से लाते हैं, उन सभी सड़कों को बनाया जाएगा ताकि किसानों को कोई तकलीफ न हो ।

श्री जयपाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं मार्किट कमेटी सोनीपत का चेयरमैन रहा हूं और उस समय मैंने अपने टाईम में दो सड़कें बनाने के लिए पैसा दिया था। एक सड़क राई से भालगढ़ बनाई जानी थी, वह सड़क कुछ बन गई है और कुछ काम बाकी रहता है। मैं चाहूंगा कि उस सड़क को कम्पलीट करवाने के लिए सरकार पैसा भिजवाए। इसी प्रकार से ताजपुर से मिलकपुर का तीन किलोमीटर का टुकड़ा है और एक दूसरी सड़क खडकड से जांटी तक बनाने के लिए पैसा मंजूर हुआ था जो करनाल एक्सीयन के पास 1990 से पड़ा है। मैं चाहता हूं कि इस पैसे को जल्दी रिलीज करवाया जाए ताकि ये सड़कें बन सकें।

श्री हरपाल सिंह : जिस जिस सड़क के बारे में ये पूछना चाहते हैं, यदि उनकी ये डिटेल जानना चाहते हैं तो अलग से नोटिस दें, लेकिन अब मैं एक जनरल पॉलिसी के बारे में बताना चाहता हूं। जहां पर काम अन्डर कन्सट्रक्शन है, उसको अब बारिश के बाद टेकअप करेंगे। अब सरकार ने यही फैसला लिया है कि पहले जो सड़कें बाढ़ के कारण या अधिक बरसात के कारण टूट गई हैं, उनकी रिपेयर पहले की जाए और नई सड़कें बाद में टेकअप की जाएं।

श्री जयपाल सिंह : जिन दो सड़कों का मैंने जिक्र किया है, इनका पैसा 1990-91 का सैंकशंड हुआ पड़ा है और ये सड़कें अधूरी पड़ी हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि ये सब कब तक बन जाएंगी ?

श्री हरपाल सिंह : जो सड़कें अण्डर कंस्ट्रक्शन हैं उनको पहले कम्पलीट करेंगे

Blast in Crackers Factory Rohtak

*1225. Shri Om Parkash Beri : Will the Chief Minister be pleased to state whether the State Government has ordered an enquiry into the blasts in Crackers Factories in Rohtak by the Health Commissioner during the year, 1995, if so, the results thereof together with the action taken thereon ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : जी हां। राज्य सरकार ने 28-6-95 को तत्कालीन आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार स्वास्थ्य विभाग को पटाखा कारखाना, रोहतक में हुए विस्फोट की जांच करने के लिए नियुक्त किया था। जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई जांच रिपोर्ट को राज्य सरकार ने स्वीकार कर लिया है और जो अधिकारी पटाखा यूनिट को लाईसेंस प्रदान करने के सम्बन्ध में असावधान पाए गए थे, उनके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह सभी उपायुक्तों को मार्गदर्शन जारी कर दिए गए हैं कि वे इस बारे आवश्यक पग उठाएं ताकि ऐसी घटनाएं फिर न हों।

श्री ओमप्रकाश बेरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि कृष्णा फायर वर्क्स फैक्टरी क्या फैक्टरी एक्ट की धारा 6 के तहत रजिस्टर हुई है ? दूसरे, जो इन्क्वायरी रिपोर्ट हैल्थ कमिश्नर ने दी है, क्या इस फैक्टरी ने एक्सप्लोसिव एक्ट, 1984 एंड दी एक्सप्लोजन रूल्ज, 1983; फैक्टरीज एक्ट एंड रूल्ज 1948; बौंडड लेबर सिस्टम (एबोलयूशन) एक्ट; चिल्ड्रन एक्ट; चाइल्ड लेबर (प्रोहिबिशन एंड रैगूलेशन) एक्ट, 1986, हरियाणा म्यूनिसिपल एक्ट; शॉप्स एंड कोमर्शियल एस्टेबलिशमेंट एक्ट, 1958; कन्ट्रैक्ट लेबर (रैगूलेशन एंड एबोल्यूशन) एक्ट, 1970; एम्पलाईज स्टेट इन्श्योरेंस एक्ट, 1948; एम्पलाईज प्रोविडेंट फंड एंड प्रोविजन एक्ट, 1952; मिनिमम वेजिज एक्ट की कम्पलीट तौर पर अवहेलना की है ? साथ ही मैं एक सवाल यह भी पूछना चाहता हूं कि क्या इस फैक्टरी को दिसम्बर 1991 में लाईसैंस दिया गया है, जबकि यह फैक्टरी वर्ष 1989 से काम कर रही है ? इस फैक्टरी में 24 मई, 1995 को जो एक्सप्लोजन हुआ, क्या इसी प्रकार का एक्सप्लोजन दूसरी और क्रैकर फैक्ट्रीज में भी हुआ था; यदि ऐसा हुआ है तो मुख्य मन्त्री जी बताएं कि भविष्य में ऐसी घटना न हो, क्या कदम उठाए गए हैं ? मुख्य मन्त्री जी ने यह कहा कि हैल्थ कमीशन की सारी रिपोर्ट को सरकार ने पूरी तरह से मान लिया है । मैं जानना चाहता हूं कि किन किन अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने के लिए सरकार के पास केस पहुंचा है और अब तक उनके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई है और अब यह केस किस स्टेज पर है ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने लम्बी चौड़ी तकरीर दे दी है । फिर मैं सदन की पूरी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि 1967 में पटाखा फैक्टरी स्थापित हुई थी और 1979 में इस का नाम "रानी फैक्टरी" को चेन्ज करके कृष्णा फैक्टरी रख दिया गया था । 1991 में, जब से हमारी सरकार बनी, हमने इसको चैक किया और इसका चालान किया गया लेकिन वे हाईकोर्ट में चले गए और वहां से बरी हो गए । उसके बाद म्यूनिसिपल एक्ट के नीचे इसका चालान किया गया । अक्तूबर, 1994 में इसका फैक्टरी एक्ट के तहत चालान किया गया । फैक्टरी एक्ट के तहत जिस फैक्टरी में 10 से ज्यादा व्यक्ति काम करते हैं, उसको बाकायदा लाईसैंस लेना पड़ता है और जो फैक्टरीज बिजली से चलती हैं, अगर वहां पर 20 आदमी काम करते हों तो उसको लाईसैंस लेना पड़ता है । अध्यक्ष महोदय, हमने बाकायदा उसके खिलाफ कार्यवाही की । दूसरे इन्होंने पूछा है कि जो रिपोर्ट आई जिसे हमने मान लिया है, उसके मुताबिक किस किस को आईडैंटीफाई किया गया है । इस बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि उनके खिलाफ 302 का मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही की जा रही है और 3 अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जा रही है जिन में लेबर डिपार्टमैंट का आफिसर भी है । तीन सरकारी अधिकारियों को पकड़ कर उनको अन्दर किया गया है । इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि लाईसैंस प्रदान करते समय मजिस्ट्रेट रोहतक की परमिशन चाहिए । लाईसैंस देते समय डी०सी० तथा एस०डी०एम०

का जिक्र भी किया गया है, दोनों आफिसरज को बाकायदा नोटिस दिया गया है। सरकार के पास अभी उनका जवाब आना है। अगर जवाब तसल्लीबख्श नहीं हुआ तो सरकार कार्यवाही करेगी। उनका जवाब आने पर देखेंगे कि जिस अधिकारी का कोई कसूर पाया जाएगा, सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेगी। इन्क्वायरी में जो दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। भविष्य के लिए जो सुझाव दिए गए हैं उन पर भी जरूर अमल करेंगे ताकि सुरक्षा में कोई कमी न हो तथा कोई ऐसी घटना फिर न घटे।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के बहादुरगढ़ में टीकरी गांव में ज्वालापुरी पटाखा वर्क्स में पटाखे बनते हैं जो बहादुरगढ़ की बाउंडरी में दो किलोमीटर के फासले पर है। मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह बात इनके नोटिस में है ? मुख्य मन्त्री महोदय से यह निवेदन करूंगा कि अगर ये फैक्टरीज ऐसे रहेंगी तो ऐसी चीजें कभी खत्म नहीं होंगी, इसलिए इस बारे विचार करना होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार इस बारे प्रबन्ध करेगी कि इस प्रकार की कोई दुर्घटना भविष्य में न घटे ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सूरज मल जी ने अभी यह बात मेरे नोटिस में लाई है परन्तु इससे पहले भी हमने बाकायदा सभी डी०सीज० को हिदायतें जारी की हुई हैं कि स्टेट में इस प्रकार की जो फैक्टरीज हैं, जिनसे लोगों की जान और माल को खतरा है, उनको वे चैक करें। पहले भी 25 लोग ऐसे एक हादसे में मारे गए थे। सूरज मल जी ने जो जिक्र किया है, उसके बारे में मुझे जुबानी तो पता नहीं है लेकिन दोबारा भी देख लेंगे, अगर इस फैक्टरी में कोई फाल्ट मिला तो एक दो दिनों में उसके खिलाफ कार्यवाही हो जाएगी।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि पूरे प्रदेश के अन्दर कितनी पटाखा फैक्टरीज हैं और कितनों के पास पटाखा बनाने का लाईसैंस है; इस बारे में जिलावाईज बताने की कृपा करें :

श्री अध्यक्ष : यह सप्लीमैंटरी इस सवाल से एराईज नहीं होता। कृष्ण लाल जी आप बैठें।

Post of Urdu J.B.T. Teachers

***1211. Shri Azmat Khan :** Will the Minister for Education be pleased to state—

a) the number of sanctioned posts of J.B.T. of Urdu for the Schools of Hathin, Nuh, Taoru, Nagina, Ferozepur Jhirka and Punhana blocks at present; and

b) the number of posts out of those as referred to in part (a) above, lying vacant at present ?

शिक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : (ए) तथा (बी) अपेक्षित सूचना निम्न प्रकार है :—

क्रमांक	खण्ड व जिला का नाम	रा0प्रा0/संलग्न प्रा0 में विभाग में स्वीकृत जे0बी0टी (उर्दू) टीचर्स के पदों की संख्या		रिक्त पदों की संख्या
1.	हथीन (फरीदाबाद)	55	(स0ब0मा0वि0 हथीन में दिया गया एक पद भी सम्मिलित है)	8
2.	नूंह (गुड़गांव)	16		4
3.	तावडू (गुड़गांव)	04		—
4.	नगीना (गुड़गांव)	07		—
5.	फिरोजपुर झिरका (मेव)	05		—
6.	पुन्हाना (मेव)	11		02
	कुल	98		14

श्री अजमत खां : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि आज हथीन ब्लाक में 55 स्कूलों में उर्दू पढाई जाती है लेकिन जहां पर स्कूल नहीं हैं वहां के लोग उर्दू पढ़ना चाहते हैं तो क्या वहां पर भी उर्दू पढ़ाने की व्यवस्था करेंगे ? आज लोग अपने बच्चों को उर्दू पढ़ाने के लिए अपने-अपने घरों में मास्टरों का बन्दोबस्त करते हैं ताकि उनके बच्चे उर्दू पढ सकें । हर कोई अलग से मास्टर रख कर उर्दू तो पढ़ नहीं सकता । कई स्कूल तो ऐसे हैं जहां पर उर्दू पढ़ाई नहीं जाती है लेकिन डिमान्ड है, क्या सरकार वहां पर उर्दू के टीचर्ज देने की व्यवस्था करेगी ? जहां पर उर्दू पढ़ाई जाती थी, आज वहां पर टीचर्ज नहीं है, वहां पर इन्होंने खुद-ब-खुद उनकी पोस्ट को खत्म कर दिया, क्या उन पोस्ट्स को दोबारा भरने की कृपा करेंगे ? अध्यक्ष महोदय, पांच ब्लाकों में केवल 43 पोस्ट्स हैं, मैं चाहूंगा कि वे उन पोस्ट्स को भरें और पंचायतों से पूछें कि क्या उनको उर्दू के टीचर्ज चाहिएं, अगर हां तो वहां पर उर्दू के टीचर्ज दें और वे जो 14 पोस्ट्स खाली पड़ी हैं, इनको कब तक पूरा कर दिया जाएगा ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि सरकार की ऐसी नीति रही है कि जहां पर प्राइमरी स्कूल में 30 बच्चे उर्दू पढ़ने वाले हों या एक क्लास में आठ बच्चे उर्दू पढ़ने वाले हों तो वहां एक अध्यापक उर्दू पढ़ाने वाला दे दिया जाता है । हरियाणा में बहुत सारे स्कूलों में मांग है कि उर्दू के टीचर्ज दिए जाएं तो इस बारे में दोबारा से सर्वे कर लिया जाएगा । इस के अलावा हम एस0एस0एस0 बोर्ड को इन पोस्ट्स को भरने के लिए कह देंगे और इन खाली पदों को पूरा करवा देंगे ।

श्री अजमत खां : अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री जी से अपने गांव के 10 जमा 2 स्कूल के लिए उर्दू टीचर की मांग की थी और यह मांग मैं 1991 से करता आ रहा हूं, क्या ये इस मांग को पूरा कर देंगे ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, अगर वहां पर आवश्यक होगा तो हम उर्दू का टीचर दे देंगे ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमारे पलवल में भी उर्दू पढ़ने के लिए कुछ छात्र इच्छुक हैं और इसी तरह से मेवात में जलालपुर खालसा और अगोट गांवों में इच्छुक हैं, क्या वहां पर भी उर्दू पढ़ाने के लिए टीचर्ज दिए जाएंगे ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो बताया है वह सब के लिए बताया है । जहां पर जितनी आवश्यकता होगी वहां पर उतने टीचर्ज दे देंगे ।

साध्वी लहरी सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हमारे यहां पर 53 स्कूल्ज में जे0बी0टी0 के टीचर्ज से भरने का प्रस्ताव है ।

श्री अध्यक्ष : इस सप्लीमैंटरी का इस सवाल से कोई ताल्लुक नहीं है ।

श्री जाकिर हुसैन : स्पीकर सर, जैसा मंत्री जी ने कहा कि जहां जहां पर भी उर्दू टीचर्ज की मांग होगी, वहां पर दोबारा से सर्वे करा लेंगे, मैं इनसे निवेदन करना चाहूंगा कि क्या मन्त्री जी मेवात का भी दोबारा से सर्वे करवाएंगे ? जहां जहां पर उर्दू टीचर्ज की पोस्टें खाली पड़ी हैं या जहां पर बच्चे उर्दू पढ़ना चाहते हैं वहां पर उर्दू टीचर्ज भेजे जाने चाहिएं ।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने बताया कि केवल मेवात में ही नहीं बल्कि सारे प्रान्त में, जहां पर उर्दू पढ़ने वाले बच्चे होंगे, वहां पर उर्दू पढ़ाने वाले अध्यापकों को दिया जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : क्वैश्चन आवर खत्म होता है ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Purchase of High performance Liquid Chromatograph Instrument

*1224. **Sh. Om Parkash Beri** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

a) whether any high performance Liquid Chromatograph (HPLC) Instrument was purchased for Fertilizer Laboratory, Karnal during the last three years;

b) if so, the monthwise number of fertilizer samples analysed on this instrument since its purchase ; and

c) whether the instrument as referred to in para (a) above has been transferred to Pesticide Laboratory, if so, the reason thereof ?

Agriculture Minister (Shri Harpal Singh) (a), (b), & (c) : A High Performance Liquid Chromatograph Instrument was purchased in 1993-94 for Pesticide Quality Control Laboratory under the scheme of strengthening of Quality Control Laboratories.

Since the instrument was not meant for the Fertilizer Laboratory, so no fertilizer samples have been analysed on this Instrument. The samples of fertilizers are being analysed separately in the Quality Control Laboratories (Fertilizer) Hisar and Karnal.

Expenditure incurred on Sahlawas and Jhanswa Minor

*1230. **Shri Zile Singh** : Will the Minister for Irrigation be pleased to state the total expenditure incurred on the construction on Sahlawas and Jhanswa Minors during the period from Ist March, 1995 to 31st August, 1995 togetherwith the time by which the construction work on the aforesaid minors are likely to be completed ?

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra) : No expenditure has been incurred on Sahlawas Minor from 1-3-95 to 31-8-95 whereas a sum of Rs. 76919.00 has been spent on Jhanswa Minor during the same period. Sahlawas Minor & Jhanswa Minor will be completed on availability of funds.

Police Firing at Kadma

*1226. **Prof. Ram Bilas Sharma** : Will the Chief Minister be pleased to state whether any firing incident took place at Kadma in District Bhiwani during the month of August, 1995, if so, the details thereof together with the number of persons died in the said firing ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : जी हां, दिनांक 23-8-95 को गांव कादमा जिला भिवानी में एक फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें 5 व्यक्तियों की मृत्यु हुई।

23-8-95 को लगभग 2000/2500 व्यक्ति किसान संघर्ष समिति के झण्डे के नीचे पावर हाउस कादमा जिला भिवानी के सामने एकत्रित हुए। वे बिजली बोर्ड द्वारा संशोधित बिजली की दरों का विरोध कर रहे थे तथा पिछले 2/3 वर्षों से बिजली के बिलों की अदायगी नहीं कर रहे थे। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पावर हाउस कादमा के समीप पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। किसान संघर्ष समिति के नेताओं ने उत्तेजित भाषणों द्वारा वातावरण को और बिगाड़ दिया। अचानक भीड़ बेकाबू हो गई और स्वास्थ्य विभाग की एक सरकारी जीप को जला दिया। जब वहां तैनात पुलिस बस ने दखल अन्दाजी करने की कोशिश की तो भीड़ ने पुलिस का पीछा करके उनको पावर हाऊस कादमा में शरण लेने पर मजबूर कर दिया। इसी समय लाठियों व जैलियों से लैस बहुत से ग्रामीण भी भीड़ में आ मिले और कादमा पावर हाऊस में फंसे पुलिस कर्मचारियों पर हमला कर दिया। कुछ आन्दोलनकारी एक पुलिस कर्मचारी को घसीट कर भीड़ में ले गए। भीड़ द्वारा घिरे पुलिस कर्मचारियों तथा घसीट कर ले गए पुलिस कर्मचारी की जान बचाने हेतु पुलिस ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट, जो वहां डियूटी पर उपस्थित थे, के आदेश पर बल का प्रयोग किया। उचित चेतावनी देने के उपरान्त पुलिस ने आंसू गैस के गोलों का प्रयोग किया, लाठी चार्ज व प्लास्टिक की गोलियां चलाई और अन्त में बेकाबू भीड़ पर गोली चलानी पड़ी। पुलिस फायरिंग के दौरान 5 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा 26 अन्य घायल हो गए। भीड़ द्वारा की गई हिंसा में विभिन्न रैंकों के 28 पुलिस कर्मचारी भी घायल हुए।

Issuance of a Licence

*1196. **Prof. Chhattar Singh Chauhan** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Housing Board, Haryana has applied for issuing a licence to the Director, Town & Country Planning, Haryana to tie up with the Housing Societies, Shivalik Environment of Mansa Devi Complex during the year 1992; if so, the details thereof ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग, हरियाणा को आवास बोर्ड हरियाणा ने शिवालिक इनवायरमैंट मनसा देवी कम्पलैक्स के साथ मिलकर लाईसैन्स प्राप्त करने के लिये कोई आवेदन नहीं दिया था। परन्तु आवास बोर्ड हरियाणा ने वर्ष 1992 में निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग-कम-उपायुक्त पैराफेरी को ग्राम सकेतड़ी में सोसाईटी की भूमि पर स्कीम लागू करने के लिये आवेदन किया था। विचार उपरान्त निदेशक नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग-कम-उपायुक्त पैराफेरी द्वारा मामले को रद्द कर दिया गया है।

Loan taken from World Bank/Other Agencies

*1207 **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister for Finance be pleased to state the details of the amount of loan obtained from the World Bank or any other agencies for various projects/ schemes in the State Projectwise/Schemewise during the period from August, 1994 to July, 1995, together with terms and conditions fixed for the repayment of the said loan ?

Finance Minister (Sh. Mange Ram Gupta) : The State Govt. obtained loans of Rs. 6237.41 Lakhs from the World Bank and other Agencies during the period from August, 1994 to July, 1995. The Projectwise detail is as under :—

(Rs. in Lakhs)

Sr. No	Name of the Project	Name of Agency	Loans received during Aug., 94 to July, 1995
1.	Second Technician Education Project	WB/IDA	587.29
2.	Integrated Watershed Development Project	WB/IDA	276.20
3.	2nd National Highway Project	WB/IDA	1939.85
4.	Water Resources Consolidation Project	WB/IDA	2974.36
5.	Rehabilitation of Common Land in Aravali Hills	EEC	154.32
6.	Haryana Integrated Women Population & Development Project	UNFPA	10.67
7.	Haryana Power Restructuring Project.		294.72
	Total		6237.41

The Loans carried interest @ 12% upto 31st May, 1995. From 1st June, 1995 the interest rate has been increased to 13%. The maturity of the loans is 20 years, repayable in 20 annual equal instalments together with interest on outstanding balances. 50% of the loans enjoy moratorium or grace period for initial 5 years after which repayment will be effected in 15 annual equal instalments. In the event of default in repayment, interest at the rate of 15.75% would be charged on over due instalments.

Construction of Stadium in Rural Areas

*1212. **Shri Azmat Khan** : Will the Minister of State for Sports be pleased to state:—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct stadium in the Rural areas of the State; if so, the location thereof ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a stadium in Senior Secondary School Malai in district Faridabad ?

खेल राज्य मन्त्री (श्री राजेश कुमार शर्मा) : (ए) जी, श्रीमान । विभिन्न जिलों के निम्न गांवों में स्टेडियम/खेलों के मैदान बनाने हेतु प्रस्ताव विचाराधीन है :—

अम्बाला :—चीकन मुलाना, अधोया, बिहटा, थम्बड़, बराड़ा, केसरी, मोरनी ।

रोहतक :—खेड़ी साध, सुबाना, देवरखाना, कारोर, सुनारिया, लाखनमाजरा, सांपला, अम्बोली ।

कैथल :—हाबड़ी ।

सोनीपत :—सिसाना, खरखौदा, भटगांव ।

हिसार :—सदलपुर, मोहब्बतपुर, बड़ोपल, सीसवाल, डोभी, आर्यनगर, तेलनवाली, कुतियावाली, बुरे, धीरणवास ।

भिवानी :—खरकड़ी माकवाण, बापोड़ा, सांगवान, काकड़ोली हुकमी, कादमा ।

जीन्द :—बुआना ।

कुरुक्षेत्र :—अमीन, धनौरा ।

पानीपत :—नांगल खेड़ी, जलभाणा, जोरासी खालसा ।

फरीदाबाद :—नरियाला ।

रिवाड़ी :—बावड़ोली, खरकड़ा ।

महेन्द्रगढ़ :—सिरोही नांगल, बूचावास, माधोगढ़ ।

(बी) वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मलाई जिला फरीदाबाद में स्टेडियम बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

Outstanding Amount of Sales Tax/Excise Duty

*1209. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state—

(a) the names and addresses of the firms/factories in the State against whom the payment of Sales Tax/ Excise Duty is outstanding during the period from 1993 to July 1995 togetherwith the details of outstanding amount; and

(b) steps taken/proposed to be taken to recover the outstanding amount from the firms/factories as referred to in part (a) above ?

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (श्री लछमन दास अरोड़ा) :

(क) श्रीमान जी, बिक्री कर (केन्द्रीय बिक्री कर सहित) एवं उत्पादन शुल्क की अप्रैल 1993, अप्रैल 1994 एवं जुलाई 1995 के अन्त तक की बकाया राशि का विवरण सदन के पटल पर रखी जाती है। ऐसे 6198 बाकीदार हैं जिनके विरुद्ध बिक्री कर/उत्पादन शुल्क की बकाया राशि खड़ी है। इनकी सूची तैयार करने के लिए समय, प्रयत्न एवं खर्चा प्राप्त होने वाले लाभ की तुलना में अधिक होगा। पूर्ण रिपोर्ट 500 से भी अधिक पृष्ठों में तैयार होगी।

(ख) श्रीमान जी, बकाया राशि की वसूली करने के लिए उठाए गए/उठाए जाने वाले पग प्रत्येक केस के तथ्यों एवं परिस्थितियों पर निर्भर होंगे। सामान्य रूप से यह कहा जा सकता है कि यदि कोई बाकीदार जिसके विरुद्ध बकाया राशि खड़ी है, वह उसे नहीं दे पाता तो उस बकाया राशि की वसूली के उद्देश्य से 'भू-राजस्व बकाया' घोषित कर दिया जाता है और उसकी वसूली के लिए कूर उपाय जैसे (क) सम्मन जारी करना (ख) दोषियों को गिरफ्तार करना (ग) उनकी सम्पत्ति जब्त करना आदि अपनाये जाते हैं। बकाया राशि उनके जमानतियों से वसूल करने के लिए भी प्रयत्न किये जाते हैं।

विवरण

बिक्री कर और उत्पादन शुल्क जो 1-4-93, 1-4-94 और 1-8-95 को बकाया है, की विवरणी।

बिक्री कर (राज्य बिक्री कर एवं केन्द्रीय बिक्री कर)

जब तक	बकाया	ब्रेक अप (2)		
		स्थगन अधीन	अन्दर राज्य	जब्त सम्पत्ति
1	2	2.1	2.2	2.3
1.4.93	127.10	77.63	11.17	4.50
1.4.94	151.51	91.85	11.60	6.71
1.8.95	203.40	107.32	17.03	7.63

(रुपये करोड़ों में)

बट्टे खाते	समापन अधीन	कुल (2.1 से 2.5)	बकाया (2-2.6)
2.4	2.5	2.6	
5.23	6.18	104.71	22.39
6.66	6.30	123.12	28.39
7.83	11.54	151.35	52.05

आबकारी (उत्पादन शुल्क एवं लाईसेंस फीस)

जब तक बकाया बेक अप (2) (रुपये करोड़ों में)

	स्थगन अधीन	अन्तर राज्य	जब्त सम्पत्ति	बट्टे खाते	समापन अधीन	कुल (2.1 से 2.5)	बकाया (2-2.6)
1 2	2.1	2.2	2.3	2.4	2.5	2.6	
1-4-93	7.49	4.64	0.30	— 0.38	—	5.32	2.17
1-4-94	18.05	9.32	0.32	— 0.49	—	10.13	7.92
1-8-95	13.22	6.29	0.45	0.58	0.38	0.11	7.81	5.41

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

L.I.G. and E.W.S. Houses

261. Dr. Ram Parkash : Will the Minister of State for Housing be pleased to state the districwise number of Houses constructed by the Housing Board for the persons belonging to Economically Weaker Sections and Lower Income Group during the period from 1991 to-date in the State ?

आवास राज्य मंत्री (श्री खरैती लाल शर्मा) : आवास बोर्ड हरियाणा द्वारा राज्य में 1991 से 31-3-95 तक की अवधि में आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग तथा निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए बनाए गए मकानों की जिलेवार संख्या निम्नानुसार है :—

जिले का नाम	आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग	निम्न आय वर्ग
फरीदाबाद	354	734
महेन्द्रगढ़	122	164
अम्बाला	524	723
कुरुक्षेत्र	145	265
रोहतक	506	735
सिरसा	शून्य	38
भिवानी	3	360
करनाल	शून्य	800
यमुनानगर	शून्य	190
सोनीपत	शून्य	250
पानीपत	शून्य	120
रिवाड़ी	76	98
जींद	शून्य	70
जोड़	1875	4539

Number of Primary schools in District Kurukshetra

262. **Dr. Ram Parkash:** Will the Minister for Education be pleased to state the yearwise number of Government Primary Schools/Branch Primary Schools opened in district Kurukshtra during the period from 1987 to date together with the location thereof ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 1987 से आज तक खोले गए राजकीय प्राथमिक विद्यालयों/शाखा प्राथमिक विद्यालयों की वर्षवार संख्या निम्नानुसार है :—

क्रम संख्या	वर्ष	राजकीय प्राथमिक विद्यालयों की संख्या	शाखा प्राथमिक विद्यालयों की संख्या	कुल
1.	1987-88	—	—	—
2.	1988-89	16	1	17
3.	1989-90	5	—	5
5.	1990-91	2	1	3
5.	1991-92	3	4	7
6.	1992-93	3	1	4
7.	1993-94	—	1	1
8.	1994-95	16	—	16
9.	1995-96	—	2	2
		45	10	55

राजकीय प्राथमिक विद्यालयों/शाखा प्राथमिक विद्यालयों के नामों की वर्ष वार सूचियां अनुबन्ध-1 तथा अनुबन्ध-2 पर रखी हैं ।

अनुबन्ध-1

जिला कुरुक्षेत्र

वर्ष 1987 से अब तक खोले गए राजकीय प्राथमिक विद्यालयों की सूची :

क्रम संख्या	वर्ष	विद्यालय का नाम
1	2	3
1.	1987-88	शून्य
2.	1988-89	रा.प्रा.पा. छैलों
3.	—सम—	—सम— कुषिया प्लाट

[श्री फूल चन्द मुलाना]

1	2	3
4.	—सम—	—सम— रामपुर खेड़ा
5.	—सम—	—सम— मुकीमपुर
6.	—सम—	—सम— फतेहगढ़
7.	—सम—	—सम— हरि सिंह का माजरा
8.	—सम—	—सम— बरसट अलीपुर
9.	—सम—	—सम— गुमटी
10.	—सम—	—सम— खेड़ी मारकण्डा
11.	—सम—	—सम— रामगढ़
12.	—सम—	—सम— रावा
13.	—सम—	—सम— जलबेहड़ा
14.	—सम—	—सम— नानकपुर
15.	—सम—	—सम— पटेल नगर
16.	—सम	—सम— सूरा
17.	—सम—	—सम— किशनगढ़
18.	1989-90	—सम— गुरचरण सिंह फार्म
19.	—सम—	—सम— बनारसी दास प्लाट
20.	—सम—	—सम— दुगारी
21.	—सम—	—सम— अजीत नगर
22.	—सम—	—सम— जी. एस. फार्म
23.	1990-91	—सम— गांधी नगर
24.	1990-91	रा. प्रा. पा. रत्नगढ़ ककराली

1	2	3
25.	1991-92	—सम— डेरा प्रेम नगर
26.	—सम—	—सम— डोढा खेड़ी
27.	—सम—	—सम— अर्बन स्टेट सैक्टर 13 कुरुक्षेत्र
28.	1992-93	रा.क.प्रा.पा. मथाना
29.	—सम—	—सम— दयालपुर
30.	—सम—	—सम— शाहबाद नं0 4
31.	1993-94	शून्य
32.	1994-95	रा. प्रा. पा. (क) भट्ट माजरा
33.	—सम—	—सम— कुम्हार माजरा
34.	—सम—	—सम— डेरा बाजीगर
35.	—सम—	डेरा दिल्ली वाला
36.	—सम—	डेरा पूर्विया
37.	—सम—	—सम— अजमतपुर
38.	—सम—	—सम— ट्यूकर प्लाट
39.	—सम—	—सम— डेरा भगतपुर
40.	—सम—	—सम— डेरा सन्धोया
41.	—सम—	—सम— मोहम्मद शाह
42.	—सम—	रा. क. प्रा. पा. डेरा बजीगर
43.	—सम—	—सम— टकोरन
44.	—सम—	—सम— डेरा चन्दनपूर
45.	—सम—	—सम— बोरीपुर
46.	—सम—	—सम— नहर माजरा
47.	—सम—	—सम— पठ्ठी बोरीपुर

[श्री फूलचन्द मुलाना]

अनुबन्ध–2

जिला कुरुक्षेत्र

वर्ष 1987 से अब तक खोले गए ब्रांच प्राथमिक विद्यालयों की सूची

क्रम संख्या	वर्ष	विद्यालय का नाम
1.	1987–88	—
2.	1988–89	रा. प्रा. पा. डेरा पुन्नूराम
3.	1989–90	—
4.	1990–91	रा. प्रा. पा. नारायणगढ़
5.	1991–92	–सम– शहजादपुर
6.	–सम–	–सम– पट्टी शहजादपुर
7.	–सम–	–सम– टिब्बा फार्म
8.	–सम–	–सम– बन्नी चन्ना
9.	1992–93	–सम– डेरा चक जगातिया
10.	1993–94	–सम– डेरा बाजीगर (बारना)
11.	1994–95	— —
12.	1995–96	–सम–डेरा मालीवाला
13.	–सम–	–सम– ब्रह्मापुरी कालोनी

Expenditure Incurred on the Ministers

263. **Dr. Ram Parkash** : Will the Chief Minister be pleased to state the total expenditure incurred on account of telephones, T.A./D.A. of the Ministers during the period from April, 1993 to March, 1995 ?

मुख्य मंत्री (चौ० भजन लाल) :

1. अप्रैल, 1993 से मार्च, 1995 तक मंत्रियों के दूरभाष एवं देश के अन्दर की गई यात्राओं से सम्बंधित यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता पर किया गया कुल खर्च निम्नलिखित है :–

दूरभाष	:	रुपये 1,62,52,308.00
यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता	:	रुपये 22,58,543.60

2. इस अवधि में मंत्रियों की विदेश यात्राओं से सम्बंधित यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता पर किये गये कुल खर्च के बारे में सूचना इकट्ठी की जा रही है और मिलने पर प्रस्तुत कर दी जाएगी।

Allotment of Arms out of Discretionary quota

264. **Dr. Ram Parkash**: Will the Chief Minister be pleased to state the names and addresses of the persons to whom Arms have been allotted out of the discretionary quota during the period from 1988 to 31st May, 1991 and 1992 to date yearwise separately ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : वांछित सूचना अनुलग्नक पर दी जाती है :—

अनुलग्नक

वर्षवार उन व्यक्तियों के नाम तथा पते जिन्हें 1988 से 31 मई, 1991 तथा 1992 से अब तक की अवधि के दौरान ऐच्छिक कोटे से शस्त्र आबंटित किये जाने बारे विवरण—विधान सभा प्रश्न नं० 264 के बारे में :—

क्रमांक	मुख्यमंत्री के स्वैच्छिक कोटा से अलाटियों के नाम तथा पते	आवंटन की तिथि
1	2	3
1.	श्री लखी राम, आई० पी० एस० पुलिस अधीक्षक, हिसार।	6—1—88
2.	श्री रत्न सिंह, सिपाही, मकान नं0 1364, सैक्टर 20-बी, चण्डीगढ़।	22—1—88
3.	श्री लोकेश सिंह, ड्राईवर, एफ०सी० आफिस, हरियाणा।	21—3—88
4.	कैप्टन पूर्ण चन्द जग्गा मार्फत इलैक्ट्रानिक ग्रुप, ई०एम०ई० स्कूल बडिर-39008	16—5—88
5.	श्री एच० एस० चट्ठा, स्पीकर, हरियाणा विधान सभा, चण्डीगढ़।	9—6—88
6.	श्री महा सिंह, एम० एल० ए०, चेयरमैन, हैफड, हरियाणा, चण्डीगढ़।	9—6—88
7.	श्री लक्ष्मण दास बजाज, एम.एल.ए, करनाल।	15—6—88

1	2	3
8.	श्री नर सिंह डांडा, एम0एल0ए0, चेयरमैन, हरियाणा कृषि मार्किटिंग बोर्ड, हरियाणा।	17-6-88
9.	श्री बृज मोहन गुप्ता, एम0एल0 ए0, जगाधरी ।	18-6-88
10.	श्री कृष्णसिंह सांगवान, एम0 एल0ए0 गोहाना, जिला सोनीपत ।	20-6-88
11.	डॉ० के0 वी सिंह, विशेष कार्य अधिकारी, मुख्यमंत्री, हरियाणा ।	21-6-88
12.	श्री रण सिंह भान, चेयरमैन, हरियाणा । ब्यूरो ऑफ पब्लिक एन्टरप्राईजेज	21-6-88
13.	श्री दुर्गा दत्त अत्री, एम0 एल0 ए0 राजौंद, जिला जींद ।	21-6-88
14.	श्रीमती सुषमा स्वराज, खाद्य एवं आपूर्ति मन्त्री, हरियाणा ।	23-6-88
15.	श्री अनिल कुमार सुपुत्र श्री शिवप्रसाद एम0 एल0ए0, अम्बाला शहर।	23-6-88
16.	श्री बी0एस0 रावत, एम0 एल0 ए0, हथीन ।	24-6-88
17.	डा0 कमला वर्मा, स्वास्थ्य मन्त्री, हरियाणा।	24-6-88
18.	श्री सतवीर सिंह काद्यान, एम0 एल0 ए0, नीलखा (करनाल) ।	27-6-88
19.	श्री उदयभान, एम0 एल0 ए0, गांव हसनपुर, जिला फरीदाबाद ।	29-6-88
20.	श्री बनारसी दास, एम0 एल0 ए0, कलायत, जिला जींद ।	30-6-88

1	2	3
21.	श्री ओमवीर पुत्र श्री धनपतराम, गांव चौटाला, तहसील डबवाली, जिला सिरसा।	3-7-88
22.	श्री आनन्द सिंह डांगी, चेयरमैन, एस0एस0 एस0 बोर्ड, हरियाणा।	5-7-88
23.	श्री कान्ति प्रकाश भल्ला, एम0 एल0 ए0, कालका, जिला अम्बाला।	6-7-88
24.	श्री उदय सिंह क्लर्क, मकान नं0 1033/1 सैक्टर 30, बी, चण्डीगढ़।	9-7-88
26.	मेजर जनरल, के0 एस0 कोहली, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, हैडक्वार्टरज़, पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल एरिया शिमला-171003	19-8-88
26.	श्री मोहिन्द्र सिंह, मकान नं0 31, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़।	5-10-88
27.	श्री धर्मपाल डांगी, पुत्र श्री अमीलाल, गांव तथा डा0 मदीना, जिला रोहतक।	6-10-88
28.	श्री योगेश चन्द शर्मा, एम0 एल0 ए0, बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद।	3-11-88
29.	श्री अनील कुमार पुत्र श्री भागमल, एम0 एल0 ए0, सढौरा, चेयरमैन, हरियाणा हैण्डलूम कारपोरेशन, लि0	5-11-88
30.	श्री हरिसिंह, आरगेनाईजिंग सैक्रेटरी, हरियाणा स्टेट लोकदल, जिला हिसार।	8-11-88
31.	जयप्रकाश, प्रधान लोकदल नजदीक, सदर पुलिस स्टेशन, जींद।	18-11-88
32.	श्री जॉन वी0 जार्ज, आई0 पी0 एस0, स्पेशल ब्रांच, सी0 आई0 डी0, हरियाणा।	20-11-88

[चौधरी भजन लाल]

1	2	3
33.	श्री उदय सिंह दलाल, भूतपूर्व एम0 एल0 ए0 गांव एवं डा0 मंढोथी, जिला रोहतक ।	23-11-88
34.	श्री बी0 पी0 भारद्वाज, पब्लिक वर्क्स मनिस्टर (बी0 एण्ड आर0), हरियाणा। चण्डीगढ़ ।	7-12-88
35.	श्री कृष्ण स्वरूप, एस0 डी0 एम0, डबवाली, जिला सिरसा ।	26-12-88
36.	श्री धर्मवीर, राज्य परिवहन मंत्री, हरियाणा।	20-1-89
37.	श्री चमन लाल पसरीजा, अवर सचिव, जेल एवं न्यायिक विभाग, हरियाणा ।	4-2-89
37.	श्री गया लाल भूतपूर्व, एम0 एल0 ए0, नई अनाज मार्किट, होडल, तहसील, पलवल, जिला फरीदाबाद	19-4-89
39.	श्री धर्मपाल डांगी, सुपुत्र श्री अमीलाल, गांव एवं डा0 मदीना, जिला रोहतक ।	12-10-89
40	दिनांक 13-10-89 से 31 मई, 1991.	शून्य
41	वर्ष 1992.	शून्य
42.	श्री एस0 डी0 अग्रवाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बी0 डी0 अग्रवाल, माननीय मुख्य न्यायधीश, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, चण्डीगढ़ ।	1-10-93
43.	श्री आशिश किशोर पाटिल ऑफ धुले, महाराष्ट्र ।	20-6-94
44.	वर्ष 1995	शून्य

ध्यानाकर्षण सूचनायें/विभिन्न विषयों का उठाया जाना

प्रो० छत्तर पाल सिंह: स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा में इसका एक काल अटैंशन मोशन दिया था। सर, चीफ मिनिस्टर साहब ने 15-3-94 को क्वेश्चन नं० 669 के बारे में जवाब देते हुए कहा था कि सारे प्रान्त में जहां पर जो व्यक्ति जाली सर्टिफिकेट के साथ प्रैक्टिस करता हुआ पाया जाएगा, उसके खिलाफ निश्चित तौर पर कार्यवाही की जाएगी। मुझे खेद है कि अब भी इस तरह के डाक्टर्ज हैं जो जाली सर्टिफिकेट के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं। इसी तरह से भिवानी के अन्दर भी जिनके बारे में मैंने अपना क्वेश्चन लगाया है, डी० वी० कृष्ण नाम का एक डाक्टर है जिसके पास जाली सर्टिफिकेट्स हैं और डायरेक्टर हैल्थ ने भी उसके खिलाफ रिपोर्ट देकर मुकद्दमा दर्ज करवाया हुआ है। मैं जानना चाहता हूं कि मेरे काल अटैंशन मोशन का क्या बना ?

श्री अध्यक्ष: आप का यह मोशन आज सुबह ही आया है और अभी इसके बारे में कोई भी विचार नहीं किया गया है।

प्रो० छत्तर पाल सिंह: क्या यह अभी अंडर कन्सीडरेशन है ?

श्री अध्यक्ष: अभी हम इसे देखेंगे।

प्रो० छत्तर पाल सिंह: कहने का मतलब है अभी यह अंडर कन्सीडरेशन है।

श्री अध्यक्ष: अंडर कन्सीडरेशन का तो कुछ भी फैसला हो सकता है। अभी आप बैठिए।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान: स्पीकर सर, मैंने भी अपना एक काल अटैंशन मोशन दिया था। (विघ्न)

प्रो० छत्तर पाल सिंह: स्पीकर साहब, जाली सर्टिफिकेट के साथ प्रैक्टिस करने वाले डाक्टर की खबर 'राष्ट्रीय सहारा' के अखबार में भी छपी थी। मेरे पास वह अखबार है। सर, इससे सरकार की बड़ी बदनामी हुई है।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान: सर, मैंने भी कल आपकी सेवा में नांगल डिस्ट्रीब्यूटरी में कट होने की संभावना से एक काल अटैंशन मोशन दिया था। इसके कारण तोशाम कांस्टीच्युएंसी में बड़ा भारी तनाव है। हजारों लोग रात को और इतने ही लोग दिन को पैट्रोलिंग करते हैं। इस पैट्रोलिंग का कारण यह है कि सात सिलैण्डर को कलानौर की विधायिका श्रीमती करतार देवी ने पुलिस के बल पर रेलवे लाइन जो भिवानी से रोहतक जाती है को क्रॉस करा दिया जिसके कारण वहां नहर के पास आठ दस फुट पानी भरा हो गया है। वहां पर हजारों लोग तनाव में हैं। यह बहुत ही गंभीर मसला है।

Mr. Speaker : It is a conjecture. कोई ऐसा वाकया तो नहीं हुआ।

श्री छत्तर सिंह चौहान : सर, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं .....

श्री अध्यक्ष : अभी उनको मोशन एडजर्नमेंट के पास करने के लिए भेजा हुआ है।

श्री धर्म बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, बीस सितम्बर से इस हाउस के माननीय सदस्य चौधरी श्री ओम प्रकाश सिंह रोहतक में आमरण अनशन पर बैठे हैं। सर, इस महान सदन का अधिवेशन चल रहा है और मैं एक ऐसी बात को लेकर यहां पर आमरण अनशन पर बैठे हैं जो रोहतक से सम्बन्धित है। उन्होंने जिला हैड क्वार्टर रोहतक में पानी एक महीने के बाद भी नहीं निकला है, इसलिए वे अभी भी आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनके साथ हमारे बी० जे० पी० और संघर्ष समिति के लोग भी बैठे हैं। लेकिन सर, इस सदन के वे एक माननीय सदस्य हैं, उनकी जान जा रही है और सदन चल ही रहा है। सरकार को इस बात को सीरियसली लेना चाहिए और इस सम्बन्ध में कोई न कोई उपाय करना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : धर्मबिलास जी, आप बैठिए और अब धर्म सिंह जी को बोलने दें।

श्री धर्म सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने जो पंजाब शिड्यूल्ड रोड ऐक्ट, 1963 के संदर्भ में मकान और दुकान तुड़वाने का आदेश दिया है, उसके बारे में मैंने अपने टेलीफोन पर भी बात की थी और स्वयं आपके कमरे में आकर कहा था। अब भी मेरी आपसे प्रार्थना है कि इसके बारे में चर्चा करवाई जानी चाहिए। हरियाणा के इस महान सदन को और हरियाणा की जनता को यह जानने का हक है कि हाई कोर्ट ने जो यह आदेश दिया है, इससे हरियाणा में कितने लोग प्रभावित होंगे ? स्पीकर सर, जिन अधिकारियों ने लोगों के मकानों एवं दुकानों के गिरवाने के नोटिस जारी किए हैं और जिन लोगों ने सरकार की इजाजत से अपने मकान और दुकानें बनवाई हैं, उनके बारे में सरकार को बताना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा एसेम्बली सदन हूं। 1963 के पंजाब शिड्यूल्ड रोड ऐक्ट में लिखा हुआ है कि जहां पर कोई म्युनिसिपल कमेटी या दूसरी लोकल अथारिटीज़ की हदों से गुजरती सड़कों पर यह आदेश लागू नहीं है। इसके बावजूद न जाने सरकार क्यों लोगों को दुखी करना चाहती है। नम्बर 16-17 की लोगों के मकान और दुकानें नेशनल हाइवे के साथ-साथ गिराए जाने के नोटिस एक्सीयन, पी० डब्लू० डी० ने तैयार किए हैं। मैंने इस बारे में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप उसको एडमिट करें और सरकार इस बारे में बताए। इससे कलानौर के ही नहीं बल्कि सारे हरियाणा के लोग चिंतित हैं। एक तरफ सरकार दुकान और मकान बनाने की इजाजत देती है, दूसरी तरफ म्युनिसिपल कमेटी के अधिकारियों ने नोटिस जारी किए हैं। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश को मानने में हमें कोई ऐतराज नहीं है लेकिन लोगों को परेशान करने के लिए सरकार उस आदेश की आड़ में नाजायज काम करने जा रही है

श्री अध्यक्ष : आपने बोल लिया, अब आप बैठ जाइए।

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैंने इसी विषय में 20 मार्च को एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था। 1965 के ऐक्ट के मुताबिक 30 हजार दुकानें और मकान गिराने के नोटिस दिए गए हैं, बहुत सी दुकानें और मकान सड़क से 100 फुट से ज्यादा दूरी पर हैं लेकिन उनको भी नोटिस देकर परेशान किया गया है। इनमें बहुत से ऐसे व्यक्ति भी हैं जिन्होंने नॉन-आब्जेक्शन सर्टिफिकेट लिया हुआ है उसके बावजूद नोटिस दिए हैं। पिपली का उदाहरण मैं देना चाहता हूं। वहां सरकारी पी० डब्ल्यू० डी० का रैस्ट हाउस है, उसकी भी चारदीवारी है, उसके हिसाब से लोगों के मकान उससे आगे नहीं हैं। सरकारी भवन जिस सीमा तक होता है, उस सीमा तक दूसरे लोगों को भी मकान और दुकानें बनाने का मौका मिलना है। इसके अलावा बहुत से गांव ऐसे भी हैं जो जी० टी० रोड पर हैं, वे भी इसकी चपेट में आएंगे। मैं समझता हूं कि इसके बारे में गहराई से विचार किया जाना चाहिए। जिनको गलत नोटिस दिए गए हैं, उनके वापिस लिए जाने चाहिए और जिन लोगों ने मंजूरी लेकर मकान बनाए हैं, उनके नोटिस भी वापिस हों। रोड में माईलस्टोन का अलग मसला है, पिछली रोड को अलग बनाया है, उससे कोई फासले की तौर पर ट्रीट नहीं किया जा सकता है।

श्रीमती चन्द्रावती : सर, मैंने दो काल अटेंशन नोटिस-एक डावरी के प्रीवेंशन सिस्टम के बारे में दूसरा पोलिस के बारे में और तीसरा बाढ़ से फसल बरबाद होने के बारे में दिया था, उनकी क्या पोजीशन है ?

श्री अध्यक्ष : आपके तीनों नोटिस डिसअलाउड हैं। आपको बोलने का मौका दिया गया था उस समय आप बोली नहीं। अब आप बैठ जाइए।

श्री कंवर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने पावरलूम्स काउंट से सम्बन्धित एक काल अटेंशन नोटिस दिया था, उसका क्या बना ?

श्री अध्यक्ष : आपका काल अटेंशन नोटिस सरकार के पास कमैंट्स के लिये भेजा हुआ है।

चौधरी ओम प्रकाश बेरीवाल : अध्यक्ष महोदय, इस सदन के माननीय सदस्य प्रोफेसर राम विलास शर्मा जी ने श्री ओमप्रकाश सिंह द्वारा भूख हड़ताल करने के अहम मुद्दे को सबका आपके माध्यम से इस हाउस का ध्यान दिलाने का प्रयास किया है लेकिन दुर्भाग्य से वैधानिक तौर से उसको केवल सदन में ही ले लिया कि वह बजट पढ़ने की दृष्टि से अच्छा रहेगा। अध्यक्ष महोदय, इस सम्मानित हाउस का एक सम्माननीय सदस्य रोहतक में इस बात के लिये आज भूख हड़ताल पर धरना दे कर बैठा हुआ है कि हरियाणा प्रदेश की सरकार इस प्रदेश के अन्दर आए हुए

[चौधरी ओम प्रकाश चौटाला]

बाढ़ के पानी को निकालने में पूरी तरह से विफल रही है। यह केवल अकेले रोहतक की बात नहीं है, सारा हरियाणा प्रदेश ही बाढ़ की पूरी लपेट में है। सरकार बाढ़ के कारण आए पानी को निकालने का प्रयास करे, इस बात को लेकर वे सम्मानित सदस्य आज भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनके साथ और दूसरे राजनैतिक नेता भी बैठे हुए हैं। यह बड़ा ही एक अहम मुद्दा है लेकिन सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। सरकार इसको केवल मजाक ही समझ रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान बैक कौशल से हटाकर इस ओर दिलाने का साहस कर रहा हूं कि यह बड़ा ही गम्भीर मैटर है, इसको सीरियसली लेना चाहिये। इसको मजाक में टालने का केवल मात्र प्रयास नहीं करना चाहिये। भूख हड़ताल पर बैठने वाले इस हाऊस के सम्मानित सदस्य हैं। लोगों का अरबों रुपये का नुकसान हो गया, किसानों का जो फसल था, वह बरबाद हो गया, लोगों के मकान ढह गये और दुकानदार जो इस फ्लड के कारण बरबाद हो गये, उनका भी अरबों रुपयों का नुकसान हो गया लेकिन सरकार की तरफ से किसी को कोई राहत नहीं दी गई है। इन सभी बातों को लेकर माननीय सदस्य आज भूख हड़ताल-मरण व्रत पर बैठे हैं, पर सरकार बार बार इस मुद्दे को मजाक में ही टाल रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सरकार को कहना चाहता हूं कि यह बड़ा ही अहम मुद्दा है। सरकार को यह मामला सीरियसली लेना चाहिये।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, रूल्ज़ एंड प्रोसीजर की किताब के मुताबिक, वरना, क्योंकि बाहर के मामले पर डिस्कशन नहीं हो सकती। आप तो इस मुद्दे पर कुछ भी काफी बोल चुके हैं और आपके दूसरे साथी भी बोलेंगे। (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी एक वाजिब काम को लेकर मरण व्रत पर बैठे हैं और सरकार की ओर से इस को मजाक में टालने का प्रयास किया जा रहा है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : इसी मुद्दे पर मानो फ्लड से सम्बन्धित मुद्दा ही डिसकस हो रहा है। (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस मुद्दे पर सदन में डिसकशन होनी चाहिये और आपकी जिम्मेवारी बनती है कि आप इस मुद्दे की ओर सरकार का ध्यान दिलवाएं। जो सम्मानित सदस्य आज मरण व्रत पर बैठे हैं, उनकी जान जोखिम में है। (शोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी बड़े ही भले आदमी हैं। हम उनकी पूरी इज्जत करते हैं और वे हमारी पार्टी के सदस्य भी रहे हैं। वे जब कल बैठे थे तो उन्होंने बोलते हुए थोड़ा सा भी चौ. धीरपाल जी का

शिकार नहीं किया। एक मिनट भी उनके बारे में नहीं सोचे और जब कल राम बिलास जी ने मसला यहां हाउस में उठा दिया, तब उन्होंने इनकी बात को पकड़ लिया लेकिन इनके ध्यान हमें धीरपाल जी से हमदर्दी है। यह तो एक सियासी स्टण्ट है। लोहारू एरिया में दो चार नहरों कनालों को छोड़कर आज कहीं भी पानी नहीं खड़ा है। अध्यक्ष महोदय, आप हाउस की एक कमेटी बना दीजियेगा जो जाकर सारी स्थिति का जायजा ले और इस हाउस को अपनी रिपोर्ट दे कि सही स्थिति क्या है। अगर दो-चार जगह को छोड़कर कहीं पानी खड़ा होगा तो यह हाउस जो भी सजा दें मैं उसे भुगतने के लिये तैयार हूं। (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, घर छाजू राम पार्क के आगे चार चार फुट पानी खड़ा है। ये कैसे कह रहे हैं कि कहीं पर पानी नहीं खड़ा है? (शोर) आप हाउस की एक कमेटी तहकीकात के लिये एक कमेटी बना दीजियेगा जो इस बात का निर्णय करे। (शोर)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ठीक है आप इस हाउस की कमेटी बना दें जो इस बात का निर्णय करे। ये लोग तो सियासी रोटी सेंकने के लिये फ्लड को इस मुद्दे के साथ जोड़ रहे हैं। इन को इस तरह से सियासी रोटी नहीं सेकनी चाहिये। हमारी तो धीरपाल जी से पूरी हमदर्दी है, इसलिये हम उनकी पार्टी के मैम्बर्ज को भी कहेंगे कि वे उन्हें समझाएं और कहें कि हमारी उनके साथ पूरी सहानुभूति है। खामखाह इन सामने वाले लोगों ने मिस गाइड कर उन्हें भूख हड़ताल पर बैठा दिया है। उनको उठा लें, ऐसी कोई बात नहीं है, कहीं पर कोई पानी नहीं खड़ा हुआ। मैं हाउस में इतना कहना चाहता हूं कि इस सरकार को फ्लड से जितनी चिन्ता रही है, इतनी शायद आज से पहले किसी और सरकार को नहीं रही होगी।

जहां तक सड़कों का ताल्लुक है, इस बारे में कमाल साहब, डाक्टर राम प्रकाश को, और भी कई साथियों ने कहा कि नक्शे पास हो गये बिल्डिंगें बन गई। हाई कोर्ट का फैसला आने से पहले सरकारी बिल्डिंग बनी हुई हैं। अगर कोई सरकारी बिल्डिंग बनी हुई है तो वह हाई कोर्ट का फैसला होने से पहले की बनी होगी लेकिन आज वह बिल्डिंग भी हाई कोर्ट के आर्डर के तहत उठानी पड़ेगी। चाहे किसी बिल्डिंग का नक्शा भी पास हो चुका हो, चाहे वह सरकारी है या गैर सरकारी है, हाई कोर्ट के फैसले के मुताबिक कार्यवाही करनी पड़ेगी। अगर नोटिस किसी के खिलाफ इशू भी हुआ है तो वह फौरन वापिस लिया जाएगा और जिस अधिकारी ने सिटीजन को परेशान करने की कोशिश की है, उसको भी बख्शा नहीं जायेगा। हम चाहते हैं कि जनता के लोगों के साथ न्याय हो और किसी आदमी को तकलीफ न हो।

श्री कर्ण सिंह दलाल : * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ भी इनकी इजाजत के बगैर बोला जा रहा है, वह रिकार्ड न किया जाए।
Dalal Sahib— your Calling Attention Notice regarding demolition of houses and shops adjacent to the National High ways, by P.W.D. (B&R) has been disallowed.

श्री कर्ण सिंह दलाल : * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी आप बैठिए, आपको इस तरह से नहीं बोलना चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आपको मौका नहीं देता। अगर ऐसा कोई हाई कोर्ट का डिसीजन है तो वह इम्पलीमेंट होना चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, अगर आप नहीं बैठेंगे तो मुझे अगली कार्यवाही करनी पड़ेगी।

श्री कर्ण सिंह दलाल : * * * *

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30. (Interruptions)

वाक आउट

(इस समय माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल वैल में आ कर बिना इजाजत बोलने लग गए।)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए इजाजत दिया है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : पहले दलाल साहब अपनी सीट पर जाएं। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, यह काल अटैंशन मोशन एडमिट नहीं किया है। इस तरह यह सरकार हरियाणा की जनता के साथ ज्यादती कर रही है इसलिए हम एज़ ए प्रोटेस्ट सदन से वाक आउट करते हैं। (शोर)

(इस समय इंडियन नेशनल कांग्रेस [illegible] तथा [illegible] मैम्बर श्री [illegible] इकट्ठे सदन से वाक आउट कर गए)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

ध्यानाकर्षण सूचनायें/विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि हाउस की कही हुई बात मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। लीडर ऑफ दि हाउस ने सदन को गुमराह करने की बात की है। अध्यक्ष महोदय, आज भी रोहतक में कई जगहों पर तीन तीन फुट पानी खड़ा है। श्री धर्मपाल सिंह रोहतक में पानी खड़ा होने के कारण ही मरण व्रत पर नहीं बैठे हैं, वह हरियाणा की एक करोड़ 60 लाख जनता की सुरक्षा हेतु भी बैठे हुए हैं। रोहतक के अन्दर इन्दिरा कालोनी, नेहरू कालोनी और कई और नाम पार्क, सभी में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। लीडर ऑफ दि हाउस गलत बयानबाजी कर रहे हैं। इन्होंने कह दिया कि मकानों और दुकानों के बारे में हाई कोर्ट का फैसला है, इसलिए हम उसका सम्मान करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले की तो क्या, इसने तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भी अवहेलना की है और एक पुलिस के एस0पी0 के बारे में सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला था, उसकी अवहेलना करके उसको इस सरकार ने दोबारा डिप्यूट कर दिया। सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत है या ये स्वयं गलत हैं, ये बता दें। हम कहते हैं कि जो कोर्ट का फैसला ठीक है, वह इम्पलीमैंट हो, लेकिन इस किस्म की बात नहीं होनी चाहिए। एक एस0पी0 को सुप्रीम कोर्ट ने सजा दी हो और सरकार ने उसको बहाल करके दोबारा डिप्यूट कर दिया, यह गलत है। वह हाई कोर्ट का फैसला है और उस एस0पी0 के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इम्पलीमैंट नहीं कर रहे और हाई कोर्ट के फैसले को इम्पलीमैंट कर रहे हैं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सदन में बात क्या डिस्कस हो रही है और ओम प्रकाश उसको कहीं और ले गए। मैं इनके बारे में क्या कहूं? कुछ कहूं तो इनको अच्छा नहीं लगेगा। उस एस0पी0 के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने डिसमिस करने के लिए नहीं कहा, उस को जो सजा दी गई वह उसने काट ली। उसको कायदे कानून के मुताबिक बहाल किया है। कायदे कानून के मुताबिक जो भी बात हो सकती है, वह करेंगे। कायदे कानून के मुताबिक कार्यवाही की जाती है और कायदे कानून के मुताबिक ही उस एस0पी0 को बहाल करके लगाया है। जितना कसूर था उतनी सुप्रीम कोर्ट ने उसको सजा दे दी। वह [illegible] व तीन महीने की सजा भुगत चुके हैं। हमने उसको कायदे कानून के हिसाब से दोबारा लगाया है। सुप्रीम कोर्ट ने उसके बारे में यह नहीं कहा कि उसको बहाल नहीं करना, और यह भी नहीं कहा कि इसको डिसमिस कर दें, उसको दोबारा नहीं लगाना, ऐसी बात नहीं है

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हाउस को फिर गुमराह किया जा रहा है। मैं आपके जरिए मुख्य मंत्री से जानना चाहूंगा कि अगर सुप्रीम कोर्ट के

[चौधरी ओम प्रकाश चौटाला]
पॉलिसी के मुताबिक किसी अधिकारी को सजा के बाद और सजा काटने के बाद भी उसको दोबारा [illegible] किया जा सकता है ? यह कानूनी मामला है और यह आदमी इस बारे में कानून की व्याख्या कर रहा है जो कभी स्कूल में नहीं गया ।

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Please take your seat. (Interruptions). Hon. Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra)) : Sir, I beg to move—

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and conduct of business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 28th September, 1995.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 28th September, 1995.

Mr. Speaker : Question is—

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 28th September 1995.

The motion was carried.

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

राज्य में आई बाढ़ सम्बन्धी

Mr. Speaker : Now the discussion on motion under Rule 84 will be resumed. Shri Ram Bilas Sharma, may initiate the discussion at first.

प्रो० राम बिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : स्पीकर साहब, कल आपने बाढ़ पर चर्चा का समय दिया था । यह सब जानते हैं कि हरियाणा में अभूतपूर्व बाढ़ आई है । सरकारी आंकड़ों के मुताबिक और हमारे डी० सी० साहब, कमिश्नर का [illegible]

11-00 बजे | आज तक के 175 आदमी मरे। यह संख्या बढ़ती जा रही है। कभी कोई लाश नहरों में मिल रही है, कभी किसी गांव में। संयोग की बात है कि 3 तारीख को जब बाढ़ आयी थी, उस रात मैं रोहतक में था। उस रात और 4 तारीख के दिन जो स्पेशल पानी आया, वह रोहतक में सभी जगह आया। मुझे अनुमान नहीं था कि इतनी भयानक स्थिति होगी। हम जब गोहाना रोड पर गए तो वहां हमने देखा कि पेड़ टूटे पड़े थे, कहीं पर कोई रास्ता नहीं था। मुश्किल करके हम चले गए। स्पीकर सर, मुखमुल चौक पर 5 फुट पानी खड़ा था। हमारी गाड़ी बंद हो गई और जब दुबले लगे तो एक ट्रैक्टर वाले ने टोचन करके गाड़ी को बाहर निकाला, तब किसी प्रकार हम वापस आए। सारी रात पानी बरसता रहा। बाढ़ के बारे में कभी इधर से तो कभी उधर से खबरें आ रही थीं। हमने रोहतक में डी0सी0 को फोन किया लेकिन नम्बर खराब था, दूसरे नम्बर पर फोन किया तो वह भी खराब था। एक लड़की उनके दफ्तर से बोली, वे कहने लगी कि यह नम्बर डी0सी0 का नहीं है। कोई पुलिस का सिपाही कमिश्नर यहां आएगा तो उनसे बात करें, बाढ़ के बारे में यहां कोई बात सुन सकते हैं। 4 तारीख को हमारे वर्कर बैठे थे, उसके मुताबिक ग्रुप बना और स्वयंसेवी बनकर काम चलाया। उस दिन न्यू-सिविल कालोनी के सामने यह छोटू-राम पार्क के सामने, स्पीकर सर, 4 तारीख को 7 फुट पानी था। मुखमुल में गोदामों की बस्ती, नैणियों की बस्ती तथा बाजारों में 3 फुट से 7 फुट तक पानी था। लगभग 7 फुट पानी सब जगह था शहर में, और डी0सी0 प्रशासन नहीं, एस0पी0 प्रशासन नहीं, लेकिन स्वैच्छिक संस्थाएं, आर0एस0एस0 के लोग, राजनीतिक दलों के लोग, एल0जे0पी0 के लोग, कहीं-कहीं हरियाणा विकास पार्टी के लोग, सेठ किशन दास जी आदि लोग जाकर पीड़ितों की मदद करने में लगे हुए थे मगर 4 तारीख को 'बंसल' जी का कहीं पता नहीं लगा। मैंने उनसे सम्पर्क स्थापित करने का प्रयत्न किया तो पता लगा कि वे दिल्ली गए हुए हैं। उसके बाद हमने उनका पता किया और सम्पर्क करने की भी कोशिश की परन्तु नहीं हो पाया। शायद उनके वहां जाने का डर था। स्पीकर सर, रोहतक की हालत बहुत ही खराब थी। आज किसी पर दोषारोपण करने का या राजनीतिक आलोचना का मुद्दा नहीं है। शब्दों के आधार पर मैं एक बात कहना चाहता हूं। इतिहास में इतनी भयंकर बाढ़ से अरबों रुपये की फसल बर्बाद हो गई, हजारों गाएं मर गईं, सैकड़ों आदमियों की जानें चली गईं। 5 तारीख को रेल द्वारा हम 8 बजे दिल्ली पहुंचे। मुझे एक जरूरी टेलीफोन करना था और हम एस0टी0डी0 पर आए। पानीपत का एक 30 वर्षीय छोटे लाल शाह कारखाने का रहने वाला, प्रदेश से अपने किसी साथी से एस0टी0डी0 पर बात कर रहा था कि बाढ़ के दो मंजिला मकान गिर गया है, चारों बच्चे और पत्नी दब कर मर गए हैं, यह बात कह दिया। स्पीकर सर, इतना कह कर वह रोने लग गया। मैं यह नहीं कहता कि बाढ़ सरकार के कारण आई है, यह तो प्राकृतिक प्रकोप था। स्पीकर सर, यह जो 1200 मिलीमीटर वर्षा हुई, वह केवल रोहतक, भिवानी, चरखीदादरी और [illegible]

[प्रो० राम बिलास शर्मा]

में ही नहीं हुई, बल्कि महेन्द्रगढ़ में भी 1200 मिलीमीटर बारिश हुई। रोहतक में इससे भी ज्यादा बारिश हुई। इसके साथ ही हमारे साथ लगते राज्य राजस्थान में इससे भी ज्यादा बारिश हुई। इन दिनों राजस्थान के झुनझुनू, भरतपुर, अलवर जिलों में भी बहुत अधिक बारिश हुई। स्पीकर साहब, रिवाड़ी के डी०सी० को अलवर के डी०सी० ने 14 घण्टे पहले टैलीफोन करके इत्तलाह दी थी, सावधान किया था तथा बाढ़ के आने की चेतावनी दी थी। उन्होंने डी०सी० रिवाड़ी को बताया था कि हमारे बांध नालों के कारण ओवर फ्लो हो रहे हैं तथा बांध का पानी रिवाड़ी की तरफ आ रहा है जो बहुत ज्यादा है। स्पीकर सर, उन्होंने चेतावनी दी कि वे इसको देख लें और कोई रास्ता निकालें। लेकिन डिप्टी कमिश्नर, रिवाड़ी ने किसी से कोई बात नहीं की, कोई संपर्क नहीं किया। अगर शहर तथा गांवों के लोगों को इस बारे चेतावनी दे दी जाती तो इस अव्यवस्था को काफी हद तक कम किया जा सकता था। जब बाढ़ आई तो सबसे पहले मॉडल टाउन को बचाने की कोशिश की गई जहां पर अधिकारियों की भी कोठियां हैं। रात के 12 बजे के करीब 4-4 फुट पानी आने से लोग एकदम हक्के-बक्के रह गए। 1947 में जैसे शरणार्थी बन कर आए थे, उस दिन रात को 2 बजे किसी का पता नहीं रहा कि किसका सामान कहां रह गया, बच्चे कहां रह गए। अगर कोई प्रयास किए गए होते या कोई चेतावनी दी गई होती तो उससे गांवों और शहरों के लोग सावधान हो जाते लेकिन उपायुक्त ने इसकी कोई जरूरत नहीं समझी। स्पीकर सर, क्या यह सरकार का दायित्व नहीं था, क्या यह सरकार जैसा व्यवहार था? यह सरकार जैसा आचरण नहीं था। आज भी वह उपायुक्त रिवाड़ी में डटा हुआ है। मुख्य मंत्री जी ने उसको सस्पैंड क्यों नहीं किया, मुख्य मन्त्री जी उससे पूछते क्यों नहीं कि उसने अपनी जिम्मेवारी ठीक से क्यों नहीं निभाई? जब उसके पास बाढ़ की जानकारी थी तो उसने कोई कदम क्यों नहीं उठाया? स्पीकर सर, उसके कारण रिवाड़ी शहर, धारूहेड़ा की बस्ती, फतेहपुर की सारी हरिजन बस्ती, किशनगढ़, इब्राहिमपुर, जैनाबाद आदि गांव तबाह हो गए। उनके सैंकड़ों पशु लावारिस मारे गए। किशनगढ़ गांव में किसानों ने अपने घरों में पांच-पांच सौ मन गेहूं दाम बढ़ने की लालच में रखी हुई थी, आज वह खराब हो गई है और उपयोग करने के काबिल नहीं रही है। जो छोटे कच्चे-पक्के थे, वे भी नहीं बचे, एक भी मकान नहीं बचा। आज कुछ लोग जो अमीर हैं, वे तो अपना कुछ कर लेंगे लेकिन जो गरीब इन्सान हैं, जिनके पास साधन नहीं हैं, वे तो बर्बाद हो गये हैं। जिस इन्सान ने वर्षों की मेहनत के बाद मकान बनाए थे, जो मेहनत से पशु रखे थे, वे तो बिल्कुल ही बर्बाद हो गए, ऐसे अब वे क्या करेंगे? हमारी सहानुभूति से उनको कुछ राहत नहीं मिलेगी। भिवानी में बाढ़ से बस अड्डे में चार फुट पानी, रोहतक गेट पर 4 फुट पानी, हनुमान गेट पर चार फुट पानी, जो बोहड़ा की सड़क जाती है वहां पर 6 फुट पानी है। अध्यक्ष महोदय, इतनी भयंकर बाढ़ आ जाए और सरकार के उप-

एस॰पी॰ और पुलिस कप्तान 65 किलोमीटर दूर एक टूरिस्ट काम्पलैक्स में जाकर बैठ गए ? मैं यह एलीगेशन नहीं लगा रहा हूं और न ही इसमें कोई राजनैतिक स्वार्थ है। आज इस प्रदेश में जिस सरकार को हम सरकार कहते हैं, जिसको लोगों ने चुनकर भेजा है, उसके जो अधिकारी लोगों को पानी में डूबा हुआ छोड़कर 65 किलोमीटर दूर जाकर बैठ जाएं तो इसको क्या कहा जाएगा ? स्पीकर साहब, रोहतक में जो बाढ़ का पानी है वह एक महीने के बाद भी नहीं निकाला गया। आज रोहतक से भिवानी नहीं जा सकते हैं, चरखी दादरी से भिवानी नहीं जा सकते हैं और जिले के सब-डिवीजन हैडक्वार्टर से जिला केन्द्र तक नहीं जा सकते हैं। आज हम स्टेट हाईवे को चालू नहीं कर सके हैं। मुख्य मंत्री जी भिवानी में गए थे और उन्होंने वहां पर सब कुछ देखा था। वहां पर जो 341 राहत शिविर थे, उनको सामाजिक संस्थाएं चला रही थीं। इन सरकारी अधिकारियों के व्यवहार से लोग पानी में खड़े हैं और वे एक कपड़े में खड़े हैं लेकिन इनके द्वारा दी जा रही राहत सामग्री लेने को तैयार नहीं हैं। स्पीकर साहब, जो कैलंगा गांव है, वहां कप्तान देवी का हल्का है, यह बहुत ही बड़ा गांव है। स्वतन्त्रता सेनानी चौ० नेकी राम का गांव है, ठाकुर नरेन्द्र सिंह का गांव है। स्पीकर साहब, इसमें मर्यादा से ज्यादा हुई तो पानी सैम्पल में चला गया, सैम्पल में तोड़ किया तो कैलंगा में पानी भर गया और वहां पर रात को एक बजे 6 फुट पानी भर गया। वहां से सैकड़ों लोग पशु-डंगरों लेकर आए। बाढ़ से भंभेवा के गांव बरबाद हो गए हैं। ईश्वर सिंह चौहान ने ठीक कहा है कि ये जब बौंद और सांघी गांव से गुजरते हैं तो आप वहां पर देखेंगे कि सैकड़ों लोग तम्बुओं और खाटियों के ऊपर रात को पहरेदारी कर रहे हैं। हमने जब उनसे पूछा कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि जैसे हालात कैलंगा में हुए थे, वैसे हालात कहीं हमारे यहां न हो जाएं। अध्यक्ष महोदय, देश को बाढ़ का पानी है इसको कंट्रोल किया जा सकता था। रोहतक में हर साल बाढ़ आती है और सबको पता है कि रोहतक कटोरे की तरह से बना हुआ है। हर बार बाढ़ के पहले हालात को रिव्यू किया जाता है। परन्तु इस बार कहीं पर पानी की निकासी नहीं, कहीं पर पानी को उधर से काट दिया और दूसरी तरफ चला दिया। आज सारे नैचुरल फ्लो के बदल दिए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, भिवानी, रोहतक, सोनीपत जिला, जींद का इलाका और भिवानी का जो इलाका है, इसमें बालू रेत है और जल्दी पानी सोख लेता है। स्पीकर साहब, हरिजनों के मकान कच्चे होते हैं और उनको लो-लाईंग के इलाके में जमीन दी जाती है। पूरे हरियाणा में और महेन्द्रगढ़ का सारा इलाका देखने के बाद मुझे ऐसा लगता है कि कहीं पर भी कच्चे मकान इस बारिश से नहीं बचे हैं। जहां जहां पर गरीब लोगों ने अपनी मेहनत से 15 फुट का, दस फुट का छप्पर बनाया था, वह सब इस बारिश में गिर गया। जब हमने डी० सी०, महेन्द्रगढ़ से कहा कि जिन लोगों के कच्चे मकान थे जो गिर गए हैं, उन्हीं मकानों में वे लोग अपनी जिन्दगी रहते थे, अपना सामान रखते थे और उसी मकान में उनके पशुओं का चारा होता था तथा उसी मकान में ईंधन रखा

[प्रो० राम बिलास शर्मा]

परिवार रहता था, लेकिन आज वे गिर गए हैं। इसलिए, आप वहां पर अपने अधिकारियों को लेकर जाइए या आप खुद जाएं, तो उन्होंने कहा कि मैं वहां पर एस०डी०एम० को एवं तहसीलदार को भेजता हूं। स्पीकर सर, उनके एस०डी०एम० का व्यवहार वहां पर इस तरह का था। उन्होंने लोगों से कहा कि क्या आपको गांव के जोहड़ों पर मकान बनवाने के लिए डाक्टर ने बताया था? एक तरफ तो उन गरीब लोगों की जिन्दगी की सारी पूंजी बरबाद हो गई थी और दूसरी तरफ वह ऑफिसर उनके मकानों की बर्बादी पर उन्हें यह सलाह दे रहा था। यह एक सिविल सर्विस ऑफिसर नहीं तो और क्या है? अगर वे उनको कोई राहत नहीं दे सकते, कोई मदद नहीं कर सकते तो उनको कम से कम तसल्ली तो दे सकते थे। इतना तो वे कह सकते थे कि यह तो प्राकृतिक आपदा आयी है, इसमें हमसे जो भी हो सकेगा, मदद करेंगे। लेकिन स्पीकर सर, उन अधिकारियों के पास हमदर्दी के दो शब्द भी नहीं थे। आज पूरा हरियाणा डूबा हुआ है, [illegible] नहीं है लेकिन एक हफ्ते के बाद सरकार के ध्यान में यह बात आती है। अब लोग मर रहे हैं। अब सरकार ने सोचा है कि बाढ़ का जायजा लेना चाहिए, जब अरबों रुपये का नुकसान हो चुका है। मैं कल ही भिवानी से रोहतक होता हुआ आया हूं। वहां पर कुछ गांव [illegible] बेरी, दुबलधन, किलोई आदि गांवों में अभी भी पानी खड़ा है, [illegible] यहां तक कि वहां पर मवेशियों के पास भी अब तक किसी [illegible] नहीं पहुंची है। आज मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं कि रोहतक का पानी निकाल दिया गया है जबकि यह पानी अपने आप निकला है। इस बात को मान लेने में सरकार को शर्मिन्दगी नहीं होनी चाहिए कि रोहतक का पानी जिस रफ्तार से निकलना चाहिए था, उस रफ्तार से निकला नहीं है और जिस राहत की उम्मीद लोगों ने सरकार से की थी, वह नहीं दे पायी। आपने यह ठीक किया कि भिवानी के डी०सी० को सस्पेंड किया। इस तरह की लापरवाही करने वाले अफसर जिला मुख्यालय पर बैठे रहें तो ठीक नहीं है लेकिन सरकार ने अभी तक भी रोहतक और [illegible] के डी०सी० को नहीं सस्पेंड किया है, इसलिए लोगों को ऐसा लगता है कि [illegible] हमारी बर्बादी की सरकार को चिन्ता नहीं है। स्पीकर सर, आज पशुओं में महामारी फैल रही है। किसान के पास चारे का [illegible] नहीं है। आज [illegible], रोहतक, सोहना और भिवानी ही नहीं, बल्कि [illegible] हजार गांव ऐसे हैं जो बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। हजारों गांव ऐसे हैं जिनमें बीसों साल तक भी मकान नहीं बन सकते। हमारे [illegible] सरकार देवी के हलके के ही पांच गांव कैलंगा, [illegible], सैंपल आदि के लोग, गांव से बाहर किसी न किसी टीले पर बैठे हैं उन्हें [illegible] बाढ़ के पानी से [illegible] रही है। स्पीकर सर, एक गांव [illegible] है, जिसमें [illegible] आता है, यह गांव लगभग 6 हजार वोटों वाला गांव है, परन्तु उस गांव में एक भी घर ऐसा नहीं है जहां लोग रह रहे हों। सब लोग किसी न किसी पहाड़ी पर

बैठे हैं । हमारा इतना बड़ा पैराफर्नेलिया है, इतना बड़ा हमारे पास इरीगेशन डिपार्टमेंट है, लेकिन हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं । मैंने नेहरा जी से दो महीने पहले ही कहा था कि जो यमुना का बैकवाटर मारते हैं, उसका आप इन्तजाम करें । स्पीकर सर, हरियाणा में तो ज्यादा दिमाग लगाने की भी जरूरत नहीं है, हमारे पास नैचुरल फ्लो की काफी जगहें हैं । इतनी सारी नदियां पहाड़ों से हमारे प्रदेश में आती हैं कि इस प्रकार से, मारकण्डा में, घग्गर में और टांगरी नाले में यह पानी डाल सकते हैं, अल्टरनेटिवली एक चाइनी नहरों में भी पानी डाल सकते हैं परन्तु इस बारे में किसी को कोई चिन्ता ही नहीं है । न तो इस बारे में इनको जानकारी नहीं है, और अगर जानकारी है तो तमाशा देखना चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय, यह हर डूबने वाले व्यक्ति की मृत्यु पर अफसोस तो जाहिर करते हैं लेकिन इलाज नहीं करते । (विघ्न) यह ड्रेन पानी हसनपुर तक जाता है, [illegible] तक जाता है, इन सारी नदियों में पानी डालने से हरियाणा को डूबने से बचाया जा सकता था । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसके लिए सरकार जिम्मेदार है, [illegible] की [illegible] से यह बात नहीं कह रहे हैं । यह प्रकोप तो भगवान की तरफ से आया है लेकिन सरकार ने तत्परता नहीं दिखाई, सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई । सरकार को लोगों को बचाने का प्रयत्न जिस तरह से करना चाहिए था, वह नहीं किया गया । [illegible] बाहर न डूबता, इतनी बर्बादी न होती अगर ड्रेन नं० 6 व ड्रेन नं० 8 को पूरी तरह से साफ किया गया होता । डी-सिल्टिंग का पहले 7 साल का ठेका हुआ था मगर एक तसली भी मिट्टी नहीं उठाई, यह पैसा किस [illegible] गया है, मिट्टी उठाने से क्या फायदा ? दिल्ली में यमुना का जल स्तर जब बढ़ा तो [illegible] ने [illegible] की [illegible] और हैडवर्क्स की रात को 12 बजे एक एक [illegible] में बैठा दिया और तीन दिन तीन रात यहां से कोई उठकर नहीं गया ।

श्री अध्यक्ष : दिल्ली का रिफरेंस देने की कोई जरूरत नहीं है ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं बताना चाहता हूं कि सरकार को कैसा विहेव करना चाहिए । एक तरफ तो जगाधर का डी० सी० पब्लिक के लिए को सावधान करता है जिसके पास [illegible] पर लिखा है कि कितना पानी अधिकतम बाढ़ के रूप आ रहा है, जिसका इनको डिस्चार्ज करना पड़ेगा । एक जिले का उपायुक्त जिसको यह सूचना मिलने पर कि बर्बाद हो रहा है, वह सतर्क नहीं हुआ । हमने सुना था कि इस हालात में नीरो बंसी बजाता है, इस बात को हमने व्यवहार में इस बार हरियाणा में देखा । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : रेपिटीशन न करें, कोई नयी बात कहें ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : सर, मैंने बोलना शुरू करने से पहले ही कहा था कि हम रेपिटीशन के लिए बाढ़ पर चर्चा नहीं करना चाहते । बाढ़ से पिछ अनुपात

[प्रो० राम बिलास शर्मा]

मैं लोगों की बर्बादी हुई है, उस अनुपात में हम सरकार को सोचना चाहिए था । नहीं सोच सकी तो अब सोचना चाहिए । कल चौधरी भजन सिंह जी ने ठीक कहा कि किसानों को बचाया जा सकता था । आज जिन इलाकों में पानी खड़ा है, उनको डी-वाटरिंग के लिए सरकार युद्ध स्तर पर भी काम कर सकती है । एक तो सारे विभाग एकजुट होकर काम करें, जनता का विश्वास प्राप्त करें तथा सभी राजनैतिक दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर इस काम में जुट जाएं । आज रोहतक शहर में कई सामाजिक संस्थाएं जुटी हुई हैं । रोहतक शहर में 1800 सफाई कर्मचारी हैं, जैसे जैसे पानी निकल रहा है वैसे-वैसे शहर सड़ रहा है जिस नगरपालिका में 1800 कर्मचारी हों उस की सफाई तो कुछ घंटों में हो ही सकती है । लोगों ने, संघर्ष समिति ने इस काम को अपने हाथ में लिया है । पिछले दो दिन से वहीं से लोग ट्रैक्टर लेकर आए हैं, लोगों ने झाड़ू अपने हाथ में ले लिए । इस काम की सरकार प्रशंसा करे या न करे लेकिन इससे सरकार को प्रेरणा जरूर लेनी चाहिए । दो काम यह सरकार कर सकती है । एक तो हरियाणा के खेतों में जो पानी भरा हुआ है, उसको निकलवाये और अगली फसल की बुआई करवाये । पिछली फसल तो बर्बाद हो गई, उसे सरकार न बचा सकी, प्राकृतिक प्रकोप से नहीं बच सकी, लेकिन अब अगली फसल बिजाई का समय, ऐसा मौसम आने वाले सप्ताह में, एक अभियान शुरू कर के सरकार कर सकती है । इस काम में हम सभी राजनैतिक दल सरकार की मदद करेंगे, लोगों को जुटाएंगे लेकिन सरकार साहस पैदा करे, बड़े-बड़े पम्प मंगवाकर करे । मैं जगह जगह गांवों का दौरा किया हुआ है । हर गांव में जहां पानी खड़ा है, उसके नजदीक से कोई न कोई नहर का रास्ता जरूर निकलता है तो उनके सैट लगा दें । बड़े-बड़े पम्प लगा दें, वह पानी एक सप्ताह में बाहर निकाल सकते हैं, अगर सरकार पूरी इच्छा शक्ति से यह कहेगी कि लोगों की अगली फसल की बिजाई करवाएंगे, तो सब लोग मैदान में आ जाएंगे । अगर हरियाणा के किसान नहीं रहेंगे तो यह सरकार कहां रहेगी । हरियाणा के लोगों के साथ ही सारी राजनीति का अस्तित्व है । दूसरा काम यह सरकार अभियान के रूप में शुरू करे । जिला हिसार से अभियान शुरू करे । एक शहर से दूसरे शहर को, एक गांव से दूसरे गांव को जोड़े । स्पीकर सर, किस रूप से लोग मदद को आए ? आपने देखा होगा, जिसके घर में दूध था वह दूध लेकर सड़क पर आ गया, जिस घर में जैसा अनाज था वह पिसा अनाज लेकर आ गया । हमको खबर भी नहीं थी कि महेन्द्रगढ़ के लोग, चरखी दादरी के लोग, ट्रैक्टरों पर रोटी व सब्जी लेकर रोहतक पहुंच गए हैं । और उधर कलानौर गांव से कोई व्यक्ति पशुओं को ले जा रहा था । लोगों ने उसे कहा कि भाई पशुओं को चारा खिला करके ले जाना, रोटी खाके चले जाना, पता नहीं आगे पानी भी मिले या न मिले । मेरा कहने का मतलब यह है, स्पीकर सर, कि किस तरह से हरियाणा के लोगों ने फ्लड-पीड़ितों को, बाढ़ पीड़ितों को आगे आकर बाढ़ पीड़ितों को सहायता पहुंचाई । किस तरह से मुसीबत में घिरे

हुए, भाइयों ने हरियाणा के लोगों ने सहयोग किया, जिस तरह से लोगों की जानें को बचा दिया, वह सब जानते हैं । इसलिये मेरा सुझाव है कि सहयोग का रास्ता खोलने के लिये सरकार अभियान चलाये ताकि लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिये किसी प्रकार की दिक्कत न हो सके । पशु पूंजी में लोगों को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है, इसका सरकार को मुआवजा देना चाहिये । जितने भी ब्लाक लैवल पर पशु-चिकित्सालय हैं, वे पशुओं के इलाज के लिये सरकार की तरफ से पूरा पूरा प्रबन्ध करें । जो पशु बीमार हुए हैं उनको बचाने के लिये सरकार को कारगर कदम होना चाहिये । अध्यक्ष महोदय, लोगों ने किसी न किसी तरह से अपने पशुओं का बचाव तो किया लेकिन जो पशु खूंटे से बन्धे रह गये, वे तो मर गये । जिनको खूंटे से खोल दिया गया, उनको लोगों ने किसी न किसी तरीके से बचा लिया । बहुत बड़ी संख्या में पशु धन था, उसका ज्यादा लोगों ने खोल दिया, बेचारी बच गई लेकिन बीमार हो गई, उनके इलाज के लिये सरकार को ध्यान देना चाहिये । जिन जिलों में बाढ़ की स्थिति भयंकर थी, वहां बहुत सारी सड़कें टूट गई हैं, लेकिन आज भी आवागमन चल रहा है, उनको रख-रखाव में रखने का प्रबन्ध करना चाहिये । इसके अलावा, गन्दे पानी के निकास न होने के कारण जो महामारी फैल रही है, इसकी ओर भी सरकार को पूरी तवज्जो देनी चाहिये । (इस समय श्री ... पदासीन हुए) एक जगह की बात नहीं, पूरे हरियाणा में हर जगह पर छोटे-छोटे रस-रस कर नाले बह रहा है । एक जगह की बात मैं बताता हूं । एक जगह पर एक बड़ा गटर था, उसका ढक्कन टूटा था । हमारी एक बहन सब्जी लेकर जा रही थी, उसे का बच्चा भी साथ था, वह दोनों उस गटर में गिर गये, जिनका आज तक पता नहीं चल सका लेकिन इसमें डूबती रह गई । एक तो मेरा निवेदन है कि जिन लोगों की इस बाढ़ के कारण जानें गई हैं, उनको उचित मुआवजा दिया जाए । जिन किसान भाइयों के, हरिजन भाइयों के मकान बिल्कुल गिर गये हैं और वे बेचारे आसमान की खुली छत के नीचे बैठे हैं, उनकी सहायता के लिये सरकार अपने सभी जरूरी काम छोड़कर, कुछ ईमानदार अफसरों की ड्यूटी लगाये जिनकी लुटे हुए लोगों के साथ पूरी हमदर्दी हो ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके । डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर ऐसे आफिसर्ज को तैनात किया जाए जो लुटे हुए लोगों से भी गहरी संवेदना के भाव रखें । ऐसे अफसरों को तैनात किया जाए जो ईमानदारी से लोगों की मदद करने की शक्ति रखते हों ताकि जिन लोगों के पास सिर छुपाने के लिये जगह न हो, राहत पहुंचा सकें क्योंकि आगे सर्दी का मौसम आ रहा है । इसलिये सरकार को तुरन्त ही इस ओर कदम उठाने चाहियें और वार लैवल पर यह काम किया जाना चाहिये । सरकार ने जो 10 हजार रुपये की राशि रखी है, इससे गरीब आदमी को क्या राहत मिलेगी ? सरकार इस राहत की राशि को बढ़ाए । जिन पक्के मकानों की छतों और दीवारों में दरारें आ गई हैं और रहने के लिये दिक्कतें आ रही हैं उन मकानों को सरकार दोबारा बनाकर दे ताकि लोग अपने मकानों में दोबारा जा सकें ।

[प्रो0 राम बिलास शर्मा]

जिस अनुपात में लोगों का नुकसान हुआ है । उसी अनुपात से सरकार को मदद करनी चाहिये । चाहे किसी का शहर में बाढ़ से नुकसान हुआ हो, चाहे गांव में नुकसान हुआ हो, मुआवजा उसी के हिसाब से होना चाहिये । मैं संतुलन की दृष्टि से बात करूं तो यहां पर चर्चा चली, गाड़ियों की चर्चा चली, उस अनुपात में तो मैं मानता हूं कि सरकार मदद नहीं कर सकती । यह बहुत बड़ी बड़ी कठिनाइयां हैं । एक एक की घर में 20, 30 बल्कि 50 हजार का सामान था जो बाढ़ के कारण से बिल्कुल बर्बाद हो गया । सरकार उन लोगों के साथ पूरी हमदर्दी दिखाये और उसी अनुपात में मदद करने की कोशिश करे । इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि गरीब लोगों के लिये, सरकार खासकर हरिजन आबादी में एक शेड का बाड़ा बना दे ताकि लोग कम से कम अपना सामान तो सुरक्षित रख सकें और अपना सिर छुपा सकें । इन लोगों को छोटी मोटी जरूरत की चीजें, जैसे आटा, दाल वगैरह एक महीने के लिये या एक तनखाह के लिये मुहैया करवायें सर्दी का ध्यान रखते हुए कम से कम एक एक मोटा गर्म कम्बल दें ताकि उन बेचारों को कुछ तो राहत मिल सके । इसके बाद ऐसा मौसम, ऐसी बस्तियों में, रेगुलर तौर पर सरकार की ओर से किया जाना चाहिये जब तक लोग अच्छी तरह से अपने अपने घरों में सुख से बस नहीं जाते ।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे भाई और पास जो भी बात इस सदन में नहीं कही थी । ये बातें मानें न मानें लेकिन इसमें से राजनीतिक बू आती है । जो लोग कहते हैं कि और सिर्फ बजट खत्म करने के लिए बैठे हैं, उनकी सोच से तो भी बू आती है । इस सरकार को बाढ़ की गंभीरता को समझते हुए और उनको संघर्ष समिति को, जिसमें सभी दलों के लोग हैं, बी0 जे0 पी0 के लोग हैं, एल0 के0 डी0 के लोग हैं, एच0 वी0 पी0 के लोग हैं, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के लोग हैं और विश्व हिन्दु परिषद के लोग हैं, इन लोगों ने स्वयं अपना खर्च कर बाढ़ पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाई है । सरकार के भरोसे तो रोहतक के लोग मर जाते । इसलिये सरकार को अब उनको आश्वासन देना चाहिए था कि बाकी जो पानी भरा हुआ है, हम इसको इतने दिनों के अन्दर निकाल देंगे । ऐसा आश्वासन दे कर भविष्य और लोगों की जिन्दगी को बचाना चाहिए । जो सामाजिक संस्थाएं इस काम में जुटी हुई थीं, यह उनके सम्मान का सवाल है । डिप्टी स्पीकर साहब, कहते हैं कि यहां हरेक बीमारी फैलने का अन्देशा है । अब जगह भी इस्पेक्शन रहा है लेकिन सी0 एम0 ओ0, डिप्टी सी0 एम0 ओ0 तो हैं । एक जिले में 8-10 डिस्पेंसरी हैल्थ सैंटर काम कर रहे हैं । कोई न कोई मैडिकल टीमें बनाई जाएं । इतने जिलों में बीमारियां फैलने का खतरा है । कुछ जगहों पर तो डायरिया और गैस्ट्रोएंट्राइटिस की बीमारियां शुरू भी हो गई हैं । कई जगहों पर बच्चे के पाउडर और पीने के पानी के पाउच दिये गए हैं । इन बीमारियों को रोकने के लिए भी सरकार अविलम्ब

जलाए और हरियाणा के जन मानस को बचाए । सरकार को देखना चाहिए कि बर्बाद हुए लोगों के साथ मजाक न किया जाए । सरकार उन लोगों के पास संवेदना के दो शब्द ले कर जाए । आपको पता है कि हरियाणा के लोगों में इतना दम है कि वे इस बर्बादी में से फिर से नई जिन्दगी का संचार कर लेंगे लेकिन सरकार जितना कर सकती है उतना उसे करना चाहिए । मुख्य मन्त्री जी को प्रधान मन्त्री को मिलना चाहिए । मैं उनको कहना चाहता हूं कि लातूर में जब बर्बादी हुई थी तो सैंकड़ों लोग वहां पहुंचे थे । कभी काश्मीर में डोडा जिले में किसी को मार दिया जाता है, तो कभी बेअन्त सिंह की हत्या हो जाती है । आपको मालूम है कि काश्मीर में 90 हजार करोड़ रुपया बर्बाद हो गया । इसलिए मुख्य मन्त्री जी को अपने केन्द्रीय नेताओं से और कांग्रेस पार्टी के नेताओं से कहना चाहिए कि जहां लोगों को मारा जाता है, जहां गोलियां चलाना लोगों का व्यवसाय है, वहां तो 90 हजार करोड़ रुपया देते हैं और जहां हरियाणा में एक करोड़ लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, उनकी फसलें बिल्कुल तबाह हो चुकी हैं, उनकी कमाई भी बर्बाद हो गई है, वहां पर प्रधान मन्त्री जी इतना रुपया क्यों नहीं देते । यहां के लोगों की सहायता क्यों नहीं दी गई ? उदाहरण: अगर कोई सम्मेलन करता है तो वहां गृह मन्त्री भी पहुंच जाते हैं लेकिन हरियाणा बर्बाद हो गया उसकी सुध किसी ने नहीं ली । मेरी एक मन्त्री जी का नाम कलंक है । आज यह ऐसा लगता है जैसे वहां पर कोई गांव बसा हुआ नहीं था । यही नहीं, जिनमार और बाकी गांव भी ऐसे लगते हैं जैसे कि सांस पहले ले रहे थे या नहीं । जैसे 1947 में लोगों ने अपने रिश्तेदारों के यहां पनाह ली थी, [illegible] हुई है । इसके बावजूद भी यहां प्रधान मन्त्री या केन्द्र का कोई और मन्त्री नहीं आ सका । हरियाणा सरकार ने एक बयान ऐसा दिया कि जहां से बाढ़ का पानी निकलेगा वहां प्लेग फैलने का अन्देशा है । इस तरह की बात किसी जिम्मेदार मुंह से नहीं निकलनी चाहिए । तो क्या सरकार अब प्रदेश में प्लेग फैलाना चाहती है ? बाढ़ से जो लोग बच गए, क्या अब उनको प्लेग में धकेलना चाहती है ? क्या यह लोगों के साथ सहानुभूति का तरीका है ? इन शब्दों के साथ मैंने यह सुझाव दिए हैं कि इस पानी को रोहतान नदी में डाला जा सकता था, कालिन्दी नदी में डाला जा सकता था । मैं अगस्त 1988 में सरकार में था, हमने उस समय सरप्लस पानी को रोहतान नदी में डाला था । आप जितना मर्जी उन नदियों में पानी डाल दें, वह सारा पानी सोख लेंगी । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

सरदार लखबीर सिंह (शाहबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया । उपाध्यक्ष महोदय, वास्तव में इस बार कुदरत ने बहुत मार मारी है । इस बार जितनी बढ़िया फसलें थीं, अगर वह सारी की सारी हो जाती तो पिछले 100 साल का रिकार्ड टूट जाता, इतनी ज्यादा पैदावार होती । सरकार की नीयत के हिसाब से बहुत बढ़िया फसलें थीं लेकिन मार्किट में फसलों को वास्तव में किसी की नजर लग गई । वास्तव में ऐसा हिसाब हुआ

[श्री बहादुर सिंह]

जिसका आज तक कोई अंदाजा नहीं लगा सके। सरकार ने नुकसान के आंकड़े इकट्ठे किए हैं। सरकार ने कई जगहों की गिरदावरी करवाई है, सर्वे करवाया है कि हरियाणा प्रदेश में कितना नुकसान हुआ है, लेकिन फिर भी पूरे नुकसान का पता नहीं लग सका है। आज भी बाढ़ का पानी कई जगहों पर खड़ा है। रोहतक, भिवानी और जींद में बाढ़ का प्रकोप बहुत ज्यादा था। जींद में भी ऐसा कोई कच्चा मकान नहीं बचा जो गिरा न हो। हमारे यहां तो फसल की बात नहीं की लेकिन अति वर्षा से हमारे इलाके के सभी गांवों में कोई कच्चा मकान नहीं बचा। कच्चे मकान आम तौर पर गरीब लोगों के होते हैं। उन लोगों के खाने के लिए एक दाना भी नहीं बचा। जैसे हमारे इलाके में जमना नदी गुजरती है। जमना ने पूरे 22 गांवों को अपनी लपेट में ले लिया। उन गांवों में 15 दिन तक कोई आदमी रोटी नहीं पका सका। आस पास के गांवों ने उन गांवों के लोगों को पकी-पकाई रोटी और पशुओं के लिए चारा सप्लाई किया। मैंने उन गांवों के नाम अपने कॉल अटेंशन नोटिस में भी दिए थे। वे गांव हैं पोबारी, नगली, गुमथला राव, नाचन, एवं नगली, उन्हेड़ी, खानपुरी, मारकपुर, उरलाना, कमासीमाल, बड़ताल, मलेहार, पालेवाला, नाचरौन, बरेड़ी, मीदुके, मचुवाल, नजेहड़ी, मंगार, कोवटोली, लाल छप्पर, करेड़ा, माजरा डांगर, एवं गुमथला राव, ये ऐसे गांव हैं जिनमें वास्तव में जान; चार पांच फुट पानी आया था। लेकिन मैं सरकार का बड़ा आभारी हूं कि पटवारियों से लेकर कानूनगो, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, एस० डी० ओ०; डी० एस० पी० और डी० सी० तक किसी ने भी पानी में जाने से गुरेज नहीं किया, उन्होंने एक एक स्थान पर जा करके लोगों को राहत दिलवाने और लोगों को सहूलियतें देने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन कुदरत की मार का कोई भी मुकाबला नहीं कर सकता। चाहे कोई घर गिरा और उसमें डंगर दब गए, कोई मर गए, इन्सानों को उनके अन्दर से मरते मरते निकाला। जहां पर लोगों को नाव की जरूरत थी, नाव मुहैया की गई। जहां पर पशुओं के लिए चारे की जरूरत थी, चारा सप्लाई किया गया। जहां पर आटे की जरूरत थी, आटा सप्लाई किया गया। ऐसे काम तब होते हैं जब आपकी नीयत ठीक हो। अगर आपकी अच्छी नीयत है तो परमात्मा भी आपकी बात सुनेगा। भगवान उन सब की सुनता है। आपको पता होगा कि पैदावार के मामले में पहले लुधियाना जिला माना जाता था लेकिन आज हमारा कुरुक्षेत्र जिला लुधियाना जिले से आगे पहुंच गया है। उसका कारण यही है कि हमारे किसानों, मजदूरों और सरकार ने पूरी मेहनत की। किसानों को सरकारी मदद चाहे खाद के रूप में है या बीज के रूप में है, समय पर दी जिस कारण किसानों मजदूरों ने मेहनत की और हमारा कुरुक्षेत्र जिला आगे आ गया। इस बाढ़ के कारण जो विनाश लीला हुई उसका कोई सोल्यूशन नहीं था। सभी का विचार है कि राजनीति से ऊपर उठ कर इस समस्या का समाधान होना चाहिए। किसी पार्टी को अपनी पोलिटिकल रोटियां नहीं सेंकनी चाहिएं। आज लोगों को कहते सुनते रहे हैं कि 1988 में

हुई थी । जब पाकिस्तान से हमारे बुजुर्ग उजड़ कर आए थे तो उनको एक एक साल कैम्पों में गुजारना पड़ा था । अब उससे भी बदतर हालत बाढ़ के कारण लोगों की हो रही है । आज बाढ़ की वजह से मेरे भी कुछ गांवों में जाने का मौका रहा है। जो लोग तैर कर ऊंचे स्थानों पर गए थे, वहां पर भी पानी पहुंच गया । मैं यही कहूंगा कि कुदरत ने जो अन्याय किया है, उसको नीचे साउट करने के लिए हमें एक दूसरे की सहायता करनी चाहिए । जब हम सब मिलकर काम करेंगे तो इस दुख का निवारण कर सकते हैं । चाहे हमारी कोई सामाजिक संस्था है, चाहे कोई एम० एल० ए० या मिनिस्टर है या और आम आदमी है, इन सभी को आपस में मिलकर काम करना चाहिए ताकि इस दुख की घड़ी में हम दुखी लोगों की मदद कर सकें ।

मैं पशुपालन मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने मेरे हल्के में डंगरों की दवाई के लिए विशेष प्रबन्ध किए । मेरे हल्के के पशुपालन विभाग के जितने भी कर्मचारी थे, उन्होंने समय पर आ कर के नावों के जरिये या पानी में से पैदल चल कर डंगरों को दवाई दी जिस के कारण पशुओं का कम से कम नुकसान हुआ । इनके सहयोग के कारण ही हमारे करोड़ों रुपये के पशु जाहे जो डूब रहे थे, अब डूबने से बचे हैं । इसलिए मैं पशुपालन मंत्री तथा उनके स्टाफ के सभी कर्मचारियों का धन्यवादी हूं ।

इसी प्रकार मैं स्वास्थ्य मंत्री महोदया करतार देवी जी का धन्यवादी हूं जिन्होंने समय पर पग उठा कर अच्छा काम किया है । वहां के चाहे डी० एम० ओ० हैं या एस० एम० ओ० हैं या दूसरे छोटे कर्मचारी हैं, सभी ने मिल कर लोगों की जानें बचाई हैं । बाढ़ के कारण वहां पर जो हालात खराब हुए थे, उसमें पशु मर कर बह गए थे, उससे बीमारी को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने समय पर पग उठाये । मेरे कुरुक्षेत्र जिले में भी 15-20 जानें गई हैं । स्वास्थ्य विभाग ने समय पर कदम उठा कर वहां पर सारा दवाईयां डी० डी० टी० का छिड़काव करके बीमारी फैलने से रोका है । बाढ़ के कारण मेरे हल्के के 30-32 गांव प्रभावित हुए । समय पर दवाई पहुंचा कर अच्छा काम किया है । इसी प्रकार से रोहतक और भिवानी जिले में भी समय पर दवाई भेजी गई । (विघ्न) रोहतक में तो दवाई जरूर पहुंची होगी क्योंकि रोहतक जिला तो बहन जी का अपना जिला है ।

उपाध्यक्ष महोदय, आज सवाल इस बात का है कि जो बाढ़ आई है, उसका पानी निकाला जा रहा है । हमारे इलाके से पानी निकाला गया है लेकिन कुछ गांव ऐसे हैं जिनमें अभी भी पानी खड़ा है । कठौली, संघाला, संघालि, मछरा गांवों में अभी भी पानी है । (विघ्न) डिप्टी स्पीकर सर, इन गांवों में काफी गरीब आदमी हैं और वहां से पानी निकालने की कोशिश की जा रही है । गुमथला, शाहूवास, कलाल-माजरी, जालखेड़ी, ठसका, उमरी, जामिडो, अटावा, गुमथला राव, सबकाड़ी, बेरथला, केरथली, सारा आदि गांव बाढ़ के कारण टापू से बन गए थे । डी० सी० साहब और दूसरे

[श्री बहादुर सिंह]

आदमी गांवों में किश्ती पर चढ़ कर गए और लोगों की मदद की । डिप्टी स्पीकर सर, बदरौली में बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है वहां के लोगों ने अधिक प्रभावित लोगों की मदद की । जब उनके पास मदद ले कर पहुंचे तो गांवों के लोगों ने बताया हमारे सीम वाले गांव की ज्यादा से ज्यादा मदद करें जहां पर न जमीन बची है, न मकान बचे हैं, न कोई फसल बची है और न ही कोई छोटा बुनकल्वार ही बचा है । इस तरह की भावना उन लोगों में देखने में आई । ऐसी भावना लोगों में आनी भी चाहिए। एक आदमी दूसरे पर लांछन लगाए, ऐसी बात नहीं होनी चाहिए । डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आपसे निवेदन करते हुए यह सुझाव देना चाहता हूं । अगर एक गांव का पानी दूसरे गांव में जाता है तो दोनों गांवों में दुश्मनी की भावना सी हो जाती है । मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि पीछली दफा बुर्जियन पार पार फूट पानी चल रहा था, जीरी पकने वाली है । जो पानी निकालने वाला है उसको जल्दी निकाला जाए ताकि जीरी की कटाई समय पर हो सके । उपाध्यक्ष महोदय, सारे हिन्दुस्तान में सबसे अधिक भारी नुकसान करनाल और यमुनानगर जिलों में हुआ है जिसको बचाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जाना चाहिए । जिस गांव का पानी निकाल कर दूसरे गांव की तरफ किया जाता है, उनमें आपस में तनाव हो जाता है । इसके लिए मैं कुछ सुझाव देना चाहता हूं । इस समय सारी ड्रेनेज भरी हुई चल रही है । ड्रेन का पानी सुर्दबद पोटली से धनौरा ऐस्केप से तीखा झुझ्झरी से पास लगता है । यहां आगू-मैंटेशन कैनाल बनी हुई है, वह उससे आगे नहीं जाता । उससे आगे भी ड्रेन टूटी हुई है । उसके ऊपर अगर एक साईफन बना दिया जाए तो कम से कम 52 गांवों की फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है । इस साईफन पर 2—4 लाख रुपये का खर्च है । आगूमैंटेशन की जो नहर है, वह उसमें नीचे चलती है । साईफन बना कर गांवों को बचाया जा सकता है और बरसात में भी इसका फायदा उठाया जा सकता है । लाखों रुपये की फसल जो बरबाद हुई है, आगे के नुकसान के बचाने के लिए मैं मेहरा साहब से यह निवेदन करूंगा कि इस साईफन पर कोई खास खर्च भी नहीं है, इसको बनवाने की कृपा करें । उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं यह निवेदन करना चाहूंगा कि धनौरा का जो पुल है, वह टूटा हुआ है और उसके साथ लगते बहुत से गांवों का रास्ता वहीं से जाता है । इसलिए आपके माध्यम से सरकार से मेरा निवेदन है कि इस पुल को जल्दी से जल्दी बनवा दिया जाए । (घण्टी) डिप्टी स्पीकर सर, मैं समाप्त कर रहा हूं । इस पुल को पीछे माननीय मुख्य मन्त्री जी ने तथा मेहरा साहब ने भी मन्जूर कर दिया था लेकिन उसका काम शुरू नहीं हुआ है । मेरा निवेदन है कि इस पुल को जल्दी से जल्दी बनवा दिया जाए ताकि लोगों की फसल को बचाया जा सके ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो सके ।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और निवेदन करना चाहूंगा । आज सरकार मानती है कि गरीब आदमी का कोई मकान नहीं बचा है और अगर इसमें

के में 10 हजार रुपए की मदद की जाए तो उससे गरीब आदमी का कोई फायदा नहीं हो सकता है। मेरी सरकार से प्रार्थना है और सुझाव भी है कि हर मद के एक-एक बच्चे को पुलिस में नौकरी दी जाए। आज पुलिस में बहुत भारी वैकेन्सीज हैं। चाहे बच्चे को चपरासी के पद पर रखा जाए या किसी और पद पर रखा जाए लेकिन नौकरी जरूर दी जाये। इससे एक तो वैकेन्सीज भी पूरी हो जाएगी, दूसरे के दिल से भी कहेंगे कि उनकी सही मायनों में मदद हुई है। ऐसा करने से उनको आश्वासन का साधन मिल जाएगा। आज हरियाणा सरकार दो हजार करोड़ रुपए भारत सरकार से मांग रही है लेकिन यह कम है। जो यहां पर बर्बादी हुई है इस पैसे से मिस-प्लानिंग नहीं हो पाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, ये जो ड्रेन्ज हैं, इनको सही तरीके पर कर दिया जाए तो हम बर्बादी से बच सकते हैं और अपनी फसल को बचा सकते हैं। इन में दो, तीन या पांच लाख रुपये की बात है। पीछे इन्होंने बहुत अच्छे काम किए हैं, ड्रेनें लगाई और बांध बनाये हैं। नेहरा साहब, हम एक गांव में बांध लगाना चाहते थे। जब उसका काम शुरू करने लगे तो वहां के जो जमींदार थे हुल्लडबाज ले कर आ गए और साथ में कोर्ट से स्टे आर्डर ले आए। वह बांध नहीं बन पाया जिस वजह से उस गांव में बाढ़ आई थी, उसके साथ-साथ 10 गांव भी इसकी चपेट में आ गए। यह सब कुछ तो जमींदारों की वजह से हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, यह जो बर्बादी के रास्ते हैं इनसे बचा जा सकता है। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक निवेदन और करना चाहता हूं। (विघ्न) मेरे हल्के के 1241 कच्चे मकान और लगभग 41 या 42 पक्के मकान गिरे हैं। ये जो 1241 घर हैं इनके परिवारों के किसी न किसी बच्चे को किसी न किसी पद पर जरूर लगाया जाए। दूसरे यहां पर एक, नहीं किसी ने कहा कि सारा हरियाणा बाढ़ में डूब रहा है और कुरुक्षेत्र मंडी में का मेला मनाया जा रहा था। मैं तो यह कहता हूं कि भगवान ऐसा मेला सबको दे। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, ये 13 तारीख की बात कर रहे थे। उस दिन 18 सौ नौजवानों ने खून दान किया और कहा कि हरियाणा में बाढ़ की वजह से जो लोग बिमार हुए हैं, यह खून उनको दिया जाए। (शोर एवं व्यवधान) जो इन्सान किसी की जान बचाने के लिए खून दे, मैं ऐसे एम० एल० ए० को भी इतनी भलाई का काम कर रहा है, बधाई देता हूं। इन शब्दों के साथ ही मैं आपका धन्यवाद करता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : अब रमेश कुमार जी बोलेंगे।

प्रो० सम्पत सिंह : सर, हमारी पार्टी का फैसला है कि पहले मैं बोलूं और रमेश कुमार जी बाद में बोलें।

श्री उपाध्यक्ष : रमेश कुमार जी, अब कोई आपको बोलने की इजाजत है।

श्री रमेश कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के नेता के बाद बोलूंगा

लोक निर्माण मन्त्री (श्री अमर सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । आपने आनरेबल मैम्बर रमेश कुमार का नाम बोलने के लिए लिया है लेकिन इन से पहले श्री सम्पत सिंह जी बोलना चाहते हैं । आप देख रहे हैं, (विघ्न) हाउस में भी इनकी पार्टी हरिजन विधायक को दबाकर रखना चाहती है । अगर हाउस में ही इनका यह हाल है तो बाहर क्या हाल होगा ? आपने रमेश कुमार का नाम बोलने के लिए लिया है लेकिन ये उनको हरिजन होने की वजह से बोलने देना नहीं चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : रमेश कुमार जी, आपने पहले बोलने के लिए कहा था इसलिए अगर आप बोलना चाहते हैं तो बोलने की इजाजत है, आप बोलिए ।

श्री रमेश कुमार : सर, आप पहले विपक्ष के नेता को बोलने दें । मैं बाद में बोलूंगा ।

श्री उपाध्यक्ष : यह फैसला तो मैंने करना है कि पहले कौन बोलेगा ।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने कल 34 मिनट अपना भाषण दिया था और कल जब चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बोलने लगे थे तो इन्होंने कहा था कि हमारे 26 या 27 मैम्बर ने यह सौंपा दिया है, इसलिए केवल उनको ही बोलने दिया जाए । लेकिन अब केवल जब यह चाहते हैं कि इनके मैम्बर बोलें, अब ये कहते हैं पहले मैं बोलूंगा । सर, मेरी आपसे गुजारिश है कि इलैक्शन की स्ट्रैंथ के मुताबिक टाईम अलोट किया जाए । यह नहीं होना चाहिए कि एक मैम्बर को टाईम एक घंटा ले लें और बाद में यह कहें कि हम सारे बोलेंगे । इसलिए इसमें मेरा आपसे अनुरोध है कि जितना भी समय हाउस पर बोलने के लिए आपने अलोट किया हुआ है, उसमें से हमें भी हमारी स्ट्रैंथ के मुताबिक समय मिलना चाहिए । अपोजीशन के टोटल मैम्बर 37 हैं और हम 63 आदमी हैं, इसलिए हमें इसी स्ट्रैंथ के मुताबिक टाईम मिलना चाहिए ।

श्री अमर सिंह : सर, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है और मैं आपसे रूलिंग भी चाहता हूं । कल सम्पत सिंह ने और ओमप्रकाश चौटाला ने यह आग्रह किया था कि हाउस में उनके मैम्बर्स बोलना चाहते हैं परन्तु जब आपने रमेश कुमार का नाम बोलने के लिए लिया तो ये कहने लगे कि मैं पहले बोलूंगा । सर, रमेश कुमार तो हाईक्लास एस0 सी0 है, इसलिए ये हाउस में भी उसको दबाना चाहते हैं । जब आपने उनका नाम बोलने के लिए लिया है तो पहले ये कैसे बोल सकते हैं, मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूं ? आनरेबल मैम्बर को यह पार्टी हाउस में दबाने की बात कर रही है । अगर हाउस में यह इस तरह की बात कर रहे हैं फिर इनका बाहर क्या हाल होगा ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतबीर सिंह कादयान : डिप्टी स्पीकर सर, जब विपक्ष के नेता बोलना चाहते हैं तो ये लोग बार-बार उनको बोलने से रोकने के लिए क्यों खड़े हो जाते हैं ?

इनको विपक्ष के नेता को बहुत महत्व देना चाहिए, इस तरह से बोलने से नहीं रोकना चाहिए। विपक्ष के नेता की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। राम बिलास जी के बाद विपक्ष के नेता बोलना चाहते थे लेकिन उनको बोलने का समय नहीं दिया गया। हमारे 17 मैम्बर्ज में से केवल एक मैम्बर श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ही बोले हैं। वह सेशन तो 27 मैम्बर्ज ने लिया था, फिर ये विपक्ष के नेता को क्यों नहीं बोलने देना चाहते ? मेरा आपसे यही कहना है कि पहले आप सिंह जी को बोलने दें और रमेश कुमार जी बाद में बोल लेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। हमारी हरियाणा विकास पार्टी के किसी भी माननीय सदस्य को बोलने का मौका नहीं दिया गया है। इनकी भी मेजारिटी हुआ है, हमें भी बोलने का पूरा अधिकार है और हमें भी मौका दिया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर यह भी है कि एक तरफ हरियाणा की जनता बाढ़ के कष्ट भोग रही है और दूसरी तरफ मुख्यमंत्री के बेटे अपने जन्मदिन की पार्टी दे रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : जो हाउस के माननीय सदस्य हैं, उनके बारे में आपको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगदीश नेहरा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा आपसे निवेदन है कि हमारी तरफ से बोलने वाले काफी मैम्बर हैं, उनकी आपको लिस्ट दी गई है लेकिन हमें हमारे स्ट्रैन्थ के मुताबिक टाईम नहीं दिया जा रहा है। हमें अपने मुताबिक टाइम दीजिए। नोटिस देने से क्या हो गया, यह तो अविश्वास की निकासी है। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि ये लोग भी अनाप-शनाप ऐलीगेशन लगा रहे हैं कि मुख्यमंत्री जी के बेटे ने पार्टी दी है, यह ठीक नहीं। 1500 लोगों ने खून दिया है, क्या इन्होंने कभी खून दिया है ? खून देने की बात आती है तो ये पीछे हट जाते हैं।

श्री करण सिंह दलाल : माननीय मंत्री जी खून के बारे में चर्चा कर रहे हैं 1500 लोगों ने खून दिया है। आप यह बताएं कि इसमें से मंत्रियों, विधायकों और मुख्यमंत्री जी के परिवार के कितने सदस्यों ने खून दिया है ? ये हरियाणा की भोली-भाली जनता का खून चूस रहे हैं, खून चूस रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी के परिवार के किसी ने खून का दान भी किया है क्या ? (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगदीश नेहरा : उपाध्यक्ष साहब, आपको तो नींद में भी मुख्यमंत्री जी दिखाई दे रहे हैं। आपको तो इन्सोमेनिया हो गया है। (शोर एवं व्यवधान) Speaker, Sir, he is suffering from Insomnia. (Noises. Interruptions).

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (चौधरी कृष्णमूर्ति हुड्डा) : डिप्टी स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये माननीय कह रहे हैं कि मंत्रियों व विधायकों में से किसी ने खून नहीं दिया। मैं 13 बार खून दे चुका हूं, यह रिकार्ड की बात है। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० छत्तर पाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैंने सदन के अन्दर काल अटैंशन मोशन मूव किया हुआ है और मेरा अन-अटैच्ड पार्टी से मेरा ताल्लुक है। अन-अटैच्ड पार्टी को कोई समय नहीं दिया गया है। आपसे गुजारिश है कि विधान सभा में अन-अटैच्ड पार्टी का अपना एक महत्व होता है, इसको कुछ टाईम दीजिए। आप अपोजीशन के लीडर से पहले या बाद में, मुझे बोलने का समय अवश्य दें।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है, आपको समय दिया जाएगा।

12-00 बजे

प्रो० सम्पत सिंह (भट्टूकलां) : डिप्टी स्पीकर साहब, आप हमारे हाऊस के कस्टोडियन हैं। मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया, नहीं तो ट्रेजरी बैंचिज़ की तो यह कोशिश थी कि लीडर आफ दी अपोजीशन को बोलने का मौका ही न दिया जाये। कभी कोई प्रिविलेज मोशन की बात कहकर शोर मचा दिया, कभी कोई शोर पैदा कर दिया, लेकिन मैंने उनको बता दिया था कि आप हमारी जबान बन्द नहीं कर सकते। ये लोग खून देने की बात कहते हैं, इन्होंने खून कब देना है? ये तो हमेशा खून लेने की ही बात करते हैं। आज बाढ़ की क्या स्थिति है। हरियाणा के 17 के 17 जिले बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। कोई ऐसा जिला बचा नहीं है जो बाढ़ के प्रकोप से प्रभावित न हुआ हो। जितनी तबाही फ्लड से हरियाणा के अन्दर इस बार हुई है, शायद ही पहले कभी तबाही हुई होगी। इसका जिक्र आज चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने, चौटाला साहब ने और दूसरे बोलने वाले साथियों ने यही किया कि जो लाखों एकड़ में फसल थी, वह बुरी तरह से बरबाद हो गई है। जो खरीफ की फसल नष्ट हो चुकी है, उस का पूरा नुकसान हो गया है। लोग 100-100 साल घर बनाने के लिये लगाते हैं। घरों का सामान भी बनाने में लोगों को कई कई साल लग जाते हैं। कभी कोई चीज ले आये तो कभी कोई चीज ले आये लेकिन वह सब कुछ एक दम खत्म हो गया। लोग बुरी तरह से फ्लड के कारण बरबाद हो गये, सैंकड़ों आदमी मारे गये लेकिन सरकारी आंकड़ों के अन्दर इस बात का कोई जिक्र तक नहीं है। सरकार ने जो आंकड़े दिये उसके अनुसार सरकार कई गांवों में नहीं पहुंच पाई। फिर भी सरकार कहती है कि सारे आंकड़े उसके पास हैं। आज भी वहां पर फ्लडिड एरियाज़ में लोगों की लाशें की लाशें मिल रही हैं, गांव के गांव फ्लड से तबाह हो गये। दूसरी तरफ जो गरीब किसानों का पशु धन था, वह भी सारे का सारा बरबाद हो गया। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता ही है कि शहरों में पशुओं के झुण्ड के झुण्ड बैठे रहते हैं और जब फ्लड आया तो उन सब का कुछ शहरों में अता-पता नहीं रहा। पानी में किसानों के मवेशी बह गये। इस तरह जिस सहारा देने वाला [illegible] बैठने को मिलता था। सारे का सारा सिस्टम ही खुर्दबुर्द हो गया। इमारतें चाहे वे सरकारी थीं, चाहे प्राईवेट थीं या फिर व्यापारिक संस्थान थे, वे बुरी तरह से ध्वस्त हो गईं। करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया। रोहतक के अन्दर भी करीब लगभग 1000-1200 दुकानें थीं, वे सारी की सारी बह गईं। दुकानों का बहुत बुरा हाल हुआ और आज भी उनके पास [illegible] के कारण गुजारा नहीं हो सकता। इस-

तरह से आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि कितना भारी नुकसान फसल के कारण इस स्टेट का हुआ है।

इसी तरह से आवागमन के सारे साधन भी बिल्कुल बन्द हो गए थे। चण्डीगढ़ शहर, देश की राजधानी दिल्ली, हरियाणा प्रदेश से बिल्कुल कट चुकी थी। सभी रास्ते जाम थे। आप लोग कहीं पर जा नहीं सकते थे। इस बार पार्टी की अध्यक्ष कांग्रेस के सिलसिले में मीटिंग जलूस में शामिल होने के लिये चण्डीगढ़ से भिवानी जा रहे थे। कैथल पहुंचे तो आगे रास्ता बन्द था, हजारों गांव के पास से नाला जा रहा था, वापिस आ गये। आगे आगे एक बस या ट्रक थी कैथल से हिसार की तरफ, लेकिन हमें आगे जाने का रास्ता ही नहीं मिला आखिर जब कैथल की तरफ आने के लिए मुड़े तो आगे सड़क पर एक दरख्त गिरा हुआ था। वह इतनी बड़ी शाखा से गिरा हुआ था कि उसकी जो आगे की टहनियां थीं, उन्होंने पूरी तरह से सारे ट्रैफिक को जाम कर दिया। जो बस हमारे आगे आगे चल रही थी, उसमें बच्चे चिल्ला रहे थे क्योंकि आगे जाने के लिये रास्ता नहीं मिल रहा था। चारों तरफ पानी की शीट नजर आ रही थी और एक तरह का समुद्र लोगों को नजर आ रहा था। इस तरह से वे लोग घबरा गए थे कि जाएंगे कहां से। मैं तो कैथल से करनाल और दिल्ली हो कर हिसार पहुंच गया। उस समय सारा हरियाणा एक किस्म से मन-रोक हो गया था। इनमें से गुजरना अब खतरे से खाली नहीं था। कहीं से अगर गुजरने के लिये रास्ता था तो वह थोड़ी देर बाद बन्द हो जाता था। इसी तरह एक दिन मैं चण्डीगढ़ आ रहा था। डिप्टी स्पीकर साहब, मैंने जींद की साइड से आने की कोशिश की। बुढ़ाना और पंडिया के बीच में हरियाणा का इलाका पड़ता है। मैं निकल तो गया लेकिन उसी वक्त बाढ़ का पानी रोड पर चढ़ गया। लोग सड़क पर बांध बांध रहे थे। जब मैं वापिस आया तो वह रास्ता फिर बन्द हो गया। इस तरह से सारे का सारा हरियाणा प्रदेश बिल्कुल कट कर रह गया। डिप्टी स्पीकर साहब, नेशनल हाईवे शायद ही इतने दिनों तक कभी बन्द रहा हो। आज वह डेढ़ महीने से बन्द पड़ा है। बार-बार प्रशासन के अधिकारियों का ब्यान आता है कि यह रोड खोल दी गई है, फलां तरफ से चलाई जाएगी। अमर नगर से सोनीपत की तरफ से खोल कर चलाई जाएगी। मुझे समझ नहीं आता कि कैसे चलाई जाएगी? आज भी यह सड़क तीन जगहों पर पानी में डूबी पड़ी है। सांपला के पास एक किलोमीटर से ज्यादा डूबी पड़ी है। इसी तरीके से यह भालौट-रोहतक के बीच में डूबी पड़ी है। इसी तरीके से खरखौदा और महम के बीच डूबी पड़ी है। आप लोग पानी की भिकवार का अन्दाजा नहीं लगा सकते हैं क्योंकि सड़कों में गड्ढे पड़ चुके हैं। पानी तो शायद इस समय तो कम हुआ है लेकिन गड्ढे 4-3 फुट गहरे पड़ चुके हैं। किसी आदमी को कोई भरोसा नहीं कि कब यह अपने व्हीकल समेत उसमें डूब जाए। ऐसे हालात हो रहे हैं। जितने स्कूल हैं, कालेज हैं, यूनिवर्सिटीज हैं, हस्पताल हैं, दूर संचार महकमा है, बिजली है, ट्रांसफार्मर्स हैं और दूसरे सब संस्थान हैं, ये सारे के सारे एकदम ठप्प हो रहे हैं। एक एक ऐसे हालात हो रहे हैं जैसे एमरजेंसी के अन्दर हुआ करते हैं।

[प्रो० सम्पत सिंह]

डिप्टी स्पीकर साहब, इन हालात के पीछे कुछ रीजन्ज भी हैं। मैं पोक में जाकर सरकार को इसके रीजन्ज बताने की कोशिश करूंगा। इसके तीन रीजन हैं। पहला रीजन तो है नेचुरल, दूसरा रीजन है एडमिनिस्ट्रेटिव और तीसरा रीजन है पोलिटिकल। जहां तक नेचुरल रीजन का सवाल है, कल चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक फरमाया था कि इस बार बरसात रिकार्ड तोड़ हुई है। आठ सौ मिली मीटर की बजाए 12 सौ मि० मी० हुई है लेकिन यह एवरेज थी। वैसे कहीं एक हजार मि०मी० बरसात हो गई, कहीं आठ सौ मि०मी० हो गयी और कहीं चार सौ हो गई, लेकिन आज तक कभी भी सारे हरियाणा में नार्मल स्प्रैड इस तरह की बरसात नहीं हुई थी। तो मेरे कहने का मतलब यह है कि इस बार वाइड स्प्रैड बरसात हुई है और इसकी एवरेज जो निकाली गई है, वह 12 सौ मि०मी० है। जब आप आठ सौ मि०मी० एवरेज की जिक्र कर रहे हो तो यह कुछ जगहों पर कंसन्ट्रेटिड थी। कभी यमुना बैल्ट में, कभी मारकंडा बैल्ट में। इसलिये जहां तक तबाही का सवाल है, यह तबाही तो भी डैस्ट्रक्शन लिमिटिड ही रही थी। लेकिन ऐसे मौके पर आई है अब इस 12 सौ मि०मी० के फलस्वरूप बरसात हरियाणा के कुछ एरियाज के अन्दर हुई है। अगर यह बारिश सारी स्टेट के अन्दर फैलती और उसका असर आप एवरेज निकालते हैं तो इसका मतलब यह है कि यह बरसात का पानी पहले कुछ एरियाज में आता था, इससे कुछ कम हो सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक कुदरत वाला रीजन है, इसके लिये तो हम कुछ नहीं कर सकते, कुदरत के आगे तो सब को सिर झुकाना पड़ता है, लेकिन जहां तक एडमिनिस्ट्रेटिव रीजन का ताल्लुक है, उसका कण्ट्रोल तो सरकार कर सकती है। अगर इनके एडमिनिस्ट्रेशन की गलती हुई है, यह कण्ट्रोल नहीं कर सका तो उसकी गलती तो सरकार मानेगी। सेहत मन्त्री इस समय बैठे नहीं है, दूसरे मन्त्री जी बैठे हैं जहां तक नहरों के सिस्टम का सवाल है, इसके बारे में मैंने पहले और दूसरे अधिवेशन में भी आपके नोटिस में लाया था कि आप हरियाणा के अन्दर पिक एंड चूज न करें। आपके जो चीफ एक्सईकाइज इंजीनियर्स हैं, सबसे बढ़िया इंजीनियर्ज हैं, आप उनसे काम लें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने एक उदाहरण देना चाहूंगा। इस वक्त के इनके जो ई०आई०सी० हैं, इन्होंने कभी भी अपनी जिन्दगी में रनिंग कैनाल्ज का काम नहीं देखा। इन्होंने एस०डी०ओ० से लेकर ई०आई०सी० तक कभी भी रनिंग कैनाल्ज का काम नहीं देखा। यही कारण था कि इसलिये वर्ल्ड बैंक का जो वर्ड फेज था, वह खत्म हो गया। दूसरी बात यह है कि आप बाद में वर्ल्ड बैंक में जीन लेकर आए। जो वर्ड फेज का पैसा था, वह उन्हीं ई०आई०सी० की वजह से खत्म हो गया। उसके बाद एक चीफ इंजीनियर आए लेकिन कितने दिन तक रहे। उसके बाद आज जो ई०आई०सी० हैं, इनसे पहले फिर इन्होंने एक ई०आई०सी० लगा दिया कि यह प्रैक्टिस करेगा, अप्लाई करेगा। वर्ल्ड बैंक का जो वर्ड फेज था, उस समय जो भी ई०आई०सी० लगा रखा था, उसने कभी भी अपनी जिन्दगी में रनिंग कैनाल्ज का काम नहीं देखा था, लेकिन फिर भी उनको रनिंग कैनाल के सारे सिस्टम का

इंचार्ज बनाया था। उससे पहले उन्होंने कभी भी ड्रेनेज कैनाल पर काम नहीं किया था। उनका ज्यादा ज्यादा काम प्रोजैक्ट रिपोर्ट और डिजाइनिंग का था। वह ज्यादातर डी०जी०एन०बी० में या बाहर रहे थे। ऐसे आदमी जिनको इस चीज के बारे में ज्ञान न हो, ऐसी जगहों पर लगा देंगे तो कैसे एफिशिऐंसी आयेगी? उसके कारण नहरों का सारे का सारा सिस्टम कोलैप्स हो गया। डिप्टी स्पीकर साहब, यह किसका कसूर है? सरकार कहती है कि हमारी क्या गलती है? फिर यह किसकी गलती है, यह सरकार की ही गलती है। दूसरे विभागों के अन्दर भी इंजीनियर्ज थे। मेरा किसी से कोई वैर नहीं है, कोई रंजिश नहीं है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज जो ई०आई०सी० लगाए हुए हैं, वे बहुत ही इन्टैलीजेंट, बहुत ऑनेस्ट और मेहनती व्यक्ति हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि ये नहरी सिस्टम में कोई न कोई सुधार जरूर लाएंगे लेकिन आज तक कुछ बाढ़ से बरबाद हो चुका है। ये ई०आई०सी० शायद अगस्त के महीने में आए होंगे। वे लोगों का गुस्सा सहने के लिये, लोगों के प्रकोप का शिकार होने के लिये आ गए, उनको लगा दिया गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर सरकार पहले ही ऐसे और ठीक किस्म का आदमी इस पोस्ट पर लगाती तो सरकार को ये दिन नहीं देखने पड़ते। कुदरत ने भी नुकसान किया है, उसको कम किया जा सकता था। इसके अलावा, डिप्टी स्पीकर साहब, इस सरकार ने ड्रेनेज महकमा खत्म कर दिया। यह तो यह सरकार जाने कि यह महकमा क्यों खत्म किया है? इसके पीछे सरकार की क्या इन्टैंशन थी, यह तो सरकार ही बता सकती है। इस ड्रेनेज महकमे को खत्म करने के बाद नौ-मैन्स रिस्पोंसिबिलिटी रह गई। आज जो आदमी ड्रेनिंग कैनाल के अन्दर लगा हुआ है, उसको दूसरे वर्क देखने की फुर्सत नहीं है और न ही वह दूसरे कामों की तरफ ध्यान दे सकता है। यही कारण है कि आज ड्रेनेज सिस्टम का सारे का सारा काम ठप्प हो गया है, खत्म हो गया है। ड्रेनेज महकमा खत्म करने के बाद इनके पास जो इंजीनियर्ज थे, विशेषकर मैं मैकेनीकल इंजीनियर्ज के बारे में कहना चाहूंगा, सरकार किस तरह से मिस-यूज करती है। मैं इस बारे में मुख्य मंत्री से कहना चाहूंगा कि आप विभाग से जवाब लेकर बताएं कि कितने मैकेनीकल इंजीनियर्ज को सिविल वर्कस और ड्रेनिंग कैनाल पर लगा रखा है। मैकेनीकल इंजीनियर्ज का काम अलग है, लेकिन उनको ड्रेनिंग कैनाल पर लगा रखा है, इसका मतलब यह है कि इनका मोटिव ठीक नहीं है। अल्टीरियर मोटिव हो सकता है, वरना मैकेनीकल इंजीनियर्ज जो सिविल कंस्ट्रक्शन के काम पर बैठेगा, वह ड्रेनिंग कैनाल पर कैसे बैठेगा? हो सकता है शायद इस बारे में मुख्य मंत्री जी को मालूम न हो, नेहरा जी ने लगा रखे हों। यह एडमिनिस्ट्रेटिव रीजन था जिसके कारण हरियाणा के अन्दर तबाही हुई है। इसके अलावा, मैं यह बात भी कहना चाहूंगा कि जो डायवर्शन ड्रेन नम्बर 8 है, डायवर्शन ड्रेन नम्बर 8 है और जो मेवात में ड्रेनेज का डायवर्शन ड्रेन है, ये ड्रेन्ज बाढ़ के दिनों में हरियाणा की जीवन रेखा का काम करती हैं। ये ड्रेन्ज हरियाणा प्रदेश में बाढ़ के पानी को निकालने का काम करती हैं। लेकिन इस बार इन ड्रेन्ज ने, विभाग की कमी की वजह से, एडमिनिस्ट्रेशन बंद होने की वजह से, मौत का काम किया है। ड्रेन्ज का अपना सिस्टम है, ड्रेन्ज अपने

[प्रो० सम्पत सिंह]

आप साफ नहीं हो सकती न ही अपने आप उनके किनारे मजबूत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति नाहक, आउटफाल ड्रेन नम्बर 8, रोहतक जिले से होती हुई नहावाड और बावली के ऊपर नजफगढ़ में जा गिरती है। आउटफाल ड्रेन नम्बर 6, गोहाना के पास से निकल कर राठधना से होती हुई कुंडली के पास यमुना में गिरती है। इसी प्रकार से सोनीपत जिले की ड्रेन नं० 8 के कारण हालत खराब हुई। यह जो ड्रेन नं० 8 है, इस पर सरकार ने गोहाना से इसराना के बीच में 20 लाख रुपया खर्च दिखाया है। मैं इस खर्च के बारे में बताना चाहता हूं कि वहां पर कोई काम नहीं हुआ। बेशक आप विजिलैंस की जांच करवा लें, वहां पर एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ क्योंकि उस नहर में अब भी दरख्त और बलसबाड़ खड़ा नजर आयेगा। इतनी भयंकर बाढ़ और पानी के बहाव के बावजूद भी आज उस नहर में झाड़ नजर आता है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कितनी सफाई इस नहर की हुई है। इसलिये इस बात की जांच कराई जाये कि ये 20 लाख रुपये कहां पर खर्च हुए। इस ड्रेन की सफाई न होने के कारण जितनी कैपेसिटी में इसको पानी लेना चाहिये था, वह नहीं ले पायी। ड्रेन नं० 8 की जो कैपेसिटी लगभग 4000-4500 क्यूसिक की थी लेकिन वह घटकर काफी कम रह गई है। इसी प्रकार रोहतक में से जब यह ड्रेन गुजरती है तो इसकी कैपेसिटी जहां 2930 क्यूसिक की होनी चाहिये थी, वह अब 1000 क्यूसिक से कम की रह गई है। यह सब इसकी सफाई न होने के कारण हुआ है। सरकार की लापरवाही की वजह से यह सब कुछ हुआ है और लोगों की जानें गई हैं। इसलिये सरकार पर विशेषकर चीफ मिनिस्टर और उनकी कैबिनेट पर सैक्शन 302 के तहत केस रजिस्टर होना चाहिए क्योंकि कसूरवार ये ही हैं। यदि सरकार समय पर सफाई करा देती तो ऐसी भयंकर दशा लोगों की न होती। मैं तो यह चाहूंगा कि इसकी जुडिशियल जांच होनी चाहिये कि किस के पार्ट पर यह कमी रही है जिसके कारण लोगों की जानें गई हैं? जिस तरह से बेकसूर लोगों की जानें गई हैं, उसको ध्यान में रखते हुए कत्ल का केस सरकार के खिलाफ दर्ज होना चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, गोहाना सब डिवीजन के 82 गांवों में से 2-3 को छोड़कर, सारे के सारे गांव इस ड्रेन की वजह से तबाह हुए हैं। जहां यह ड्रेन रहमत का काम लोगों के लिये करती थी, सफाई न होने के कारण इस बार इसने जहमत का काम किया है। इस ड्रेन की सफाई न होने के कारण सारा गोहाना सब डिवीजन पानी में डूब गया है। इस ड्रेन नं० 8 ने मुन्डलाना, रिढाणा, कथूरा-कासन्डी, न जाने कितने ही गांवों में तबाही मचायी है। यहां हम इसको मैनमेड कैलेमिटीज कह सकते हैं, यहां इस कैलेमिटीज से बचने के लिये समय पर कदम न उठाने के बारे में इसको सरकार की कमजोरी भी हम कहते हैं। इसी प्रकार से ड्रेन नं० 8 ने भी काफी नुकसान पहुंचाया है। जो जवाहर ड्रेन है, उससे भी समाला आदि गांवों को नुकसान हुआ है। हमारी कुछ नहरों में शीप की वजह से भी काफी नुकसान हुआ है। ये ओवर फ्लो यह नहीं थी जिस के कारण ये टूट गई और लोगों को नुकसान हुआ। अब बरसात को रुके हुए भी 15-20 दिन हो गए लेकिन नहरों के

किनारे टूटे पड़े हैं और ओवर फ्लो होने के कारण सैंकड़ों गांव डूब गए। नरवाना ब्रांच जो आगे चलकर सरसा ब्रांच बन जाती है, वह नरवाना से ओवर फ्लो होती है। वह नरवाना के पास से कच्ची है। बुर्जी नं0 328 से 342 तक यानी 14 बुर्जियां कच्ची हैं। इन के कच्चा होने के कारण वहां से यानी नरवाना ब्रांच का कुछ हिस्सा कच्चा रहने के कारण 107 गांव बिल्कुल तबाह हो गए। आज इन गांवों में बहुत से गांव ऐसे हैं जो हर प्रकार की सहायता से वंचित हैं। डिप्टी स्पीकर सर, कैसे ये लोग कहते हैं कि इनका कसूर नहीं बनता है। नरवाना ब्रांच के बार-बार टूटने के बाद जो पानी आया, उसके बारे में हर आदमी को मालूम है। वह पानी कैसे आया, मैं इस बारे में बताना चाहता हूं। सुन्दरी ड्रेन सुन्दरी से ओरिजिनेट होती है और बाद में कैथल जिले में और जीन्द की तरफ आती है। उसका पानी नरवाना और सिरसा के अन्दर भी नैचुरल फ्लो से गिरता है। वहां पर कुछ पम्प लगे हुए हैं, जिनसे उस पानी को पम्प आउट किया जाता है परन्तु जब पानी आया तो इनके डीजल पम्पस सैट में, डीजल ड्रेन भरी नहीं थी, वह 100 क्यूसिक पानी नहीं ले रही थी। सारे का सारा पानी ड्रेन के ऊपर से चला गया और सरूपगढ़ गांव के पास ओवर फ्लो होने के बाद वह पानी भाखड़ा में गया जिसका डाऊन होते हुए चौधरी बीरेन्द्र सिंह के हलके उचाना में थोड़ा डिस्चार्ज होते हुए पानी की रोक रखी ही नहीं गई। नरवाना ब्रांच के पास जा कर उस पानी ने तबाही मचाई और ड्रेन ने दोनों तरफ आर-पार जल नहर को काट दिया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, वह पानी कहां जाता, उसने सारे नरवाना में तबाही मचा दी। उसके बाद पिछले हलके में राजली और बिचपड़ी में उसने भीषण तबाही मचा दी। न जाने मुख्य मन्त्री जी ने किसी अधिकारी को कोई आदेश दिया होगा या नहीं दिया होगा लेकिन वहां पर एक डिप्टी कमिश्नर लगा दिया जो ठीक था। वहां पर क्या कुछ हुआ, इस बारे में मैं बताना चाहता हूं डिप्टी स्पीकर सर, एक राजा माईनर है। उस राजा माईनर की तरफ बहुत ही ऊंचाई है इसलिये उस तरफ पानी जा ही नहीं सकता। लोगों ने पैनिक क्रिएट करने के लिये, भय और डर क्रिएट करने के लिये उसके किनारे ऊंचे करवाने शुरू कर दिए, परिणाम-स्वरूप गांवों में एक आम चर्चा शुरू हो गई। हालांकि मुख्य मंत्री जी के रिलेटिव कोठी या मकान कोई वहां सम्भवतः नहीं है, लेकिन लोगों में यह चर्चा आम हो गई कि मुख्य मंत्री जी अपनी आढ़त बचाने के लिये उस माइनर को बना रहे हैं। (विघ्न) एक बात का लोगों में पैनिक फैल गया कि तुम्हें डुबोने के लिये, मण्डी की सारी राजा डिस्ट्रीब्यूटरी को ऊंचा किया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, उसके बाद फरैण और बिचपड़ी के अन्दर सड़क से कट कर पानी ओवर फ्लो होने के कारण के डोबरखेड़ी और जेवड़ा, दो गांवों के खेतों में घुस गया। मेरे कहने का मतलब यह है कि इन दोनों गांवों की आबादी तो रिंग बान्ध बनने के कारण बच गई परन्तु खेतों में खड़ी फसल का दोनों ही गांवों का बहुत नुकसान हुआ है। डिप्टी स्पीकर सर, यह पानी कहां से आ रहा था? सुन्दरी ड्रेन का पानी ओवर फ्लो हो कर 100 किलो मीटर से ज्यादा एरिया में फैलता चला गया। अगर सरकार इस पानी का प्रापर बन्दोबस्त रखती,

[प्रो० सम्पत सिंह]

नहरों की सफाई करवा कर सकते, नहर के किनारों को मजबूत करवाती तो बरसात के मौसम में कटाव न होता और सारे का सारा इलाका न डूबता। इस तरह से सारी तबाही का कारण यह सरकार खुद है। डिप्टी स्पीकर सर, 15 तारीख को खांडसा ड्रेन में पानी ओवर फलो हो करके मामला से नेशनल हाईवे को क्रास कर गया। पानी [illegible] ओवर फलो किया है और महकमें के लोगों ने शायद जोखाड़ा उसकी [illegible] कर दी है। डिप्टी स्पीकर सर, नेशनल हाईवे 19 तारीख को बन्द हुआ है और 15-20 गांव पानी से प्रभावित हुए हैं। डिप्टी स्पीकर सर, इसी तरह से चौधरी वीरेन्द्र सिंह भी पेटवाड़ नहर का जिक्र कर रहे थे। उसकी वजह से भी बहुत तबाही और बरबादी आई है। जो इलाका सारे हरियाणा में खुशहाल इलाका हुआ करता था, आज उस इलाके के अन्दर भीषण तबाही मची हुई है। डिप्टी स्पीकर सर, इसमें कुछ तो कुदरत की मेहरबानी है लेकिन जहां सरकार फेल हुई है, मैं उसके बारे में बताना चाहता हूं। कुदरत के आगे हमारा बस नहीं चलता है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी का जिक्र किया था। मैं नहर के मन्त्री भी रहे हैं। इसके साथ ही साथ न्यू सिवानी नहर भी चलती है। जब पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी के अन्दर कट आता है तो उसके बाद गांव की तरफ जो पानी चलता है, वह गांवों को डुबो रहा है। डिप्टी स्पीकर सर, अगर न्यू सिवानी कैनाल के साथ जो स्लायस बैंक है, उसकी कट करके न्यू सिवानी के अन्दर पानी डाल दिया जाए जहां से पेटवाड़ में कट हुआ है, उसके पीछे अगर एक बान्ध लगा दिया जाए तो काम चल सकता था। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर सर, वहां पर भी सरकार का फेल्योर है। न्यू सिवानी के हैडवाड़ के बराबर से 400 क्यूसिक के करीब नहर की कैपेसिटी है लेकिन आज उसकी कैपेसिटी 60 और 70 क्यूसिक के करीब रह गई है। उसमें पानी कैसे डालें? अगर इंजीनियर्स चाहते तो इन्तजाम कर सकते थे और [illegible] तरीके से न्यू सिवानी में पीने का पानी मिल जाता। इसी तरह से बादली का जिक्र बार-बार आता है। बादली को डुबोने में 100 प्रतिशत सरकार का हाथ है। यह जो नाकरा ड्रेन है, इसका पानी लोहारू बीहड़ में चला गया और उसके बाद लिफ्ट लेकर वह पानी कैनाल की तरफ चल जाता है। अगर लिफ्ट का सिस्टम ठीक होता तो उसमें 12 सौ क्यूसिक पानी चला जाता। लेकिन वहां पर जो पम्प लगा हुआ था वह खराब हो चुका था। जब वहां 150 क्यूसिक का एक पम्प चल रहा था तो वह 1000 या 1500 क्यूसिक पानी कैसे ले जा सकता था? इसीलिये बादली में तबाही मच गई। आज भी बादली में रोज नए नए गांव डूब रहे हैं। यहां पर रोहतक और भिवानी शहरों का भी जिक्र आ रहा है। उदाहरणस्वरूप रोहतक के अन्दर एक फुटफुल सिस्टम पहले ही बना हुआ है। उन्होंने फ्लड कन्ट्रोल, एनिमा घोषित कर दिया और इस काम के लिये बन्दोबस्त यह है कि वहां पर सफाई कर दी गई है। यह भी कहा कि एडिशनल लेबर लगाकर यह सफाई कर दी जाये। यहां पर रोहतक के बहुत से मैम्बर बैठे हुए हैं, वे जानते हैं कि एक बोहर ड्रेन है, उस ड्रेन

बी० डी० एम० एम० में जाकर पम्प आउट किया जाता है और रोहतक के बाहरी एरिया का पानी वह ड्रेन कैरी कर सकती है। अब उस के किनारे पर मकान बन चुके हैं, इसलिये अब उसकी कैपेसिटी बहुत कम रह गई है जिसकी वजह से पानी पम्प आउट नहीं हुआ है। इस तरह से पानी उसमें जा सिस्टम सिस्टम का सिस्टम ठप हो चुका है और उस तरह से सारा सिस्टम फेल हो चुका है। अगर पहले जैसा सिस्टम रहता तो रोहतक में अन्दर तबाही नहीं आती। इसके साथ ही मैं यह कहना चाहूंगा कि इन्हें लोगों के साथ सहानुभूति दिखानी चाहिए थी, लेकिन सहानुभूति तो दूर रही, इन्होंने उनके घावों पर नमक छिड़कने का काम किया है।

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, मेरे ख्याल से यह ठीक होगा कि आप सरकार को स्टेट लेवल पर इस प्रोब्लम को टैकल करने के बारे में बताएं।

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, अभी तक मैंने यह ही तो की है। सर, मैं यह कह रहा था कि इन्होंने नमक छिड़कने का काम किया है। आज रोहतक, जींद और झज्जर में जबरदस्त तबाही है। उपाध्यक्ष महोदय, भिवानी में पुलिस की गोलियों से जो खून की होली खेली गई थी, उसका खून अभी जमीन से सूखा भी नहीं था कि एक और तबाही इन्होंने सारे हरियाणा प्रदेश में मचा दी। उपाध्यक्ष महोदय, ये फ्लड की बातें तो कर रहे हैं। अगर ये पानी को वहां से निकालते तो हम मान लेते कि इन्होंने अच्छा काम किया है। रोहतक और गोहाना के अन्दर जो रेलवे लाईन है, इसी तरह महानुभाव सर्वश्री मन्त्री जी ने केवल अपने हलके को बचाने के लिये उस रेलवे लाईन को कटवाकर पानी आगे पास करवाया।

गृह राज्य मंत्री (श्री सुभाष बत्तरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जब मेरे बोलने का वक्त आएगा तो ये लोग बोलेंगे नहीं, इसलिये आप इनसे कहें कि ये ठीक बातें ही करें।

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, आप इनसे कहें कि ये बाद में बोल लें। वैसे हमारी इतनी हिम्मत कहां है कि हम होम मिनिस्टर के सामने बोलें। इनके अंडर तो आई.जी., डी.आई.जी., एस.पी. और डी.एस.पी. हैं इनके सामने कौन बोल सकता है? सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि क्या सरकार ने इन रेलवे लाईन को काटने के खिलाफ कोई मुकद्दमा दर्ज किया है? हम मानते यह मान लेते हैं कि ये इसमें शामिल नहीं होंगे लेकिन इनको कोई मुकद्दमा तो दर्ज करना ही चाहिए था। (विघ्न). पेड़ काटने का भी मुकद्दमा दर्ज होता है। 1985-86 में सरकार ने पेड़ काटने के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज किया है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी उस समय मेरे साथ जेल में रहकर आए हैं क्योंकि हमने कीकर के पेड़ काटे थे।

[प्रो० सम्पत सिंह]

लेकिन उन्होंने उनको छोड़ा था। वह मुकदमा आज भी दर्ज है। सरकार ने हमें पेड़ काटने से मना किया था। सर, मैं यह कह रहा था कि इनके खिलाफ रेलवे ट्रैक काटने के जुर्म में मुकदमा दर्ज होना चाहिये था इसके अलावा जहां तक प्रशासनिक अधिकारियों की बात है इसमें कोई दो राय नहीं कि सारे के सारे अधिकारी खराब नहीं होते और हम सबकी बुराई भी नहीं करते क्योंकि हरियाणा में कुछ ईमानदार ऑफिसर्स भी हैं, लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को बाढ़ आने के कारण जब बाढ़ आया तब उन्होंने कुछ एच०सी०एस० रैंक के ऑफिसर्ज को जो यहां पर भी बैठे हुए हैं, फील्ड में भेजा। एक तो वहां पर सारा सिस्टम खत्म हो गया है। इसलिये अब ये लोग वहां पर सिचुएशन को क्या संभालेंगे? आज लोग बहुत गुस्सा खाए हुए हैं अब ये अधिकारी लोगों का गुस्सा भी नहीं संभाल पाएंगे। यहां तक की बात हो रही। डिप्टी स्पीकर सर, कुछ ऑफिसर्ज जब लोगों के घरों में गए तो लोगों ने उनसे कहा कि हम मरे जा रहे हैं। कुछ ऑफिसर्ज ने यह कहा कि आप चाहें हमें फांसी लगा दो, चाहे हमें मार दो लेकिन हमारे पास आपकी मदद करने के लिये कुछ नहीं है। यह पोजीशन हो आज स्टेट में इन लोगों की हो रही है। सर, जब हम लोग रोहतक शहर के अन्दर गए और हमने शहर के अन्दर के लोगों से पूछा कि आपको बाढ़ से क्या-क्या नुकसान हुआ है और हम आपकी बात को किस ढंग से विधान सभा के अन्दर उठाएं। सर, आज हमारी पार्टी के अध्यक्ष तीन दिन आमरण अनशन पर बैठकर उठ रहे हैं और आज उन्हें बैठे हुए तीन दिन हो गए हैं लेकिन यहां उनको मजाक में लिया जा रहा है और कहा जा रहा है कि उनका वजन कम हो गया है। सर, सवाल वजन कम होने का नहीं है, सवाल यह है कि हरियाणा प्रदेश में जो हालत बनाई है बाढ़ की वजह से हुई है, इससे कैसे बचा जाए। सरकार के कान खड़े करने के लिये और वहां से पानी निकालने के लिये ही वे अनशन पर बैठे हुए हैं ताकि लोग अपने घरों में चले जाएं। सर, आज भी हजारों लोग अपने अपने घरों से बाहर हैं, तीन-तीन बार उन्होंने घरों से पलायन किया है इसका हलके में रामपुर गांव मैंने देखा है, वहां के लोगों ने तीसरी बार पलायन किया है। पहले वे लोग फसल आने की वजह से ऊंचे गांव में गए, लेकिन वहां भी फसल आने के कारण से अपने रिश्तेदारों के पास अपने ढोर लेकर हुए आ रहे हैं। सर, इस तरह की सिचुएशन आज भी हरियाणा प्रदेश में है, लोग डरे हुए हैं। इसीलिये मैं सरकार से मांग करने के लिये यह सब कुछ कह रहा हूं। सर, आज हरियाणा का भविष्य खत्म हो चुका है। ऐसी हालत में चौधरी भजन लाल सरकार के कार्य ... हैं तो इसमें गलत क्या है? लेकिन इन लोगों को फिर भी इसमें राजनीति सूझती है। हमारे लिये तो यह भी बहुत ही इश्यू है, सरकार रोज नये

बाढ़ पैदा करती है। राजनीति हम नहीं करते बल्कि राजनीति तो सरकार स्वयं करती है। हमारे पास वजूद की कमी नहीं है लेकिन हम राजनीति नहीं करना चाहते हैं। हम तो लोगों की मदद करना चाहते हैं। but they are playing with the flood water at the cost of the people. डिप्टी स्पीकर सर, मैं आपको बताना चाहता हूं कि रोहतक के लोगों ने हमसे यह नहीं कहा कि हमें कोई मदद चाहिए या कुछ और चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें कुछ नहीं चाहिए, हमें तो केवल सुभाष चाहिए *** * * * * * * * * * * * * * * * डिप्टी स्पीकर सर, इस तरह के मिसलीडिंग डाउन नारे वहां पर लग रहे थे। अगर इसके बाद भी यह सरकार कोई कानूनी कार्यवाही न करे तो फिर लोग अपने हाथ में कानून ले लेंगे और अगर लोगों ने ऐसा किया तो यह बहुत ही गलत बात होगी। इसलिये सरकार को कानून लागू करना चाहिए, न कि किसी को कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत होनी चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ऐसी बचकाना बात इन्हें नहीं कहनी चाहिए। जैसी मान लिया, ये कह दें लीडर आफ दी अपोजीशन हैं, जिम्मेदार व्यक्ति हैं। अपोजीशन में इनकी सबसे बड़ी पार्टी है। इनकी बात भी [illegible] की जा सकती है परन्तु जिस बाकी भाग it should be expunged.

श्री उपाध्यक्ष: जो हुड्डा और सिर वाली बात सम्पत सिंह जी ने कही है, उसको रिकार्ड न किया जाए।

प्रो० सम्पत सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, वहां मिसलीडिंग डाउन के नारे लग रहे हैं। जब सरकारी मशीनरी फेल हो जाती है और लोग कहते हैं कि हम बताएं किसको वोट जाए। एक आफीसर जिसकी इमेज पहले अच्छी थी। लेकिन इनके बारे में आज लोग कह रहे हैं कि इनके जो स्टेट होम मिनिस्टर हैं, वे डी० आई० जी० और एस० पी० से ड्राइविंग करा रहे हैं। पिछली बार हमने यह कहा था कि इनको साइरन वाली गाड़ी दे दी, यह नहीं कहा था कि डी० आई० जी० और एस० पी० को इन का ड्राइवर बना दो। हांसी शहर हुआ है मुख्यमन्त्री जी हांसी गए थे तो इन्होंने वहां लोगों का गुस्सा देखा था। जिस तरह [illegible] में लोगों की आंखों में खून उतर रहा था। कोई व्यक्ति [illegible] करने को तैयार नहीं था। ऐसी अवस्था में भी अगर कोई ईमानदार सरकारी अधिकारी भी आ जाए तो उसके साथ-साथ गुस्से में पेश आते थे। हांसी [illegible] को [illegible] करने के मामले में 302 का मुकदमा दर्ज हुआ है। वहां के विधायक अपने [illegible] और बदमाशों के साथ आते हैं। वहां

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[प्रो० सम्पत सिंह]

के विख्यात लोग जो दो, चोरी का रोजगार करते हैं, इन्होंने उनके बेटे को उठाया, पहले मारा, फिर छत पर ले जाकर छत से फेंक दिया और वह लड़का मर गया। आज गवर्नमैंट के खिलाफ तो ऐलान ले लिया मगर क्या गवर्नमैंट की ऐसी इन्टेन्शन हो सकती है? गवर्नमैंट का क्या मतलब था, खुद एस०एल०ए० ने उसको हुक्म दिया होगा। अब ये कह रहे हैं कि इनकी कार तोड़ दी। ये अपने आदमियों से बदमाशी करवा कर दूसरे आदमियों को फंसवाने की कोशिश कर रहे हैं। और जो आदमी ज्यादती के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं उनके खिलाफ कार्यवाही कर रहे हैं। दूसरे एक मन्त्री श्री आनन्द सिंह डांगी जी बैठे हैं, इनका अपना मदीना गांव है मैं इनको इस गांव को बचाने का तरीका भी बताना चाहता हूं। इनके गांव के पास से जो पानी ड्रेन गुजरती है, वहां पम्प लगाकर, उस पानी को ड्रेन में डालते ताकि इनका गांव भी बच जाता और दूसरे गांव भी बाढ़ से बच जाते परन्तु इन्होंने अपने ही गांव को बचाने के लिये नेशनल हाईवे कटवा दिया, जिससे मोखरा जैसा बड़ा गांव, जिसमें 10 हजार वोट हैं और तकरीबन 15–20 हजार की आबादी होगी, वह तबाह हो गई और वह पानी वहीं तक नहीं रहा आगे कलानौर तक चला गया। यदि ये सूरज मल जी की तरह से सूझबूझ से काम लेते तो अच्छा होता जिस तरह सूरजमल जी बहुकोरा गांव को बचाने के लिये नंगापांव गांव गए थे और इन्होंने लोगों को समझाना चाहा था परन्तु लोग इतने जोश में थे कि उन्हें वहां से जूतियां छोड़कर वापस जाना पड़ा। उनके साथ धर्मपाल मलिक और दूसरे अधिकारी भी गए थे जो डिप्टी स्पीकर साहब हामारे बता रहे हैं कि इनके प्रति लोगों का गुस्सा व आक्रोश कैसा है। इनको अपनी जूतियां छोड़कर भागना पड़ा और एस०डी०एम० को लोगों की मर्जी पर छोड़ आए। उसके बाद लोगों ने उनका जो हाल किया, उसका मैं आपको क्या बताऊं? अब आप ही बताएं कि सरकार नाम की चीज कहां रह गई? इस सरकार की सारी की सारी कानून व्यवस्था ठप्प ही गई थी। (घंटी)

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आपको बोलते हुए 40 मिनट हो गये हैं, आप अब समाप्त करें।

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अब रिवाड़ी जिले का जिक्र करना चाहूंगा। रिवाड़ी में अगर सरकार केवल मात्र 13 लाख रुपया खर्च कर देती तो वहां के 25 गांवों को डूबने से बचाया जा सकता था। 13 लाख रुपये के उन लोगों ने 6 प्रोजैक्ट भेजे थे लेकिन सरकार ने उन को मन्जूर नहीं किया, इसीलिये ये आज करोड़ों रुपया बरबाद करेंगे। अगर उस वक्त 6 प्रोजैक्ट मन्जूर कर लेते और उन पर पैसा खर्च कर देते तो आज यह हालात पैदा न होते। गोरखपुर, मीरपुर, करनालपुर, जैतपुर, भालकाबाद, चाँदपुर

बांध था, मसेड़ी बांध था, किसी गांव का बांध का एस्टीमेटस या किसी का तीन लाख का शायद एक बांध का केवल 50 हजार का ही ऐस्टीमेट था यह पैसा सरकार ने नहीं दिया जिस की वजह से आज यह हालात पैदा हुए। इसके लिये अधिकारी अकेले ही जिम्मेवार नहीं हैं सरकार भी जिम्मेवार है। कई जगह पर लोकल ऐडमिनिस्ट्रेशन ने अपनी ओर से इस तरह की कोशिश अवश्य की है लेकिन कई जगहों पर कोताही हुई है जिसके कारण लोगों में बड़ा भारी आक्रोश है। अगर उन प्रोजेक्टस पर पैसा लगा देते तो गांव में जो तबाही आई उससे बचा जा सकता था। इन्होंने कहा कि अच्छा होता अगर नुक्ताचीनी की बजाये सरकार को हम कुछ सुझाव देते। रोहतक के बारे में भी इन्होंने जिक्र किया कि सुझाव देने चाहिये थे। अगर ड्रेन को ड्रेड रखा होता उसकी मिट्टी निकलवाई होती, इसका रिपेयर वर्क समय पर किया होता तो मुश्किल से साढ़े चार पांच करोड़ का ही होता इस तरह लोगों का बचाव हो सकता था। अगर ईमानदारी से खर्चा किया होता तो बहुत सारे गांव और रोहतक शहर को तबाही से बचाया जा सकता था। इसी तरह से रोहतक को बचाने के लिये आई प्रकार की रैमेडीज भी हैं जो कारण मैंने बताए थे, वे स्टेडियम रोहतक ही है, जैसे जोहड़ ड्रेन का अगर इसके ऊपर मकान न बने होते। अगर इसको बन्द न किया होता और पम्पस इसके ठीक चलते तो ये सारे का सारा पानी ले जाते। इसी तरह से मैं भिवानी के बारे में भी कहना चाहता हूं और कुछ सुझाव देना चाहता हूं। भिवानी के अन्दर जुई कैनाल में लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम है और वह ऐग्रीकल्चर बोर्ड के पास से निकलती है। धनाना, सिवाड़ा, मिताथल, कालवास, पुलघनी वगैरह जो गांव हैं इन गांवों के ग्रामों को पम्प चालू करके हम इसमें शामिल देते तो बाढ़ से जो तबाही हुई है, इससे बचा जा सकता था। अब भी हम पाईपों से पानी निकाल सकते हैं। इसी तरह से डिप्टी स्पीकर साहब, दादरी के अन्दर लोहारू कैनाल के अन्दर जो ब्रीच आई है अगर इसको रोकते तो आगे नुकसान कम हो सकता था। मिताथल चौधर डिप्टी स्पीकर साहब, इसके टूटने से धनाना और दूसरे गांव डूबे हैं, उसमें अन्दर अनाज मण्डी का एरिया भी पड़ता है। आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह इलाका देखा भी होगा। दिनोद रोड साइड पर, झांझा और लाकनपुर रोड पर, पानी काफी भी बड़े आराम से निकाला जा सकता है। दूसरा हाउसिंग बोर्ड का एक 132 के0 वी0 का सब स्टेशन है वहां से चौधरी बीरेन्द्र सिंह वाले रेस्ट हाउस से तथा डी0 सी0 कालोनी से वापोड़ा माईनर द्वारा पानी लिफ्ट करके जुई के ऊपर से पम्प लगाकर निकाला जा सकता है। इसी तरह से चैन.. गली का पानी तेजोवाडा का पानी निकाला जा सकता है और तीसरा हालुवास माईनर है जो आगे डी-वाटरिंग के लिये इस्तेमाल नहीं होती लेकिन यह भी चली हो सकता है जब इन लोगों को लिफ्ट हो।

[प्रो० सम्पत सिंह]

अब डिप्टी स्पीकर साहब, इस तबाही के बाद राहत का कार्य शुरू होता है। इस काम के लिये लोगों ने बहुत मदद की है इसलिये इस असैम्बली को एक मत हो कर लोगों का धन्यवाद करना चाहिए। पब्लिक ने इतनी जबरदस्त मदद की कि शायद ऐसी मदद पाकिस्तान और चाइना वार के वक्त में भी न हुई हो। लोगों के घरों में जो कुछ था, वे सब कुछ देने के लिये तैयार थे लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब, यह मदद लोगों तक पहुंचे कैसे. यहां कभी मदद करने वाले लोग ज्यादा पहुंचे लेकिन बरवाला के साथ 15 गांव ऐसे हैं, वहां कैसे जाएं। वे हांसी पहुंच जाएं तो नारनौंद में कैसे जाएं। मैहम पहुंच गए तो भैणी कैसे जाएं? सर, यह बन्दोबस्त तो सरकार को करना चाहिए था। मैहम के पास मदीना गांव पड़ता है, वहां मुझे जाने का मौका मिला। वह गांव चारों तरफ से पानी से घिरा हुआ था; आधी आबादी उस गांव की भूखी हुई थी। मेरे जाने से पहले पांच पांच फुट पानी सड़क के ऊपर था जो हिसार से स्टार्ट होता था। वहां पर आम कोई ग्रांट से लोग आए, यानी वे कोई खास आदमी नहीं थे। उन लोगों ने 9—10 ट्रालियां रोटियों और सब्जी के भर रखे थे। एक डाक्टर जिसकी छोटी फार्मेसी भी साथ लेकर आए थे। (घंटी) वे दवाइयां भी साथ ले कर आए थे लेकिन उनको आगे जाने के लिये कोई साधन नहीं था। वहां सड़क पर वे ट्रक ले कर आ गए थे। उसके बाद उन्होंने लोगों को कहा कि आप हमें अपने डाले में बिठा लें ताकि हम ये चीजें वहां ले जाएं। वे हमारे साथ गए। गांव में जाने के बाद पूछा कि कोई किश्ती आई है लेकिन कोई किश्ती नहीं थी। उन्होंने बताया कि शुरू में एक मिलटरी की किश्ती आई थी उसके बाद सिविल या मिलटरी की कोई किश्ती वहां नहीं पहुंची। मैं मैहम आया लेकिन शाम का वक्त हो चुका था। मैं वहां के एस० डी० एम० के पास पहुंच गया और कहा कि मैं भी एक दो गांवों के बारे में बताना चाहता हूं। मैंने पूछा कि आपके पास किश्तियां कितनी हैं। उन्होंने कहा कि सिविल के पास सात किश्तियां हैं और बाकी मिलटरी के पास हैं। वहां पर एक सरदार जी मेजर रैंक के या कर्नल रैंक का कोई अफसर था जो सिविल ड्रैस में बैठा था। उन्होंने एस० डी० एम० को कहा कि आपकी सिविल की किश्तियां कहां हैं, हमने तो उनको देखा नहीं है। तो एस० डी० एम० कहते हैं कि सात किश्तियां आज से 7-8 दिन पहले लोगों को हमने दे दी थीं लेकिन अब यह नहीं पता कि वह कहां हैं। तो डिप्टी स्पीकर साहब, फिर एडमिनिस्ट्रेशन कहां की है। आपने किश्तियां किस को दे दी और उसके बाद उनका इस्तेमाल हो रहा है या नहीं हो रहा, इस बात का किसी को पता नहीं था। आपको यह भी मालूम नहीं तो आप कैसे कह सकते हैं कि अफसरों ने लोगों की मदद की है या राहत पहुंचाई है? कोई भी सरकारी अधिकारी वहां नहीं पहुंचा। मैंने खुद उनसे एस० डी० एम० से पूछा कि क्या आपके कोई आदमी या डाक्टर वगैरह

गए हैं तो कहने लगे कि कल जाएंगे । मोकला गांव महम हल्के का सब से बड़ा गांव है । वहां मैं गया । वहां एक आदमी के चार दिन पहले दाह संस्कार के लिए जगह नहीं थी । मैं जब गया तो वहां एक आदमी का दाह संस्कार हो रहा था । चार दीवारों में एक तालाब के अन्दर हो रहा था । डिप्टी स्पीकर साहब, और कोई खास फिक्र की बात नहीं है लेकिन कम से कम मच्छर मारने की दवाई तो वहां भेज दें । और दवाइयां तो महंगी होंगी इसलिए नहीं पहुंच पाई होंगी, लेकिन मच्छर मारने की दवाई तो इतनी महंगी नहीं है, वह तो भेज दें । इनके अपने दो सम्बन्धी हमें मिले थे । एक हरिजन सम्बन्धी था, शायद [illegible] इनसे वह एसोसिएटिड है । तो वह वहां था तथा एक और व्यक्ति था । वे कहने लगे कि बात पार्टी की नहीं है । हम लोकदल में हैं लेकिन आपके सिवाए कोई भी कैंडिडेट [illegible] का आदमी हमारे पास नहीं आया । आप पहली बार आए हैं । मैंने पूछा कि आपके नुमायंदे भी आए होंगे तो कहने लगे कि नुमायंदा पिछली इलैक्शन में आया था । इस समय लोगों ने उनको कहा कि तुमने ही दुखी किया और तुम्हीं आए हो । तो वह वहां से भाग लिया । तो इस तरह की परेशानी उस गांव में थी । अब चलो मच्छर मारने की दवाई तो नहीं भेज सके लेकिन एक दवाई उन लोगों को मारने की और [illegible] ठीक है । (घंटी) सर, मुझे कनक्लूड तो करने दें ।

श्री उपाध्यक्ष: मैंने आपको पहले भी कहा था, वह रिकार्ड पर है । (शोर) अब आप एक मिनट में कनक्लूड कर दें ।

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि [illegible] के सरकार को लोगों के आंसू पोंछने चाहिए थे । सरकार को चाहिए था कि वह लोगों के आंसू पोंछती ।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । डिप्टी स्पीकर साहब, सभी को पांच पांच या दस दस मिनट का टाईम बोलने के लिए मिला है तो फिर प्रो० सम्पत सिंह को यह ड्रामा करने की इजाजत क्यों दी गई है ? आज स्टेट का करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है । यह बड़ा गम्भीर विषय है, सारी स्टेट में करोड़ों रुपए का नुकसान हो गया है । हाउस में प्रैस भी बैठी हुई है और गैलरी में दूसरे लोग भी बैठे हुए हैं । इतने गम्भीर विषय के बारे में इनको यह ड्रामेबाजी नहीं करनी चाहिए । आप इनको रोकें और दूसरे साथियों को बोलने का समय दें । ये इस विषय की गम्भीरता को नहीं समझ रहे हैं और राजनैतिक कारणों से ड्रामेबाजी कर रहे हैं इसलिए आप इनको रोकें ।

श्री उपाध्यक्ष: आपकी बात ठीक है । सभी को बोलने के लिए टाईम मिलना चाहिए ।

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, यह तो हम [illegible] बातों की [illegible] है । अगर हम लोगों के दुख दर्द की बात करते हैं तो इनको यह ड्रामा

[प्रो० सम्पत सिंह]

नजर आता है। जो लोग मर गये हैं, आप उनके परिवार वालों से जाकर पूछें। आप लोग उनके आंसू पोंछने की बजाय उनके घावों पर नमक छिड़क रहे हैं। आप लोगों को * * * आप लोग इसको ड्रामेबाजी कहते हैं? डिप्टी स्पीकर साहब, आप इस बारे में वेरीफाई करवा लें। इनका एक हेलीकाप्टर खाने का सामान डालने के लिए जब कलसम्भा गांव के ऊपर आता है तो उस गांव का एक हरिजन लड़का उस हेलीकाप्टर की तरफ इस बात के लिए देख रहा था कि शायद मेरे पास भी कुछ खाने के लिए सामान गिरेगा। जब हेलीकाप्टर छत के ऊपर से गुजर रहा था तो उस हरिजन लड़के को छत दिखाई नहीं दी, क्योंकि वह हेलीकाप्टर की तरफ देख रहा था इसलिए वह छत से नीचे गिर गया और 10 फुट पानी में डूब कर मर गया और इनको यह ड्रामा नजर आता है? इनको * * *। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी हरियाणा सरकार को चाहिए तो यह था कि प्रदेश का जितना नुकसान हुआ है, उसके बारे में सारी पार्टियों की मीटिंग बुलाते और उस मीटिंग में इन्होंने नुकसान के जितने आंकड़े इकट्ठे किए थे, उनका एस्टिमेट सब के सामने रखते। पहले तो इन्होंने अन्तरिम रिपोर्ट में 600 करोड़ रुपए का एस्टिमेट भेज दिया। अब कह रहे हैं कि हम दो हजार करोड़ रुपए का एस्टिमेट भेज कर आए हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, बाढ़ के कारण प्रदेश का जो नुकसान हुआ है, वह केवल 600 करोड़ या 200 करोड़ रुपए का नहीं है। वह नुकसान तो हजारों हजारों करोड़ रुपए का है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह तो वही बात हुई कि कम से कम इन लोगों को यदि हिमालयन का लाईसैंस चाहिए था तो ये तीन का लाईसैंस मांगते इनको तीन का लाईसैंस चाहिए था लेकिन ये मांगने गए हिमालयन का लाईसैंस। इनके कारनामे हरियाणा प्रदेश की पब्लिक को ये क्या देंगे? डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने करप्शन किए हैं, उन सब के खिलाफ केस दर्ज होने चाहिएं। उनके खिलाफ जुडीशियल इन्क्वायरी होनी चाहिए। उन लोगों को बंद करना चाहिए। इसके अलावा, मैं यह भी कहूंगा कि बाढ़ राहत का काम किसी इंडिपेंडेंट एजेंसी से करवाया जाना चाहिए, चाहे वह सेना ही क्यों न हो। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गये)

श्री उपाध्यक्ष : मेरी ऑनरेबल मैम्बरों से दरख्वास्त है कि वे अपनी अपनी सीटों पर बैठें। हरेक को बोलने का समय दिया जायेगा। साथ ही यह रिक्वैस्ट भी है कि कोई भी सदस्य 15 मिनट से ज्यादा समय न ले ताकि अधिक से अधिक मैम्बर बोल सकें।

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

गृह राज्य मन्त्री (श्री सुभाष बतरा) : उपाध्यक्ष महोदय, हाउस में दो दिन से लाठी चार्ज पर चर्चा चल रही है। इन दो दिनों में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला बोले, सम्पत सिंह जी भी बोले और बंसी लाल आदि भी बोले। इन दो दिनों में इनकी मांगें भी इस तरह से रहीं कि इस केस के लिए 302 का मुकदमा दर्ज होना चाहिए, जुडिशियल इन्क्वायरी होनी चाहिए और कुछ नहीं कहा। चौधरी बंसी लाल जी ने ठीक कहा था कि ये जो क्रिमिनल प्रवृत्ति के हैं, इन को तो जेल में होना चाहिए था। अब तो आप हाउस के सदस्य हो, जब लोगों द्वारा आपको नकार दिया जाएगा तो आप जेलों में भी बंद होंगे। (शोर) मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि जब अपने समय में शहरों में जलसे करते थे तो दुकानदारों को लूट लिया जाता था। ये सरेआम कहते थे कि बंद दुकानें दुकानदारों की और खुली दुकानें हमारी। (शोर) जो दुकानें खुली रहती थीं उन को ये लूटा करते थे। इनके समय में * * * * * जाती थीं। (शोर एवं विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, क्या यह इनके बोलने का तरीका है? क्या इनको बोलने की खुली छुट्टी दे रखी है? * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : इस बात को रिकार्ड न किया जाए।

(इस समय कई सदस्य एक साथ अपनी सीटों पर खड़े हो कर अपनी बात कहने का प्रयास करने लगे)

13.00 बजे

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, क्या यह एक्सपंज हो गया है?

श्री उपाध्यक्ष : जी हां, यह एक्सपंज हो गया है।

चौधरी जगदीश नेहरा : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। मेरा आपसे निवेदन है कि अब ये एक-एक घण्टा बोले और इस दौरान इन्होंने ऐसी-ऐसी बातें कहीं जो इस सदन में शोभनीय नहीं हैं, लेकिन फिर भी हमने इन्टरप्शन नहीं किया। डिप्टी स्पीकर सर, यह एक सीरियस मामला है, सारे हरियाणा के लिए बड़ी अन्फार्चुनेट तथा अनप्रिसिडेन्टिड बात है। जो घटना हुई है उसके लिए सभी को दुख है, चारों तरफ गहरा दुख है। मिलजुल कर इस पर डिस्कशन हो सके, इसके लिए आपने मन्त्रियों को भी एलाउ किया है। बतरा साहब ने बोलते हुए कोई ऐसी बात नहीं कही जो आपत्तिजनक हो। ये सिर्फ इस बात को दिखाने के लिए कि इन्हें बोलने न दिया जाए, इन्हें बार-बार डिस्टर्ब कर रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप इनको कण्ट्रोल करें (विघ्न एवं शोर) ये लोग सुनने की क्षमता रखें। मेरा आपसे यही निवेदन है कि आप इनको कण्ट्रोल करें ताकि ये बार-बार टोका-टाकी न करें। (विघ्न एवं शोर)

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही रिकार्ड नहीं किया गया।

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (विघ्न एवं शोर) नेहरा साहब ने अभी कहा है कि मेरा साहब ने कोई ऐसी बात नहीं कही, इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं आपको रूलिंग को चैलेंज कर रहे हैं ?

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

स्पीकर साहब, डिप्टी स्पीकर साहब ने उनकी भाषा को एक्सपंज करवाया है

Mr. Speaker : Sampat Singh ji, please take your seat.

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, अभी थोड़ी देर पहले डिप्टी स्पीकर साहब ने इनके रिमार्क्स को एक्सपंज करने का हुक्म दिया। हम उनकी तारीफ करते हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर ये लोग वाकई सीरियस हैं तो जो प्वाइंट्स हम लोगों ने उठाए हैं, ये उनका जवाब दें। यह छोटे मोटे बहाने बनाने की बात नहीं है। जो ठीक बात है वह मानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि यह मछली बाजार नहीं है, यह विधान सभा है और इसका डेकोरम बहुत ही सीरियस है। स्पीकर साहब, ये लोग इस तरह से बहुत मैजोरिटी का फायदा उठा कर हाउस डिस्टर्ब करने की कोशिश कर रहे हैं। स्पीकर साहब, ये ऐसा न करें, आप इनको चैक कीजिए। (विघ्न एवं शोर) Speaker Sir, Mr. Nehra does not deserve to be Parliamentary Affairs Minister.

Chaudhri Jagdish Nehra : Speaker, Sir, Mr. Sampat Singh also does not deserve to be a Leader of Opposition.

Prof. Sampat Singh : I am an elected leader of my party.

Chaudhri Jagdish Nehra : I am also elected.

Prof. Sampat Singh : No. You have been inducted as Minister by the Chief Minister.

Chaudhri Jagdish Nehra : I have been elected as Member of the House.

Prof. Sampat Singh : I have been elected as Leader of my party. It means something.

Mr. Speaker : Please take your seats. I quote the relevant rule.

"100. (1) The matter of every speech shall be strictly relevant to the Matter before the Assembly.

(2) A member while speaking shall not—

(i) reflect upon the conduct of persons in high authority unless the discussion is based on a substantive motion drawn in proper terms;

(ii) use the name of persons in high authority for the purpose of influencing the debate;

(iii) utter treasonable seditious, defamatory or offensive words;

(iv) refer to a matter of fact on which a judicial decision is pending;

(v) speak against or reflect on any determination of the Assembly except when he is moving to rescind the same;

(vi) make a personal charge against a member;

(vii) use his right of speech for the purpose of obstructing the business of the Assembly;

(viii) use offensive expressions about the conduct of proceedings of Parliament or any State Legislature."

इसलिए जो शब्द एक्सपंज करवाये हैं, वे नहीं कहने चाहिए। आप सभी इस बात का ध्यान रखें। बत्रा साहिब, आप अपनी स्पीच जारी रखें।

श्री सुभाष बत्रा : स्पीकर महोदय, काफी समय से बाढ़ के ऊपर बड़े विस्तार से चर्चा हो रही है। मेरे रोहतक शहर में बहुत भयानक बाढ़ आई और पूरा शहर जलमग्न हो गया है। अध्यक्ष महोदय, चाहे प्रशासन था, चाहे हम थे, सभी लगातार दिन-रात जुटे हुए थे कि किसी तरीके से लोगों को राहत पहुंचाई जाए। 29 और 30 तारीख को 300 मिलिमीटर बारिश हुई, 31 और 1 तारीख तक रोहतक शहर को कोई नुकसान नहीं हुआ था। इसके बाद 3, 4 और 5 तारीख को रोहतक में काफी से ज्यादा [illegible] हुई, आठ सौ [illegible] बारिश हुई और सारा शहर जलमग्न हो गया। इस बात से मैं सहमत हूं कि वहां पर व्यापारियों को बहुत नुकसान हुआ। उसमें चाहे कोई भी मण्डी हो या बाजार हो, वहां पर करोड़ों रुपयों का नुकसान हुआ है। इस बाढ़ से प्रशासन ने लगभग 50-60 हजार लोगों को बाहर निकाला है। अध्यक्ष महोदय, जितनी तबाही आज हुई है, उतनी 1960 के फ्लड में नहीं हुई थी। (विघ्न) 1960 में जो फ्लड आया था, उस वक्त आठ नम्बर ड्रेन भिवानी से टूट गई थी और वह फ्लड आज के मुकाबले में 1/4 हिस्सा भी नहीं था। उस वक्त डेढ़ महीने में पानी निकाला गया था। आज मोदी मार्किट में, गुड़ रोड, [illegible] रोड और [illegible] पार्क में कोई पानी नहीं है। वहां पर एक ईंच भी पानी नहीं है। आज शहर के अन्दर से 80 प्रतिशत पानी निकाल दिया गया है। हां, सुभाष नगर, [illegible] पुरा और इंदिरा कालोनी [illegible] में थोड़ा पानी रह गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, [illegible] सिंह जी अभी फोन करके आए हैं और इन्होंने बताया गया है कि कोई राम पार्क में पानी नहीं है। रोहतक के अन्दर जो कालोनियों की, [illegible]

[श्री सुभाष बत्रा]

थी, मुख्यमंत्री जी 12 तारीख को वहां आए थे और 23 तारीख तक वहां से 80 प्रतिशत पानी निकल गया था । अध्यक्ष महोदय, मार्डना में एक टूरिस्ट काम्पलैक्स है जहां पर भजन लाल जी जाकर खाना खाते हैं, वहां पर ये आराम देकर आए हैं । वहां पर हमारे डी० सी० एस० प्रसाद जी डी० सी० फ्लड लगाए गए थे, मेम्बर भी वहां पर बैठे थे और एक डी० एस० पी० मिस्टर बत्रा थे । जब इन लोगों को यह इत्तलाह मिली कि हो सकता है ड्रेन नं० आठ ओवर फ्लो कर रही है और कभी भी टूट सकती है, तो ये लोगों के तीनों बिना गाड़ी के, साढ़े तीन किलोमीटर पैदल भागते हुए ड्रेन नं० आठ पर पहुंचे । इस ड्रेन में कलानौर की साईड से दरार आ गयी थी लेकिन रोहतक साईड से इस पर बांध लगा दिया गया था तथा शहर को और ज्यादा डूबने से बचाने के लिए प्रशासन ने बहुत मेहनत की लेकिन स्पीकर सर, मैं आपको बताना चाहता हूं कि पानी रोहतक शहर में कैसे आया ? यह बात ठीक है कि यह प्रकृति का प्रकोप था, इस बार बारिश भी इतनी तेज हुई जितनी कभी पहले नहीं देखी गयी । तीन, चार और पांच तारीख को ऐसे लग रहा था जैसे बादल फट गए हों, बादल के बादल नीचे जमीन पर गिर गए हों । इतनी बारिश, हमारे बुजुर्ग बताते हैं कि उन्होंने पहले कभी नहीं देखी । सर, सारा शहर उस बारिश में जलमग्न हो गया था । (विघ्न) मैं यही कहना चाहता हूं कि इतनी भीषण बारिश के बावजूद पानी शहर के चारों तरफ तीन तीन किलोमीटर में खड़ा हुआ । सुखपुरा चौक से लेकर आगे तक पानी की पांच पांच फुट ऊंची और तेरह तेरह किलोमीटर लम्बी रोड की मेड़ बन रही थी । स्पीकर सर, अब मैं बताऊंगा कि पानी शहर में कैसे आया । सम्पत सिंह जी और ओमप्रकाश चौटाला जी, अब आप सुनने की कृपा करना । सर, इनको रोहतक शहर और हरियाणा के लोगों के प्रति क्या हमदर्दी है, वह तो इन्होंने पहले हुए इलैक्शन में स्वयं देख ली होगी । जहां जहां शहर में इन्होंने अपने कैंडीडेट्स खड़े किए थे, वहां उनकी जमानत जब्त हो गयी । पानीपत में इन्होंने कस्तूरी आहूजा को खड़ा किया था ।

श्री अध्यक्ष : बत्रा जी, इससे इस बात का कोई ताल्लुक नहीं है आप टू दी प्वायंट ही बोलें ।

श्री सुभाष बत्रा : स्पीकर सर, मैं प्वायंट पर ही बोलना चाहता हूं । मैं बताना चाहता हूं कि यह बाढ़ रोहतक में कैसे आयी । इन लोगों ने मेरे शहर में जाकर तथा शहर के नजदीक के गांवों में जाकर जात पात का जहर घोला । सर, रोहतक शहर कटोरानुमा है । सुखपुरा चौक से लेकर तमाम गांवों में सुनार रोड पर, जहां हमारा सिलपोलिस 62-63 परसैन्ट पानी सांपला साईड से होता हुआ ड्रेन नं० आठ में जाता था, वहां पर इन लोगों ने सांपला के गांव वालों को इकट्ठा किया और इकट्ठा करके इन्होंने वहां पर पानी को रोका था ।

श्री बलवन्त सिंह मायना : स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं कि 31 तारीख को मैं और चौधरी धर्मपाल जी यहां से बस से जा रहे थे तो बाई पास रोहतक में रेलवे फाटक के पास बहुत ज्यादा पब्लिक इकट्ठी थी। इनके भाई भी वहां पर खड़े थे। इसके अलावा वहां पर डी0सी0, एस0डी0एम0 और एस0पी0 थामे हुए थे। इनके भाई ने कहा कि दोनों तरफ से जाम लग रहे हैं इसलिए आप पीछे से निकल जाओ। (शोर) सर, यह इनके भाई ने कहा था और आप ये कहते हैं कि इन जात पात की बातें करते हैं। यह बात तो स्वयं इनके ऊपर लागू होती है।

श्री अध्यक्ष : बत्रा साहब, आप यह बताएं कि आपने रोहतक शहर में क्या क्या किया ?

श्री सुभाष बत्रा : स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं। आप इनसे कहिए कि ये सुनने की कृपा तो करें। स्पीकर साहब, ये बार-बार मॉडल टाउन की बात कर रहे हैं लेकिन मैंने उसको बचाने के लिए पानी का बहाव शहर की तरफ करवाया। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या मॉडल टाउन के पहले इलाके का विधायक सम्पत का है या बी0जे0पी0 का है, यहां का विधायक भी मैं ही हूं वहां के लोगों ने भी मुझे वोट देकर एम0एल0ए0 बनाया है। मॉडल टाउन के बारे में अभी राम बिलास शर्मा जी भी जिक्र कर रहे थे। सर, 3.5 फुट पानी तो मेरे मकान के अंदर भी खड़ा था। आप चाहें तो इन्क्वायरी करवा लें, आपको पता चल जाएगा। मुख्यमंत्री जी जिस वक्त निरीक्षण करने के लिए सिविल रोड पर गए थे तब सबसे ज्यादा पानी रुक के आता था। उस जगह पर जहां चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की कोठी है, उससे 10 कदम के ऊपर इंडस्ट्रियल आदमियों की इमारती बिल्डिंग है, जहां अक्सर चौटाला साहब आकर खाना खाते हैं। वह बिल्डिंग हमारी है और जिस मकान को बचाने के लिए शहर की तरफ पानी को भिजवाया, मेरी बिल्डिंग उससे 30 गुनी कीमत की है, उस के अंदर 10-12 फुट पानी था। अब मैं ऐसे सबूत पेश करना चाहता हूं ....(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बत्रा साहब, आपने क्या लेना है, आप अपनी बात कहिए। (विघ्न)

श्री सुभाष बत्रा : स्पीकर महोदय, इन्होंने जो मेरे ऊपर इल्जाम लगाए हैं, मैंने वहीं सर्टिफिकेट तो करवा है। (शोर एवं व्यवधान) मेरे पास यह ऑफिशियल रिकार्ड है। नॉर्दर्न रेलवे के चीफ इंजीनियर श्री बी0के0 अग्रवाल रोहतक आए। सम्पत सिंह जी पता नहीं कहां के प्रोफेसर हैं, मैं इनको बताना चाहता हूं कि चीफ इंजीनियर ने इन सारे कट्स का निरीक्षण किया और बताया कि कट चार प्रकार के होते हैं। एक कट होता है ब्रेक का, दूसरा कट रेन कट, तीसरा मैनुअल कट और चौथा मैन मेड कट। (शोर एवं व्यवधान) चार महीने के बाद लोग तुम्हें देखेंगे, [illegible]

[श्री सुभाष बत्रा]
राजनीति तुम करोगे तो लोग तुम्हें लानत भेजेंगे । (शोर एवं व्यवधान) रोहतक शहर में और देहात के इलाकों के अंदर जाकर आपने जात-पात का जहर फैलाया । हर गांव में जाकर यह कहा कि आप अपना मकान शहर की तरफ बना लो । ये शहर के लोग तेरा सिर मांगेंगे या जानका सिर मांगेंगे । ये आपका सिर मांगेंगे, मैं आपको बता देता हूं । आप मुझको शहर के अंदर, लोग आपको बताएंगे । आप लोगों ने बड़ी घिनौनी राजनीति खेली है । लोग डूब रहे थे मकानात में हम उनके आंसू पोंछ रहे थे और आप लोग राजनीतिक रोटियां सेक रहे थे ? इलैक्शन लड़ रहे थे, पोलिटिक्स गेम कर रहे थे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बत्रा साहब, आप चेयर को ऐड्रेस कीजिए ।

श्री सुभाष बत्रा : स्पीकर महोदय, मैं इनको भी एक कापी दे रहा हूं, मैं इसकी फोटो स्टेट कापी लेकर आया हूं । राम बिलास शर्मा जी ने अपने बयान में कहा है कि रेस्ट हाउस के अंदर लोग-बाग तोड़ फोड़ करते थे । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री प्रेम कुमार [illegible] अपने स्थान से हाउस के वैल में आ गये)

चौधरी भजन लाल : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । अध्यक्ष महोदय, कटवाल साहब बार-बार खड़े होकर हाउस की वैल में आ जाते हैं, इनको हाउस की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए । इनको कोई बात कहनी हो तो प्वाइंट आफ आर्डर पर उठकर कहें । सच्चा इनसे मेरी हाथ जोड़ कर विनती है, कल से सुभाष बत्रा पर बड़ी भारी छींटाकशी हो रही है, इन्हें बोलने दें । अध्यक्ष महोदय, कभी सम्पत सिंह जी खड़े हो जाते हैं तो कभी गोदारा साहब बोलने के लिये खड़े हो जाते हैं । कोई तो इन्हें हाउस का डैकोरम कायम रखना चाहिये । अध्यक्ष महोदय, बिना आपकी आज्ञा के उठकर बोलना शुरू कर देना, यह कोई अच्छी बात नहीं है । हर मैम्बर को यहां हाउस में अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है । (शोर) लेकिन ये लोग बीच में उठ उठ कर मैम्बर्स को बोलने नहीं देते, यह कोई तरीका है क्या ? (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । मुख्यमंत्री महोदय ने जो कहा है कि इस हाउस के सभी मैम्बर्ज को अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है, बिल्कुल अधिकार है । लेकिन जब मैम्बर अपनी सफाई दे देता है तो मैटर समाप्त हो जाता है । अब इन्होंने स्वयं मान भी लिया है कि इन्होंने पानी रोहतक की तरफ किया था । ......(शोर)

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है। आप बैठिये ।

श्री सुभाष बत्रा : सम्पत सिंह जी, आप लोगों ने हमारे ऊपर जो एलीगेशन्ज़ लगाये हैं, उनके बारे में स्थिति स्पष्ट करने के लिये मेरे पास डाकुमैंट्स मौजूद हैं, मैं आपको अभी सुनाता हूं। मैं इनको बता रहा था, स्पीकर साहिब, कि कट कितने प्रकार के होते हैं। कट 8 प्रकार के होते हैं जैसा कि मैंने पहले बता भी दिया है। मॉडल टाउन से शहर की तरफ, जो ये बार बार कह रहे हैं कि मैंने पानी का बहाव शहर की तरफ किया, यह बिल्कुल निराधार है, बेबुनियाद है, क्योंकि चीफ इंजीनियर [illegible] ने कहा है कि यह फ्लड कट है। इसका सारा नक्शा मेरे पास मौजूद है। इसके बाद मैं यह बतलाना चाहता हूं कि इन लोगों ने आस-पास का शहर बोल कर, रोहतक रोड से 5 फुट ऊंचा और 13 फुट लम्बी डौल, इन्होंने कट लगवाये। इसके लिये इनके अपने आदमी, जैसे कि धर्मपाल सिंह इसके जिम्मेदार हैं जो इस समय [illegible] स्टेज पर डेरा लगाकर बैठा हुआ है और दूसरे व्यक्ति चौधरी श्रीकृष्ण सिंह जो डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय के बाहर डेरा लगा कर भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। एक ही पार्टी के ये दोनों आदमी हैं। इससे जाहिर होता है कि इन्होंने बहुत बड़ी साजिश के तहत भारी जुर्म किया है। लोगों की आंखों में धूल झोंकने का पूरा प्रबन्ध इन लोगों ने कर रखा था। बारिश से ही रोहतक शहर बच सकता था, लेकिन इनकी करतूतों से रोहतक का काफी नुकसान हुआ है। इन लोगों ने गांव से पानी का बहाव शहर की तरफ कर दिया जिसके कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई। इन लोगों के खिलाफ भी कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिये।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है कि ये हरियाणा प्रदेश के गृह राज्य मन्त्री हैं और गृह राज्य मन्त्री होते हुए ये इस तरह से हाउस में खड़े होकर पार्टी का नाम लेकर गलत बातें कहें, यह इनको शोभा नहीं देता। हाउस में जो भी इन्हें कहना हो, वह तथ्य पर आधारित बात कहें, मिथ्या बात कहने का क्या मतलब है ? (शोर) इनको बता आप दीजिये।

श्री अध्यक्ष : बत्रा जी, मैम्बर को एड्रैस करके ही अपनी बात करें और कोई ऐसी बात न करें जिससे डिस्टर्बेंस हो। आप अपनी बात जारी रखें। (शोर)

श्री सुभाष बत्रा : मेरे खिलाफ लगाए हुए इल्जाम बेबुनियाद, झूठे और गलत हैं। स्पीकर साहिब, यह रिकार्ड की बात है कि मुख्य मन्त्री जी 12 तारीख को वहां गए थे। वहां पर तीन चार, और पांच तारीख को बारिश आई थी। इसके बाद आज उस शहर में 95 परसैंट पानी नहीं है जिसे शहर से निकाल दिया गया है। मैं चौधरी भजन लाल जी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने खुद पर्सनल लैवल पर सिस्टम-टू-सिस्टम मानिटरिंग करके सारी बातों की जानकारी लेकर शहर को तबाही से बचाया। अपनी बात में और कहना चाहता हूं। मैं मुख्य मन्त्री जी से भी दरख्वास्त करूंगा कि जो हमारे व्यापारी लोग हैं और हमारे शहर के लोग हैं, वे बुरी तरह से प्रभावित

[श्री सुभाष बत्रा]

हो चुके हैं। उनको मैक्सीमम मुआवजा दिया जाए और इसको [illegible] किया जाए। इस शहर का पुनर्निर्माण किया जाए। इन लोगों को रोका जाए कि ये हमारे शहर में आ कर आतपात का ज़हर न फैलाएं। वे कृपा करके अपने पैर कहीं और रखें, मेरे शहर में पैर न रखें। धन्यवाद।

समाज कल्याण राज्य मन्त्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से, रेवाड़ी ज़िले में जो बाढ़ आई, उसके बारे में मैं कुछ प्वायंटस एक्सप्लेन करना चाहूंगा। मेरे इलाके के साथ जो राजस्थान का एरिया है, वहां पर 3-4 बांध थे—एक [illegible], नीमराना और सोडावास। हरियाणा और राजस्थान के एरिया में 11सौ एम0 एम0 बरसात हुई। उस वजह से राजस्थान सरकार ने अपने यहां से पानी छोड़ दिया। उन बांधों से सोडावास बांध से, जोगी बांध से और नीमराना बांध से पानी हमारे यहां आया। पिछले 50 साल में कभी भी इतना पानी नहीं आया। सन् 1926 में पहले इस बांध से पानी आया था और दक्षिण से ले कर उत्तर की तरफ। लेकिन उससे पहले पानी कभी नहीं आया जिसकी वजह से ... की तरफ से बहुत सारा पानी रिवाड़ी में घुस गया।

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, आप कुछ कहना चाहते हैं क्या ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, शर्मा जी खड़े हुए तो आपने इनसे पूछ लिया कि क्या आप बोलना चाहते हैं, लेकिन हमें आप इजाज़त ही नहीं देते। मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (विघ्न) जो ट्रेजरी बैंचिज के माननीय सदस्य हैं, वे काफी देर से बोल रहे हैं लेकिन हमारी हरियाणा विकास पार्टी के एक आदमी को भी आज बोलने का मौका नहीं दिया गया।

श्री अध्यक्ष : जैसे जिस पार्टी की स्ट्रेंथ है, उसी हिसाब से सब को बोलने का मौका मिलेगा। आपको भी मौका मिलेगा। छत्तर पाल जी को भी टाइम मिलेगा।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। कल से बाढ़ के ऊपर बहस चल रही है। माननीय मंत्री जी जब किसी बात में इन्टरवीन करते हैं तो उसे राजनैतिक पुट दे देते हैं। राजनैतिक पुट आने से इस सदन का बहुत समय लग जाता है। कल भी डेढ़ घंटे का समय लग गया। बत्रा जी के ऊपर बात आई थी इसलिए उनको अपनी बात कहने का अधिकार था और उन्होंने अपनी बात कह दी। मेरी आपसे एक गुजारिश है कि सारे मन्त्री कहते हैं कि हमारे यहां बाढ़ आई है और वे मुख्य मन्त्री जी को निवेदन करते हैं।

Are they not part and parcel of the Government ? Is it not the collective responsibility of the Government ? Can a Minister move an adjournment motion ? Can a Minister make a request on the floor of the House ? Mr. Speaker Sir, they are the Government, they are Cabinet, Sir.

———

बैठक का समय बढ़ाना

श्री [illegible] : यदि सदन की अनुमति हो तो हाउस का समय दो घंटे बढ़ा दिया जाये।

आवाजें : ठीक है जी, दो घंटे बढ़ा दिया जाये।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय दो घंटे बढ़ाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

प्रो० राम बिलास शर्मा : यह कैबिनेट है और यह मुख्य मंत्री जी के सहयोगी हैं। यह कोई भी फैसला करते हैं उसमें उनकी राय शामिल होती है इसलिए मेरा आपसे कहना है कि आप कांग्रेस के बाकी सदस्यों को बुलाएं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप बैठ जाएं।

कंवल अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, प्रदेश में 1100 मिली-लिटर बरसात हुई। पिछले 100 सालों में भी इतनी बरसात नहीं हुई। पिछले दिनों अखबारों में हमारे साथियों के बयान आए थे कि यह मैनमेड बाढ़ थी। मैं कहता हूं कि यह मैन मेड नहीं थी, यह तो नेचुरल बरसात हुई थी। दूसरी बात यह है कि आज जो लोग यह बात कह रहे हैं उनको मैं बताना चाहूंगा कि 1986 के अन्दर जब चौधरी बंसी लाल मुख्य मंत्री थे, उस समय मसानी बांध पर जो डिवीजन था, उसको वे उठा कर ले गए और इन्होंने मसानी बैराज का काम बंद करवा दिया। मसानी बैराज पर जितने गेट लगने चाहिएं थे, वे नहीं लगे। सन् 1987 में चौधरी देवी लाल और ओम प्रकाश चौटाला की सरकार आई तो हमने उनके बारे में इनसे आग्रह किया कि आप मसानी बैराज का काम शुरू करवाएं तो उन्होंने काम शुरू करवाया और उन्होंने वहां पर केवल एक ब्रिज बनवा दिया लेकिन गेट नहीं लगवाए, इसलिए इनको यह देखना चाहिए कि इन्होंने अपने वक्त में क्या किया। मसानी बैराज के काम पर केन्द्रीय सरकार का करोड़ों रुपया लगा है और हरियाणा सरकार का भी उसमें हिस्सा है, हमारी सरकार का भी पैसा लगा है। मसानी बैराज का काम बंद करवाया चौधरी बंसी लाल ने, और उसका काम शुरू करवाया 1987 में चौधरी देवी लाल की सरकार ने, लेकिन सबको मालूम होते हुए भी उन्होंने गेट लगवाने की कोई व्यवस्था नहीं की। गेट न होने के कारण कम से कम 35000 क्यूसिक्स पानी राजस्थान सरकार प्रोजेक्ट की तरफ से मसानी बांध में आ सकता है,

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

एक तो यह कारण था, वहां पर बाढ़ आने का । मैं चीफ मिनिस्टर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि मसानी बैराज के अन्दर स्टर जल्दी लगवायें ताकि उस एरिया के गांव बाढ़ की चपेट में न आएं । स्टर न लगने के कारण कम से कम 20-25 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए । मैं एक बात यह कहना चाहूंगा । यह काम पहले सरकार ने नहीं किया, यह काम आपकी सरकार ने क्यों किया, इन बातों से पता आज नुकसान हो रहा है, अगर मसानी बैराज पर स्टर लगवा दें । दूसरी बात मैं यह कहना चाहूंगा कि नीमराना और पावटी की तरफ बांध का पानी आता था ।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : आपने ठीक फरमाया कि 36000 क्यूसिक्स पानी राजस्थान की तरफ से आ रहा है । क्या इस बारे में राजस्थान के अलवर के डी0 सी0 ने आपके डी0 सी0 को इत्तलाह नहीं दी ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मुझे कोई ज्ञान नहीं है कि अलवर के डी0 सी0 ने हमारे डी0 सी0 को कोई सूचना दी या नहीं । यह इनकी अपनी सोच है । मैं आपके जरिए मुख्य मंत्री जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि नीमराना से पावटी तक बांध बनाना चाहिए । वहां पर बांध न होने के कारण रिवाड़ी शहर की कम से कम 15-20 कालोनीज जैसे कि मॉडल टाऊन, हाऊसिंग बोर्ड, नई आबादी, आदि है, में बाढ़ का पानी घुस गया है और वह पानी बड़ी तेजी से आया था । एक बात मैं यह भी बताना चाहूंगा कि हमारी मंत्री श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया के बावल क्षेत्र में एक भाडावास गांव है, वह बहुत बड़ा गांव है । मेरे क्षेत्र में एक सिआलज गांव है और एक ताजावास गांव जाटूसाना ब्लॉक के हल्के में है, जहां पर नई रेलवे लाईन बनी है । वहां पर पुलियां नहीं थी । इसके अलावा, जी0 एल0 एन0 कैनाल बन गई, उसमें कोई साइफन नहीं था, जिसके कारण बहुत सारे गांव बाढ़ की चपेट में आ गए । मैं कहना चाहूंगा कि नीमराना से पावटी और भगवाड़ी से गुड़ियानी और पावटी तक बांध बनाए जाना चाहिए ताकि राजस्थान की तरफ से जो पानी आता है, उसको रोका जा सके । जो कमला नदी बाढ़ का पानी पड़ा है उसको डाइवर्ट करके मसानी बैराज के अन्दर से लाया जाए ताकि वह पानी रिवाड़ी शहर में न घुसे ।

अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है कि बाढ़ के महीनों में अधिकारियों की ड्यूटी फिक्स होनी चाहिए ताकि बाढ़ के समय में लोगों को मैक्सिमम मदद मिल सके । दूसरे यहां पर जब बाढ़ आई तो सहायता के लिए मिलिट्री भी आई । मिलिट्री के पास न तो किश्ती थी और न ही रस्सा था । वे केवल ही खाली हाथ आये थे । इसलिए मेरा सरकार से कहना है कि ऐसे मौकों पर अधिक से अधिक नावें मुहैया करवाई जानी चाहिए और हमारा जो मसानी बैराज है, उस पर शीघ्र बांध बनाये जाने चाहिएं । 1992 में जब चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने थे, उस समय उन्होंने कुछ बांध

वहाँ पर बनवाये थे जिस कारण हमारे हल्के के 15–20 गांव बाढ़ के पानी से बच गए। रिवाड़ी शहर में कुतुबपुर गांव जो देहली जयपुर हाईवे के पास में पड़ता है, के कारण रिवाड़ी शहर में पानी दाखिल हो जाता है। इस साईड से पानी रोकने के लिए पब्लिक हैल्थ विभाग ने एक ड्रेन को खोदने का केस बनाया हुआ है लेकिन इस ड्रेन को आज तक खोदा नहीं गया है। मैं चाहता हूं कि इस ड्रेन का काम तुरन्त शुरू किया जाये ताकि फिर कभी अगर ऐसी स्थिति हो जाये तो लोगों का कम से कम नुकसान हो। इस ड्रेन के न होने के कारण रिवाड़ी शहर की कालोनी बरसाती पानी में डूब जाती है और यह पानी कृष्णा कालोनी तक पहुंच जाता है। सोहना लिंक कैनाल से एक ड्रेन बनाने की स्कीम राव बिरेन्द्र सिंह जी ने मंजूर करवाई थी। इसके लिए जमीन एक्वायर हुई है लेकिन अभी खुदाई नहीं हुई है। मैं चाहता हूं कि इस नहर की खुदाई तुरन्त शुरू की जाये ताकि बाढ़ के प्रकोप से बचा जा सके। यदि यह ड्रेन खोदी जाती है तो फिर सोहना लिंक कैनाल ड्रेन के द्वारा पानी को चैनेलाईज करके साहबी नदी में डाला जा सकता है। मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि रिवाड़ी शहर से गंदा [illegible] महेश्वरी [illegible] गांव में आता है। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि इसकी रोकथाम के लिए भी प्रबंध किया जाये। इस की रोकथाम न होने के कारण अब बाढ़ की वजह से इस स्थिति के कारण किसानों की खड़ी फसल तबाह हो गई। साथ ही इस की वजह से वहां पर जो ट्यूबवैल्स थे, वे भी खराब हो गए। मसानी बैराज में [illegible] में कीकर के पेड़ खड़े किये गए जिस कारण उसमें अब पानी नहीं निकल पाता। मैं चाहता हूं कि इन पेड़ों को कटवाया जाये और सफाई करवाई जाये। इसके साथ साथ मेरा सरकार को सुझाव है कि चाहे वह रिवाड़ी शहर हो या दूसरे शहर हों, शहरों की बाहर वाली सरकुलर रोड पर ड्रेनेज सिस्टम होना चाहिये ताकि स्टोरम वाटर को उनमें डाल कर शहर को पानी से बचाया जा सके। इसलिए इन स्टोरम वाटर ड्रेनेज का होना जरूरी है ताकि शहर के सिवरेज का पानी इनमें डाला जा सके। दूसरा मेरा सुझाव है कि जहां जहां पर कैनाल सिस्टम है या ड्रेनेज सिस्टम है, वहां पर साईफन होने बहुत जरूरी हैं। अब साईफन न होने की वजह से और पानी को कोई रास्ता न मिलने के कारण शहर में पानी आ गया जिसके कारण बाढ़ का प्रकोप गम्भीर रूप धारण कर गया। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि जहां जहां पर नहरें टूटी हुई हैं, उनकी मुरम्मत करवाई जाये और जरूरत के अनुसार हर जगह पर साईफन लगाये जाने चाहिए ताकि बरसात का पानी निकल सके। मेरे हल्के के किशनगढ़ गांव में राव इन्द्रजीत जी के हल्के के, मेरे हलके गोकुलगढ़ में जो बहुत बड़े गांव हैं, वहां पानी भरा है। वहां साईफन की व्यवस्था ठीक न होने के कारण यह समस्या आ रही है। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि वहां पर ठीक ढंग से काम किये जायें और साईफन की व्यवस्था की जाये। साथ ही साथ मेरी मांग है कि जो जे0एल0एन0 कैनाल है, उसको ठीक करवाया जाये ताकि भविष्य में इस प्रकार की दिक्कत न आये।

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

इसके अलावा मेरा सरकार से अनुरोध है कि जितनी भी इन्डस्ट्रियल कालोनीज विकसित हो रही हैं, वहां वाटर की और सिवरेज की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए और वे कालोनियां रजिस्टर्ड होनी चाहिए ताकि जो स्लम वहां पर पैदा हो रहा है, वह न हो। इसके साथ ही साथ मैं यह भी चाहता हूं कि बड़े शहरों की आबादी को बढ़ने से रोकने के उपाय भी सरकार को करने चाहिए। यदि इस ढंग से प्रोपर सुविधा इन कालोनीज को दी जाती है तो पानी को बाहर निकलने में भी कोई दिक्कत नहीं आयेगी, नेचुरल फ्लो से निकल जाएगा। इसके बारे में दोबारा कार्यवाही करवाएं या कोई और काम करवाएं लेकिन यह सिस्टम ठीक होना चाहिए। इसी तरह जो तालाब हैं, उनको और गहरा खुदवाया जाए ताकि गांवों के नजदीक पानी हो सके। स्पीकर साहब, जो प्लास्टिक के लिफाफे हैं, उनके इस्तेमाल पर बाकायदा बैन लगाया जाए। इसके साथ ही मैं एक और बात कहना चाहता हूं। हमारा एरिया राजस्थान के साथ लगता है, राजस्थान ने अपने एरिया में 40-40 या 50-50 फुट कच्चे या पक्के बान्ध बनाए हुए हैं। उनको यह कहा जाए कि जो बान्ध बनाएं वे ठीक तरीके से बनाएं। जब उन बान्धों से वे पानी छोड़ते हैं तो उसके बारे में हमें टाईमली इन्फोर्म करें। अभी राम बिलास शर्मा जी एक बात कह रहे थे। मैं हम से कम अपनी पार्टी के मुख्य मन्त्री जो भैरों सिंह शेखावत से पूछें तो सही कि जब उन्होंने पानी छोड़ा था तो पहले क्यों नहीं बताया। हमारी गवर्नमेंट को उन्हें पहले बताना चाहिए था। वे इस बारे में चीफ सैक्रेटरी से कह सकते थे या हमारे मुख्य मन्त्री जी से कह सकते थे। केवल यह कहना कि हमने डिप्टी कमिश्नर को कह दिया, यह ठीक नहीं है। उनका फर्ज बनता था कि वे हमारे मुख्य मन्त्री से बात करते या चीफ सैक्रेटरी के लेवल पर बात करते। अभी कुछ लोगों ने कहा कि बाढ़ आने के बाद सरकार ने कुछ नहीं किया। बाढ़ आने के बाद जो मुआवजा पहले 2000 या 3000 रुपये मिलता था, उसको बढ़ा कर मुख्य मन्त्री जी ने 5000 और 10000 कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, ये लोग खुद को किसानों का हितैषी कहते हैं लेकिन अपने समय में इन्होंने 400 रुपये प्रति हैक्टेयर किसानों को मुआवजा दिया था और हमारे मुख्य मन्त्री जी ने इसको बढ़ा कर 1000 रुपये प्रति हैक्टेयर किया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जैसे ही बाढ़ आई हमारे अधिकारीगण, मैं स्वयं, महम, मंजुलाता, मातनहेल और दूसरे लोगों ने बाढ़ से प्रभावित लोगों की दवाईयां दीं। जितनी भी स्वयं सेवी संस्थाएं थीं, सबने बाढ़ के समय काम किया। यह एक सांझा काम था लेकिन कुछ लोग इसमें भी अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने में लगे थे। अध्यक्ष महोदय, कुछ लोग मुझे कहते हैं कि ये तो हमारे अनुयायी थे। (विघ्न) मैं यह कहना चाहूंगा ये लोग पढ़े-लिखे लोगों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। अगर मैं इनके साथ रहता तो शायद एम०एल०ए० भी नहीं बन सकता था। सम्पत सिंह जी कह रहे थे कि ये मेरे अनुयायी हैं। स्पीकर साहब, इनके पीछे बैठिये, इन्हीं फोन किए हुए हैं। ये लोग तो अनपढ़ फौज चाहते हैं, इसलिए इनका नाम देना

मेरे लिए ठीक नहीं है (विघ्न) स्पीकर साहब, हमारे इलाके में 8 आदमियों की बाढ़ के कारण डैथ हुई थी, उनमें से चार आदमियों को हमारी सरकार ने चार-चार हजार रुपये दिए हैं, इसलिए यह कहना कि सरकार कुछ नहीं कर रही, ठीक नहीं है। सरकार ने सारे काम करवाए हैं। किशनगढ़ गांव और रिवाड़ी शहर के अन्दर सरकार ने 48 घण्टे के अन्दर सारा पानी निकलवाया। वहां पर 10-10 फुट पानी खड़ा था। कुछ पम्प हमें मिले और कुछ हमने वहां के किसानों से इकट्ठे किए। गांव के लोगों ने, शहर के लोगों ने तथा स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिल कर काम किया लेकिन बी० जे० पी० के लोग वहां पर कुछ नारेबाजी कर रहे थे। इन लोगों ने वहां पर कुछ काम तो नहीं किया, केवल नारेबाजी करते रहे लेकिन हमने काम किया और प्रशासन के साथ मिलकर सब जगहों पर लोगों की मदद की। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मन्त्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि बाढ़ के कारण जितने भी हमारे मेन शहर हैं, जैसे खासकर रिवाड़ी और बावल की कमेटियों की जितनी भी सड़कें हैं, वे टूट गई हैं, उनके लिए धन दिया जाए ताकि उन की मुरम्मत हो सके। स्पीकर साहब, इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

सरदार बलबिन्द्र सिंह (पिहोवा) : स्पीकर सर, सारे हरियाणा प्रान्त के अन्दर भयंकर बाढ़ आई जिसकी वजह से मेरा जिला कुरुक्षेत्र की शाहबाद कांस्टीच्युएंसी तथा मेरी कांस्टीच्युएंसी के कुछ गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। मेरी कान्स्टीच्युएंसी के 10-12 गांव बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। कई गांवों में फसलों का सैंट परसैंट नुकसान हुआ है और वहां पर एक एकड़ फसल भी नहीं बची। उनमें से अस-केड़ा, नैसी, महाड़ी, जसवाला, बधुकर, कुलतौ, मोहनपुर, करौ, शाहब पुर, इसके कुण्डियां ग्राम, दिवाना खोलगढ़, नया दिवाना और अभोली गांव में पिपली ग्राम आदि गांवों में बाढ़ से बहुत भारी नुकसान हुआ है। जहां तक कलवेड़ा ग्राम की बात है, यह सारा क्षेत्र मारकंडा नदी के ऊपर है, इसमें बहुत ज्यादा पानी आया है। अगर उसकी सफाई हुई होती तो इतना पानी न आता और न ही इतना नुकसान होता। आज वहां पर फसल को बहुत नुकसान हो गया है। अध्यक्ष महोदय, कलवेड़ा और नैसी गांवों के खेतों में दो दो फुट रेत आ गई है, जिससे सारी फसल नष्ट हो चुकी है। पानी से सड़क नीचे हो गई है और खेत ऊंचे हो गए हैं। इसी तरह से मुरादपुर गांव था, यह गांव लगातार 10 दिन तक पानी से घिरा रहा और प्रशासन की तरफ से कोई भी अधिकारी वहां नहीं पहुंचा। इस्माइलाबाद के लोगों ने गुरुद्वारे से रोटियां बनवा-बनवा कर पीड़ित लोगों को खाना पहुंचाया। हां, सरकार की तरफ से वहां पर एक नाव और उसको चलाने वाला नाविक दिया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप भी जानते हैं कि जो गांव सैंसिटिव होते हैं, वे गांव से एक-एक दो किलोमीटर दूर होते हैं, इसलिए सरकार वहां पर भी राहत पहुंचाने का प्रबन्ध करे। अध्यक्ष महोदय, श्रीमती देवी लाल ने 1970 में चार जिला बांध बनाए थे लेकिन इस सरकार ने उनकी सफाई तक नहीं करवाई जिस वजह से बाढ़ का खतरा

[सरदार अजविन्द्र सिंह]

गई गया था । सरकार की तरफ से मिट्टी की बोरियों का भी इन्तजाम नहीं किया गया । लोगों ने अपने घर में आटा वगैरह जिन बोरियों में रखा हुआ था, उनको खाली किया और इनमें मिट्टी डाल कर पानी रोका और गांव को बचाने का काम किया । डिग्राना गांव के बारे में मेरा निवेदन है कि सरकार उसकी गिरदावरी करे । जिस गांव में 1/4 नुकसान हुआ है, उसी की गिरदावरी के लिए लिखा जाता है, लेकिन मैं कहता हूं कि इस को मुआवजा न दिया जाए बल्कि जिनका नुकसान हुआ है, उन्हीं को दिया जाए । इसके साथ ही पिपली प्वाइंट है, यहां पर पशुओं के चारे के लिए तूड़ी रखी गई थी । वह पानी में बह गई है लेकिन चारे के लिए आज तक प्रशासन की तरफ से कुछ नहीं किया गया है । अध्यक्ष महोदय, मेरे सर्वोगा गांव में एक पुरानी हवेली थी, बरसात की वजह से उसका एक हिस्सा गिर गया है । उस हवेली के पास एक ब्राह्मण परिवार का मकान था । उस मकान में दो बच्चे मारे गए । उनमें से एक 13 साल का था और एक 17 साल का था । उस परिवार का गुजारा बहुत मुश्किल से चलता था । जो 17 साल का लड़का था, वो दूध वगैरह बेचकर घर का गुजारा चलाता था । वह बड़ा लड़का था, उसने 10वीं पास की हुई है लेकिन उसे कहीं पर भी नौकरी न मिली जिस वजह से वह कोई काम करता था । अध्यक्ष महोदय, 1991 में मुख्यमंत्री जी ने जो झूठ का पिटारा खोला था कि हम हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देंगे । वह सरासर झूठा साबित हुआ । वह बच्चा चारपाई पर सोया हुआ था और मारा गया । अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि गुमथला गांव मेरी कांस्टीच्यूएंसी का सबसे बड़ा गांव है । यह गांव छोटी छोटी ईंटों का बना हुआ है । वहां की सारी बिल्डिंग्स गिरी हुई हैं । उस गांव तक पहुंचने का कोई रास्ता ही नहीं था । हमने सारी रात लगाकर दबे हुए दो आदमियों की लाशों को निकाला । हमने पुलिस चौकी को भी इस घटना की इत्तलाह दी थी लेकिन 12 बजे तक उनके पास कोई अधिकारी नहीं पहुंचा था । अध्यक्ष महोदय, किसी भी गांव में मवेशियों की बीमारी के लिए सरकार की तरफ से कुछ नहीं किया गया । मेरे क्षेत्र में इस गांवों में जितना नुकसान पानी आने की वजह से हुआ है, उसको देखते हुए तो मैं सोच इस सोच में भी नहीं संभल सकता । मेरा आपसे निवेदन है कि आप अपनी गाड़ी मारकण्डा पुल के नीचे एक मिनट के लिए रोक कर देखें । आप वहां पर देखेंगे कि कम से कम 500 एकड़ जमीन में चार चार फुट रेता जमा हो गया है जिसकी वजह से सारी फसलें बर्बाद हो गयी हैं । सरकार को रेता हटाने का काम युद्ध स्तर पर करना चाहिए क्योंकि ये किसान अपने लेवल पर उस रेते को कभी भी नहीं उठा सकेंगे । अब उनकी जमीन बर्बाद हो गयी है । इसी तरह से जब हम मुदाम गांव में गए तो लोगों ने हमसे कहा कि रोटी के बगैर भी हम काम चला लेंगे लेकिन हमारे पास रोटी बनाने का कोई भी साधन नहीं है क्योंकि उनके बिटौरे पानी में बह गए थे, सूखी लकड़ी भी नहीं थी बिस्तरे भी भीग चुके थे । इसलिए उन्होंने हम से कहा कि मिट्टी का तेल

और स्टोर खिलवा दीजिए । अब हमने इसके लिए एस0डी0एम0 से कहा । उन्होंने कहा कि एक माह तक वहां पर यह सामान भिजवा देंगे लेकिन अध्यक्ष महोदय, कोई भी सामान नहीं पहुंचाया गया । मेरा आपसे निवेदन है कि हर तहसील लेवल पर भविष्य के लिए ऐसे प्रकोप का मुकाबला करने के लिए कम से कम एक इंजन बोट जरूर होनी चाहिए । अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार जो हमारा पीहा गांव है, जिसके बारे में मैंने पहले भी कहा था । वहां पर 1993 में भी बाढ़ आयी थी जिसके कारण सड़कों में कट लग गए थे लेकिन उन कटों को आज तक भी नहीं भरा गया । इस फ्लड में भी उस गांव में जाने का कोई रास्ता, सड़क टूटी होने की वजह से नहीं था । हमारे कारसेवकों के एक दस्ता ने वहां पर एक पुल बनवाया हुआ था जिसकी वजह से कुछ आना जाना संभव हो सका । जब डांगी साहब पी0डब्ल्यू0डी0 के मिनिस्टर थे तो वे भी वहां पर गए थे । अगर यह सड़क बन जाती तो पीहा से पेहवा तक जाने के लिए दस किलोमीटर का रास्ता कम हो जाता । डांगी साहब उस वक्त वहां वायदा करके भी आए थे कि वे इस सड़क को एक साल में बनवा देंगे लेकिन अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो मिट्टी पड़ी थी, वह आज बाढ़ के पानी से बह गयी । आज दो साल हो गए लेकिन वह सड़क बिल्कुल भी नहीं बनी । इसके अलावा, जहां तक सरकार की तरफ से मुआवजा देने की बात है, सरकार ने कहा है कि जहां जहां पर खेती का नुकसान हुआ है, वहां किसान को चार सौ रुपये का मुआवजा दिया जाएगा । अध्यक्ष महोदय, यह मुआवजा तो बहुत ही कम है क्योंकि आज डी0ए0पी0 के एक कट्टे की कीमत 632 रुपये है और जिस किसान के जीरी के खेत में कम से कम 500 रुपये लगे हैं, उसे चार सौ रुपये देने का क्या फायदा होगा ? यह तो उसके साथ बहुत ज्यादती है । मेरा आपके द्वारा सरकार से अनुरोध है कि मुआवजे की राशि 3500 रुपये प्रति एकड़ जरूर होनी चाहिए । इसी तरह से गरीब हरिजनों के मकान भी बाढ़ की वजह से गिर गए हैं, इसलिए पटवारी को दोबारा से गिरदावरी करवाने के निर्देश जारी करने चाहिए ताकि वे अपने रिकार्ड को ठीक करें क्योंकि बहुत से गांवों से यह शिकायत आ रही है कि जिनके भी मकान गिर गए हैं, उनके लिए सरकार कहती है कि वे मुआवजा देने की पोलिसी में नहीं आते । सर, यह मुआवजा बहुत कम है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि यह गिरदावरी दोबारा से करवायी जानी चाहिए ।

स्पीकर सर, आदरणीय चौधरी देवी लाल जी का जन्म दिन 25 सितम्बर को मनाए जाने का प्रोग्राम था । चौधरी साहब ने बाढ़ की वजह से इस प्रोग्राम को पोस्टपोन किया और सभी विधायकों की ड्यूटी लगाई कि वे एक-एक गांव में जाकर लोगों का हालचाल पूछें और देखें कि सरकार द्वारा कुछ सहायता दी गई है या नहीं । बाढ़ के कारण क्या हैं, इसे सही ढंग से विधान सभा में, प्रेस के सामने और लोगों के सामने रखा जाए, इसके लिए हम गए थे । कुरुक्षेत्र मेरी ड्यूटी पार्टी के प्रेसीडेंट ने शाहबाद हलके में लगाई थी । मैं वहां सुबह 9 बजे से शाम के 7 बजे तक

[सरदार जसविन्द्र सिंह]

पैदा हो गया। मैंने देखा कि मांडी मार्किट, कपड़ा मार्किट में बहुत बुरा हाल था। इस हुडा पुलिस कोर्ट के आगे की बात कह रहे हैं कि वे 10-20 दिन रोहतक आ जाएं। सेशन खत्म होने के बाद कहीं शिवालिक की पहाड़ियों में निकल जाएं, क्योंकि यहां की पब्लिक को उनके ऊपर इतना गुस्सा है कि मैं क्या कहूं। स्पीकर सर, अभी मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि रोहतक शहर का पानी निकाल दिया है लेकिन इंदिरा कालोनी, कृष्णा कालोनी और शिवाजी कालोनी में 6-7 फुट तक पानी खड़ा है। हजारों लोग हैं जिनके रोते हुए आंसू नहीं थमते। उनका कहना है कि प्रशासन की नाकामी की वजह से बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। स्पीकर सर, एक बात मैं कहना चाहूंगा। जब तक सरकार की तरफ से बीमा पॉलिसी लागू नहीं की जाती, तब तक किसानों का भला नहीं हो सकता। मुझे शहर के लोगों ने बताया कि जिनके बीमे हुए थे, अब वे पुलिस में रिपोर्ट कराने जाते हैं तो थाने पर रिपोर्ट लिखने का रेट 300 रुपये फिक्स किया हुआ है। मेरा सरकार से कहना है कि बीमा पॉलिसी लागू होनी चाहिए। फसल के ऊपर भी बीमा पालिसी लागू होनी चाहिए। आपने मुझे बोलने का समय दिया। इसके लिए आपका बहुत धन्यवाद।

श्रीमती [illegible] (इंदरी) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य-मंत्री जी का ध्यान, मेरे हल्के इन्द्री में यमुना नदी की बाढ़ से हुई बर्बादी की ओर दिलाना चाहती हूं। इन्द्री हल्के के 16 गांव बाढ़ में बुरी तरह से बह गए हैं। [illegible], मन्डाव, ईसु माजरा, खुखनी, नबीयाबाद, जपती छपरा, कैंडर छपरा, [illegible], कमालपुर, गढ़ी बीरबल, मोहम्मद डोगू, डेरा सिकलीगर, हलवाना, नगला, [illegible], रत्नौली गांवों में 6-7 फुट तक पानी चढ़ गया। फसलें बिल्कुल बर्बाद हो गई हैं। पशुओं के लिए चारा बिल्कुल नहीं मिल रहा। तूड़े के ढेर सब पानी में बह गए। अध्यक्ष महोदय, मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि पशुओं के लिए तूड़ा व दवाईयां भी देनी चाहिए। बाढ़ में गरीब किसानों के पशु बह गए। किसानों को पशुओं का मुआवजा मिलना चाहिए। मेरे हल्के के बहुत से गांवों की जमीन बह गई। फ्लड वाले एरिया के कच्चे मकान बिल्कुल गिर गए। कुछ मकान जो पक्के थे, लोगों को उनकी छत पर रहने के लिए विवश होना पड़ा। उनके पास पीने के पानी की बहुत तकलीफ हो गई। गन्दे पानी की वजह से बीमारियां फैल रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से बताना चाहती हूं कि मेरे हल्के की सारी सड़कें टूटी पड़ी हैं। मैंने पिछले सैशन में भी मुख्यमंत्री जी से कहा था लेकिन कुछ भी काम नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, मेरा सरकार से अनुरोध है कि किसानों को फसलों के नुकसान की आपूर्ति के लिए कम से कम एक हजार रुपया प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाना चाहिए और बिजली के बिलों का भुगतान एक वर्ष के लिए रोक देना चाहिए। जिन किसानों ने लोन ले रखे हैं, सरकार को किसानों के दस-दस हजार रुपये तक के लोन माफ कर देने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों के मकान बाढ़ की वजह से गिर गए हैं, उनको दुबारा बनाने के लिए कच्चे मकान

के लिए कम से कम दस हजार रुपये और पक्के मकान के लिए 35 हजार रुपये दिए जाएं। मैंने पहले सैशन में भी सरकार का ध्यान इस ओर दिलाया था कि अनुराग नगर में बरसात के मौसम में अधिक पानी के बहाव को रोकने के लिए एक बांध या बन्द से कम उससे भी ऊंचाई बनाई जाए परन्तु इस ओर सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, ऐसा लगता है कि बाढ़ की रोकथाम के लिए जो पैसा अलॉट किया जाता है, उसका सदुपयोग नहीं होता। इसी कारण यह विनाशकारी हालात पैदा हुए हैं। जनहित के लिए सरकार को और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है। धन्यवाद।

14.00 बजे

श्री अजमत खाँ (हथीन) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत बहुत शुक्रिया। बाढ़ की स्थिति हरियाणा में वाकई चिन्ताजनक रही है। इस बार इतनी जबरदस्त बाढ़ आई जिससे सारे हरियाणा वासियों को बेहद दुख है लेकिन किसी के दुख से या किसी की परेशानी से कोई फायदा उठाना चाहे तो यह इन्सानियत के नाते ठीक नहीं है। फ्लड आते हैं, कुदरती बारिशें हुई हैं। और बारिश के बाद बाढ़ को कंट्रोल करना कोई आसान नहीं। सरकार के हाथ में अल्लाहताला का निजाम तो है नहीं जिससे वह स्थिति पर एकदम काबू पा लेती, पानी को सुखा देती। इस पर कंट्रोल करने के तरीके आगे चलकर ही अपनाये जाते हैं। बारिश जो इस बार हुई, वह अन्दाजे से बढ़कर हुई। अपोजीशन के लीडर चौ0 भजन लाल जी ने कहा कि इस बार तीन तरफ से बाढ़ की मार पड़ी है। एक कुदरत की मार, दूसरी एडमिनिस्ट्रेशन की मार और तीसरी पोलिटिकल की मार। कुदरत की मार को तो मैं मार नहीं कहता। हम उस परवरदिगार परमात्मा पर इल्जाम कैसे लगा दें, वे तो हमारे सब के पिता हैं। कोई भी पिता अपनी औलाद के लिये भलाई ही सोचता है, बुराई की बात कभी नहीं सोच सकता। कई लोग अपनी औलाद को सोचते सोचते दूसरे के खून को चूस जाते हैं लेकिन परमात्मा हमारे ऊपर कभी जुल्म नहीं कर सकता, वह तो हम सब का पिता है। जो बारिश आई, वह भलाई के लिये आई थी क्योंकि पानी की सतह हरियाणा के अन्दर इतनी नीची चली गई थी कि अगर यह बारिश न आती, फ्लड न आता तो लोगों को पीने के लिये पानी नहीं मिलता। यह कुदरत का फैसला था जो हम सब को मानना होगा। विशेष बात यह है कि उस इलाके में फ्लड आया जहां आज तक कभी फ्लड नहीं आया था। क्या हम लोगों ने इस बात पर कभी ध्यान दिया है कि ऐसा क्यों हुआ? जहां तक मैं समझता हूं, यह परवरदिगार परमात्मा ने जुल्म नहीं किया। यह तो हमारे अपने किये हुए कामों का नतीजा है, हमारी अपनी की हुई गलतियां थी जिस के कारण हमारे हरियाणा के ऊपर यह बाढ़ का प्रकोप आया। जब हम दरियाओं हरियाणा के लिये पानी मांग रहे थे तो वे अपने अपने इलाकों को बचा रहे थे। जब यह बारिश हुई तो उनके इलाके ने पूछा? चेयरमैन ने कहा कि पहले ही मेरे अन्दर कैपेसिटी का पानी मौजूद है लेकिन परमात्मा

[श्री अजमत खां]

ने इनको बता दिया कि नाइंसाफी करने वालों के साथ यूं ऐसा होता है। अगर हम किसी को इंसाफ देते हैं तो हमसे भी परमात्मा इंसाफ करेगा। नाइंसाफी के पानी की वजह से इस फसल में पहले ही पानी ऊपर आया हुआ था और अब जमीन भी खुद यह जमीन मांग रही है तो इसको यह दिखता है। कभी इन लोगों ने पहले सोचा था कि इस पानी को कहीं तकसीम हम कर दें ताकि यह पानी जो है, वह बारिश में जज्ब होता रहे। हमारे इलाके में कई जगहों पर नुकसान आया है, बारिश की वजह से ऐसा हुआ है लेकिन हम तो नहीं रोए। नुकसान बेशक फसलों का हुआ है लेकिन 30-30, 40-40 फुट पानी का लेवल ऊपर आया है। इससे हमारे ट्यूबवैल ठीक चलेंगे। अगले 10 सालों तक हमें पानी मिलेगा लेकिन जो अन्याय पानीपत और रोहतक वालों ने किया उसको परमात्मा ने बता दिया कि नाइंसाफी करने वालों के साथ ऐसा ही होता है। वहां की जमीन चूंकि पहले से पानी से भरी हुई थी, इसलिए उसने पानी को वापिस फेंका। स्पीकर साहब, हमारे यहां 1978 में फ्लड आए थे तो उस समय चौधरी देवी लाल की सरकार थी। उस समय किसी भी जगह पर कोई मुआवजा नहीं दिया गया था। तमाम फसलें भी खत्म हो चुकी थीं लेकिन उसके बाद एक इन्तजाम किया गया। वहां ट्यूबवैल भेजे गए तथा बीज और खाद का प्रबन्ध किया गया। मैं चाहता हूं कि आप भी बीज और खाद का प्रबन्ध करें ताकि उनकी फसल अच्छी तरह से हो सके। आज जहां ट्रैक्टरों का प्रबन्ध हो, वहां रेट पर ट्रैक्टर मिलें। आज तो रुपए किल्ले के हिसाब से ट्रैक्टर मिल रहे हैं। इसके साथ साथ बीज और खाद सस्ते रेट पर, पहले रेट पर और हल पर सबसिडी दी जाए। जिस तरीके से हमारे इलाके में फ्लड के पानी का कन्ट्रोल हुआ, उसी तरीके से इस इलाके में आगे योजना बनाई जाए। यहां के सिर्फ सियासी फायदा उठाने के लिए कहा जाता है कि यहां यह जुर्म हो गया, वहां यह हो गया। अपने जुर्म को भी हम सोच देखें। दूसरों के साथ ना-इन्साफी करने वालों के साथ हमेशा जो होता रहा है, वही होगा। इसका बदला तो कुदरत देती है, मेरा इसमें यकीन है। हम सब लोग धार्मिक हैं, नास्तिक नहीं हैं, हमें इसको मानना चाहिए। इसलिए मेरा यह कहना है कि आगे के लिए बन्दोबस्त कीजिए, यह नहीं कि पिछली बात का रोना रोएं। यह नहीं होना चाहिए कि सरकार पर इल्जाम लगाएं, अफसरों पर इल्जाम लगाएं। एक दिन के अन्दर इतनी बारिश हो जाए, एक दम रात को बाढ़ आ जाए तो अफसर उसको रोकने के लिए कोई दीवार नहीं बना सकते थे। यह तो कुदरत का करिश्मा था और उसने हमें एक सबक सिखाया था। फ्लड हर गांव में आए, हर जगह पर आए। हमें उन लोगों की मृत्यु पर अफसोस है, जो मारे गए हैं। हमें अफसोस है उनके प्रति जिन लोगों के माल की हानि हुई। लेकिन इसका इलाज इस तरह से एक दूसरे पर इल्जाम लगाने से नहीं होगा। हम सभी मिल कर यह सोचें कि पानी को कहां डिस्चार्ज करना चाहिए, कहां ड्रेन बनानी चाहिए और किस प्रकार से गांवों को कम्पनसेशन देना चाहिए। पिछली

लोगों को इसे कम्पनसेट करना चाहिए । कोई भी सरकार, अगर किसी व्यक्ति का 25 लाख रुपए का नुकसान हुआ है तो उसे 25 लाख रुपए नहीं दे सकती । कम से कम हरियाणा प्रदेश इतना बोझ नहीं उठा सकता क्योंकि आंसू अन्दर से आते हैं, बाहर के आंसुओं को पोंछने के लिए कम से कम रुमाल तो चाहिए । इन लोगों को, इन किसों को जिनमें दर्द है, मैं कहते हैं कि जिनका नुकसान हुआ है, उनको मुआवजा 25 हजार रुपए देंगे । आप 50 हजार रुपए दुकानदार को दीजिए । आप एक हजार प्रति एकड़ की बजाए एक हजार प्रति किल्ला दीजिए । चारे का इन्तजाम किसान के लिए सबसिडाइज्ड रेट पर करें । आज चारा भी नहीं है । हमारी तरफ तो चारे का ज्यादा नुकसान हुआ है और इधर भी हुआ है, इसलिए चारे का इन्तजाम फौरन कीजिए । चारा आज दो सौ रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया है । आठ रुपए मन और 150 रुपए क्विंटल के भाव आज देहात में बिक रहा है । इसलिए सरकार फौरी तौर पर इसका इन्तजाम करे । पानी को ड्रेन-आउट करने के लिए बड़े बड़े पम्प लगाए जाएं ताकि 15-अक्तूबर तक यह पानी निकल सके । सिर्फ कहने से नहीं निकलेगा कि 15 अक्तूबर तक निकाल देंगे । चार इंच के छोटे छोटे पाइप इसको नहीं निकाल सकेंगे, इसको 12 इंच के पाइप निकाल सकेंगे, या जहां पर ट्रैक्टर है जो 80 रुपए की घंटा लेते हैं, वे इस पानी को निकाल सकते हैं क्योंकि वे भी 12 इंच का पाइप यूज करते हैं । वे तो नहर का पानी भी निकाल देते हैं । उनको लोग अपनी जुबान में 'धमां' कहते हैं । ऐसे मोटरें लेकर आप पानी निकलवाएं और अफसरों की ड्यूटी लगाएं । गांव के लोगों को कहें कि वे अपने ट्रैक्टर लगाएं, इस तरह से उनको भी रोजगार मिलेगा । ऐसा करने से जल्दी पानी निकलेगा । छोटे छोटे पम्प अगर खराब हो गए तो उनको कोई दुरुस्त नहीं होंगे । उनको चलाने के लिए मुलाजिम नहीं होंगे, मैकेनिक नहीं होंगे । अगर यह तरीका न अपनाया गया तो सारा काम अधूरा रह जाएगा और हम 15 अक्तूबर तक पानी नहीं निकाल सकेंगे । जहां बिजली के पम्प लगे हुए हैं वहां फौरी तौर पर बिजली दी जाए । कादमा ब्लाक के अन्दर 12 पम्प लगे हुए हैं लेकिन केवल तीन चालू हालत में हैं । इनसे कैसे पानी निकलेगा ? ये 12 के 12 काम करने चाहिएं, तभी पानी निकलेगा । ड्रेनें 1976 से 1980 के बीच बनी थीं, उसके बाद आज तक उनकी सफाई नहीं की गई । अगर कहीं सफाई की भी गई है तो मैं कम से कम यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि मेवात एरिया के अन्दर एक भी ड्रेन में एक पैसे का काम नहीं हुआ । मैंने लिख कर दिया था और पिछली बार हाउस में भी कहा था । सलाई ड्रेन मेरे अपने गांव के नाम से है । वह मेरे गांव से निकल कर जाती है । उसको लोगों ने मिट्टी डाल कर बन्द कर दिया । ऐसे ऑफिसर्ज के खिलाफ एक्शन होना चाहिए जिन्होंने ड्रेन्ज को साफ नहीं करवाया । मेरे इलाके में जितनी ड्रेन हैं, वे काफी हैं लेकिन उनकी आप सफाई करा दें जहां पर आपने नई ड्रेन बनानी है, वहां पर बनाएं, लेकिन मेरे इलाके में जितनी ड्रेन हैं, उनकी सफाई अगर करा दें । बाढ़ के पानी को निकालने

[श्री भजनलाल जी]

के लिए बड़े बड़े पम्प लगाए और पशुओं के लिये चारे का इन्तजाम किया जाए। जहां जहां पर सड़कें टूटी हैं, उनकी मुरम्मत जल्द कराई जाए। हमारी सरकार आने के बाद भी मेरे इलाके में एक डिस्ट्रीब्यूटर सड़क भी नहीं बनी है। मार्किट कमेटी का फैसला शहरों की सड़कों को ठीक करने पर खर्च करें, इसमें कोई एतराज नहीं है लेकिन देहातों में फसल को जल्द से जिन गांवों की सड़कें टूट गई हैं, उनको भी ठीक करायें। एक बात मेरे भाई सम्पत सिंह ने कही थी कि कुछ तो यह कुदरत की मार है और पॉलिटिक्स की मार है। मैं उनसे एक बात कहना चाहता हूं। गांवों में सभी पार्टीज के लोग रहते हैं लेकिन वे आपस में नफरत नहीं करते। गांवों के लोग मुसीबत के समय में एक होते हैं। अमीर हो गरीब हो, सब मिल कर काम करते हैं। आप इस तरह की बातें लोगों में जा कर न करें जिनसे फिरकापरस्ती बढ़े। इसके अलावा मैं कहना चाहूंगा कि मेरे इलाके नूंह में एक बनारसी रजबाहा है, उसके बैंकस को ऊंचा किया जाए। एक भलाई रजबाहा है, उसके बैंकस को भी ऊंचा किया जाए इसी तरह से एक कमीन्सर रजबाहा है, उसके बैंकस को भी ऊंचा किया जाए। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : श्री रमेश कुमार बोलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनके बाद कौन बोलेंगे ?

श्री अध्यक्ष : इनके बाद मनी राम केहरवाला जी बोलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : इनके बाद कौन बोलेंगे ?

श्री अध्यक्ष : इनके बाद डाक्टर रामप्रकाश जी बोलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : इनके बाद कौन बोलेंगे ?

श्री अध्यक्ष : यह बाद में बताऊंगा।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, आप मुझे भी बोलने के लिये समय दीजिए।

Mr. Speaker : You will also get the time. Please take your seat.

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मुझे बोलने के लिये कब टाईम देंगे।

श्री अध्यक्ष : यह मैं आपको बता दूंगा।

श्री रमेश कुमार (बड़ौदा, एस० सी०) : अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा प्रदेश में इतना भारी फ्लड आया है जिसकी तरफ सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया और सरकार अपनी जिम्मेवारी से भागने की कोशिश कर रही है। सारे हरियाणा प्रदेश में बहुत बुरी तरह से बाढ़ का पानी भरा है। कहीं पर 10

फुट, कहीं पर 12 फुट गांवों के अन्दर खड़ा है। सारे गांव बाढ़ के पानी के कारण तबाह हो गए हैं। मेरा सब डिविजन गोहाना है। गोहाना सब डिवीजन के अन्दर 82 गांव हैं और मेरे हल्के बरोदा में 45 गांव हैं जिनमें से तीन गांवों को छोड़ कर बाकी सभी गांवों में बाढ़ का पानी खड़ा है। मैं कहता हूं केवल दो गांवों को छोड़ कर बाकी 42 के 42 गांव बाढ़ के पानी के कारण तबाह हो चुके हैं इन गांवों के लोग अपने घर छोड़ कर चले गए लेकिन सरकार ने इन लोगों को किसी प्रकार की कोई मदद नहीं की, कोई परवाह नहीं की। मनाना गांव 8-9 हजार की आबादी का गांव है उस गांव के केवल 25 घरों को छोड़ कर, बाकी के सभी लोग बाढ़ के कारण या तो अपनी रिश्तेदारियों में चले गए या किन्हीं दूसरी जगहों पर शरण ली लेकिन सरकार ने इनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। चौधरी धर्मपाल सिंह, कौंसिल के मेम्बर हवाई सर्वेक्षण करते हैं और कहते हैं कि गोहाना के बरोदा हल्के में बाढ़ नहीं आई। ये गलत कहते हैं। आप एक कमेटी गठित कर दें। यह कमेटी जो रिपोर्ट दे, वह मुझे मंजूर होगी मेरे हल्के में आज के दिन भी 37 गांवों में 4-4 फुट पानी खड़ा है। मैं भी अपने हल्के के गांवों में 4-4 फुट पानी में चल कर पहुंचा हूं। मुख्य मन्त्री कहते हैं कि 15 अक्तूबर तक पानी निकाल दिया जायेगा लेकिन मैं कहता हूं कि यदि सरकार अक्तूबर के आखिर तक निकाल देगी तो मैं समझूंगा कि बहुत बड़ा काम सरकार ने लोगों के लिये किया है। वहां पर सरकार की तरफ से किसी प्रकार की कोई राहत नहीं पहुंचाई गई है न खाने को चीजें दी गईं और न ही लोगों को दवाईयां उपलब्ध करवाई गईं। जो समाजसेवी संस्थाएं बचाव कार्य में लगी हुई हैं और खाने-पीने की चीजें पहुंचा रही हैं, उनके पैकट्स में अधिकारी लोग हरियाणा सरकार का लेबल डाल रहे हैं—'हरियाणा सरकार' हरियाणा सरकार। मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि जो गलत काम यह हुआ है क्या यह सरकार की लापरवाही की वजह से नहीं हुआ है? पिछले सैशन में भी मैंने चर्चा की थी कि मेरे हल्के में जो ड्रेन्ज हैं उनकी सफाई होनी चाहिये लेकिन आज तक इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण इतना अधिक नुकसान हुआ है। मेरे हल्के में लपरा ड्राईनर और ड्रेन नं0 8 निकलती हैं। इन दोनों की सफाई न होने के कारण बाढ़ का प्रकोप अधिक बढ़ा क्योंकि पानी का निकास इनके जरिए नहीं हो पा रहा था। सरकार के जलयानों से चौहानों के बीच में ड्रेन नं0 8 की सफाई पर 30 लाख रुपये खर्च किये दिखाए हैं। लेकिन मौसम में खर्च नहीं हुए। मैं पूछना चाहता हूं कि ये तीस लाख रुपये कहां गए, क्यों ड्रेन की सफाई नहीं हुई? इसलिये मैं चाहता हूं कि जिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण ऐसा हुआ है उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाये। मेरे हल्के में अभी तक डाक्टरों की टीम भी नहीं पहुंची है। पशु दवाईयों के अभाव में मर रहे हैं। अब तक इनको किसी प्रकार की कोई डाक्टरी

[श्री रमेश कुमार]

सहायता उपलब्ध नहीं हो पाई है । न ही पशुओं के लिए चारा और दवाई भेजी जा रही है और न ही लोगों को खाने के पैकेट दिए जा रहे हैं । लोग परमात्मा के रहमोकर्म पर हैं । सरकार की तरफ से उन्हें हर मोड़ पर निराशा का मुंह देखना पड़ा है । सरकार कहती है कि डी० सी० और दूसरे अधिकारी काम कर रहे हैं लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि सरकार की तरफ से इस की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा । जब लोग पम्प लेने के लिये गए तो कहा कि नहीं है । जब पम्प नहीं मिलेगा तो पानी कैसे निकलेगा ? एक तक गांवों की आबादी का पानी नहीं निकल पायेगा तो लोगों को राहत कैसे मिल पायेगी मैंने पहले भी कहा था कि मैं खुद 4-4 फुट पानी में से चल कर लोगों तक पहुंचा था । मेरे हल्के की चाहे कोई हरिजन बस्ती है या दूसरी बस्ती है, सारी जलमग्न हुई है । लोग गांव के गांव वहां से चले गए हैं, यह बहुत बड़ी बात है इसमें कोई सन्देह नहीं । जनाब सरकार कहती है कि फलां अधिकारी वहां पर गया था । यह जवाब भी सरकार की तरफ से आता है कि पटवारी नाम लिख लाया । जब मैंने लोगों से पूछा कि तुम्हारे मकान गिरे हैं, क्या सरकार का कोई आदमी लिख कर ले गया कि तुम्हारा मकान गिरा है ? तो जवाब मिलता है कि यहां पर कोई आदमी हमारी पूछ करने नहीं आया । एक आध गांव में पटवारी गया भी है लेकिन सरकार कहती है कि हमारे अधिकारी वहां पर सब कुछ लिख कर आते हैं, पर कि गांवों के लोगों का कहना है कि पटवारी ने मनमाने ढंग से काम किया है, और लोगों से रिश्वतें लीं और उनकी गिरदावरी की । अध्यक्ष महोदय एक तरफ लोग बाढ़ के पानी से जूझ रहे हैं और दूसरी तरफ गिरदावरी करने वाले लोग रिश्वतें ले रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, जो पटवारी और डी० सी० ओ० ठीक काम नहीं कर रहे हैं सरकार उनकी जांच करवाए । जिस किसी ने 200-400 रुपये दिए उसका मकान लिख लिया कि गिर गया है लेकिन जो मकान बिल्कुल गिरे हुए हैं या जिनमें दरारें दिखाई दे रही हैं उन मकानों को मुआवजे के लिये लिखा नहीं गया । यह सारी की सारी कमजोरी सरकार की है । अगर सरकार आदेश दे, मुख्यमन्त्री जी आदेश दें तो गिरदावरी ठीक होगी । (घंटी) अध्यक्ष महोदय, सरकार की कमजोरी के कारण लोग तबाह और बरबाद हो गए हैं, आज उनकी सुधबुध लेने वाला कोई नहीं है, उनको बचाने वाला कोई नहीं है । जो लोग बचे हैं, वे सरकार के सहारे नहीं बचे हैं, वो खुद बचे हैं । जो लोग बिल्कुल तबाह हो गए हैं सरकार ने उनको क्या दिया है ? सरकार ने तो उनके बिजली के कनैक्शन भी काट दिए हैं, उनके ट्यूबवैलों के कोठे ध्वस्त हो गए हैं, उनको बिजली के बिल भेजे जा रहे हैं । जब उनके कोठे ही गिर गए हैं तो बिजली को वे कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं इसलिये बिल भेजने का कोई औचित्य नहीं है । माननीय संसद चौधरी ...... का

ने कहा कि चौधरी बंसी लाल की सरकार ने किसानों को बहुत कम मुआवजा दिया था, केवल 400 रुपये पर एकड़ दिया गया था जब कि खाद का कट्टा 550 रुपये में मिलता था लेकिन आज खाद ब्लैक में मिलती है। वे कहते हैं कि 400 रुपये प्रति एकड़ किसान को मिलेगा लेकिन किसान को कम से कम चार हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा मिलना चाहिए ताकि किसान का गुजारा हो सके और वह आगे आने वाली फसल बो सके और कुछ राहत मिल सके। अध्यक्ष महोदय, जो मकान गिरे हैं उनके आंकड़े दिए गए हैं लेकिन कुछ मकानों को उनमें शामिल नहीं किया गया है। जो लोग अपनी जिन्दगी की सारी कमाई लगा कर, मकान बना कर अपने बच्चों के साथ रह रहे थे, उनके मकान गिर गए हैं। उनके लिये कच्चे मकान के लिये 5000 रुपये और पक्के मकान के लिये 10,000 रुपये का मुआवजा सरकार ने निश्चित किया है। स्पीकर सर, क्या आज 10,000 हजार रुपये में पक्का मकान बन सकता है? मैं आपके माध्यम से सरकार को यह सलाह दूंगा कि पक्के मकान का मुआवजा 30 हजार रुपये और गरीब आदमियों के जो कच्चे मकान गिरे हैं, उनको 20 हजार रुपये दिया जाए ताकि गरीब आदमी अच्छी तरह से अपने मकान फिर से बना सकें और बेकारी से बचना तथा अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। अध्यक्ष महोदय, सरकार के अधिकारी कहते हैं कि उन्होंने छोटे लेवल के कर्मचारियों को गिरदावरी करने के लिये, ए० डी० ओ० और पटवारी वगैरा को भेज दिया है लेकिन वे ठीक गिरदावरी नहीं कर रहे हैं। जहां पर आज पानी खड़ा है क्या वहां की गिरदावरी करवाई गई है। वास्तव में जहां पानी खड़ा है वहां कोई भी टीम अभी तक नहीं गई है। इस एरिया की तरफ कोई तवज्जो नहीं दी गई है। जब पानी उतर जाएगा तो वहां पर बीमारियां भी फैल जाएंगी। आज जो पानी से बदबू मार रही है, फसलें तबाह हो गई हैं। आपके अधिकारी उस खड़ी और सड़ी हुई फसल को हुई नुकसान बता देंगे।

श्री अध्यक्ष : रमेश कुमार जी, आपका टाईम ओवर हो चुका है, इसलिये अब आप बैठिए।

श्री रमेश कुमार : स्पीकर साहब, अभी तो मैंने अपनी बात शुरू ही की है, मुझे थोड़ा समय और दे दीजिए। अध्यक्ष महोदय, सरकार अपने प्रचार में लोगों को गुमराह कर रही है अखबारों में निकलवा देते हैं कि यह मदद दी है लेकिन सरकार की तरफ से किसी जगह किसी किस्म की कोई मदद नहीं दी गई है अगर मदद दी है तो वह केवल स्वयंसेवी संस्थाओं ने दी है। गोहाना में समाजसेवी संस्थाओं ने लोगों की हर प्रकार से सहायता की है, दवाईयों की मदद की है और दूसरी तरह की मदद भी लोगों की की है। हमारी समाजवादी जनता पार्टी ने लोगों

[श्री रमेश कुमार]

की मदद की है। डाक्टरों की 32 टीमें बनाकर सारे प्रभावित इलाकों में भेजी गई हैं। हमारे आदमी गांव गांव में जाकर लोगों से पूछते हैं कि उन्हें किस प्रकार की मदद की जरूरत है। हमारी पार्टी के अध्यक्ष, पार्टी के कार्यकर्ता गांवों में जाकर जांच पड़ताल करते हैं और उनको जो चीज चाहिए वह उन तक पहुंचाते हैं।

श्री अध्यक्ष : रमेश जी आपका टाईम खत्म हो गया है, आप बैठ जाएं।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी तो शुरू किया है, आप मुझे पांच मिनट और दे दें।

श्री अध्यक्ष : आप एक मिनट में खत्म करें।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय मेरा बरोदा हल्का है, उसमें गुढाना गांव है। इस गांव में तीन आदमी गंदा पानी बीमारी से मारे गये एक कथूरा गांव में, एक आहुलाना गांव में, एक गुढा गांव में मारा गया है। डाक्टरों की जो टीम जाती है, उनके साथ इनके अध्यक्ष चौधरी ईश्वर सिंह मलिक भी जाते हैं। वे वहां पर मौका लगाने जाते हैं, मौका लगाते समय ने पूछा कि आपका आदमी कैसे मर गया? उन्होंने कहा कि गलघोंटू से मरा है। तो डाक्टर ने कहा कि नहीं जी यह तो पानी की वजह से मरा है। जब डाक्टरों को पता है कि पानी बहुत गन्दा है, तो उस पानी को लेबोरेटरी में चैक करने के लिये क्यों नहीं भेजते? अगर वे ऐसा करते तो लोगों को कुछ राहत मिलती। उन्होंने कुओं के अन्दर दवाई क्यों नहीं डाली? अगर दवाई डाल देते तो लोगों को पीने का अच्छा पानी मिल जाता।

श्री अध्यक्ष : आपका टाईम खत्म हो गया, आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में खत्म कर देता हूं। अध्यक्ष महोदय यह सरकार लोगों का जो भला कर रही है, मैं उस बारे में आपको बता देता हूं। यह सरकार शहरों में तो 2-2 करोड़ रुपया भेज रही है और गांवों को छोड़ रही है। अध्यक्ष महोदय, ये लोग गांवों में ही वोट लेकर आए हैं, शहरों से नहीं। आने वाले समय में लोग इन्हें सब कुछ बता देंगे। जब गांवों में सड़कों पर 3-3, 4-4 फुट गहरे गड्ढे पड़ जाते हैं तो ये कहते हैं कि आपको कितना खर्च चाहिए। इनको भर भी दें तो 2-4 दिन में फिर से खराब हो जाते हैं जिससे कोई न कोई दुर्घटना हो सकती है। धन्यवाद।

राजस्व मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जो विनाशकारी बाढ़ हरियाणा प्रदेश में आई, उस पर कल से सदन में विचार-विमर्श चल रहा है। इसमें दोनों तरफ की बातें आईं। अच्छे लोगों ने अच्छी बातें कहीं, अच्छे सुझाव दिए और इस समस्या से कैसे निपटा जाएगा, इस बारे में भी अपनी राय दी। लेकिन कुछ लोग यहां पर हमदर्दी जताने की बजाय अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने में मशगूल रहे, जबकि मैं समझता हूं कि हरियाणा प्रदेश के हर आदमी को इस विषय में चिन्तित होना चाहिए। यह एक बहुत बड़ा चिन्ता का विषय है। आज पूरे प्रदेश में त्राहि-त्राहि मची हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस बाढ़ से, इस पानी से एक बात स्पष्ट होकर सामने आई है वह है एस0वाई0एल0 की बात। हर चैनल में बड़े बड़े दावे करते रहे कि यह मैंने बनवाई है, 90 प्रतिशत चौधरी देवी लाल ने बनवाई है, 90 प्रतिशत चौधरी बंसी लाल ने बनवाई है। इस बात का दावा इनकी कांग्रेस पार्टी भी करती रही है। लेकिन अब एस0जे0पी0 ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि अगर चौधरी बंसी लाल जी एस0वाई0एल0 न बनवाते तो यह विनाशलीला हरियाणा प्रदेश में न होती और पंजाब का फालतू बाढ़ का पानी इस प्रदेश में तबाही नहीं करता। मेरे मित्र जिन लोगों ने इसको एक मुद्दा बनाकर चार साल तक शासन किया, मैं समझता हूं इस बात से यह साबित हो गया है कि इस सदन में एस0वाई0एल0 के मुद्दे पर लड़ाई लड़ी गयी थी, जिसमें सैंकड़ों भाईयों की जानें गयी थीं, काफी तबाही हुई थी। उसका कोई फायदा नहीं निकला। इस मुद्दे के बल पर सत्ता हासिल की गयी थी और आज यह बात जनता के सामने उजागर हो गई है। अध्यक्ष महोदय, जो असली बात है, और जिस मुद्दे पर हम डिस्कशन कर रहे हैं वो एक विकट समस्या है और मैं समझता हूं कि इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित महम का हलका रहा है, सबसे ज्यादा असर इस हलके पर बाढ़ का पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि मेरे हलके की भौगोलिक दृष्टि से भौगोलिक स्थिति ऐसी है जिसके कारण उसमें बाहर से पानी बहकर नहीं आता है। मेरे हलके के पांच गांवों में यानी मदीना, निदाना, खरक आदि में आज पानी की 15 किलोमीटर की एक झील बनी हुई है और उस रुके हुए पानी के निकलने का कोई भी रास्ता नहीं है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि उस पानी को निकालने के लिये उसमें एक ड्रेन बनानी पड़ेगी। यह ड्रेन बनाना बहुत ही आवश्यक है। अध्यक्ष महोदय, बलम्बा गांव से जो ड्रेन को साफ करना है, उसके साथ साथ हम यह ड्रेन बनाकर पानी आगे निकाल सकते हैं। जब यह ड्रेन बन जाएगी और पानी की निकासी हो जाएगी तो जो नेशनल हाईवे पिछले एक महीने से बंद पड़ा है, वह चालू हो जाएगा। इस हाईवे पर आज भी दस दस फुट पानी खड़ा हुआ है। आज इस पानी को

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

निकाला नहीं जा सकता क्योंकि ड्रेन आउट करने का कोई रास्ता नहीं है। यह ड्रेन खुदवाई जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसे पानी को केवल कैनाल इंजनों से नहीं निकाला जा सकता, इसके लिये तो इलैक्ट्रिक कनैक्शन्ज अति आवश्यक हैं। मैंने मुख्यमन्त्री जी से और वीरेन्द्र सिंह जी से निवेदन किया था कि यह 200 किलोमीटर लम्बी लाईन बनेगी। इसके लिये चाहे आप केबल का इंतजाम करें, चाहे आप लाईन बिछाकर इंतजाम करें लेकिन इसका इंतजाम अवश्य करें ताकि इस समस्या का हल हो सके और पानी भी वहां से निकाला जा सके तथा नेशनल हाईवे न० 10 पर जो पिछले एक महीने से ट्रैफिक जाम पड़ा है, उसको चालू किया जा सके। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के अन्दर करीब तीस गांव ऐसे पड़ते हैं जिनके अन्दर चार या पांच तारीख को एक भी गांव ऐसा नहीं बचा था जिसके अंदर दो से लेकर चार फुट तक पानी नहीं हो। आज भी 16 गांव ऐसे हैं जिनकी लाल डोरे की आबादी के अन्दर आज भी पानी खड़ा है। यह बात भी हमारे लिये चिंता का विषय बना हुआ है। जो आबादी है गरीब लोगों की, हरिजन लोगों की और बैकवर्ड लोगों की। अगर हम वह पानी नहीं निकाल पाते तो वे लोग तबाह हो जाएंगे। पर, आज भी हर गांव के अन्दर यह पोजीशन है कि 90 प्रतिशत आबादी मकानों के रूप में डैमेज्ड है। मकान चाहे गिर गए हों या उनमें दरारें आई हों, लेकिन वे डैमेज्ड हैं जरूर। अध्यक्ष महोदय, आज गरीब आदमी के लिये हरिजन के लिये और मजदूर के लिये मकान बनाना इतना आसान नहीं है। उन्होंने कम से कम बीस साल की कमाई से, एक एक पैसा बचाकर अपने मकान बनाए हैं। अगर इनके मकान मिनटों में तबाह हो जाएं तो कैसे काम चलेगा। इसलिये जितना जल्दी हो सके उनको तबाही से बचाने के लिये प्रयत्न करने चाहिएं। ताकि समस्या का समाधान हो सके और जो लोग अपने घर छोड़कर चले गए हैं, वे आकर बस सकें। मैं समझता हूं कि मेरे हल्के के बाहिर अगर कोई ड्रेन बनाया चाहें तो वे बना नहीं सकते। हल्के के अन्दर दो ड्रेन बनाने की मेरी मांग है, जिनमें से एक ड्रेन सांपला, खरखौदा से मदीना, लोहारा होकर और दिल्ली-रोहतक में जाकर पड़ सकती है और दूसरी ड्रेन जैसी गुमाणा-पेहवा फरमाना से शुरू होकर भिवानी ब्रांच में जाकर गिर सकती है वहीं एक सोधा-सा साइफन बन सकता है, अन्यथा हर साल यही होगा हमें लोग लोगों और सर्वनाशों में किसी तरह की कोई कमी नहीं रहेगी। इसके अलावा मेरा हल्का इस तरह से बसा हुआ है कि इसके बीच से नहर जा रही है, इसके दोनों तरफ गांव हैं। जब हम गांवों से ड्रेन छोड़कर, नहर में डालकर, हम पानी निकाल सकते हैं। हर गांव को ड्रेन जाए, परमानेंट पम्प सैट लग जाएं पम्प हाउस बन जाएं, तो इस हल्के

को तबाही से बचाया जा सकता है। मैं समझता हूं कि बड़ी ड्रेन की बजाए हर गांव की ड्रेन बना दी जाए तो उसमें आसानी भी होगी और शायद पैसे का खर्च भी कम होगा। इसके अतिरिक्त मैं यह कहूंगा कि जो पम्प हम बारिश आने के बाद लगाते हैं, सितम्बर के महीने में चलाते हैं, उससे हमें कोई फायदा नहीं है। जुलाई के महीने में जब बारिश आती है, उससे पहले ही हमें पम्प सैट्स लगा देने चाहिएं। पूरे प्रदेश में जहां जहां जरूरत है, वहां पम्प सैट लगाने चाहिएं। जब ड्रेनों में सीधा कनैक्शन देकर, जितना पानी बरसे, उसको साथ-साथ हम निकाल दें तो मैं समझता हूं कि इस मिसहाप से हम बच सकते हैं। सरकार की पॉलिसी हमेशा यही रही है कि 15 सितम्बर से मोटरें चलाई जाती थीं लेकिन अब की बार मुख्य मन्त्री जी ने यह फैसला किया है कि 1 सितम्बर से इन मोटरों को चला दिया जाए, लेकिन 3-4 तारीख को जो बारिश हुई उसने सारा मामला गड़बड़ कर दिया। किस को दोषी ठहराएं? यह कहना कि उन आदमी ने यह कर दिया, गलत बात है। किसी ने कह दिया कि आनन्द सिंह डांगी ने सड़क कटवा दी, किसी ने ड्रेन काट दी, बहुत सी नहरें कटने के लिये तैयार खड़ी हैं। यह बात बार बार कही गई। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने कहा, प्रो० सम्पत सिंह जी ने भी कहा कि अपने गांव को बचाने के लिये आनन्द सिंह ने सड़क कटवा दी। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि आनन्द सिंह डांगी ऐसे घटिया काम नहीं करता और उस दिन मैं गांव में भी नहीं था, उस दिन मैं चण्डीगढ़ में था। जिन लोगों ने सड़क काटी है, उनके बारे में आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप हाउस की कमेटी बना दें जिसमें एक आदमी एस० जे० पी० का ले लें, एक विकास पार्टी का ले लें लेकिन कांग्रेस पार्टी का कोई आदमी न लें, फिर उसकी इन्क्वायरी करवाएं। उस इन्क्वायरी के बाद अगर आप आनन्द सिंह को दोषी पाते हैं तो मैं अपने आपको आपके सामने करता हूं, मुझे हथकड़ी लगाकर अन्दर कर दें। किस आदमी ने सड़क कटवाई है और किन लोगों ने खड़े होकर कटवाई है, यह सब आपके सामने आ जाएगा। चार दिन तक उन लोगों ने सड़क के अन्दर खड़े होकर काटने का काम किया। जब हमारे अधिकारी उनको बन्द करने गए तो उनके ड्राईवरों तक को पीटा गया। हमने यही कहा था कि जाने-आने का रास्ता है, बहुत अच्छा रास्ता है, नेशनल हाईवे है, कोई भी एमरजैन्सी पड़ सकती है, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं मानी और सड़क काट दी। सड़क न भी काटते तो भी कोई खास फर्क न पड़ता। 3-4 तारीख को जो बारिश हुई है, उससे मदीना गांव का एक-डेढ़ किलोमीटर का जो रास्ता है, उस पूरे रोड के ऊपर से ढाई फुट पानी लगातार 8 दिन तक बहा। उस पानी को रोकने की किसी ने बात भी नहीं की। आज तक मेरे हल्के के किसी आदमी ने यह नहीं कहा कि डांगी ने सड़क कटवा दी। ये कुछ ही लोगों को तोड़ खबरें देते हैं, अखबारों में समाचार छपवाते हैं। कहीं अमर उजाला छपवाता है, कहीं ट्रिब्यून

[चौधरी आनन्द सिंह दांगी]

सिंह जयपाल जी हैं लेकिन मेहम हल्के के किसी आदमी ने यह नहीं कहा कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी ने कोई किसी की मदद नहीं करवाई। यह एक ऐसी समस्या थी जिसका किसी के पास कोई समाधान नहीं था। यह कुदरत की कोप था जिसके आगे इन्सान कुछ नहीं कर सकता। इसमें अगर हम किसी को दोषी ठहराएं तो यह अच्छी बात नहीं है। चाहे अपोजीशन हो, चाहे सरकार हो, हमें जनता के सामने सही तथ्य रखने चाहियें। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के अन्दर 12 मौतें हुई। तीन मेरे बहलबा गांव के लोग डूब गये। एक बात की सम्पत सिंह जी ने चर्चा की कि एक लड़का हरिजनों का छत पर चढ़कर हैलीकाप्टर की तरफ देख रहा था कि उसने का पैकिट मुझे मिले। वह हैलीकाप्टर की तरफ देखते देखते छत पर से गिर कर पानी में डूब कर मर गया। मैं समझता हूं कि मेरे भाई ने किसी ऐसे ही आदमी से यह बात सुनी है। यह मसला ऐसा था कि जहां वह लड़का डूब कर मरा, वहां उसके आसपास 250-300 मीटर तक कोई भी मकान नहीं है। स्कूल की चारदीवारी के साथ, पुराने जमाने में, किसी दाता ने, मन्दिर के स्वामी ने, एक डिग्गी बनवायी थी और वह डिग्गी उसमें पानी की कमी के कारण अनदेखी थी। जब उस स्कूल की चारदीवारी बनी थी तो उस डिग्गी को भर दिया गया। अब पानी का दबाव ज्यादा आया तो वह चारदीवारी टूट गई और डिग्गी की मिट्टी निकल गयी, परिणामस्वरूप वहां दलदल बन गई। वह लड़का अपने घर से निकल कर चला और आते आते उस खड्डे में गिर गया और उस दलदल में फंस कर उसकी मौत हो गई जिसका मैं अपने हाथ से दाह संस्कार करके आया हूं। असलियत में यही कहानी है। इस तरह से सदन के अन्दर अगर हम गलतबयानी करें, लोगों को गुमराह करने की बात करें तो यह बात हमें शोभा नहीं देती। हमें सही बात, सही तस्वीर लोगों के सामने रखनी चाहिये। मानते तो स्पीकर साहब, इस तरह की गलत बात सदन के अन्दर कह दी लेकिन उस गांव के लोगों को तो असलियत का पता है कि वाकई किस ढंग से यह घटना घटी है। हमें ऐसी गलत बातों को कहने का परहेज करना चाहिये और इस दुःख की घड़ी में सही सही बातें जनता के सामने, हाउस के सामने रखनी चाहियें, जैसा चौधरी बंसीलाल जी ने सही बातें कही हैं। तुमने आरोप है और इन्होंने अच्छे ढंग से सरकार के सामने रखा है। स्पीकर साहब, मैं कोई खुशामद नहीं कर रहा हूं। जो सही और सच्ची बात है, वह मैं कह रहा हूं। सही ढंग से कही गई बातों के कारण ही सरकार को क्रेडिट मिला है और मिलेगा भी। मैं सामने बैठे अपने भाईयों से यह कहूंगा कि जो बोलने वाले थे वे तो बोल ही दिये। इनके लीडरों ने जो कुछ कहना था, वह कह दिया लेकिन जो कहने वाली बातें थी, वह नहीं कही। केवल इतना ही कह दिया कि सरकार को यह करना

चाहिए था, वह करना चाहिए था। कोई ठोस सुझाव नहीं दिये कि सरकार इस समस्या से कैसे निपटे, क्या करे। इसके साथ-साथ मैं अपने आदरणीय मुख्य मन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि हमारा जो ड्रेनेज विभाग है, उसको इरीगेशन विभाग के साथ जोड़ दिया गया है। इरीगेशन विभाग दूसरा विभाग है, उसके मन्त्री भी अलग हैं। (विघ्न) मैं सरकार के हक में बोल रहा हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है जो ड्रेनेज डिपार्टमेंट है, यह जिस ढंग से पहले अलग से काम किया करता था, उसी ढंग से इसको फिर अलग किया जाए, ताकि विभाग इस समस्या का समाधान कर सके, ठीक वक्त पर इन्तजाम कर सके ताकि आने वाले समय में कोई दिक्कत न आए। इसके साथ-साथ मैं एक निवेदन और करना चाहता हूं सभी सदस्यगण से। जो यह नुकसान हुआ है, इस नुकसान के लिये सर्वे किया जाएगा। चाहे मकानों का है और चाहे फसलों का है। मेरे साथियों ने यहां पर चर्चा की कि पटवारी पैसे मांगता है या अधिकारी पैसे मांगते हैं? क्योंकि यह मेरा महकमा है और इस महकमे के द्वारा ही सर्वे होना है। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर किसी भी साथी के सामने कोई ऐसी बात आए तो वह हमको तुरन्त सूचित कर दे ताकि उस बात को ठीक किया जा सके। इस कष्ट के समय में जो थोड़ी बहुत सरकार लोगों की मदद कर पा रही है, वह यहां आदमियों तक पहुंच सके। इसके अलावा जिन समाज सेवी संस्थाओं ने लोगों की मदद की है, मैं उनका भी धन्यवाद करना चाहता हूं। खासतौर के बारे में मोंगा साहब ने कहा, मैं उनको बताना चाहता हूं कि जितने अच्छे ढंग से मेहम के प्रशासन ने इस वक्त की घड़ी में लोगों की मदद की है और लोगों को सम्भाला है, वह सराहनीय है। मैं समझता हूं किसी दूसरी जगह ऐसा नहीं था इसलिये वे सारे अफसर प्रशंसा के काबिल हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेहम हल्के के अन्दर चार तारीख से ले कर आज तक एक भी व्यक्ति भूखा नहीं सोया क्योंकि हमने कुछ ऐसा सिस्टम बनाया हुआ था। पांच तारीख से लेकर आज तक कोई भी गांव ऐसा नहीं जिसके अन्दर डाक्टरों की टीम न पहुंची हो। हर व्यक्ति को जितनी मिट्टी के तेल की जरूरत थी वह पूरी की गई। इस दौरान वहां पर हमने लाख लिटर तेल बंटवाया। इस तरह से मेहम के किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं हुई। अब मैं चाहता हूं कि पम्प और मोटरें लगाकर गांवों से पानी को निकाला जाए। धन्यवाद।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिये खड़े हो गए)

श्री छत्तर सिंह चौहान (मुंडाल खुर्द) : स्पीकर साहब, हरियाणा में जो बाढ़ आई उसके बारे में सदन में दो दिन से चर्चा हो रही है। यह एक ऐसी समस्या है जो आज हर हरियाणावासी के लिए चिन्ता का विषय बना हुआ है।

चौधरी धीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहिब, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है । आप मुझे इन्डीकेट करें कि मुझे बोलने के लिए कब टाईम देंगे ?

श्री अध्यक्ष : आपको भी बोलने के लिए टाईम देंगे ।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, चाहे रोहतक जिला हो, चाहे जींद जिला हो, चाहे भिवानी जिला हो, यानी हरियाणा प्रदेश के 17 जिलों में से ऐसा कोई जिला नहीं है जिसने बाढ़ का प्रकोप न झेला हो । किसी जिले में कम प्रकोप हुआ, किसी में ज्यादा हुआ । यह प्रकृति का प्रकोप था । यह किसी इन्सान विशेष की गलती नहीं कही जा सकती । मैं तो यह कहता हूं कि बाढ़ आने में शासन और प्रशासन का कोई दोष नहीं है, लेकिन शासन और प्रशासन ने बाढ़ आने के बाद जिस निष्क्रियता का परिचय दिया, वह ठीक नहीं था । उस समय में लोगों को जो मदद की जानी चाहिए थी, वह इस सरकार के प्रशासन ने नहीं की । यह बात इस सरकार को माननी ही पड़ेगी । Government did not rise up to the expectation of the people. स्पीकर साहब, मैं भिवानी जिले के बारे में एक बात बताना चाहता हूं । इस सरकार के मंत्रियों को यह बात नहीं जंचेगी । मैंने इनसे निवेदन किया कि आज हरियाणा में बारिश बन्द हुए 24 दिन हो गए हैं, यानी 4 तारीख के बाद हरियाणा में बारिश नहीं हुई, लेकिन हरियाणा में कई ऐसे जिले हैं जिनमें आज भी बाढ़ का पानी निरन्तर बढ़ता जा रहा है । दादरी भिवानी जिले की तहसील है । वहां पर पिछले सप्ताह 10-10 फुट पानी भरा था और दादरी के आस पास के गांव जलमग्न थे । मैं, चौधरी बंसी लाल जी और राम भजन अग्रवाल जी, रामकरी गांव में गए थे, वहां पर भी 8-8 फुट पानी खड़ा था । आप इस बात की चैक करने के लिए चाहे हाउस के पांच आदमियों की एक टीम भेज दें, वह जा कर देखें, लोहारू कैनाल रामकरी गांव के पास से नजर नहीं आती । यह पता नहीं लगता कि खेत कहां है, नहर कहां है और गांव कहां है । लेकिन इस सरकार ने इस प्राकृतिक प्रकोप से निपटने के लिए कोई दायित्व नहीं निभाया । सरकार का यह दायित्व था कि उस समय सरकार लोगों की मदद करती । सरकार को बाढ़ आने से पहले इस बारे में कुछ कार्य करने चाहिए थे ताकि लोगों को इतनी परेशानी न करनी पड़ती । स्पीकर साहब, भिवानी जिले में आज बाढ़ का प्रकोप है, वहां पर 8-8 फुट पानी खड़ा हुआ है । दादरी की यह हालत थी, ऐसा लगता था जैसे यह कभी आबाद था या नहीं । वहां पर बहुत ज्यादा पानी भरा हुआ था । कलिंगा गांव में सितम्बर से पहले बाढ़ आ चुकी थी । उस गांव में 9-9 फुट पानी था । यह 20 हजार की आबादी का गांव है । बाढ़ के कारण यह गांव ऐसा लग रहा था जैसे उजड़ा हुआ है । इसी तरह भिवानी शहर से चार किलोमीटर दूर एक गुजरानी गांव है, उसमें 8-8 फुट पानी खड़ा था । इसी तरह से [illegible] चारों तरफ से पांच पांच फुट पानी से घिरा हुआ था । एक कुकाणी गांव है, वह पूरी तरह से बरबाद हो गया है । इसी तरह से बमाणा, [illegible], कुलगु गांव हैं

भी जुई कैनाल के किनारे पर है। इसी तरह से कई और गांव हैं, वे सभी गांव पानी से भरे पड़े हैं। आज उन गांवों की यह हालत है कि उन गांवों को गांव नहीं कह सकते। इसके अलावा, मैं एक बात की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। बीड़ और दादरी के बीच में 25 किलोमीटर का फासला है। इस बांध के दोनों तरफ से पानी आ रहा है। यह पानी भिवानी और आसपास गांवों की तरफ लगातार बढ़ता जा रहा है।

हमारे यहां पर एक दादरी डिस्ट्रिब्यूटरी है, उसकी बहुत बुरी हालत है। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता कि किसने जानबूझ कर गलत काम किया लेकिन इसकी बात कहने में कोई हर्ज भी नहीं है। 16 तारीख को [illegible] में बारिश बंद हो गई। वहां पर और कई जगहों पर 4-5 फुट से ज्यादा पानी खड़ा है। लोगों का जीवन दूभर हो रहा था। कलानौर की एक डिस्ट्रिब्यूटरी, जो यहां है, 7 तारीख को 7.30 बजे, डी0 डी0 पी0 कलानौर पुलिस बल के साथ वहां पर आते हैं और रोहतक भिवानी रेलवे लाईन को, ईस्मायल गांव को बचाने के लिए 10 जगह से लाईन तोड़ते हैं। यह किसी उच्च अधिकारी यानी किसी चेयरमैन कर गए हैं। बहन जी को भी अपनी मजबूरी थी। मेरे कहने का मतलब यह है कि 7 तारीख से लेकर आज तक यानी 22 दिनों के बाद भी सरकार का कोई आदमी इन लोगों की दुःख तकलीफ में नहीं पहुंचा। न ही कोई अधिकारी, पटवारी से लेकर डी.सी. तक या सिपाही से लेकर एस0 पी0 तक पहुंचा है। मंत्री व मुख्य मंत्री के तो पहुंचने का सवाल ही नहीं उठता है। भाई अमर सिंह जी 5 तारीख को मिले थे। मैंने उनको कहा था कि भिवानी में एडमिनिस्ट्रेशन नाम की कोई चीज नहीं है। इस बात की अमर सिंह जी ने भी हां भरी थी कि आप ठीक कह रहे हैं। वहां के एस0 पी0 का मुंह उत्तर की तरफ था और डी0 सी0 का मुंह दक्षिण की तरफ था। यह इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि उनके द्वारा काम न करने के कारण उन्हें वहां से बदला गया। यदि यह बात नहीं थी तो फिर उनको बदला क्यों गया? वे दोनों अधिकारी गांवों में नहीं गए और न ही कभी दादरी गए। इनके खिलाफ तो क्रिमिनल केस दर्ज होना चाहिए क्योंकि इन्होंने अपनी ड्यूटी में कोताही बरती है। (विघ्न) मैं गुजारिश करता हूं कि जिन गांवों में 4-5 फुट पानी खड़ा है, उसको निकाला जाये। गांव कैलाश पर 1000 आदमी दिन में पैट्रोलिंग कर रहे हैं और चार हजार आदमी रात को कर रहे हैं। इन लोगों की दुःख तकलीफ को देखने के लिए सरकार की तरफ से कोई व्यक्ति नहीं पहुंच सका। बहन करतार देवी जी ने भी नहीं देखा कि वे किस प्रकार से दुःखी हैं, उनकी हिम्मत नहीं हुई। हमने एस0 पी0 को कहा कि एस0 पी0 साहिब, हमारे इलाके के लोगों में डैंगर का मामला है, लोग डरे हुए हैं लेकिन फिर भी वे खड़े हुए हैं। इसको नहीं दिया बहन करतार देवी ने प्रशासन के बल पर इस नहर को तुड़वाया। अगर यह नहर बच जाती तो मैं दावे के साथ कहता हूं कि बीड़ से ले कर दादरी तक

[प्रो० छत्तर सिंह चौहान]

15.00 बजे | एक घण्टे में पानी उतर जाएगा । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जहां सारे हरियाणा में आज बाढ़ का पानी उतर रहा है, वहां भिवानी में आज बढ़ता जा रहा है । कारण मैंने आपको बताया है कि बांध डिस्ट्रीब्यूटरी कैनाल के टूटने का भारी खतरा है, लोगों में डर है । लोहारू कैनाल के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि चाहे रोहतक का पानी हो या दूसरी जगह का पानी हो, आज उसकी क्षमता इतनी नहीं है, वह पानी खींच ही नहीं पाती । उस पानी ने लोग 10 गांव डुबो दिए जिसमें भाई धर्मपाल सिंह की कांस्टीच्यूएंसी के अधिकतर गांव हैं, और मेरे हलके के भी 3 गांव आते हैं । इस तरह से सारा सिस्टम फेल हो गया है । मैं आपके माध्यम से हरियाणा सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि लोहारू कैनाल पर लिफ्ट सिस्टम को ठीक किया जाए । भिवानी में जो सिस्टम है, उसके तहत वहां पर 38 मोटरों का प्रोविजन है । इन मोटरों के बारे में चौधरी बंसी लाल के टाईम में यह डबल सिस्टम था । (विघ्न) इन मोटरों को चलाने के लिए डबल पावर सिस्टम था । अगर एक तरफ से बिजली चली जाए तो दूसरी तरफ की बिजली से इनको चलाया जा सकता था । तीसरा सिस्टम यह है कि वहां कपैसिटर का जेनरेटर सैट लगा हुआ है जिससे मोटरें के सारे पम्प चल सकते हैं । स्पीकर सर, आप इसी बात से अन्दाजा लगाईये कि सरकार की कितनी इन-एफीशिऐंसी है ? (विघ्न) लोहारू कैनाल में जो लिफ्ट सिस्टम है, उसमें 38 मोटरें लगी हुई हैं । आप एस०डी०एम० से पता करवा लीजिए, 38 मोटरों में से केवल 11 मोटरें ही चल रही हैं । आप वहां पर किसी टीम को भेज कर पता करवा सकते हैं कि वहां के पम्प हाउस नहीं चल रहे हैं । दूसरा पम्प हाउस मिरान कलां में है, वहां 12 मोटरें हैं, जिनमें से केवल 2 मोटरें चल रही हैं । अगर लोहारू कैनाल की सफाई की होती, पम्प हाउस ठीक से चल रहे होते तो यह हालात न होते । लोहारू से आगे नहर की पानी लेने की क्षमता नहीं है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि जो सरकार चाहती हो चाहती है कि भिवानी जिला जो बाढ़ में डूबा हुआ है, अगर उसको बचाना है तो सबसे पहले लोहारू कैनाल का पानी कृई कैनाल में डलवाएं, लेकिन वहां पर पानी नहीं डलवाया गया । हम 1991 से कहते चले आ रहे हैं कि भिवानी जिले की नहरों की सील्टिंग नहीं हुई है । 1957 से भिवानी जिले के किसी नहर की सफाई नहीं हुई है । (विघ्न) हमने बार-बार माननीय इरीगेशन मिनिस्टर साहब से प्रार्थना की कि हमारी नहरों की डी-सिल्टिंग करवाईये लेकिन उनकी डी-सिल्टिंग नहीं करवाई गई । ये बाढ़ के हालात अभी पैदा हुए कि उनमें पानी चलने की क्षमता ही नहीं है । हमने बार-बार कहा है कि इस ओर ध्यान दिया जाए, नहीं तो विपरीत के हालात ये हालात नहीं होते, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया । इनके किसानों को मजबूर नहीं किया गया । अगर ऐसा ही करते होता तो आज यह मुश्किल न होती । स्पीकर सर, सबसे बड़ी दुःख की बात तो यह है कि हरियाणा गवर्नमेंट कहती है कि

हमने 964 करोड़ रुपया वर्ल्ड बैंक से लिया है जिसको कि हम नहरों के रख-रखाव पर खर्च करेंगे । मैं आपके माध्यम से हाउस में यह कहना चाहता हूं कि सरकार हाउस को गुमराह कर रही है । 1996-97 में 154 करोड़ रुपये के बजट में से भिवानी जिले के लिए इस सरकार ने एक पैसा भी नहीं रखा है । ये कहते हैं कि भिवानी जिला की सारी नहरों पर लिफ्ट सिस्टम है और लिफ्ट सिस्टम के लिए वर्ल्ड बैंक पैसा मन्जूर नहीं करता । हमारे जिले में सबसे ज्यादा लिफ्ट हैं, वहां पर इनकी सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है । लेकिन नेहरा साहब, जो नाम मात्र के इरिगेशन मिनिस्टर हैं, इनको यह पता भी नहीं कि कहां पर सारी नहर पर लिफ्ट सिस्टम नहीं है । वहां पर बावड़ी फीडर है जिसमें कोई भी लिफ्ट सिस्टम नहीं है । वहां पर भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी है जिसमें कोई भी सिस्टम नहीं है । वहां पर सुन्दर ब्रांच है उसमें भी कोई सिस्टम नहीं है । मैं हाउस में दावे के साथ कहता हूं कि इस गवर्नमेंट ने भिवानी और दादरी के साथ सौतेला व्यवहार किया है क्योंकि इन्होंने 154 करोड़ रुपए में से भिवानी जिले के लिए केवल 12 लाख रुपया ही रखा । यह किस लिए रखा है ? यह सिर्फ नहरों की मुरम्मत के लिए रखा है । मुख्यमंत्री जी, अगर किसी ने कसूर किया है तो हमने किया है, हम वहां से एम0एल0ए0 बनकर आए हैं, भिवानी जिले के लोगों ने कोई कसूर नहीं किया है । उन्होंने तो ऐसे भी एम0एल0ए0 बनाए थे जो पार्टी छोड़कर आपकी गोद में बैठ गए हैं । आप कम से कम उनकी बात तो सुन लें । आज भिवानी के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है । आज वहां की नहरें सूखी पड़ी हैं, खाली पड़ी हैं । (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मुझे पांच मिनट और दे दें ।

श्री अध्यक्ष : आप एक मिनट में कन्क्लूड कीजिए ।

श्री अमर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है ।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, इनका किस रूल का प्वायंट आफ आर्डर है ? आप मुझे पहले कम्पलीट करने दीजिए । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में फ्लड कंट्रोल बोर्ड है । (विघ्न) श्री अमर सिंह, आप मेरे से क्या बात कर रहे हैं ? बैठ जाइए ।

श्री अध्यक्ष : आप आपस में बात न करें ।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, फ्लड कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग हर साल होती है । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । अध्यक्ष महोदय, यह तो मुझे ही पता है कि कौन कहां पर कैसे आता है और किस तरह से जाता है । चौहान साहब आप भी तो इसी पार्टी में थे । अब आप क्यों झगड़ा करते हैं ?

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि हरियाणा गवर्नमेंट में एक फ्लड कंट्रोल बोर्ड है और वे चंडीगढ़ में बैठकर मीटिंग करते हैं । अगर वे इस फ्लड कंट्रोल बोर्ड को ठीक ढंग से चलाते और फ्लड कंट्रोल वाले इम्प्लीमेंट करते तो आज हरियाणा की यह हालत न होती ।

तीसरी बात यह है कि जो नहरों में सिवरेज सिस्टम है, उनकी साल में दो बार सफाई होनी चाहिए । उसमें चाहे ड्रेनें हों या रोहतक हो । अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद सारे के सारे सिवरेज सिस्टम ब्लाक पड़े हुए हैं और इसी वजह से आज शहरों में बाढ़ से तबाही हुई है ।

स्पीकर साहब, चौथा मेरा आपसे यह सुझाव है कि जिन गांवों में पानी खड़ा हुआ है, आठ-दस दिन से गांव डूबे हुए हैं, इन गांवों से पानी की निकासी की तरफ गवर्नमेंट को ध्यान देना चाहिए । पानी की निकासी बातों से नहीं होगी । जब तक गवर्नमेंट की तरफ से पूरा ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक निकासी नहीं होगी । चाहे वह लोहारु कैनाल है, जुई कैनाल है, जे.एल.एन. कैनाल है या ड्रेन नं० 8 है, उनकी सफाई नहीं होगी और उनके पम्प चालू नहीं होंगे, तब तक यह पानी नहीं निकल सकता । इन्होंने रोहतक से पानी निकाल कर ड्रेन नं० 8 में डाल दिया है । और यहां से पानी को निकाल दिया है लेकिन मुख्यमंत्री जी वहां जाकर देखें कि रोहणा की, खरखौदा की, सिसाना की और हुमायूंपुर गांव की क्या हालत है । यह ठीक है कि यहां से पानी निकालकर दूसरे गांवों को डुबो दिया । मेरा सरकार को सुझाव है कि आज वहां जो गंदा पानी खड़ा है, जिससे मलेरिया व महामारी फैलने की आशंका है, उस को निकालने की क्या सरकार की ड्यूटी नहीं बनती है ? आज न वहां खड़ा हुआ पानी निकल रहा है, न दवाईयों का छिड़काव किया गया है । मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर हरियाणा विकास पार्टी ने पूरे हरियाणा में, एक एक गांव में डाक्टर न भेजे होते, अपनी टीमें न भेजी होतीं तो शायद हालत ज्यादा खराब होती क्योंकि सरकार की तरफ से कोई भी राहत कार्य नहीं किया गया, कोई भोजन सामग्री नहीं दी गई । मुख्यमंत्री जी ने एक बयान दिया था 16 सितम्बर को कि मैं तीन दिन के अन्दर सारे जिलों, सारे रोहतक का पानी निकलवा दूंगा लेकिन आज 27 तारीख है और 15 दिन हो चुके हैं, लेकिन कहीं भी पानी नहीं निकला । मुख्यमंत्री जी खुद अपने अंदर झांककर देखें कि भिवानी शहर का और भिवानी जिले के गांवों का कितने एकड़ पानी निकाला गया है । आज भी भिवानी वालों ने चार चार या पांच पांच फुट पानी खड़ा है । इसी तरह से एक हरिजन बस्ती हनुमानढाणी में भी पानी खड़ा है । सरकार को केवल कागजी कार्यवाही नहीं करनी चाहिए बल्कि असलियत में कुछ करना चाहिए । इनके इस प्रकार के जो [illegible] के बयान हैं, उससे तो इन लोगों के घावों पर और नमक छिड़का जा रहा है । इसी तरह से सर, मेरे हलके में एक गांव गुजरानी है । उस गांव में एक भी आदमी का घर नहीं है, वह गांव हमारे को [illegible] बोला जाता है । [illegible] गांव के

लोग सड़क पर हैं, स्कूल में हैं, लेकिन उनको कोई भी बचाने देने वाला नहीं है। यह तो भला हो उन स्वयं सेवी संस्थाओं का, भला हो उन दानवीरों का जिन्होंने डूबते हुए लोगों को बचा लिया लेकिन सरकार ने अपना कर्तव्य नहीं निभाया। मैं बार बार यही कहना चाहता हूं कि बाढ़ आने में किसी का दोष भी नहीं है लेकिन सरकार ने इसकी रोकथाम के लिए कुछ नहीं किया। यह बाढ़ में फंसे लोगों को निकाल सकती थी, बचा सकती थी और कपड़े दे सकती थी। मुख्यमंत्री जी ने कह दिया कि भिवानी में सरकार ने 15 लाख रुपये के कपड़े दिए हैं और 34 लाख रुपये की भोजन सामग्री दी है। मैं कहना चाहूंगा कि आप भिवानी वालों से पूछिए, क्या उनको इतने रुपयों का सामान मिला है? वहां पर एक पैसे का भी कपड़ा नहीं पहुंचा है। अगर वहां सामान गया होगा तो आपको वहां के लोग बता देंगे। सरकार इनके इस प्रकार के जो गुमराह करने वाले बयान हैं यह ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, 23 सितम्बर, 1995 को ट्रिब्यून में एक खबर आयी थी और मुख्यमंत्री जी ने गुस्से होकर कहा था कि प्रशासन ने मेरी बात नहीं मानी। सर, यह खबर ट्रिब्यून अखबार में है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहता हूं कि जो लोग आज दुखी हैं, जो उनका आज दुखी स्वर है, आप उसको देखिए। शायद मंत्री जी भी मेरी बात को नहीं मानते क्योंकि अभी थोड़ी देर पहले मैंने चौधरी धीरपाल सिंह जी से कहा था कि भिवानी में अब भी पानी बढ़ता जा रहा है तो यह मेरी बात पर हंसे। जबकि सच्चाई यह है कि आज भी वहां पर बाढ़ का पानी बढ़ता जा रहा है जबकि बरसात को रुके हुए 21 दिन हो गये हैं। इसलिए मैं तो यही कहूंगा कि सरकार को इस समस्या का जल्दी से जल्दी समाधान करना चाहिए।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे पहले भी कई बार निवेदन किया था कि हाउस में 90 मैम्बर हैं, जिसमें 63 मैम्बर हमारे हैं और 27 विपक्ष के हैं। इसमें आपने 11 आदमियों का नाम दिया है। हमें भी मैम्बर्ज की स्ट्रेंथ के हिसाब से टाईम अलाट किया जाए। आपने कहा कि हर मैम्बर दस दस मिनट बोलेगा लेकिन अब समय थोड़ा रह गया है, इसलिए आप इनको कहिए कि ये अनावश्यक बातों को रिपीट न करें। मेरा आपसे निवेदन है कि आप इनको टोकिए कि ये रैलेवेंट बोलें, साथ ही आप टाईम को भी लिमिट रखें।

चौधरी सूरजभान काजल (कलानौर) : स्पीकर सर, कलानौर इलाका पूरे हरियाणा प्रदेश में सबसे ज्यादा प्रभावित है। 49 गांव इस इलाके के हैं जिनमें से सिर्फ 6 गांव ऐसे हैं जिनका थोड़ा-बहुत रकबा खराब हो गया, उनकी आबादी ठीक है, बाकी 43 गांव अब ऐसे हैं जो पूरे जलमग्न हैं। वहां कोई आदमी जा भी नहीं सकता। अध्यक्ष महोदय, यहां एक प्रशासन की बात है, कलानौर में 27 तारीख को सबसे पहले बाढ़ आई थी और 28 तारीख को रिंग बांध, जिन्हें चौधरी देवी लाल जी ने बनवाया था, टूटने शुरू हो गए थे। खाली कट्टे लेने के लिए लोग प्रशासन के

[चौधरी सूरजभान काजल]

पानी गए तो पानी कहीं नहीं दिए, पम्प नहीं दिए । मेरा कहने का मतलब यह है कि यह तो प्राकृतिक प्रकोप है, इसमें तो किसी का बस नहीं चलता, लेकिन कोई हमदर्द सरकार हो तो लोगों का दुःखदर्द कुछ न कुछ कम कर सकती है । उस विनाश को कम कर सकते हैं, उस मुसीबत में जो जरूरत की चीजें हैं, वे देकर लोगों की कुछ सहायता कर सकती है । जुलाना हल्के से लगते हुए इलाके के जितने वजीर थे, उन्होंने सोच लिया था कि जुलाना के लोगों को कोई सहायता नहीं देनी, इसमें राजनीति का दृष्टिकोण खास तौर पर रहा । सिंचाई मंत्री जी ने जींद को बचाने के लिए जुलाना को डुबो दिया । अनाज मंडी जींद से [illegible] तक पानी ही पानी था । हरियाणा प्रदेश में बाढ़ से सबसे पहले जींद-गोहाना रोड बंद हुआ था । सफीदों वाले मंत्री ने सफीदों से पानी निकाल दिया और बिजली मंत्री ने [illegible] पुलिस को कहकर, जो पानी चल रहा था जुलाना का [illegible] के पास, बांध लगवा दिया । इससे आज जुलाना में यह स्थिति बनी हुई है कि पानी निकालने की कोई जगह नहीं है । आज पूरा महीना हो चुका है लेकिन प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची है । सुधार यहां जैजैवन्ती की [illegible] पर 8 गांव के आदमी बैठे हैं, वहां न पोलिथिन मिले, न मिट्टी का तेल ही मिला । सारे गांवों का ईंधन, उपले, लकड़ी, सारे गीले हो गए थे, उन्हें कच्चा अनाज खाने को मजबूर होना पड़ा । आज भी कोई सुधार नहीं है । आज भी 10 किलोमीटर एक बांध बना हुआ है । पानी निकालने का एक भी पम्प नहीं लगा । हम उनको कहते हैं कि [illegible], वहीं गांव में लगाओ । प्रशासन कहता है कि हम बिजली [illegible] पावर हाउस से लेकर आएंगे । आज [illegible], [illegible], [illegible], रामकली, [illegible], [illegible], [illegible], बुढाना, [illegible], जैजैवन्ती, [illegible], [illegible] और [illegible] ऐसे गांव हैं जिनमें आदमी को [illegible] भी नहीं मिलती, वे गांव बिल्कुल खाली हैं, गांव में पानी भरा हुआ है । रामकली ऐसा गांव है जहां पीने का पानी नहीं है । ऐसी हालत में जो सरकार की जिम्मेदारी बनती है वह नहीं निभाई, सरकार से लोगों का विश्वास उठ गया है । मैं कहना चाहूंगा कि अगर इनमें इंसानियत है तो इस्तीफा देकर नये सिरे से चुनाव करवाएं, इन्होंने कोई मदद नहीं की । हम तो पानी से डूबे हैं, ये कर्ज़ में डूबे हैं । [illegible] लोग अपने ट्रैक्टर [illegible] लगाकर निकालने के लिए मांग रहे थे, वह नहीं मिले, पोलिथिन, सरकारी पम्प, कोई चीज प्रशासन ने नहीं दी । [illegible] गांव में 10 फुट पानी है और पूरा महीना हो गया है, हम कहते हैं कि पानी निकालो, मगर कोई ध्यान नहीं देता । वहां कांग्रेस पार्टी के प्रधान भी गए थे । लोगों ने उनको भी गालियां दीं कि आप मदद नहीं कर रहे हैं । मेरी गुजारिश है कि अगर सरकार चाहे तो सारा पानी निकलवा सकती है । [illegible] ड्रेन में इसे [illegible] किया जाए तो चार गांवों का पानी निकल सकता है । जो जुलाना में पानी आया है, यह [illegible], [illegible], असन्ध, करनाल और पानीपत तक का आया है । सफीदों, [illegible] और जुलाना का पानी, [illegible] का, और हल्के का पानी है, उसमें आया है । जिस कारण से [illegible] हल्के का पूरा [illegible] तबाह हो गया । सारी ड्रेनें बन्द थीं । 27

बारिश की रात को बांध टूटा । हमने डी0सी0 को कहा कि साहब काली बहरे दे दो ताकि बांध को मजबूत किया जा सके लेकिन उन्होंने खाली कट्टे भी नहीं दिये । बाढ़ से प्रभावित सुलाना शहर के बारे में, मैं आंकड़े बताता हूं । ट्यूब-वैल्ज 119 को अब तक पानी में डूबे हुए हैं, मकान 2314 प्रभावित हुए, पशु 155 मारे गये और दो आदमी मरे हैं । सड़कें सारी की सारी खराब हैं, कोई इधर उधर नहीं जा सकता । सुलाना के किसी गांव में अगर कोई जाना चाहे तो नहीं जा सकते । कहीं वृक्ष गिरे पड़े हैं, कहीं पानी भरा पड़ा है और कहीं पर सड़कें टूटी हुई हैं । लेकिन सरकार का इस ओर कोई ध्यान ही नहीं है । सड़कें खराब हो गई हैं । जमीन हजारों एकड़ तबाह हो गई है । अनाज सारा का सारा लोग अपने घरों में छोड़ कर भाग गये हैं । इसी तरह से किसी गांव में पशुओं के लिये चारा नहीं है । बल्कि चौपालें पानी से बिल्कुल खराब हो गई हैं, बिल्कुल नीचे धंस गई हैं । मेरे हल्के के 19 स्कूल आज भी पानी में डूबे हुए हैं । होस्पिटल केवल चार, दो आदमियों के हैं, 2 पशुओं के । इसी तरह से 12 के 12 गांव में वाटर सप्लाई सिस्टम बिल्कुल खराब पड़ा हुआ है । लोग गन्दा पानी पीने के लिये मजबूर हो रहे हैं । सिर्फ एक वाटरवर्क्स [illegible] का ठीक है, बाकी सारे के सारे 11 वाटर वर्क्स पानी से तबाह हो चुके हैं । सफाई सिस्टम खराब पड़ा हुआ है । उस तरह से हर गांव की बुरी हालत है । आज गांव में पीने के लिये पानी नहीं है । लोगों में गन्दा पानी पीकर बीमारी फैल रही है । खाज-खुजली की बीमारी (आंख सोज) से पीड़ित लोग तैयार बैठे हुए हैं कई रह गये हैं । इस तरह से बीमारी फैल रही है जिस बारे में, हमने डी0सी0 को कहा, सी0एम0ओ0 को कहा, लेकिन कोई कार्यवाही अब तक नहीं हुई है । ऐसे पांच केसिज हम सुलाना हस्पताल में ले कर के गये । डी0सी0 को और सी0एम0ओ0 को कहा कि इलाज के लिये दवाईयों का छिड़काव करवाया जाए लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई । इसी तरह से बिजली का हाल था । लोगों को 12 गांवों में बिजली नहीं मिल रही है । इसी तरह से पशुओं के लिये रोजमर्रा जरूरत की चीजें, जैसे चारा वगैरह बिल्कुल नहीं मिल रहा है । सरकार द्वारा मदद मिलने की बजाय समाज सेवी लोगों ने अपने अपने ट्रैक्टरों में लाद कर लोगों के खाने व पशुओं के लिये चारे की वस्तुएं पहुंचाई हैं । [illegible] तक से, 100-100 किलोमीटरों से ट्रैक्टर इस काम के लिये आते रहे हैं । [illegible] गांव के लोग ट्रैक्टर लेकर आये हैं । इस तरह से लोग अपने ट्रैक्टरों में आटा दाल, चावल और दूसरी खाने की सामग्री लेकर के आए, ताकि लोगों को जिन्दा रखने के लिये वे कामयाब हो सकें । पशुओं के लिये दवा दारू व चारे का, जैसे मैंने पहले कहा, सरकार की ओर से कोई प्रबन्ध नहीं था । समाज सेवियों की ओर से यह कार्य आरम्भ किया गया । मैं आपको क्या बताऊं, पशुओं में गल घोटू की बीमारी फैल रही है । नतीजा [illegible] वगैरह गांवों में कई पशुओं की इस बीमारी से मृत्यु हुई है ।

अध्यक्ष महोदय, जो फसल की उसमें रेत भरी हुई थी और साथ में, [illegible] होकर भी बहे थे । अगर समय पर सफाई सरकार करवा देती तो आज यह बात

[चौधरी सूरज मल काजल]

को रिपेयर किया न होता और न ही लोगों का इतना भारी नुकसान होता । साईफन भी मिट्टी में भरे हुए थे । इस तरह से सरकार की लापरवाही से यह फ्लड आया है । हमारे कुलाना में [illegible] पाये हैं । हम तीन तारीख को वहां पर गये । बरसात शुरू हुई थी । चार तारीख शुरू हुई थी और हम तीन तारीख को पहुंच गये थे । वहां के पम्प खाली पड़े थे क्योंकि बिजली नहीं थी । हमने आपरेटर को पूछा कि क्या कारण है, पम्प बन्द पड़े हैं तो उन्होंने कहा कि हम क्या करें, सरकार बिजली की सप्लाई नहीं दे रही है । अगर ये पम्प ठीक ढंग से कंडिशन में होते तो जैसे महाना, संखोल, [illegible], इन सब गांवों का पानी [illegible] सुन्दरपुर ड्रेन में डाल दिया जाता तो तबाही न होती । इसी तरह से [illegible] पर, [illegible] ड्रेन पर भी पम्प लगे हुए हैं । सरकार को इस बारे पता नहीं था । हमने [illegible] उनको यह व्यवस्था [illegible] कि इस [illegible] को चालू कर दो तो पीछे से पानी आना बन्द हो जाएगा लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई । सरकार की अपनी लापरवाही का ही नतीजा था । इसी तरह अध्यक्ष महोदय, मैं यह मांग करूंगा कि पूरे के पूरे कुलाना एरिया को बाढ़ ग्रस्त माना जाए ताकि लोगों के जो मकान और फसलें बर्बाद हुई हैं, उनका कुछ मुआवजा दिया जा सके । मैं चाहता हूं कि कुलाना में गिरदावरी करवाने की कोई जरूरत नहीं है । अगर गिरदावरी दो महीने बाद करवाई गई तो उसका कोई फायदा नहीं है । वहां के लोग तो सब परेशान हैं इसलिए उनको मदद ही पहुंचनी चाहिए । अगर दो महीने के बाद [illegible] और पटवारी को गिरदावरी करने की हिदायत दी गई तो पटवारी [illegible] के खिलाफ ही [illegible], जिसके बस चलने वाला नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : काजल जी, आपका समय हो गया है, अब आप बैठिए ।

चौधरी सूरज मल काजल : स्पीकर साहब, मैं एक दो सुझाव और देना चाहता हूं । आज जो मुआवजे की बात सरकार ने की है, यह बहुत कम है । इसके लिए जो गिरदावरी हो वह [illegible] और सरपंच की हाजिरी में हो और सरकारी अफसर को रिपोर्ट पेश करें उस पर नम्बरदार और सरपंच के भी दस्तखत हों क्योंकि पटवारी गलत रिपोर्ट दे कर अपने चहेतों को ही फायदा पहुंचाता है । इसी तरह से ट्यूबवैल का मुआवजा भी किसानों के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है, इसलिए किसान के लिए ट्यूबवैल ही जरूरी चीज है । ट्यूबवैल के लिए सरकार ने बहुत कम मुआवजा दिया है, यह कम से कम तीस हजार रुपए होना चाहिए । मकानों का मुआवजा पचास हजार रुपए होना चाहिए और पशु का दस हजार रुपए होना चाहिए । इसके अलावा, बिजली के बिल भी माफ होने चाहिएं । जो मोटर खराब हैं और ट्यूबवैल के कनेक्शन हैं, वह साफ होने चाहिएं और इनका ब्याज भी माफ होना चाहिए । जो चौपालें गिर गई हैं, उनके लिए भी पांच हजार रुपए दिए जाने चाहिएं । इसके अलावा, जहां पानी अभी भी खड़ा है, उस पानी को

निकाला जाए ताकि अगली रबी की फसल की बीजाई हो सके। इसी तरह से नई ड्रेनज खोलने की बात है। दिन बाढ़ चौधरी देवी लाल जी के समय में आई थी लेकिन कांग्रेस के लोग उनको देखने के लिए भी नहीं जा सके, इसलिए उनकी मदद नहीं की गई। अध्यक्ष जी जो कह रहे थे कि चौधरी देवी लाल जी के समय में भी बाढ़ आई थी लेकिन उस समय कोई मदद नहीं की गई। उस समय उन्होंने मेवात में सौ बोरी गेहूं भेजी थी, कम्बल भेजे थे, पानी निकालने के लिए ट्रैक्टर देने थे और चारा भी भेजा था। आपको मालूम है कि 1987 में जो सूखा पड़ा था, उस वक्त भी लोगों को चारा भेजा गया था। (विघ्न) अन्त में मैं चाहता हूं कि जो बाढ़ के लिए राहत दी जाएगी, उसका ब्यौरा भी सदन में आना चाहिए और जो पैसा बाढ़ आने से पहले खर्च किया गया था, उसका ब्यौरा भी आना चाहिए। धन्यवाद।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष : आप कृपया सभी बैठ जाएं, अब श्री रजिन्द्र सिंह बोलेंगे।

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय देने के लिए कहा था। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, इतना शोर मचाने की जरूरत नहीं है। हमने पार्टियों की स्ट्रैंथ को देखकर सभी को एक जैसा समय देना है। आप कृपया बैठिए (व्यवधान) अब रजिन्द्र सिंह बोलेंगे, आप बैठिए। डाक्टर राम प्रकाश जी, आप इतना शोर क्यों मचा रहे हैं? क्या कांग्रेस पार्टी कोई पार्टी नहीं है? क्या इस पार्टी के मैम्बर मौजूद नहीं हैं? क्या इनको बोलने के लिए टाईम नहीं मिलना चाहिए? मैंने आपको भी कहा है कि आपको बोलने के लिए टाईम देंगे, please take your seat.

डा० राम प्रकाश : स्पीकर साहिब, मैं आपसे बार-बार खड़ा हो कर बोलने के लिए टाईम मांग रहा हूं लेकिन आप मुझे टाईम नहीं दे रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : डा० राम प्रकाश जी ऐसा है कि कांग्रेस पार्टी के ज्यादा मैम्बर हैं, इनकी ज्यादा स्ट्रैंथ है। मैंने हर पार्टी के मैम्बर्ज को बोलने के लिए टाईम दिया है। समाजवादी जनता पार्टी के मैम्बर्ज को बोलने के लिए टाईम दिया है। हरियाणा विकास पार्टी के मैम्बर्ज को भी टाईम दिया है और आपको भी टाईम दिया जाएगा। (शोर)

डा० राम प्रकाश : स्पीकर साहिब, मैं आपसे काफी देर से बार-बार खड़े हो कर बोलने के लिए टाईम मांग रहा हूं लेकिन आपने मुझे समय नहीं दिया। (शोर)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस सहमत हो तो हाउस का टाईम दो घंटे और बढ़ा दिया जाए ।

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री अध्यक्ष : हाउस का टाईम दो घंटे बढ़ाया जाता है ।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

डा० राम प्रकाश : स्पीकर साहिब, आप मेरी भी बात सुन लें : क्या मुझे बोलने के लिए टाईम नहीं दिया जाएगा और दूसरे मेम्बर्ज को ही दिया जाएगा ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहिब यह स्पीकर की मर्जी है, जिसको चाहे, जो मेम्बर को बोलने के लिए काल अपोन कर सकता है । आपको मैंने कहा है कि आपको भी टाईम दिया जाएगा ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, जिस समय कोई अढाई बजे, उस समय आपने हाउस का टाईम दो घंटे के लिए बढ़ाया था और अब कोई तीन बज चुके हैं । आप द्वारा बढ़ाया गया टाईम पूरा हो गया है इसलिए मेरा निवेदन है कि मुझे अब चार बजे जवाब देने के लिए इजाजत दें । अध्यक्ष महोदय, चार बजे तक आप जिन जिन माननीय सदस्यों को बुलाना चाहें, उनको टाईम दे दें लेकिन मैं चार बजे खड़ा हो कर आपकी इजाजत से जवाब देना चाहूंगा । (शोर)

आवाजें : हमें बोलने के लिए टाईम नहीं मिला है, हम भी बोलना चाहेंगे । (शोर)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप चाहें तो बाकी माननीय सदस्यों को बोलने के लिए टाईम दे दीजिए लेकिन मैं चार बजे जवाब देना चाहूंगा । (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, डाक्टर राम प्रकाश जी मुझसे पहले भी खड़े थे और उनका नम्बर पहले था, उनको भी बोलने के लिए टाईम मिलना चाहिए । मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या चीफ मिनिस्टर को यह अधिकार है कि वह स्पीकर साहिब को डिक्टेट करें कि वे इतने बजे जवाब देंगे ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : मैंने तेली मान को कमरा अलॉट किया है, इसलिए अब वे बोलेंगे।
(शोर)

चौधरी ओम प्रकाश बेरीवाल : अध्यक्ष महोदय, आप विधान सभा का रिकार्ड मंगवा कर देख लें, किसी जाति नाम का कोई मेम्बर नहीं है। तेजेन्द्र पाल मान जी हैं लेकिन तेली मान कोई नहीं है।

(इस समय चौ० वीरेन्द्र सिंह तथा डा० राम प्रकाश खड़े रहे)

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा राज्य मन्त्री (श्री तेजेन्द्र पाल मान) : अध्यक्ष महोदय, जैसे बाकी लोगों ने अपने हल्के के बारे में बाढ़ से हुए नुकसान के बारे में बतलाया, इसी तरह से मैं भी अपने हल्के के बारे में कहना चाहता हूं। मेरे हल्के के मुस्तफाबाद गांव में 6-7 फुट पानी खड़ा है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी आपको और डा० रामप्रकाश जी को भी समय दे, आप बैठिये।

श्री तेजेन्द्रपाल मान : अध्यक्ष महोदय, कैथल जिले के पाई और कलायत हल्के में बाढ़ के पानी से बहुत नुकसान हुआ है। मेरे हल्के में किठाना गांव में छत के गिरने से एक बच्चे की मौत हुई है। मेरे हल्के के पाई, माना, सेरहदा, पेन्टवा, रसीदपुर आदि गांवों में ज्यादा नुकसान हुआ है। राजौन्द हल्के से जो गांव मेरे हल्के में इनक्लूड हुए हैं, उनमें से भी 8 गांवों में बाढ़ आई है। हमारे जब 3-4 तारीख को बाढ़ आई तो अधिकारीगण और हम तथा दूसरे लोग 24 घन्टे बाढ़ पीड़ित लोगों की राहत के लिए लगे रहे। कहने का मतलब यह है कि कैथल का सारा एडमिनिस्ट्रेशन काम करता रहा। मेरे हल्के के गांवों में बाढ़ का पानी आया। मैं अपने हल्के में तो गया हूं, साथ ही दूसरे हल्कों में भी गया। मैं तकरीबन 70-80 गांवों में होकर आया हूं। मैं उन गांवों में भी गया जहां से हमें मदद की उम्मीद थी। लोगों ने हमें भरपूर सहयोग दिया। सहायता के लिए हमें आटा और अनाज भी मिला। हम लोगों ने 6-7 गांवों के बीच एक केन्द्र बना कर बड़े ही सिस्टेमैटिक ढंग से काम किया और लोगों को राहत पहुंचाई। वहां पर चाहे कोई तहसीलदार था, चाहे नायब तहसीलदार था या बी० डी० ओ० था, सभी की ड्यूटी लगाई गई थी और सभी ने मिल-जुल कर काम किया। हमारे यहां मैडिकल टीम और वैटनरी टीम भी समय पर पहुंची। 37-38 पम्प थे जिनके जरिये हमने बाढ़ पीड़ित गांवों से पानी निकाला लेकिन एक गांव में अब भी पानी खड़ा है। हमारे पास पम्प सेट्स हैं क्योंकि हर साल वहां पर कुछ गांव में बाढ़ आती है, इसलिए इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने समय पर पानी निकालने का काम किया जिससे लोगों को राहत मिली। हमने पम्प चालू कर दिए हैं और पानी ड्रेनों की तरफ निकाल रहे हैं। [illegible] में पानी रहता ही है। नदी की ड्रेन्ज की खुदाई करवा

[श्री तेजेन्द्रपाल मान]

तक, इसको हम कंसिडर कर रहे हैं। स्पीकर सर, हमारे इलाके में मुख्य ड्रेनें गुड्डरी नं० I तथा गुड्डरी नं० II हैं। सिरसाना ड्रेन, अमीन ड्रेन, सेगा समेत कुछ छोटी ड्रेन्ज भी चलती हैं। इनमें अपनी ड्रेनों की सफाई पहले ही अच्छी तरह से करवा दी थी। गुड्डरी ड्रेन नं० I की पूरी तरह से सफाई करवाई, अमीन ड्रेन को 7 बुर्जी तक साफ करवाया। मैंने खुद जाकर ट्रैक्टर से पीछे तक खुदाई करवा कर अच्छी तरह से साफ करवाया। जहां पुराना पानी आता था कैथल शहर में, वहां पर भी कोशिश करके, पूरी मेहनत करके उसको भी ठीक किया। दुर्भाग्य की बात है कि इस साल पानी इतना ज्यादा आ गया कि इसने सड़कों को तोड़ा, रजबाहों को तोड़ा। सड़कों पर जहां जरूरत थी पुलियां बनवाई और जहां साईफन की आवश्यकता थी साईफन बना कर नहरों को तैयार किया गया था। स्पीकर सर, सिरसाना ड्रेन ने 1978-79 में हमारे सारे इलाके का बेड़ा गर्क किया है। इस ड्रेन की लाईनिंग और एलाईनमैंट को 70 से 80 डिग्री तक मोड़ दे कर बनाया गया। इसको बनाते समय इस बात का ध्यान रखा गया था कि फलां खेत में इसका पानी जाना चाहिए और फलां के खेत में नहीं जाना चाहिए। इस ड्रेन ने उस वक्त हमारे इलाके में भयंकर तबाही मचाई थी। मैं पिछली कांग्रेस की सरकार के समय में इस बारे में आई० सी० एम० को लेकर गांवों में गया था और लोगों से बात करके हमने पूरी योजना बनाई और काम करना चाहा लेकिन वही लोग उसके रास्ते में रोड़े अटकाने लगे। कहीं काम रुकवा दिया, कहीं कोर्ट से स्टे ले लिया। सिरसाना ड्रेन पर सांगल गांव में पम्प लगे हुए हैं। काकोद गांव में पम्प हाउस है, यहां पर पम्प हाउस हैं। सारे के सारे पम्प हाउसिज आलरेडी बने हुए हैं और काम कर रहे हैं। स्पीकर सर, एस० वाई० एल० का जिक्र भी आया। इसका बरसाती पानी हमारे यहां बड़ी तेजी से पहुंचा। जबकि, जहां से पानी कन्ट्रोल होता है, जिस नहर में पानी की कमी थी, इसलिए उसने इसको बन्द कर दिया। हांसी ब्रांच सिस्टम जो आपके इलाके से हो कर हमारे इलाके में आता है, सारी नहरें और रजबाहे, जहां तबाही मचा रहे थे, ये हमारे इलाके को डुबोने तथा परेशानी देने के कारण ही बने हैं। स्पीकर सर, हमारे साथी कह रहे हैं कि यह सब 84 की देन है, इस पर सरकार की तरफ से किसी मंत्री को बोलने का अधिकार नहीं है। इस हाउस में यह रोग प्रैसिडेन्ट कायम किया जा रहा है। इस बारे में लोक सभा के सारे प्रैसिडेन्ट हैं, हिन्दुस्तान की सभी असेम्बलियों के प्रैसिडेन्ट्स हैं। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं हांसी सिस्टम का जिक्र कर रहा था। हांसी सिस्टम में 600 क्यूसिक के करीब पानी चलता, हमारे इलाके तक आते आते यह 1190-1200 क्यूसिक पानी हो गया। इसमें सिरसा ब्रांच का पानी भी था जिस पर हमारा कोई कन्ट्रोल नहीं था। इन्द्रकोट से कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर के पास एस० वाई० एल० नहर ओवर फ्लो कर गई। इसके वहां से टूटने के बाद हमें राहत मिली और पानी निकला। मैंने सभी अफसरों से जिक्र किया कि जब ऐमरजैंसी और नुकसान आई तो किसी ने सड़क काट दी, किसी ने रजबाहा काट

दिया, किसी ने नहर काट दी, कहने का मतलब है कि हर किसी को अपने अपने गांव को बचाने की फिक्र पड़ गया । (विघ्न) लेकिन सर, पिछले साल हमने पम्प हाऊस बनवा कर 10 क्यूसिक पानी फैंकने की कोशिश की । चूंकि नहरें और रजवाहे पूरे भर कर चल रहे थे, इसलिए लोगों ने इनको काट दिया । एक गांव के लोगों ने बांध लगा दिया और दूसरे का पानी रुक गया । इधर भी वही लोग हैं और उधर भी वही लोग हैं । गांव के लोगों को राहत भेजों को रुकवा दिया । राहत पहुंचाने वाले लोगों को कह दिया कि यहां पर लोगों को राहत की जरूरत नहीं है । कहीं पर समाजसेवी संस्थाओं के लोग राहत ले कर आये, कहीं पर सरकार के लोग पहुंचे, लेकिन उनको इन्होंने गांवों में जाने से रोका और कहा कि राहत गरीब लोगों को पहुंचाइए । गरीब तरह के लोग गांव के बाहरी किनारों पर रहते थे । इस प्रकार तनाव पैदा करने वाली बातों के अलावा इन्होंने कोई काम नहीं किया । (विघ्न) इनको तो रेपिटिशन है, इनका लोगों को ठीक ढंग से पता है । यहां पर अध्यक्ष महोदय, मुझाव देने की बात का ताल्लुक है, हमारे यहां पर एक एसकेप है, वह बरवाला डुडी है । उसका हमारे इलाके पर भी प्रभाव पड़ता है । कुछ इलाके में तो आवपाशी की जरूरत है । इसके अलावा, जितना पानी निकले की कड़ियों से आता है, उस पर बल्ड बैंक की तरफ से एक स्टील गेट लगाने का प्रोपोजल है । मैं यह कहूंगा कि जहां पर इनकी जरूरत है वहां पर स्टील-गेट लगाया जाए । हमने अपने हल्के में सर्वे किया था लेकिन क्योंकि रूम करने वाले बेल्ट से या किसी और नहरों से गांवों से बाहर जाते हैं तो वहां पर फिर से उनमें ही मनमुटाव पैदा हो जाते हैं क्योंकि वहां पर पानी रुका है और सड़ गया है । मैं यह कहूंगा कि यहां जहां पर पानी रुका है, वहां पर छिड़काव करने की जरूरत है । ये जो परेशानियां हैं, इनमें सरकार पूरी तरह से लोगों के साथ है । हमारे कुछ भाई लोगों को भड़का कर गलत बातें करने का प्रयास कर रहे हैं । उनको ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिए । धन्यवाद ।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, भिवानी का मामला सेम से बुरा हाल है इसलिए राम भजन अग्रवाल जी को भी बोलने का टाईम दें ।

श्री अध्यक्ष : इनको भी टाईम देंगे । (विघ्न) डा० राम प्रकाश जी, आप बोलें ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी कांस्टीचुएंसी भी एफैक्टिड है और मैंने भी नोटिस दिया है, मुझे भी बोलने का टाईम दें ।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं आपको भी समय दिया जाएगा । (विघ्न) राम प्रकाश जी आप बोलें ।

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, अगर हमें बोलने का समय नहीं दिया गया तो हम इनका जवाब नहीं आने देंगे ।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी सीट पर बैठें, बिना इजाजत के न बोलें ।

प्रो० राम प्रकाश (नीलोखेड़ी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । अध्यक्ष महोदय, पिछले सालों में तीन बार बाढ़ आई है । एक बार, 1988 में, फिर 1993 में और अब 1995 में आई है । इस बार जो हरियाणा में बाढ़ आई है, उसकी कोई मिसाल नहीं है । जैसा कि सभी साथियों ने कहा कि सैंकड़ों पशु, आदमी मारे गए और लाखों एकड़ की फसल बर्बाद हो गयी और वे मकान पर इस बाढ़ की वजह से तबाह हो गए हैं । लोगों ने जहां इसे प्राकृतिक तबाही माना है, वहां प्रशासन को इसके लिए ज्यादा जिम्मेवार माना है । अध्यक्ष महोदय, पहले एक बार फ्लड कंट्रोल के बारे में एक कमेटी बनी थी और उस कमेटी ने बहुत अच्छे सुझाव दिए थे, लेकिन उन पर किसी ने अमल नहीं किया और न ही यहां पर उस बारे में किसी ने चर्चा की है । अगर उन पर अमल किया जाता तो यह जो नुकसान हुआ है, वह नहीं होता । मैं यह मानता हूं कि अफसर अच्छे भी होते हैं और बुरे भी होते हैं । अगर [illegible] इस पर ध्यान देते तो जो नुकसान हुआ है, वह नहीं होता । आज हरियाणा के लोग उदासीन शासन और प्रशासन पर ऐसा कहते हैं कि यह मुसीबत कुदरत की बनायी हुई कम और सरकार की बनायी हुई ज्यादा है । इस तबाही का एक कारण यह है कि नहरों से गाद नहीं निकाली गई, जिसकी वजह से ज्यादा तबाही हुई । सर, मैं आपकी सेवा में एक ठोस उदाहरण देना चाहता हूं । कुरुक्षेत्र में एक [illegible] डिवीजन न० 14 है, इसमें तरावड़ी ड्रेन [illegible] की सफाई का काम एक ठेकेदार को दिया गया था । उसमें महकमे ने मिलकर उस आदमी से तीस लाख रुपये का बिल [illegible] लेकिन रिटायर्ड [illegible], [illegible] श्री [illegible] की जो रिपोर्ट है, उसमें यह लिखा है कि काम सिर्फ चार लाख रुपये का हुआ है । स्पीकर सर, अगर तीस लाख रुपये के काम में से चार लाख रुपये का काम हो तो बाढ़ नहीं आएगी तो क्या होगा ? सर, यह रिपोर्ट चीफ इंजीनियर के पास पड़ी हुई है, लेकिन मेरे द्वारा यह बात सदन में कहने के बाद मुझे नहीं पता कि यह एक्शन [illegible] हो जाएगा या दबा रहेगा । तीस लाख रुपये में से विजीलैंस जानता है कि सिर्फ चार लाख रुपये का काम हुआ है, बाकी सब फर्जी ही काम हुआ है । अब इस तरह से होगा तो बाढ़ तो आएगी ही । शासन तथा प्रशासन ने आज भी लोगों के प्रयास की कद्र नहीं की है । सर, आप इस बात के गवाह हैं कि पिछले दो-तीन अधिवेशनों में मैंने इस सवाल को उठाया है कि एस० वाई० एल० इस बार ओवरफ्लो हो गई, ज्योंतिसर के पास तोड़ दी जाती है । मैंने पिछली बार भी कुर्सी [illegible] यह कहा था कि एस० वाई० एल० जहां पूरे हरियाणा के लिए लाभकर साबित है, वहीं यह हमारे लिए [illegible] साबित हो रही है । सरकार द्वारा बड़े आश्वासन दिए जाने के बावजूद कि अगली बार यह स्थिति नहीं आने दी जाएगी, इस बार फिर यह ओवरफ्लो होकर के पानी से इसी तरह से टूट गई है । यह इसलिए वहां से टूट जाती है क्योंकि गाद निकालने का काम नहीं

किया जाता और ड्रेन को बिल्कुल कमजोर रखा जाता है, नहरें भी कमजोर रखा जाता है । यहां से इस फैसला को छोड़कर अपना काम निकाल लिया जाता है ।

श्री अध्यक्ष : लेकिन इस बार तो बड़ा एक्सीडेंट से बचाव हुआ है ।

डा० राम प्रकाश : सर, अब भी यह कोसलाखेड़ा के पास से ही टूटी है । एस० वाई० एल० का विरोध करना तो मेरी समझ में नहीं आता; क्योंकि इसका विरोध करना हरियाणा के हितों के अनुकूल नहीं होगा । अगर कोई पक्ष एस० वाई० एल० का विरोध करता है तो मैं समझता हूं कि यह सही बात नहीं है लेकिन जो फ्लड कंट्रोल के लिए कदम लिए जाने चाहिए थे और जिस कमेटी की रिपोर्ट का मैंने जिक्र किया है, जिसमें फ्लड को रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही गई है, वह कदम न उठाए जाने के कारण हरियाणा फ्लड कंट्रोल बोर्ड का जो लगभग करीब 81 करोड़ रुपये के करीब मंजूर हुआ पैसा बर्बाद हो गया है, वह नहीं होता । सर, फ्लड के आने के क्या कारण हैं और इसकी रोकथाम के लिए क्या उपाय होने चाहिए, इस बार कौन से ऐसे उपाय नहीं किए गए हैं, महकमे ने कहां कहां पर लापरवाही बरती है, धन का कहां कहां पर दुरुपयोग हुआ है, इन सब बातों की एक इंडिपेंडेंट कॉन्फिडेंशल एजेंसी से इंक्वायरी होनी चाहिए क्योंकि अगर यह इंक्वायरी एक इंडी-पेंडेंट एजेंसी से नहीं करवाई गयी तो दोषी आदमी दंडित होने से बच जाएंगे । अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं इस नाते से कहना चाहता हूं क्योंकि 1988 में भी जब फ्लड आया था, तो उस वक्त जनता सरकार ने ड्रेन और कैनाल्स के लिए जो मांग की थी, कुल मिला कर ग्यारह जिले डूब गए थे और .... जो के करीब इंजीनियर्स को उस समय सस्पेंड किया गया था लेकिन बाद में उनको रीइंस्टेट कर दिया था । इस पूरे प्रोसेस में हरियाणा को कई करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था । इसलिए अगर इस बार भी इसी तरह की इंक्वायरी नहीं होगी तो कोई लाभ नहीं होगा ।

श्री ओम प्रकाश बेरी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । मैं आपसे इस बारे में रूलिंग चाहूंगा कि आपने जो एम० एल० ए० को बैठने के लिए हाउस में जगह अलाट कर रखी है, क्या उन सीटों पर एम० एल० ए० के अलावा कोई दूसरा आदमी भी बैठ सकता है ? क्योंकि एम० एल० ए० की सीट पर विधानसभा के सैक्रेटरी बैठे हैं ? चूंकि मुझे इस बात का पता नहीं है कि वे इन सीटों पर बैठ सकते हैं या नहीं, इसलिए मैं आपकी इस बारे में रूलिंग चाहूंगा ।

श्री अध्यक्ष : ऐसा है कि सैक्रेटरी साहिब कोई कागज देने के लिए वहां बैठ सकते हैं ।

वित्त मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) : स्पीकर सर, सैक्रेटरी, विधानसभा को मजूर कॉल किया जाए तो वह इन सीटों पर बैठ सकते हैं । ऐसे रूल्स हैं । यदि उनको कॉल किया जाए तो वे बैठ सकते हैं ।

डा० राम प्रकाश : मैं यह बात इस नाते से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस सरकार को कई बार निशाना बनाते हैं। मैं उदाहरण देना चाहता हूं कि कल सुबह * * * * * * * * * * * * * * * * *
* * * *

श्री अध्यक्ष : फ्लड से इसका कोई संबंध नहीं है। इस मामले के बारे में डा० राम प्रकाश जी ने जो कुछ कहा है, वह रिकार्ड न किया जाए।

डा० राम प्रकाश : स्पीकर सर, चार्ज की जिम्मेदारी की कोई व्यवस्था नहीं है। दो दिन इस सदन में चर्चा हुई कि रोहतक का पानी नहीं उतरा। मैं एक बात समझता हूं कि रोहतक का पानी भी 20 दिन तक नहीं उतरा लेकिन सुभाष कला जी का पानी जल्दी उतर गया है। हमारे साथी श्री राम प्रकाश माला ने, जो रोहतक में कुछ हड़ताल कर रखी है, उससे घबराकर तो बेचारे वहां सदन से जाएं और यहां सदन के सदस्य भी अगर उनकी आलोचना करेंगे तो वहां से वे कहां जाएंगे? इसलिए मैं बाकी साथियों से कहूंगा कि इनके बारे में ऐसी घटिया की बात न कहें (विघ्न) वैसे तो चीफ मिनिस्टर ने खुद कहा था कि शहर के डूबने में बाहर का हाथ नहीं है।

श्री अध्यक्ष : राम प्रकाश जी, अगर कल जी आपसे इसी टोन में बोलें तो कैसा लगेगा?

डा० राम प्रकाश : हां बोलें, बिल्कुल बोलें। जिस वक्त मेरी बात का कोई जवाब देगा तो मैं उसका जवाब दूंगा क्योंकि इसकी तरह मेरे खिलाफ किसी प्रदर्शन में लोगों पर लाठी चार्ज नहीं किया, किसी ने कोई पथराव नहीं किया, कोई आफीसर जख्मी नहीं हुआ। न मैं रोहतक की बात कह रहा हूं, न भिवानी की बात कह रहा हूं, जिनके साथ यह हुआ है, वही जानें। मैं तो सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि सरकारी आफीसरों के काम से जनता ही नहीं, सरकार भी संतुष्ट नहीं है, अगर होती तो पशुपालन विभाग के निदेशक तथा एक उपनिदेशक को सस्पेंड न किया होता। यह इसलिए किया गया कि जो काम किया जाना चाहिए था, वह नहीं किया गया। जो बाढ़ कंपनसेशन की बात इस सदन में हुई है, पक्के मकान के लिए सरकार ने 10 हजार रुपये मुआवजा देने के लिए कहा, हम 50 हजार रुपये की मांग करते हैं। कच्चे मकान के लिए 5 हजार रुपये कहा है, हम कहते हैं कि कम से कम 10 हजार रुपये होना चाहिए। मरे हुए पशुओं के लिए इन्होंने कोई मुआवजा नहीं कहा। मृतकों को 50 हजार रुपया देने की बात कही है, हम दो लाख रुपये कहते हैं। फसल के लिए 400 रुपये की बात कही है, उसमें भी तो एक एकड़ का मजाक उड़ाया है, कम से कम 5000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दिया जाना चाहिए।

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

यह बात मुझे इसलिए कहनी पड़ी है कि तमाम पक्ष के लोग बैठे होते हैं, चाहे वे मंत्री थे या एम0 एल0 ए0, उन्होंने मुआवज़े की अपर्याप्तता के बारे में चुप्पी साधी है। किसी ने यह भी नहीं कहा कि मैं इसकी तारीफ करता हूँ। अगर तारीफ नहीं करते हैं तो उन्हें यह बात बतलानी चाहिए कि कितना कम्पनसेशन देना चाहिए। मैं यह बात कंपनसेशन के बारे खास तौर पर इसलिए कहना चाहता हूं कि सरकार इस काम में भेदभाव न करे। मैंने यह देखा है कि जब कहीं कोई मौत हो जाती है तो उसके बदले में मुआवज़ा दिया जाता है, लेकिन अगर कुरुक्षेत्र हल्के में होती है तो मुआवज़ा देते वक्त सरकार अपना हाथ खींच लेती है। चाहे लाडवा में 31 जुलाई 1995 को श्री बहादुर और सुरेश कुमार नाम के दो आदमियों को जलाकर मार दिया गया हो। उनके परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है, लेकिन उस परिवार को कोई ऐक्स-ग्रेशिया ग्रान्ट नहीं दी गई, किसी को नौकरी नहीं दी गई, यहां तक कि विधवा पेंशन को नहीं दी गई।

श्री अध्यक्ष : यह तो बाढ़ की स्थिति पर चर्चा चल रही है, यह एक्सग्रेशिया की चर्चा न करें।

डा0 राम प्रकाश : यह इधर-उधर की बात इसलिए कही है कि लाडवा और कुरुक्षेत्र में बाढ़ आदमी मकान गिरने से दबकर मर गए। अगर बाकी जगह मुआवज़ा मिलता है और कुरुक्षेत्र हल्के में नहीं मिलता तो मुझे इस बात का दुःख होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं इस नाते से यह बात यहां पर कहना चाहता हूं कि जो जो बातें बाढ़ से सम्बन्धित इस सदन में कही गई हैं, पता नहीं सरकार उन पर कितना अमल करेगी, कितना नहीं करेगी। इस सरकार के बारे में लोग कहते हैं कि ये 14 कलाएं सम्पूर्ण सरकार है। मुझे पता नहीं कितनी कलाएं सम्पूर्ण यह सरकार है, पर मैं यह अवश्य कहूंगा कि दो कलाएं कम हैं। एक तो अक्ल की बात यह सरकार कहती नहीं और दूसरा अक्ल की बात कभी सुनती नहीं। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

16.00 बजे

चौधरी धीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां) : स्पीकर महोदय, हरियाणा के अन्दर जो पिछले दिनों भीषण बाढ़ आई, ऐसी बाढ़ शायद ही पहले कभी आई होगी। बड़ी उम्र के बिजुर्ग जो लोग हमें मिले, जिन से हमें बात करने का मौका मिला, उन्होंने भी यह कहा कि हमारी भी इतनी बड़ी उम्र हो गई है, जिस तरह की बाढ़ इस बार हरियाणा में आई है, उन्होंने अपने जीवन में ऐसी बाढ़ कभी नहीं देखी। चौधरी साहब ने रेजोल्यूशन में इन सारे दृष्टिकोण को तीन तरीकों से रखने का प्रयास किया है। एक तो नेचुरल कैलेमिटी, दूसरा पुलिटिकल ऐंगल व तीसरा ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐंगल। नेचुरल कैलेमिटी पर तो किसी का कोई चारा नहीं चलता लेकिन मैं एक बात अवश्य कहूंगा कि जो पिछली तीन चार तारीख को कलायत ब्लाक में तेज हुई और 30 घण्टे में ही इतनी लगातार बारिश पड़ने से हरियाणा के अन्दर बाढ़ की भीषण स्थिति उत्पन्न

[चौधरी वीरेन्द्र सिंह]

हो गई । जहां जहां के सैन्ट्रल फंड से पानी निकाला गया, वहां का हरियाणा का [illegible] बच गया, चाहे वह अम्बाला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर या करनाल का इलाका था और जहां बाढ़ की स्थिति राजनैतिक मजबूरी की वजह से उत्पन्न हुई, वहां बाढ़ की स्थिति पर रोकथाम, उस पर काबू पाने का कर्तव्य सरकार का बनता था । स्पीकर साहब, एक लिखाई [illegible] लगभग 2633 गांव जो बाढ़ के कारण प्रभावित हुए, मैं समझता हूं कि इनमें से बहुत सारे गांव तो यमुना की चपेट में आये या फिर बाढ़ का पानी खड़ा होने से ये गांव जलमग्न हो गये । मेरे अपने हलके के लगभग 25 गांव बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हुए जिसका हम कोई अन्दाजा नहीं लगा सकते । जहां तक लोगों के नुकसान का ताल्लुक है, इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जो बड़े किसान लोग हैं, साधन सम्पन्न हैं, वे तो अपनी ज्यूलरी, पैसा वगैरह बैंकों के लाकरों व खातों में रखते हैं लेकिन जो कम पढ़े लिखे गांव के लोग हैं, जिन्होंने [illegible] पैसा, ज्यूलरी वगैरह किसी के घर में, किसी के अनाज में छुपा कर रखा होगा । वे सब अपनी सम्पत्ति को पानी के कारण वहां से निकाल नहीं सके जिससे उनका काफी नुकसान हुआ । एक दम इतना पानी आया जिसे अन्दाज कर पाना मुश्किल था । इस किस्म के नुकसान को अगर आंका जाए तो इस नुकसान का कोई अंदाजा नहीं है । अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि आज भी यहां बैठ कर हमारे जो ट्रेजरी बैंचिज के सदस्य हैं, जो मिनिस्टर हैं, वे भी इसी उम्मीद में मुख्य मन्त्री की तरफ नजरें लगा रहे हैं, बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए कि कहां यह सड़क ठीक हो जाए और कहां यह [illegible] बन जाए । मेरे कहने का मतलब यह है कि इस [illegible] ने राजनैतिक [illegible] एवं सत्ता को एक आदमी के हाथों में केन्द्रित कर दिया है । उसका कारण है कि चाहे किसी के हलके में इस किस्म की स्थिति हो, वह [illegible] हो, बेशक वह [illegible] था, जो [illegible] मदद करता है, वह खुद कोई फैसला नहीं ले सकता था । अभी चौधरी ओम प्रकाश बेरी ने सवाल उठाया था । यह ठीक है कि आपने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में इजाजत दे दी थी कि सभी मैम्बरों को बोलने का हक होगा, चाहे वह मिनिस्टर भी क्यों न हो । लेकिन प्रथा यह है कि हर बुधवार को कैबिनेट की मीटिंग होती है । [illegible] कि [illegible] कोई इमरजैंसी आ जाए तो कैबिनेट मीटिंग होती है । अगर कैबिनेट मीटिंग प्रथा के मुताबिक होती तो उसमें मंत्री लोग ये [illegible] रख सकते थे जो आज विधान सभा में उठाए हैं । उस पर कोई फैसला ले सकते थे लेकिन आज हर मिनिस्टर मुख्य मन्त्री के मुंह की तरफ देखता है । उनको खुद कोई फैसला करने का अधिकार नहीं है । इसमें मुख्य मन्त्री का कसूर नहीं है बल्कि इन्हीं लोगों का कसूर है । हमारा यह [illegible] है कि आज तक जितने भी मुख्य मन्त्री रहे, वे सभी उन इलाकों से आए जहां पानी के दर्शन नहीं होते थे । इसलिए वे बाढ़ की स्थिति को समझने में असमर्थ थे । मुख्य मन्त्री जी मेरी बात से सहमत होंगे कि इनकी कैबिनेट में सरदार [illegible] सिंह सुरजेवाला [illegible] जिनको [illegible]

हुए, राज्य मिनिस्टर रहे । अजमेर और नागौर पर रोड़ी व पत्थर लगवाने के काम के लिए जो एस० डी० ओ० इन्चार्ज थे उनसे बात हुई थी । जब उनसे बारे में उनसे पूछा गया तो वे कहते थे कि ड्रेनेज की सफाई तब करायेंगे जब बारिश शुरू होने को हो । इससे यह फायदा होगा कि पानी बह कर जाएगा ताकि उसका कोई हिसाब किताब न हो । अगर इस किस्म की व्यवस्था को चलने देंगे तो फिर कहना ही क्या है । मुझे पता है जब मैं रेवेन्यू मिनिस्टर था । उस समय नेचुरल कलैमिटीज के लिए एक रिलीफ फंड निर्धारित किया गया था । केन्द्रीय सरकार से हर साल तक वह पैसा मिलता था और अगर किसी साल ऐसी स्थिति नहीं आती थी तो वह पैसा अगले सालों के लिए रखा जाता था । यानी किसी समय अगर बाढ़ या अकाल पड़ जाए तो वह सारा पैसा खर्च हो सकता था । लेकिन अब सरकार छोटी छोटी स्कीमों के नाम पर, ड्रेन को ठीक करने के नाम पर, स्टोर कायम करने के लिए खर्च करती चली जा रही है । अगर दूसरे महकमे को मालूम होता है, जैसे बिजली बोर्ड का तो कहना ही क्या है कि उसने हमेशा घाटे में ही रहना है, उसका कारण भी इस फंड से पता है । उसको भी कह दें कि वह भी एक नेचुरल कलैमिटी बन जाए । अगर यह पैसा आज आपके पास होता तो आप यह सारे का सारा पैसा इस काम पर लगा सकते थे और लोगों को एकदम रिलीफ दी जा सकती थी, लेकिन मैं कहता हूँ कि उस पैसे का मिसयूज हुआ है । (घंटी) थोड़ी देर में यह कहना चाहता हूँ, मुख्य मंत्री जी, आप मेरी इस बात को गौर से सुनें । अगर आप यह समझते हैं कि आपके शासन ने लोगों के साथ किया है तो आपको यह मानना पड़ेगा कि आप इस स्थिति से निपट सकते थे और स्थिति इतनी बदतर नहीं हो सकती थी । मैं आपको एक एग्जाम्पल देना चाहूंगा, यह कल की ही बात है । जब मैं अपने चुनाव क्षेत्र में गया तो वहाँ पर बरवाला ब्रांच में पानी बहुत ज्यादा चल रहा था । लोगों ने बरवाला ब्रांच में कट लगा दिया क्योंकि उनके पानी निकास के लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं था । बरवाला ब्रांच को तोड़ कर, पानी बाहर निकालने के लिए सिवाय कट करने के कोई दूसरा रास्ता नहीं था । जब कभी बाढ़ आती है तो ऐसी स्थिति बनती है । इस मामले में 32 आदमियों को धारा 431, इंडियन पीनल कोड के तहत गिरफ्तार किया गया । मैजिस्ट्रेट ने उनकी जमानत मंजूर कर दी लेकिन आपके एस० डी० एम० ने पोलिटिकल प्रैशर से उनकी 107/51 के केस में जमानत नहीं होने दी । पोलिटिकल कंसिडरेशन, और कोई वजह नहीं हो तो कोई बात नहीं, लेकिन इस केस में एस० डी० एम० को इस बात के लिए मजबूर किया कि इन लोगों की जमानत न हो । वे लोग 107/51 के केस में जेल में हैं लेकिन जो मेन केस है, उसमें उनकी जमानत हो गई । यह सरकार का पोलिटिकल विक्टिमाइजेशन है । ऐसी स्थिति में मैं यह कह सकता हूँ कि सरकार को बाढ़ का कोई फायदा हुआ हो या न हुआ हो, लेकिन लोगों को एक बहुत बड़ा नुकसान हुआ है । लोगों के घरों में बाढ़ का पानी आ जाने से एक दूसरे की सेवा करने का, आपस में रहने का मौका मिला है । मैं यह बात कहता हूँ कि किसानों का, गरीब

[चौधरी बीरेन्द्र सिंह]
लोगों का बहुत बड़ा दिल होता है, वे विकट से विकट स्थिति में अपने सन्तुलन को नहीं गिरने देते । स्पीकर साहब, मेरा अपना गांव दुबलधन कलां है और दूसरा गांव दुबलधन खुर्द है । वह डोहला गांव, कुछ घरों को छोड़ कर ज्यादातर घर बैठ गए । उन लोगों की आप हिम्मत देखें, जब मैं उनसे मिलने गया तो उन्होंने कहा कि सब कुछ डूब भी गया, जबकि न उनके पास चूल्हा था और न कहीं बांधने को कोई जगह थी लेकिन लोगों में हौसला बहुत था ।

एक आवाज : आपको लोग फूलों की माला कहां से डालते ?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अगर कहीं पर लोग चौधरी बंसी लाल जी को फूलों की माला पेश करते हैं तो वे कहते हैं कि मेरे को क्या है, मंत्री को माला ही दो ठीक है । (हंसी) मेरा कहने का अभिप्राय यह है कि स्वयं सेवी संस्थाओं ने लोगों की जो मदद की है, सेवा की है, उसकी बराबरी आपको कहीं भी इतिहास में देखने को नहीं मिलेगी, लेकिन वहां जब सरकार की बात है, सरकार का यह रवैया रहा है कि सरकार को जहां पर काम शुरू करना चाहिए था, उस काम को शुरू न करके दूसरे भागों पर ध्यान दिया गया । यही कारण था कि बाढ़ आने के बाद एक दूसरे तक लोगों की मदद के लिए कोई भी काम शुरू नहीं हुआ । मुख्य मन्त्री जी, आप एक बात पर गौर करें कि जो बाढ़ का पानी आगे बढ़ कर गया है, उससे आपने हिसार को बचाने के लिए काफी कोशिश की । आपने अपने हिसार के डी० सी० को, हमारे डी० सी० और एस० डी० एम० को यह हिदायत दिलवाई थी कि बरवाला ब्रांच के बंद को बन्द कर दें लेकिन वहां पर जो अधिकारी पोस्टिड थे, उन्होंने इस बात से साफ इन्कार किया और कहा कि हम इस बहते हुए पानी को किसी हिसाब से भी नहीं रोक सकते और हम पीछे के लोगों की बरबादी किसी हालत में नहीं होने देना चाहेंगे । मैं एक बात यह कहना चाहूंगा कि जहां पानी का फ्लो बन कर जहां रुका गया है, वहां किसी न किसी माइनर में कट हुआ है । चाहे किसी नहर का कट हुआ है या और कोई कट हुआ, यह मैनुअल फाल्ट ही है । ऐसी जगहों पर आप आदेश दीजिए कि पी० डब्ल्यू० डी० या नहर विभाग जब भी उनकी मुरम्मत करें, तो वे वहां पर साइफन और पुलियां अवश्य बनाएं ताकि आगे फिर कभी अगर ऐसी स्थिति हो तो उससे बचा जा सके । मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि सेन्ट्रल हरियाणा, रोहतक, सोनीपत, भिवानी का कुछ हिस्सा, दादरी का कुछ हिस्सा, कैथल का कुछ हिस्सा और हांसी सब-डिवीजन बाढ़ से ज्यादा प्रभावित हुए हैं । चौधरी बंसी लाल जी ने एक सही बात कही थी कि हमारी जो लिफ्ट इरीगेशन स्कीम्ज थी, वह अप-टू-डेट नहीं थीं । यदि अप-टू-डेट होती और वर्किंग कंडीशन में होतीं तो लिफ्ट इरीगेशन के जरिए पानी को ऊपरी इलाकों में पहुंचा कर गांवों को बाढ़ के पानी से बचाया जा सकता था । वे वर्किंग कंडीशन में नहीं थे इसलिए ज्यादा नुकसान हुआ ।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि यदि आप यहां नासने में लोगों को लाभ दे सकते हैं तो जिन 2633 गांवों में बाढ़ आई है, उन को राहत देने के लिए स्पेशल क्लास वन आफिसर के जिम्मे एक एक गांव लगा दिया जाये, उसी पर सारी जिम्मेवारी फिक्स की जाये और उसको वे सारे अधिकार दिए जायें जो एक डी.सी. को होते हैं। जैसे यहां से कोई सिफारिश आती है तो वही संबंधित अधिकारी दोषी होगा और फिर उसको सजा देना भी आसान होगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि चाहे पैसे का मामला हो या दवाइयों का मामला हो या और चाहे कोई कम्पनसेशन देने की बात हो, वही अधिकारी एक्शन करे और उसी की जिम्मेवारी फिक्स हो। अगर वह मिस-एप्रोप्रिएशन करता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जावे। वही अधिकारी मौके पर तहसीलदारी करेगा और मकानों के नुकसान को देख कर फैसला करे। मैं समझता हूं कि जिस तरीके से फसलों की बरबादी हुई है, उनसे लोग 5 साल तक उभर नहीं सकते। उनकी आर्थिक दशा एकदम नीचे चली गई है। ऐसी स्थिति में सरकार का यह फर्ज बनता है कि किसानों की रबी की बिजाई करने के लिए समय पर खाद, बीज आदि की सुविधाएं उपलब्ध करवाये, चाहे वह डी.ए.पी. हो या कोई भी खाद हो।

इसके अतिरिक्त एक बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जिन गांवों में बाढ़ आई, वहां सितम्बर, अक्तूबर और नवम्बर के महीनों के ट्यूबवैल के बिल माफ होने चाहिएं क्योंकि सितम्बर के महीने में ट्यूबवैल चले हैं, वहीं आगे अगले दो महीने भी नहीं चलने वाले। कृपया मुख्य मंत्री महोदय इस बात पर भी गम्भीरता से विचार करें।

एक और बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां पर सरकार किसानों को 400 रुपया प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देना चाहती है, यह बहुत कम है क्योंकि आप खुद अन्दाजा लगा सकते हैं कि 400 रुपया देना उनके साथ एक प्रकार का मजाक होगा। आपको पता होगा कि जिन इलाकों में ट्यूबवैल्ज से सिंचाई होती है, वहां पर एक एक किल्ला 5 हजार से 6 हजार रुपये तक पट्टे पर जाता है और जिन लोगों ने पट्टे पर जमीन ली हुई होती है, उनमें से 70 परसेंट कैमिकल में पेमेंट कर चुके होते हैं। इन लोगों के पास गुजारे का और कोई साधन नहीं होता। वे कहां से अपना पैसा पूरा करेंगे। इसलिए मेरा निवेदन है कि ट्यूबवैल द्वारा इरीगेटिड एरियाज में, जहां बाढ़ से नुकसान हुआ है, उनको कम्पनसेशन देने के लिए आप पुनर्विचार करें, तभी आप सही मायनों में उनको राहत दे पायेंगे। कम से कम 10,000 रुपया प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दें ताकि उन भाइयों को खड़ा होने का मौका मिलेगा। रोहतक डूबने की बात, हांसी डूबने के बाद या ऐलनाबाद के गांव डूबने के बाद अगर इस बात का पोलिटिकल फायदा उठाया जाए तो मैं इसको ठीक नहीं मानता। एलेक्शन के दौरान लोगों में एक निराली ही बात देखने में आई। लोगों की सहायता करने के लिए विभिन्न तरीके से पोलिटिकल लोग भी

[चौधरी वीरेन्द्र सिंह]

पहुंचे परन्तु लोगों ने पोलिटिकल लोगों को न तो कोई सहयोग दिया और न ही उनको कोई आदर सत्कार ही दिया । जब दुबारा इलेक्शन टाईम आ रहा है, लोग अब पोलिटिकल लोगों की इन्टरफियरेंस को नापसन्द करने लगे हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस को भी बताना चाहूंगा कि मैं 21 साल से रोहतक में रह रहा हूं, वहां पर मेरा मकान है । बाढ़ का पानी मेरे मकान तक भी पहुंचा । मेरे उस मकान में मेरी 86 साल की बुआ जी रहती है लेकिन उस ऐरिया में कोई मदद देने की कोशिश नहीं की गई । रोहतक के अन्दर श्री मान सिंह ने डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कैम्प की स्थापना की । और वहां से खाना दिया गया और दूसरी सहायता भी दी गई लेकिन आज इनको भी दोष दे रहे हैं कि इन्होंने मॉडल टाउन का पानी निकालने के लिए वहां भारी सहायता पहुंचा दी । इनके अपने मुहल्ले में बाहर से पानी पहुंच ही नहीं सकता । ये अपने हल्के से एम०एल०ए० बने हैं और यह कहा गया है कि वोट लेने के उद्देश्य से इन्होंने काफी मदद अपने हल्के में पहुंचाई है । ये वोट लेकर एम०एल०ए० बने हैं लेकिन ऐसे कठिन समय में वोट की राजनीति करना ठीक नहीं है । मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि इस संकट की घड़ी में काम से काम इतना जरूर किया जाए कि पोलिटिकल पार्टीज इस मसले को एक स्टेट कमेटी और नेशनल कमेटी की तरह से ट्रीट करें और लोगों को जो मदद चाहिए, वह लोगों तक पहुंचाएं । जिस तरह जो उनकी आवश्यकता है उसको पूरा करने के लिए काम करें । फसलों का जो नुकसान हुआ है उस का मुआवजा तो मिलेगा ही, लेकिन जो फसल खड़ी है उसको बचाने की कोशिश भी की जानी चाहिए । अभी भी हरियाणा में बहुत से गांव ऐसे हैं जहां बिजली की सप्लाई बहाल नहीं हुई, पीने के पानी की सप्लाई बहाल नहीं हुई । आज 24 या 26 दिन हो गए हैं बाढ़ आए हुए । लोगों को सहायता देने के लिए, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए व्यवस्था नहीं है । ऐसे गांवों में अब ऐसी हैं जिसमें काम आदमी नहीं जा सकता । स्पीकर सर, मेरा निवेदन है कि बिजली और पीने के पानी को बहाली, बाढ़ से एफैक्टिड एरियाज में जल्दी से जल्दी की जाए । इसके साथ ही मैं कम्पनसेशन की बात भी कहना चाहता हूं । कम्पनसेशन की राशि को बढ़ाया जाना जरूरी है । इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं ।

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए ।)

श्री अध्यक्ष : अभी बोलने वाले मैम्बर्ज काफी हैं । पार्टियों की तरफ से जिन मैम्बर्ज के नाम बोलने के लिए हैं, इनको बाकायदा टाईम दिया जाएगा । (विघ्न) आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठें ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर सर, मैं अभी थोड़ा सा इन्टरवेंशन करना चाहूंगा । अध्यक्ष महोदय, हमारे रेवेन्यू मिनिस्टर बैठे हैं, उनको जवाब देना है, हमारे पावर मिनिस्टर हाउस में बैठे हैं, इन्होंने भी बोलना है । जिन मैम्बर्ज ने बोलना

हैं, वे बैठक में इसके बाद जवाब देंगे । आप हाउस को चलाईये । अगर हाउस रात के 12 बजे तक बैठना चाहे तो आप हाउस की कार्यवाही को चलाईये, कोई चिन्ता की बात नहीं है । (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर मिनिस्टर जवाब देंगे या दूसरे मन्त्री जवाब देंगे, इसमें कोई बात नहीं है लेकिन इस स्टेज पर ये इन्टरवीन कहीं कर रहे हैं ? (विघ्न एवं शोर)

चौधरी भजन लाल : लीडर आफ दि हाउस जब भी जरूरत समझें, इन्टरवीन कर सकता है । (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग पहले अपनी-अपनी सीटों पर बैठिये । कौन बोलेगा, इस बात का फैसला मैंने करना है । (विघ्न एवं शोर) आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठिए । (विघ्न एवं शोर) लीडर आफ दि हाउस बीच में भी जवाब दे सकते हैं । (विघ्न) आप सभी लोग बैठिये और सभी हाउस की कार्यवाही इसी प्रकार चलती रहेगी । (विघ्न एवं शोर) सम्पत साहब, और कंवर पाल सिंह जी, आप सब को बोलने का मौका दिया जाएगा । अभी मुख्यमन्त्री जी बोलेंगे ।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

He can intervene. The Chief Minister can intervene and even the Minister can intervene. (शोर एवं व्यवधान) अगर सदन चाहे तो यह कार्यवाही रात तक भी चल सकती है । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, बाढ़ पर चर्चा करते समय बहुत विस्तार से और सभी सम्बन्धित सदस्यों ने बोला । कुछ ने सरकार का समर्थन किया और कुछ ने विरोध किया । आपने हाउस में एक नई प्रथा पहली दफा कायम की है, मैं उसको चैलेंज नहीं करूंगा । लेकिन जो लोग एडजर्नमेंट मोशन लाए थे, कम से कम उनको भी बोलने का मौका दें । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जो लोग चाटुकारिता कर रहे हैं, उनको बोलने का मौका न देकर, जो 27 सिग्नेटरीज हैं, उनको बोलने का मौका दिया जाए, उसके बाद ही सरकार को जवाब देना चाहिए । मैं मानता हूं इनको बोलने का अधिकार है और आप जिसको चाहें बोलने का मौका दे दें लेकिन यह नहीं होना चाहिए कि आप हमें बोलने ही न दें । अगर आप चाहें कह दें कि हम हाउस से बाहर चले जाएं, हम चले जाएंगे लेकिन आप हमें एम0 एल0 ए0 के पद से नहीं हटा सकते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो बात कही है, इसमें कोई दम नहीं है । इसमें 27 सिग्नेटरीज को बोलने का ही अधिकार नहीं है, बल्कि सभी को बोलने का अधिकार है । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी जैसी राम : अध्यक्ष महोदय, हम इस चीज को चैलेंज नहीं करते हैं कि ये इस वक्त इन्टरवीन नहीं कर सकते । लेकिन हम इससे पहले आश्वासन चाहते हैं कि इनके बाद भी सबको बोलने का मौका दिया जाएगा ? दूसरे मेरी यह भी प्रार्थना है कि जिस तरह से कांग्रेस बड़ी बहुत बुरी तरह से अफेक्टिड है, इसलिए साथ सदस्य को भी बोलने का मौका दे दिया मुख्यमंत्री जी जवाब दें ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, सबको ही बोलने का समय दिया जायेगा ।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ : अध्यक्ष महोदय, हम पांच-पांच मिनट ही बोलेंगे । आप हमें पहले टाईम दें ।

श्री अध्यक्ष : आपको भी टाईम देंगे, इस समय आप बैठ जाएं । पहले मुख्यमंत्री जी बोलेंगे । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगत राम : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने वाक आउट करना है क्योंकि ये हमें सुन नहीं सकते । अब हम इनकी करतूतों और कारनामों को बताएंगे, इसलिये ये भागना चाहते हैं । यह सुन नहीं सकते इसलिये ये भागेंगे । ये वाक-आउट करना चाहते हैं, ये हमेशा ही ऐसा करते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारा बोलने का अधिकार है । आप किसको चाहे बुलवा लें लेकिन ये 27 लोग भी बोलेंगे जिन्होंने नोटिस पर साईन किए हैं ।

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग—

सदन में किसी मिनिस्टर की सीट पर विधान सभा के किसी उच्चाधिकारी के बैठने सम्बन्धी श्री ओम प्रकाश बेरी द्वारा उठाये गये व्यवस्था के प्रश्न-आर्डर पर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहिबान, अभी थोड़ी देर पहले श्री ओम प्रकाश बेरी ने व्यवस्था का प्रश्न उठाया था कि क्या कोई मिनिस्टर साहब के साथ वाली सीट पर बैठ सकता है, तो इस बारे में मैं एक प्रैसीडेन्ट कोट करना चाहूंगा । यह सरदार तारा सिंह के वक्त का है ।

I would like to quote the precedent. Hon'ble Members, during the Session, Vidhan Sabha Secretariat has been criticised by some Hon'ble Members on one occasion or the other. As you are aware that this precedant is during the regime of Sardar Tara Singh. As you all know, I reserved my ruling in the morning on this question of proper consideration of the rules, conventions etc. I have arrived at the conclusion that the Vidhan Sabha

Secretariat cannot be not discussed on the floor of the House. I would, therefore, like to inform you that if any of the Hon'ble Members has any complaint, he can lodge that complaint to me in my chamber, which is a proper place.

So far as sharing of seat with the Minister in the House is concerned, I rule as under :—

> "There is a precedent and I have been told that during the regime of Sardar Partap Singh Kairon and Comrade Ram Kishan and all the previous Chief Ministers, if the Secretary is called by the Chief Minister or Minister while in Session, he can sit with the Chief Minister or Minister because he goes to the seat of the Chief Minister or Minister at his asking. As you know, Secretary is the highest officer in the Vidhan Sabha cadre and permanent one and we all the members should respect him."

This is regarding the ruling.

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

प्रो० रामबिलास शर्मा : स्पीकर सर, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । सर, मेरी सबमिशन यह है कि अब यह सैक्रेटरी साहिब जी के मुतालिक पर आ गयी है । एक तो इस ऑगस्ट हाउस की परम्परा का सवाल है और दूसरे आपने सी० एल० पी० के बारे में बताया कि वह तय हुआ था । सर, अभी चौधरी अमर सिंह धानक ने कहा कि स्टाफ गैलरीज में बैठ बनाये जाएं । सर, जब सभी सदस्य तलवार के मांग कर रहे हैं, गुजारिश कर रहे हैं तो ये रिसेप्ट का जवाब कैसे दे सकते हैं ? इसलिए मेरी आपसे गुजारिश है कि मुख्यमन्त्री जी इन लोगों को बोलने दें जो बोलना चाहते हैं इसलिए सी० एम० साहिब अभी जवाब न दें । इस समय असर ऐसा अच्छा नहीं लगेगा । यहां पर बैठ कर है, सारा हाउस बैठा है और सभी सदस्य सबसे अपने चुनाव क्षेत्रों की समस्याओं के बारे में कह चुके हैं, मांग कर चुके हैं, छोटी-छोटी समस्याओं के बारे में निवेदन कर चुके हैं । वे सब तो इसी हाउस में लड़ेंगे क्योंकि हम सरकार में हैं, अपोजिशन रिप्रेजेंटेटिव्ज हैं । सर, अब तो आप उनको पहले बोलने की इजाजत दें न दें तो ठीक था । इसलिए मेरी गुजारिश यह है कि यह रिसेप्ट का जवाब मुख्यमंत्री जी कल ही दें । अब कैबिनेट मिनिस्टर, स्टेट मिनिस्टर बोल चुके हैं तो अब चार या पांच लोगों को और बोलने दें । अगर आप इनको और मौका देंगे तो बड़ा अच्छा लगेगा ।

चौधरी भजन लाल : मैं किसी पर बोलने के लिए कोई बैन नहीं लगा सकता हूं लेकिन मुझे इस्तेमाल करना है और अपनी बात कहनी है । मेरे बाद में हाउस चाहे 12 बजे तक चले, इसमें कोई ऐतराज नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : सी0 एम0 साहिब को बोलने का अधिकार है । लेकिन जैसा मैंने पहले कहा है, आप सबको बोलने का टाईम मिलेगा । मुख्यमंत्री जी को बोलने का अधिकार है । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मोशन पर 27 लोगों ने हस्ताक्षर किए हुए हैं इसलिए ये अपनी बात तो कहेंगे । इन 27 लोगों में से जो लोग बचे हैं, पहले वे बोल लें । अगर सत्ता पक्ष की तरफ से भी कोई बोलना चाहता है तो आप हाउस को जितना लम्बा चाहें, उतना चलाएं, हमें कोई ऐतराज नहीं है लेकिन कायदा यही है कि जो लोग एडजर्नमेंट मोशन लाए हैं, वे पहले बोलें । उसके बाद ... को सेन्समिनिस्टर, सुझाव रखेंगे । उसके बाद ही मुख्यमंत्री जी अपना जवाब दें । कायदा तो यही रहा है । परन्तु आप किस वजह से खड़े हो रहे हो ? यह तो एक प्रथा है, आप उसको तोड़ने का प्रयास न करें । समय तो आपका रहेगा लेकिन प्रथाएं कायम रहेंगी । फिर बाद में चर्चा चलेगी कि * * *

* * * * * । इसलिए मैं आपसे विशेष रूप से अनुरोध करूंगा कि आप प्राचीन परम्पराओं को बरकरार रखें । * * * *

* * * * * । अब केवल पांच-सात लोग ही बोलने से रह गए हैं । हम ऐसे वर्कों में भी अनुरोध कर लेंगे क्योंकि मुख्यमंत्री जी को तो अखबारों में छपना चाहिए । लेकिन यह गलत प्रथा कायम की जा रही है । हमारे तो 5–7 लोग ही बोलने के लिए बाकी हैं । जो लोग बोलने वाले हैं वे स्वयं अनुरोध कर रहे हैं कि बोलने के लिए टाईम दिया जाये ।

श्री अध्यक्ष : चीफ मिनिस्टर साहिब अपनी बात कह लें । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपकी तबीयत ठीक नहीं और आपने मेरा नाम भी पुकार लिया । क्या इसके बाद ये आपके फैसले को इस तरह से चैलेंज कर सकते हैं ? (शोर एवं व्यवधान) इसी तरह से और अखबारों में मानकर काफी ... चाहते हैं, ये सही बात को सुनना नहीं चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय, आप इनको मेहरबानी करके बिठाइए । (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैंने कह दिया है कि चीफ मिनिस्टर has a right to intervene at any time. Dr. Sahib, you please tell me कि आपने मुझे रिपोर्ट करना है या मेरी बात सुननी है ?

डा0 राम प्रकाश : मैं जानना चाहता हूं कि चीफ मिनिस्टर की अनुपस्थिति में इस डिबेट का जवाब कौन देगा ? स्पीकर सर, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है । चीफ मिनिस्टर किसी समय इन्टरवीन कर सकता है लेकिन अगर चीफ मिनिस्टर चले

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया ।

आपके मकान में, तो इस डिबेट का जवाब कौन देगा ? अगर आप यह कहेंगे कि मिनिस्टर वैसा ही कल आपने कैसे कहा था कि फ्लड के मसले पर जवाब रिप्लाई पैदा हो गई है, इसलिए वे भी मैम्बर होने की हैसियत से बात करेंगे, उन्होंने भी मैम्बर की हैसियत बना रखी है । इसकी जवाब देने की अथॉरिटी सिर्फ उनकी है कि वे अपने-अपने महकमों के बारे में जवाब दे सकते हैं, अलग-अलग महकमों का नहीं। They have lost their authority yesterday and that is why the Chief Minister has thought it fit to reply the debate just now on this motion regarding flood situation in the State. इसलिये अब सिवाए चीफ मिनिस्टर के इस डिबेट का जवाब कोई दूसरा मिनिस्टर नहीं दे सकता । जो आज सवाल पैदा हो गई है उसके बहुत अरसा हो ये मिनिस्टर्ज कैबिनेट सॉल्वर के दौरान कैबिनेट भी पूछा करेंगे दूसरे महकमे के मिनिस्टर से । यह तो इलीगल सिचुएशन पैदा होने का सवाल है । दोनों बातें नहीं हो सकतीं । अगर यह बात ठीक है तो आज जवाब देने के लिए मुख्यमंत्री को आखिर तक बैठना चाहिए । जिन्होंने लोगों ने बोलने पर इसरार किए हैं, उन सब लोगों को पहले बोलने का समय मिलना ही चाहिए । इस पार्टी सिचुएशन में अगर चीफ मिनिस्टर सदन में मौजूद नहीं होंगे तो इसका जवाब देने का हक किसको हासिल होगा ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप तो इसके ही बोल रहे हैं । (शोर) आप में से एक मैम्बर बोल रहे हैं, दूसरे का कोई मतलब नहीं है । (शोर) मैं इसका ही जवाब दे दूंगा । (शोर)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत के बगैर ये कैसे बोल रहे हैं ? यह क्या तरीका है इनका बोलने का ? हर बार बिना इजाजत के ये बोलने के लिये खड़े हो जाते हैं । (शोर)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, एक पार्टी से एक ही बोले । (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो पहले भी आप यह देखें कि ऐसी सिचुएशन पैदा ही क्यों हुई ? आपकी इस बारे में रूलिंग आई थी और हमने वहीं स्वीकार कर लिया था और फैसला हुआ था कि कौन बोलेगा, कौन नहीं बोलेगा । एक बात तो यह भी तय हुआ था कि हाउस के सारे मैम्बर्ज बोलेंगे । स्पीकर साहब ने अध्यक्षजी को डिस्टर्बेन्स की परवाह नहीं की थी । उसके बाद धड़ाधड़ मिनिस्टर्ज बोलने लगे । स्पीकर साहब, मैं इतने बोले नहीं, लेकिन उनके होते हैं कि उनको मौजूदगी में अपोजिशन से बात की जा गई । (शोर) अध्यक्ष महोदय, आपने कहा कि मुख्यमंत्री महोदय बीच में इंटरफीयर कर सकते हैं किसी भी प्वाइंट पर । मुख्यमंत्री महोदय की तरफ से इन्टरफीयरेन्स नहीं था, वे तो स्पीकर का पक्ष अपनी तरफ से रखने जा रहे थे । फ्लोर की सीकिंग यह है कि पहले सभी मैम्बर्ज बोल लें । पहले सारे डिस्कशन कम्प्लीट हो जाए, उस के बाद सरकार की तरफ से रिप्लाई होता है ।

[प्रो० सम्पत सिंह]
कार किसी मैम्बर को किसी शब्दों के प्रभाव से सस्पेंड न हो, तब मुख्यमन्त्री अपना ... कर सकते हैं, मैंने नहीं।

अध्यक्ष महोदय, आज भी स्टेट में हालात हैं, इनसे सभी लोग, वह चाहे कोई भी ... आम भी इस प्रदेश के लोग भी बहुत चिंतित हैं और हर आदमी यह देख भी रहा है कि इस राज्य की स्थिति के सम्बन्धित असैम्बली में क्या फैसला होता है। लोगों को कितनी कितनी राहत दी जाती है और किस प्रकार से सरकार लोगों के मामले को निकालने का प्रयत्न कर रही है? इस सम्बन्ध में यहां मसला यहां असैम्बली में उठाई जाती है लेकिन लोगों के यहां आने पर, इस कार्यवाही को सुनने पर सरकार ने पाबन्दी लगा रखी है, लेकिन कोई बात नहीं। हरियाणा की जनता भी ये पेपर्स पढ़ कर सब कुछ पता चल जाएगा कि असैम्बली में क्या क्या कार्यवाही हो रही है। पेपर्स को देखने से तो यह पता लग ही जाता है कि लोगों के यहां आने पर, कार्यवाही देखने पर सरकार ने पाबन्दी लगा रखी है। इसलिये मैं आपसे यह कहूंगा कि हरेक मैम्बर को यहां पर बोलने का पूरा पूरा हक मिलना चाहिए। हरेक मैम्बर बोलने के लिये इंटाइटल्ड है क्योंकि हरेक मैम्बर का हलका पानी से इफैक्टिड है। यही कारण है कि रूल 84 के तहत आपने मोशन को ऐडमिट भी कर लिया है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय मुख्यमन्त्री महोदय यह कह रहे हैं कि यह ... प्रस्ताव नहीं है। हम कह रहे हैं कि यह ... प्रस्ताव है। ... रूल 84 में यह निर्धारित है कि जिन लोगों ने इस मोशन का नोटिस दिया है, उन सब को अपने विचार रखने का पूरा पूरा अधिकार है। आज मैं भी एक बड़ी पार्टी से सम्बन्धित होने के कारण, ... निष्पक्ष होने के कारण आपसे सबमिट कर रहा हूं कि जो मैम्बर्ज की डिफीकल्टीज हैं, उनको बोलने का मौका दें, चाहे ... यह डिस्कशन चले। मुख्य मन्त्री चाहे इसका जितना समय ले लें, ऐसी कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आप पूरी डिबेट करवाएं क्योंकि आप ही हमारे राइट्स के प्रोटेक्शन हैं। आपसे हमें पूरी उम्मीद है कि सरकार को अपना पक्ष के लिये ... करेंगे। ... मुख्य मन्त्री जी ने पहले ही अनाउंस कर दिया कि मैं ... नहीं सह सकती। ... यह हुआ कि मुख्य मन्त्री जी ... चाहें, जितना बोलना शुरू करना है। स्पीकर साहिब, आपको कोई भी डिक्टेट नहीं कर सकता। आप हमारे कस्टोडियन हैं और इस हाउस के मास्टर हैं।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बैठिए।

प्रो० सम्पत सिंह : मैं ... कन्क्लूड कर रहा हूं। मैं यह कहता था कि अगर ... हाउस के लीडर हैं तो इनकी कुछ ... है तो इनके ... कोई ... नहीं ... कि जो मर्जी आए, फैसला कर लें। ये स्पीकर साहिब का फैसला भी

खुद कर भी, ऐसा कोई रूल इसको नहीं है । स्पीकर साहब, हम आपकी मदद और गाइडेंस चाहते हैं । सरकार जो इस मैजोरिटी का फायदा उठाना चाहती है, इसे आप ऐसा न करने दें । अब हम सभी के गार्ड और कस्टोडियन हैं ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । अध्यक्ष महोदय, आपने दुनिया में भी और इस देश में भी पार्लियामेंटरी सिस्टम को देखा है । इनमें तो कोई आदमी पार्लियामेंट में रहा नहीं है । मैं एक साल तक दोनों हाउसिज में रहा हूं । प्रधान मन्त्री जब भी चाहें, बीच में आ कर इन्टरवीन करते हैं और सम्बन्धित महकमे का मन्त्री बाद में सारी डिबेट का जवाब देता है । प्रधान मन्त्री को सब सुविधाएं प्राप्त हैं, बीच में भी इन्टरवीन करते हैं क्योंकि वे लीडर आफ दि हाउस हैं । उनका राइट है, जब भी वे मुनासिब समझें, सदन की कार्यवाही में हस्तक्षेप कर सकते हैं । चौधरी बंसी लाल जी बहुत वर्षों तक पार्लियामेंट में रहे हैं, वे खड़े हो कर कह दें कि लीडर आफ दि हाउस को राइट नहीं है । वीरेन्द्र सिंह जी बैठे हैं, ये ऐसी बात कह दें तो मान लेंगे ।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : आपकी बात ठीक है लेकिन जैसे [illegible] इजाजत लेकर आपसे मौका मांग रहे हैं, यहां ऐसा नहीं होता । (शोर)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे राइट है कि मैं आपकी इजाजत से बोलूं । मैं आपकी इजाजत से ही बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । ये महानुभाव जान-बूझ कर कुछ सुनना नहीं चाहते । अध्यक्ष महोदय, आपने अपनी कोशिश की और अपनी बात कह दी । आपने मेरा नाम पुकारा कि आप बोलें और मैं इसके बाद बोलने के लिए खड़ा हो गया । मेरी आपके द्वारा सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि उनकी शिक्षा से हम सभी शिक्षित हैं । हम चाहते हैं कि बीच में इन्टरवीन करके कुछ बातों का स्पष्टीकरण करवाएं । आप लोग अगर सुनना नहीं चाहते तो कोई बात नहीं, बाद में मन्त्री जी जवाब दे देंगे और मैं हाथ जोड़ दूंगा ।

आवाजें : इनको कौन जवाब देगा ?

चौधरी भजन लाल : हमारे डेवलपमेंट मन्त्री, रेवेन्यू मन्त्री और एग्रीकल्चर महकमे के मन्त्री जवाब दे देंगे । (शोर)

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरी यह सबमिशन है कि मुख्य मन्त्री जी अगर इन्टरवीन करना चाहते हैं तो इसी वक्त उनको इजाजत दे दी जाए । जो पूरी डिबेट का जवाब है, वह कल को दे दें । हम इन मिनिस्टर्ज से कोई उम्मीद नहीं रख सकते । (शोर)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह तो हाउस में मिनिस्टर्ज की इन्सल्ट है । यह क्या बात है, यह तो कोई बात नहीं है ।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : इनके हाथ में कुछ नहीं है । यह कल जवाब दे दें । (शोर)

सिंचाई मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । स्पीकर साहब, मुझे कल से ही बड़ा भारी कन्फ्यूजन हो रहा है । मैं कहूंगा कि यह मोशन क्या है, रूल 84 क्या है और यह शोर शराबा क्या है ? आप इस मोशन को पढ़ें जिसको आपने एडमिट किया है । यह मोशन है :—

> "That the serious situation that has arisen on account of recent floods in the State and the substantial damage caused by it be discussed."

यह एक सिम्पल मोशन है, इसमें सरकार पर कोई आरोप नहीं है । चौधरी सम्पत सिंह कह रहे थे कि सरकार और कुदरत आपस में मिल गई । स्पीकर साहब, सिचुएशन यह है कि स्टेट में बाढ़ के कारण बड़ा भारी नुकसान हो गया, इसको डिस्कस किया जाए और डिस्कशन क्या है ? डिस्कशन यह है कि इस मामले को रूल 84 के तहत डिस्कस किया जाए । कोई भी रैप्रिजैंटेशन हो, मामला हो, प्रॉब्लम हो उस पर डिस्कशन होगी और यह मामला असैम्बली में चला जाता है । असैम्बली की जो रैप्रिजैंटेशन है, इसके बारे में कल नेहरा जी ने आपको पढ़ कर भी सुनाया था कि असैम्बली का हर मैम्बर उस डिस्कशन में पार्टीसिपेट कर सकता है । मेरे हिसाब से चीफ मिनिस्टर साहब इसका रिप्लाई देंगे, मैं इस बात से एग्री नहीं करता । That is no reply, लेकिन वे इस डिस्कशन में पार्टीसिपेट कर और भी कोई बात वे कहेंगे, that will add more information. क्योंकि ज्यादा इनको पता है कि सरकार ने क्या किया, क्या नहीं किया । फ्लड का मैगनीच्यूड क्या था, जो कुछ भी था, उसकी इन्फर्मेशन इनके पास ज्यादा होगी, वह हाउस के सामने आएगी ।

प्रो0 सम्पत सिंह : ये वह इन्फर्मेशन बाद में हाउस के सामने रख दें ?

श्री बीरेन्द्र सिंह : क्यों बाद में रख दें ? यह कहां पर लिखा है कि बाद में रख दें ? क्या इस बारे में आप कोई रूल कोट कर सकते हैं जिससे बाद में रख दें ? यह स्पीकर साहब, की सोल अथॉरिटी है कि वह डिस्कशन के लिए टाईम फिक्स करेंगे । किसको बुलवाना है, किस आर्डर में बुलवाना है, पहले किसको बुलवाना है, बाद में किसको बुलवाना है । आप क्या उस फ्रीडम को न करें । (शोर)

(श्री धर्म सिंह छौक्कर की तरफ से विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बिना इजाजत के न बोलें, आप बैठ जाएं । (शोर)

श्री धीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहिब, मैं गुजारिश कर रहा था कि यह आपकी सीधी अथॉरिटी है कि आप कब किसको बुलवाएंगे, कब नहीं बुलवाएंगे। मैं उस बैंचिज पर बैठा रहा हूं और दूसरी बैंचिज पर बैठा भी रहा हूं, ज्यादा उन बैंचिज पर ही रहा हूं। ये खेल हमने बहुत खेले हैं। अगर आप पुराने कागजात को देखें तो पता चलेगा कि हम रोज ही मोशन दिया करते थे। कभी रूल 64 के तहत, कभी एडजर्नमेंट मोशन, कभी कॉल अटेंशन मोशन, पता नहीं क्या-क्या मोशन दिया करते थे। आपको बहुत सारी मिसालें मिलेंगी जो हम दिया करते थे। हमारे साथी डा0 राम बिलास शर्मा जी को पता है। डाक्टर मंगल सैन जी बहुत रिजर्व्ड [illegible] थे। वे बहुत जबरदस्त पार्लियामेंटेरियन थे। इसी तरह से राम लाल वधवा जी होते थे, मैं होता था, सम्पत सिंह जी आप भी होते थे और चौधरी रिजकराम जी भी होते थे। हम सभी रोज यह चीज देते थे। जब हम अपोजिशन में होते थे, उस समय के आपको बहुत सारे एग्जाम्पल्ज मिलेंगे। जब चाहे भी, मैंने और डाक्टर मंगल सैन जी ने मोशन मूव की तो ऊपर मंगल सैन जी का नाम, नीचे मेरा नाम उसके नीचे और नाम होते थे। उस समय भी बाकायदा मिनिस्टर्ज ने डिस्कशन में पार्टिसिपेट किया है। मैं दो तीन मिनिस्टर्ज के नाम कोट कर सकता हूं जिन्होंने डिस्कशन में पार्टिसिपेट किया है। शायद चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला थे, वे इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर होते थे। उस समय हमने रूल 64 के तहत मोशन मूव की और उन्होंने उसमें पार्टिसिपेट किया था। इसको कल भी यही ट्रेडिशन थी जो आज है। मैं कल बोलना चाह रहा था लेकिन [illegible] में मुझे 42 मिनट लग गए। अखबार में मेरे हल्के के बारे में कोई खबर नहीं आ पाई क्योंकि मुझे कल 7 बजे के बाद बोलने का समय मिला था। आज को ये यही चाहते हैं कि 7-8 बज जाएं ताकि अखबार में कुछ खबर न आ जाये। यदि ये लोगों की भावनाओं के [illegible] हैं तो फिर इनको [illegible] रखनी चाहिए। सी0 एम0 साहिब आज ही हाउस में हैं और वे किसी भी समय आपकी इजाजत से इन्टरवीन कर सकते हैं।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं लीडर आफ दी हाउस की इन्टरवैन्शन को ऑब्जेक्ट नहीं करता लेकिन फिर भी रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि आपने कल गलत तरीका [illegible] मंत्रियों को बुलवाकर, जबकि मैम्बरों को बोलने देना चाहिए था। कल मंत्री जी सदन में हाथ जोड़-जोड़ कर मांग कर रहे थे कि मुख्य मंत्री जी मेरे हल्के में [illegible] कर दें, इस तकलीफ को दूर कर दें। क्या उसका कोई मिनिस्टर जवाब देंगे? यदि मुख्य मंत्री जी को कहीं जाने की जल्दी है तो वे चले जाएं और इनके मंत्री और सदस्य बोलना चाहें, उनको बोलने दें और मुख्य मंत्री जी बाद में जवाब दे दें। मुख्य मंत्री जी ने एक बात कही थी कि सेन्टर में प्रधानमंत्री जी किसी भी वक्त इन्टरवीन करके जवाब दे सकते हैं। मैं इस बात को मानता हूं लेकिन वहां पर मिनिस्टर इस तरह इन्टरवीन नहीं करते जिस तरह यहां पर कर रहे हैं। वहां पर मिनिस्टर सिवाय अपने महकमें के, इन्टरवीन नहीं करता। मैं भी पार्लियामेंट में 18 साल रहा हूं, वहां पर ऐसी प्रथा नहीं है।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी बहुत सीनियर मैम्बर हैं । इनकी हमारे मन में बड़ी इज्जत है और सम्माननीय सदस्य हैं । इनका यह कहना, आपके ऊपर एक तरह से आक्षेप करना, एलीगेशन लगाना कि कल आपने गलत फैसला दिया, ठीक नहीं है । आप हाउस की कार्यवाही से इन शब्दों को निकलवाएं । इन्होंने खुद माना था बी0ए0सी0 की मीटिंग में, जिसमें डिप्टी स्पीकर साहब मौजूद थे, चौधरी सम्पत सिंह जी थे, यह फैसला हुआ था कि रूल 84 के तहत एक या दो दिन की डिस्कशन हो जाये और सभी मैम्बरों को बोलने का मौका दिया जाये, चाहे वे कांग्रेस के मैम्बर हों या अपोजीशन के । अब क्या नई बात हो गई ? क्या एक मंत्री, एम0एल0ए0 नहीं है ? अध्यक्ष महोदय, एक मंत्री पहले एक एम0एल0ए0 है, बाद में वजीर है । कल को उसे भी हलके में जवाब देना है कि मैंने हाउस में तुम्हारे बारे ये ये बातें उठाई ताकि सरकार जल्दी से आपकी तकलीफ दूर कर सके । जो मंत्री लोग बोले हैं उन्होंने क्या गुनाह कर दिया ?

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि कांग्रेस के मैम्बर न बोलें, मंत्री न बोलें । सवाल इस बात का है कि मुख्यमंत्री किस समय पर बोलें, इन्टरवीन करें । ये जवाब दें । मेरी सबमिशन यह है कि मुख्यमंत्री जी को कहीं जाना हो और जल्दी हो तो चले जायें और जो 10-15 मैम्बर बोलना चाहते हों, उनको बोलने दिया जाये, फिर इनके बाद ये जवाब दे दें । कल मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि सैशन 12 बजे तक चला लें लेकिन सैशन का टाईम आधा घंटा बढ़ा कर 7.00 बजे एडजर्न कर दिया । इसलिए अब मेरी सबमिशन यह है कि जो मैम्बर बोलना चाहते हैं, उनको बोल लेने दो, इनके बाद ये जवाब दे दें ।

17.00 बजे

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं अभी इस समस्या का रास्ता निकालता हूं । आप कल का क्वेश्चन आवर सस्पैंड करिये । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कल 9.30 बजे सुबह आते ही मैं इसका जवाब दे दूंगा । अब हाउस को चाहे आप रात के 12.00 बजे तक चलने दीजिए । आप हाउस को चलाईये, इनके सारे रैलेवन्ट प्वाइंट्स नोट कर लेंगे और सुबह आते ही मैं 9.30 बजे जवाब दे दूंगा ।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है कि क्वेश्चन आवर को न छोड़िये, क्वेश्चन आवर को सस्पैंड न करें, इसे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चलने दीजिए, क्वेश्चन आवर के फौरन बाद ही मुख्यमंत्री जी जवाब दे दें । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : 10.30 बजे रूल में मोशन अंडर रूल 84 का जवाब दे दूंगा, क्या यह बात इन को मन्जूर है ? (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, ये लोग वाक आउट करना चाहते हैं क्योंकि ये मेरा जवाब सुनना ही नहीं चाहते (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, गुप्ता जी की बात 28-9-95 को [illegible] के बाद 10.30 बजे सवेरे से होगी।

आवाजें : ठीक है जी।

चौधरी जसवन्त सिंह [illegible] (हसनपुर) : स्पीकर सर, मैंने [illegible] आपने मुझे इस बाढ़ के ऊपर अपने हल्के की बात कहने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। आज हरियाणा प्रदेश के अन्दर इतनी भयंकर बाढ़ आई है जिससे सारे हरियाणा की जनता पीड़ित है। इस बाढ़ को लेकर के अन्दर ही सारा हरियाणा दुःखी हुआ है। हरियाणा प्रदेश की परम्परा रही है एक-दूसरे की मदद करने की। इसी प्रकार से हरियाणा प्रदेश की सरकार क्या कुछ करने जा रही है इस बारे में लोगों की नजर है। हरियाणा की जनता आज बड़ी मुश्किल में है। कुछ लोग जनता की हालत से चिन्तित और दुःखी हैं, जनता के प्रति उनकी बड़ी गहरी चिन्ता है। जैसे हमारी पार्टी के अध्यक्ष चौधरी ओम प्रकाश [illegible] सिंह जी हैं, उनके मन में हरियाणा प्रदेश की जनता के प्रति बहुत चिन्ता है। इसीलिए 7 दिन हो गए हैं, वे आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं, उनकी सेहत खराब हो गई है। स्पीकर सर, रोहतक के अन्दर जो बाढ़ आई है, उसका एक मुख्य कारण यह था कि ड्रेन की सफाई नहीं हुई थी। अगर सरकार ने ड्रेनों की सफाई करवाई हुई होती तो रोहतक के अन्दर इतना पानी न आता और न ही जनता को [illegible] करना पड़ता। ड्रेन का पानी ओवर होने से रोहतक शहर के अन्दर घुस गया जिसने शहर को बरबाद कर दिया। रोहतक में अरबों रुपये का नुकसान हुआ है। और यह 8 नम्बर ड्रेन के पानी के कारण हुआ है। आज कहीं से भी इसके जाने का रास्ता नहीं है। 8 नम्बर ड्रेन का पानी [illegible] खुला छोड़ा गया। सुनारिया और [illegible] के अन्दर का पानी [illegible] से [illegible] की 5 से 7 फुट तक खड़ा है। उस पानी को [illegible] गांव में रोका गया और पानी रोहतक शहर के अन्दर आ गया। सुनारिया में ड्रेन नं०-8 [illegible] के पास [illegible] है, उसमें पानी की निकासी नहीं है, इसलिए मैं सरकार को सुझाव दूंगा कि सुनारिया के पास इस ड्रेन की सफाई करवाई जाए। दूसरा सुझाव यह है कि [illegible] गांव जे० एल० एन० के पानी में डूबा हुआ है, उस की निकासी का भी प्रबन्ध किया जाए। सुनारिया, [illegible], [illegible] और [illegible] इन चारों गांवों में अगर 20-20 और 50-50 [illegible] की 6-5 मोटरें [illegible] लगाई जाएं तो [illegible] से पानी बाहर निकल सकता है। इसके [illegible] मेरे हल्के का [illegible] गांव [illegible] चारों तरफ से घिरा हुआ है क्योंकि इसके पास से एक ड्रेन जाती है। यह गांव इसलिए तबाह हुआ है क्योंकि इस ड्रेन की सफाई नहीं हुई थी। उस ड्रेन के अन्दर [illegible] और झाड़ियां उग गई हैं और मिट्टी से भरी पड़ी है। इसके साथ [illegible] गांव चारों तरफ से पानी से घिरा हुआ है। चौधरी देवी लाल के टाईम में [illegible] बांध बनाया गया था लेकिन इस सरकार की तरफ से तो मिट्टी डालने का [illegible]. [illegible] किया गया, इसलिए यह गांव डूब

[चौधरी बलवन्त सिंह मायना]

बर्बाद हो गया है। इस गांव के 20-20 और 30-30 हजार रुपए की एक-एक भैंस थी, लेकिन वहां पर बाढ़ से कई भैंसे मारी गई हैं। इस सरकार की तरफ से न पशुओं के लिए और न ही इन्सानों के लिए कोई दवाई बांटी गई है। मैं जब 5-5 फुट पानी से होकर रोहणा गांव में गया तो लोगों ने मुझे कहा कि सरकार की ओर से उनके गांव में आज तक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी नहीं आया है। अध्यक्ष महोदय, कारोर और कहलोत गांव भी बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। वहां पर आज तक कोई भी सरकारी अधिकारी और कर्मचारी नहीं गया है। कहलोत गांव में जब मैं गया, वहां पर बने हुए गांव की लड़कियों का एक स्कूल है, उसमें पानी खड़ा था। उस पानी को निकलवाने के लिए मैं बी0 डी0 ओ0 के पास भागा गया था लेकिन वहां मिला। आज तक वहां पर सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं दी गई। इसी प्रकार से ड्रेन नं0 6 खेड़ी, आसन गांव से होती हुई जाती है। इसके बाद यह ड्रेन पाकसमा में से होकर गोहाना गांव में से जाती है। पाकसमा में यह ड्रेन बहुत ही ज्यादा टूटी हुई है। जब मैं पाकसमा में गया तो लोगों ने कहा कि चौधरी साहब, आप पहले आदमी हैं जो हमारे गांव में आये हैं। सरकार की तरफ से अभी तक कोई भी व्यक्ति नहीं आया है। अगर यहां पर भी ड्रेन टूट गई है। इसकी ओर यहां के लोग न जुटते तो यह गांव भी बच सकता था। स्पीकर साहब, पानी उस गांव से होता हुआ, अपना रास्ता बनाता हुआ, आगे गया और उस के सिवाय गांव को डुबो दिया। मैं हाऊस में यह बात कहता हूं कि यह वही गांव है जिसको अन्दर सरकार ने कभी भी पीने का पानी मुहैया नहीं करवाया लेकिन आज सरकार की कमजोरी की वजह से, इस प्रशासन की वजह से, यह गांव पानी से बर्बाद हो गया है। इसी प्रकार जब हम सांघी गांव के बांध में आते हैं वहां चौधरी देवी लाल ने 1978 में जिस बांध बांधा था, उस बांध के ऊपर हजारों आदमी बैठे हुए थे और आज भी हजारों आदमी बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से मिट्टी भरने के लिए कट्टे न मिलने की वजह से गांव के लोगों ने अपने घरों में से आटे और अनाज के कट्टे खाली करके उनमें मिट्टी डाल कर उस बांध को मजबूत किया है। आज इस सरकार की वजह से उस गांव के लोगों को बहुत ही परेशानी है। अध्यक्ष महोदय, जिला पानीपत की बात करता हूं। वहां पर दो आदमी पानी की वजह से मारे गए हैं। एक राकेश और दूसरा कमलेश, हाईफ लाल कुम्हार है। यह चौधुर है, जो मारी गई। वह लड़की 20-21 साल की थी जो घर से पानी लेने के लिए निकली थी। (विघ्न) 6 नम्बर ड्रेन के बारे में मैं यह बताना चाहता हूं कि उसमें जब पानी ज्यादा हो गया, तो वह ड्रेन गांव इसोड़ के पास टूट गई। मैंने वहां के बी0 डी0 ओ0 और एस0 डी0 एम0 को कहा कि उस पानी को रोकने का इन्तजाम किया जाये। तो एस0 डी0 एम0 कहते हैं कि मैं क्या करूं, मेरे पास कोई अधिकारी नहीं है, मेरे पास किसी किस्म का सामान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, उस पानी ने इस्माइलपुर गांव को डुबो दिया। सांघला और कामखेड़ी

को भी डुबो दिया । स्पीकर सर, इन दोनों गांवों की बहुत बर्बादी हुई है । आज ही मुझे पता चला है कि हैलीकॉप्टर के चालीस कार्टन वहां आये हैं । वे कहते हैं कि जब ड्रेनों से हमने मिट्टी डालकर उन्होंने इस पानी को बंद किया लेकिन ड्रेन दोबारा से फिर टूट गयी । इस ड्रेन की वजह से ही मकान नं० 2 बंद हो गया है । मैंने देखा है कि उस ड्रेन की कभी भी सफाई नहीं करवायी गयी है । उसके अंदर बहुत कीकर के पेड़ खड़े थे । स्पीकर सर, पलवल ब्लॉक के जो भी व्यक्ति मारे गये हैं, उनके परिवार वालों को कम से कम दो दो लाख रुपये सरकार को मुआवजा देना चाहिए । मैं इस बारे में सरकार से आश्वासन भी लेना चाहता हूं कि इन मरने वालों के परिवार के लिए सरकार दो-दो लाख रुपये मुआवजा देगी । इस ड्रेन की वजह से ही राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो रहे हैं, यह सरकार की नासमझी की वजह से है । अभी भी इस ड्रेन का पानी निकालने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा । इस बारे में भी सरकार को ध्यान देना चाहिए । इस ड्रेन की सफाई सरकार करवाए, और सरकार हर गांव में बांध बनवाए जाने चाहिएं ताकि फिर से इस तरह की घटनाएं न हों । इसी प्रकार से अध्यक्ष महोदय, [illegible] गांव के अंदर भी पानी आया हुआ था । [illegible] के अंदर एक पावर सब-स्टेशन है । उस गांव के लोग कहते हैं कि हमारे को बिजली [illegible] नहीं मिल रही है क्योंकि हमारा जो सब-स्टेशन है, वह पानी के अंदर डूबा हुआ है । अध्यक्ष महोदय, मैं तो उन लोगों को बहादुर मानता हूं जिन्होंने उस पावर स्टेशन के अंदर का पानी निकाला उनको कोई-न-कोई इनाम भी मिल जाए ताकि वे अंधेरे में न बैठें । इस प्रकार की हालत आज हरियाणा प्रदेश में हो रही है । आज एक कमेटी बना कर इस बात की इंक्वायरी करा ले कि क्या सरकार की तरफ से उन लोगों को कोई मदद की गयी है । आज वहां पर सारी सड़कें टूटी हुई हैं लेकिन सरकार कहती है कि सड़कों को ठीक करवाने के लिए हमने दो करोड़ रुपये दे दिए हैं । अध्यक्ष महोदय, वे सड़कें तो टूटी हुई सड़कों को ठीक नहीं करवा सके । लोग भी कहते हैं कि वहां की सड़कों पर मिट्टी डाल दी गयी है, लेकिन सड़कें टूटी हुई हैं । मैं कहना चाहूंगा कि सड़कों के अंदर पानी को निकालने के लिए सरकार को पम्पिंग सैट लगाने चाहिएं ताकि यह पानी निकल जाए । अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैंने हथीन की बात की थी । चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय में कुण्डली के अंदर 8 पम्पों को इंस्टाल किया गया था, लेकिन आज दुख इस बात का है कि हम इस बारे में सब डी०सी० से मिले तो उन्होंने हमें केवल छोटे चार पम्प ही दिलवाए, जबकि 9 पम्प मिलने चाहिएं थे । सर, जब तक 8 पम्प नहीं लगेंगे, वहां जेनरेटर नहीं होंगे तब तक पानी नहीं निकल सकता । अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि यह फसल तो बर्बाद हो ही गयी है, लेकिन अगर पानी नहीं निकला तो अगली फसल भी नहीं बोयी जा सकेगी, क्योंकि चारों तरफ आज पानी-पानी फैला हुआ है । गांव के अंदर जितने मकान थे, वो भी गिर गए हैं इसलिए उनमें दरारें आ गयी हैं । बहुत बुरा हाल वहां पर हो गया है । मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप इन मकानों

[चौधरी बलवन्त सिंह मायना]

को बनवाने के लिए सरकार के पास से एक एक लाख रुपये दिलवाएं और जिन मकानों में दरारें आ गई हैं उन्हें सरकार को कम से कम पचास हजार रुपये देने चाहिएं और जिन लोगों के पशु मर चुके हैं, उनको 15 या 20 हजार रुपये देने चाहिएं । इसी प्रकार सरसा गांव के अंदर भी बिजली नहीं है और हैबतपुरा गांव के अंदर ट्रांसफार्मर नहीं है । लोग अंधेरे में रहते हैं । मैं सरकार को सुझाव देना चाहूंगा कि कम से कम वहां की जल्दी से जल्दी बिजली का प्रबन्ध होना चाहिए । इसलिए मैं आपसे यह कहना चाहिए । कुछ लोगों ने कहा कि हम लोग जल निकासी की बात करते हैं । मैं कहना चाहता हूं कि वहां के लोगों को 5-5 हजार रुपए पर पोल्ट्री उद्योग के पीड़ित लोगों के लिए मुआवजा दिया जाए । इसी तरह से पाबसरा गांव के आसपास जगह-जगह पानी भरे हैं, उनके घर गिर रहे हैं । उपाध्यक्ष महोदय, आज भी मेरे हल्के में कई गांव बिल्कुल खाली हैं । क्या सरकार का पानी निकालने का फर्ज नहीं है ? उनको जल्दी ही पानी निकालना चाहिए ताकि उनकी अगली फसल की बिजाई हो सके । फसलों के बारे में मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि सरकार ने जो फसल बर्बाद हुई है, उस से कम एक एकड़ पर 3 हजार रुपये और एक ट्यूबवैल पर 10 हजार रुपये मुआवजा देना चाहिए । इसी प्रकार से जो ट्यूबवैल बाढ़ की चपेट में हैं जिनका नुकसान हुआ है, उनका मुआवजा भी सरकार को देना चाहिए । इसके अलावा मैं सुझाव दूंगा कि पोल्ट्री का जो पानी है, उसको निकालने के लिए पोल्ट्री वालों को पहले से सहायता चाहिए, अगर यह ड्रेन बना दें तो कभी भी पानी नहीं आएगा । इन्दिरा ड्रेन के साथ-साथ जो ड्रेन है, उसके साथ पानी जे0एन0एल0 में डाला जाए । बुटेरिया गांव के अंदर मकान ही नहीं बल्कि हैबतपुर भी पानी के अंदर डूबे हुए हैं । बाढ़ में प्रशासन ने जे0एन0एल0 के अंदर पानी डालने का काम किया, यह काम अगर पहले करते तो यह स्थिति न होती । सिहमा, डिगोटा, हबीबपुर, बदेरा, बाजिदपुर आदि गांव इस इलाके की मार की चपेट में डूबे हुए हैं । हबीबपुर गांव पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुका है । सारी फसल बर्बाद हो चुकी है । बुटेरिया और पाबसरा गांव के लिए सरकार को दवाइयों व पीने के पानी की व्यवस्था तुरन्त करनी चाहिए । हैण्ड पम्प लगाए जाएं ताकि पीने का पानी मिल जाए, यह व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए । मैं यह अवश्य कहना चाहूंगा कि समाजसेवी संस्थाओं व लोगों ने दूर दूर से आकर मदद करने का काम किया है । सरकार को लोगों के जान और माल की व्यवस्था करनी चाहिए और पशुओं के लिए चारे का प्रबन्ध करना चाहिए । इन शब्दों के साथ ही मैं अपनी बात समाप्त करता हूं ।

श्री0 उजागर सिंह (बिलासपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका बड़ा आभारी हूं । आज अच्छे तर्क के साथ मुझे अपनी बात कहने का मौका मिला है और मैं धन्यवाद करता हूं कि सरकार इलाके में जब बाढ़ आई तब इस इलाके में आकर और हमें पूछा तक नहीं । बाढ़ आई, ऐसे ही हमारा यह कहना सही हुआ,

हरियाणा प्रदेश बाढ़ की चपेट में आ गया। बहुत सी बातें ऐसी हैं, यदि सदन के नेता यहां पर बैठे होते तो मैं समझता हूं कि मेरे कहने का कोई ज्यादा असर उन पर होता। लेकिन श्री अर्जुन सिंह जी बैठे हुए हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं जो कुछ इस महान सदन में कहूंगा, उसे उन्हीं शब्दों में उन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। सितम्बर, 3 सितम्बर को बाढ़ का प्रकोप शुरू हुआ था। मूसलाधार वर्षा तीन और चार तारीख को हुई थी। नरवाना में स्थिति भयंकर थी, यहां पर बाढ़ के कारण तबाही मची हुई थी और मुझे अंदेशा यह था कि नरवाना का पानी कोलोपुरी तक भी जा सकता था। लोगों को क्या तबाही यहां पर हुई है, बड़ी भावुकता के साथ हमदर्दी के लिये, जिम्मेदारी को निभाते हुए, मैं अपने दिल में बड़ा दुख समेटे हुए, नरवाना की सड़क की ओर से जा रहा था। वे हालात, वे दृश्य जब सामने आते हैं तो रौंगटे खड़े हो जाते हैं। छोटे छोटे बच्चे जिनके पैरों में जूते नहीं, शरीर पर पूरे कपड़े नहीं, माताएं, अपनी गोद में बच्चों को लिये, और साथ में अपने पशुओं को साथ लिये हुए, बड़े उतरे हुए चेहरों के साथ, सड़कों के किनारे-किनारे जा रही थीं। मैंने एक बुजुर्ग को रोका और पूछा कि आपका गांव कौन सा है? उसने बताया कि मैं नुक्कड़पुरा गांव का हूं। मैंने उससे पूछा कि क्या बाढ़ पहली बार इस गांव में आई है, तो उसने जवाब दिया कि तीसरी चौथी बार यह गांव बाढ़ से प्रभावित हुआ है और जब बाढ़ आती है तो गांव पूरे का पूरा डूब जाता है। मुझे उम्मीद थी कि कोई नेता, कोई मुख्यमंत्री और यह सरकार मेरे साथ चलती तो ऐसी समस्या का रेहेबिलिटेशन अवश्य करते लेकिन मुझे अफसोस से कहना पड़ता है कि रेहेबिलिटेशन तो दूर रहा, जो समस्या आ चुकी होती है, उस का निवारण करने के लिये भी यह सरकार तैयार नहीं है ताकि आगे से ऐसी दुखदायी घटनाएं रिपीट न होने पाएं। इसके लिये भी कोई इन्तजामात नहीं किये गये।

अध्यक्ष महोदय, मैं बड़े हौसले के साथ अपने बुजुर्गों को यह भरोसा दिला कर आया था कि आपके पशुओं के लिए चारे का, आपके रहने का, खाने पीने की व्यवस्था की जाएगी और आप रिहायशी मकानों में जा सकेंगे। जब मैं नरवाना के अन्दर था, तो मैं सिरसा ब्रांच के अन्दर उस पानी का लेवल देख रहा था। मुझे लगता था कि तबाही बहुत ज्यादा होगी। मैंने वहां के अधिकारियों से बात की तो उन्होंने बार बार यही रिपोर्ट किया कि हम बार बार चण्डीगढ़ में फैक्स दे रहे हैं कि पीछे से पानी का डिस्चार्ज कम कीजिए या आगे जो पानी की डिस्ट्रीब्यूटरीज हैं, वे खुली होनी चाहिए ताकि पानी आगे जा सके, रुके न। अध्यक्ष महोदय, पूरा नरवाना शहर मिलकर उस सिरसा ब्रांच के किनारों को मजबूत करने में लगा हुआ था। जिस रफ्तार से यह पानी बढ़ रहा था, उससे यह अन्दाजा लगाया जा सकता था कि आगे भी यह बांध टूटेगा और तबाही करेगा। इस तरह से जींद में, बहादुरगढ़ एरिया पर यह नहर टूटी और देहातों को, फसलों को, गांवों को उजाड़ती हुई चली गई।

[प्रो0 सम्पत सिंह]

मानिए जब मैं छोटा था तो मैं इतना इस स्थिति में नहीं था कि किसी को मैं कह सकता कि मेरी कांस्टीचुएन्सी में आप यह करते हो क्योंकि मैं यह प्रोटेक्शन इंटेंसिटि कर सकता था कि बाढ़ मेरी कांस्टीचुएन्सी को भी निश्चित तौर पर इफैक्ट करेगी। स्पीकर साहिब पहली पंचवर्षीय में स्पीकर साहब भी वहां मौजूद हैं, सिवानी से, टोहाना से, सिरसा से, कैथल से, नरवाना से, हांसी में इतने जगह पर बाढ़ से तबाही मचाई। मैं अपने क्षेत्र को बाढ़ से सुरक्षित समझता था लेकिन यहां पर प्रशासन की अव्यवस्था और सरकार की गैरजिम्मेवारी की वजह से मेरा इलाका भी बाढ़ की चपेट में आ गया। सिसाई एक ऐसा गांव है, वहां अक्सर बाढ़ आ जाती है और सरकार कोई हैल्प नहीं कर पाती। यह गांव हरियाणा का सबसे बड़ा गांव है। पिछली बार भी फ्लड आया था, उस वक्त भी मन्त्री थे। बाढ़ के पानी की मुकम्मल निकासी करवाई गयी थी। स्पीकर साहिब, एक फसली को चौधरी वीरेन्द्र सिंह की कांस्टीचुएन्सी से हो कर आता है, उसमें हांसी और बालू को इफैक्ट किया। सिसाए और पाबड़ा मेरी कांस्टीचुएन्सी के गांव हैं। इनके अलावा भाटला, मुजफ्फरपुर, पुट्ठी से मिर्जापुर आदि, मैं सारे के सारे गांव बाढ़ की चपेट में आते गए। स्पीकर साहिब, एक इलाका जो मोठ, मदनहेड़ी के गांव हैं, का मैं जिक्र करने जा रहा हूं। स्पीकर साहिब, नहरों के टूटने से जहां सरवां खुर्द और डाटा बाढ़ ग्रस्त हुए, वहीं सरसौद, सिसाई और राजथल मेरी कांस्टीचुएन्सी के तीन गांव हैं जो बुरी तरह से बाढ़ से प्रभावित हो कर नष्ट हुए। इन के गांव खाली हुए और लोगों को बाहर जा कर शरण लेनी पड़ी। स्पीकर साहिब, इसके अलावा, मैं यहां गांव में उमरा से, ढाणी पीरां से और ढाणा में बाढ़ की जो स्थिति थी, वह भी अधिक बारिश की वजह से रही। मैं किसी नहर को दोष नहीं देता, यह इलाका कुछ सेम का भी रहा है। मिर्जापुर छोटा है, ज्यादा है इन गांव में जो सेम की वजह से और बारिश की वजह से बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है। इसके अलावा, भैरी है, ढाणी पाबड़ा है और गैबीपुरा है, इन गांवों के रकबे में भी बहुत पानी भरा। मैं ये नाम इसलिए मेन्शन करना चाहता हूं कि जहां बाढ़ तूफान की वजह से जो बड़े बड़े गांव बर्बाद हुए हैं, वहां के गांव जिनका ज्यादा जिक्र नहीं हुआ, वे प्रभावित तो नहीं हुए लेकिन उनकी फसलें जरूर प्रभावित हुई हैं इसलिए मैंने इनके नाम मेन्शन किए हैं ताकि कहीं ये गांव हमारे आंकड़ों से बच न जाएं। जो किसान रेंड ए फाउल हैं, जो सुबह जाते हैं शाम को आते हैं, उनका नुकसान न हो, इसलिए इन गांवों का मैं मेन्शन करना चाहता हूं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि पूरे प्रदेश के अन्दर मुख्य मन्त्री महोदय, इनके वज़ीर साहब तथा इनका प्रशासन आंखें मूंदे हुए थे। विशेष तौर से यह एक आम चर्चा थी। स्पीकर साहिब, एक तरफ तो बाढ़ का प्रकोप आठ-आठ, दस-दस फुट पानी और लोगों की तबाही थी, और दूसरी तरफ मुख्य मन्त्री अपने जन्मदिवस और जलसे करने से बाज नहीं आ रहे थे। प्रदेश के लोगों के भंडार को लूट के चले जाते थे। जो बाढ़

से नवाजित देहात के किसान, मजदूर और व्यापारी भरा कर किसी अधिकारी को ढूंढते तो नहीं जवाब मिलता कि मुख्य मन्त्री जी का जन्म हुआ है, कहीं मुख्य मन्त्री जी द्वारा उद्घाटन है, वहां पर गए हुए हैं। बड़ी शर्म की बात है स्पीकर साहिब, जो सरकार यह दावा करती हुई सचिवालय के अन्दर ....

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहिब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह बिल्कुल बेतुकी और बे बुनियाद बात कहते हैं। मैंने दो तारीख के बाद कोई उद्घाटन, कोई पब्लिक मीटिंग नहीं की। मैंने सभी अधिकारियों को आदेश दिया कि वे मौके-वारदात मौके पर जाएं और जहां भी बाढ़ आ गई है, उसका इन्तजाम करें। वे पहले मेरे प्रोग्राम में पता कर लें, उसके बाद ही उनको कोई बात कहनी चाहिए।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : पांच तारीख के बाद भी आप हिसार जिले के प्रोग्राम देख लें।

चौधरी भजन लाल : वहां मैं बाढ़ को देखने गया था। मैं कल ही अपने तीन सहयोगियों व चौधरी बीरेन्द्र सिंह के साथ गया था।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : इसके प्रोग्राम मैं आपको बताने लग रहा हूं। आपके उद्घाटन थे, वह रिकार्ड की बात है आप देख सकते हैं, मैं गलत नहीं कह रहा हूं।

चौधरी भजन लाल : मैं बिल्कुल कहीं भी नहीं गया। मैंने तो 26 और 31 तारीख के प्रोग्राम भी कैंसिल कर दिए थे।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं पांच तारीख के बाद हिसार जिले के प्रोग्राम आपको बताने लग रहा हूं। स्पीकर साहिब, जहां इस बाढ़ वाले इलाके का ताल्लुक था, एक बड़ी विशेष बात हरियाणा के मुख्य मन्त्री के बारे में लोग कह रहे थे। देहात में एक मिसाल है कि जब किसान का बहुत ज्यादा नुकसान हो चुका होता है तो उसके मुंह से यह ठीक ही आता है कि अब चाहे मेरी जान भी चली जाए, इससे ज्यादा मेरा क्या नुकसान होगा। बर्बादी तो हो चुकी। लोग एक कहावत कहते हैं। बारिश हो चुकी थी, तेज हवा थी, एक ऊंचे से टीले पर मजबूर किसान बैठा हुआ था, ऊपर से बिजली चमकने लग रही थी, वह बरसात के उस राम को यह कह रहा था कि तू क्या बैठा मार मार कर देख रहा है, तेरा पूरा तक भी लोक-लाज रहा तो। स्पीकर साहिब, किसानों के अन्दर इतनी मजबूती है। जब जनता किसान परमात्मा भी करने से पीछे नहीं हटती तो किसान उस समय भी बहुत हिम्मत रखते हैं। धरती का सीना फाड़ कर अन्न पैदा करने वाले किसान अपनी हिम्मत भी नहीं छोड़ते। मुख्य मन्त्री जी हैलीकोप्टर में सैर करते रह रहे थे।
(जारी)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दशरथ के बारे में अपशब्द कहे हैं। मैं चाहूंगा कि ये शब्द हाउस की कार्यवाही से निकाले जाने चाहिएं। (शोर)

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहिब, मैंने दशरथ के बारे में कोई अपशब्द नहीं कहे। मैंने तो यही कहा है कि राम दशरथ का बेटा था। (शोर)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि ये किस बात के विधायक हैं, किस बात के नेता बनते हैं और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के प्रति ऐसे अपशब्द कहे क्या यह ठीक है ? मेरा निवेदन है कि इन शब्दों को हाउस की कार्यवाही से निकाला जाए। इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए। ये अपने आपको प्रोफेसर कहते हैं, इनको इस तरह की बात नहीं कहनी चाहिए।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहिब, दशरथ का बेटा राम था। यही शब्द मैंने इस्तेमाल किए हैं और ये बुद्धिमानी तौर पर ठीक बात है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस सहमत हो तो हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है हाउस का टाइम एक घंटा बढ़ाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

प्रो० छत्तर पाल सिंह : जिस समय मुख्य मंत्री हवें करने लग रहे थे, उस समय हरियाणा के किसान इनके बारे में जो अपनी भड़ास निकाल रहे थे, उनके बारे में मैंने ये शब्द इस्तेमाल किए हैं।

श्री अध्यक्ष : ऐसा है कि ऐसे मौके पर हवाई जहाज से ही जल्दी जाया जाता है।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहिब, मैं तो किसानों की फीलिंग कन्वे कर रहा हूं। जब मुख्य मंत्री हवें कर रहे थे तो वह किसान विरोध कर शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे और कह रहे थे कि मुख्य मंत्री किसी भलाई में कोई काम नहीं कर रहे।

एक तो मैं यह देखना चाहता हूं कि लोग अच्छी तरह से ठीक किए हैं कि नहीं और लोगों की अक्ल ठिकाने आ गई कि नहीं ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : उनकी अक्ल तो ठिकाने आ गई, आपकी अक्ल ठिकाने आई कि नहीं ?

प्रो० छत्तर पाल सिंह : मेरी अक्ल आपके कहने से ठिकाने नहीं आई । यह आपके बस की बात नहीं है । मैंने पिछली बैठक में भी कहा था कि 6 महीने के बाद आपकी जगह जेल में है । अगर मैं सही बात कहूंगा तो आप कहेंगे कि इसको हाउस से बाहर निकालो ।

श्री अध्यक्ष : छत्तर पाल जी, आप वाइंड अप करें ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, आप लीडर ऑफ दि हाउस से भी कहा करें कि वे भी हाउस की मर्यादा में रहा करें ।

श्री अध्यक्ष : आप मुख्तसर करें ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं मुख्तसर ही करूंगा । मैं अपनी समस्याएं बताने जा रहा हूं । स्पीकर साहब, इस सरकार और इसके मैनेजमेंट की अनदेखी और नाकामयाबी जिस प्रकार से किसानों ने, इसमें पोती समझो और आपके लोगों ने किया है, अगर उसी प्रकार से उन्हें सुविधा से काश्तकार और मजदूर करता तो कोई वजह नहीं हो सकती थी कि आज गांव के लोग शहर और ... तबाह होता । स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इरीगेशन मिनिस्टर से पूछता हूं कि जो 606 करोड़ रुपया वर्ल्ड बैंक से आपको हरियाणा प्रदेश की इरीगेशन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मिला था, वह कहां गया ? और हरियाणा प्रदेश को कर्जदार बनाते जा रहे हैं । यह आपको जस्टिफाईड नहीं होना चाहिए । अगर उस पैसे से गांव को एक्वायर करते हुए हरियाणा प्रांत की इरीगेशन व्यवस्था को मजबूत करते और नहरों को पक्की करवाते, उनके बैंकस को मजबूत बनवाते ताकि यह पानी पर्याप्त रूप से बहता हुआ आगे चला जाता । टेल तक पानी पहुंच जाता । स्पीकर साहब, मैं यह चाहूंगा कि सदन से यह मुनासिब समझेंगे कि उस पैसे का जो इस्तेमाल किया है, वह कैसे किया है ? इस बारे में एक श्वेत पत्र सरकार की ओर से आना चाहिए । वर्ल्ड बैंक वाले पैसे पर एक इन्क्वायरी होनी चाहिए ।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जो पैसा चीफ मिनिस्टर के फ्लड रिलीफ फंड के अन्दर आया है, आम जनता को विश्वास नहीं है कि वह पैसा ठीक लोगों तक वितरित हो जायेगा, यह विश्वास नहीं है । इसके लिए हाऊस की एक कमेटी बनाई जाये जिसकी देखरेख में वह पैसा बांटा जाये । अध्यक्ष महोदय,

[डा० [illegible] सिंह]
आज मुख्य मंत्री और सरकार को [illegible] पर शक किया जा सकता है और हमको
यह बात सुननी चाहिए । यदि किसी ड्रेनेज का नहर से पानी आगे जा रहा है तो
उसको रोकना नहीं चाहिए । अगर इस पानी को आगे से रोका गया तो फिर वह
डुबोगी ही । मेरे हल्के के सिवाय गांव में हर साल बाढ़, ज्यादा बरसात होने पर आ
ही जाती है । इस बाढ़ से जितने भी गांव प्रभावित हुए हैं, वे सब सरकार के
निकम्मेपन के कारण हुए हैं । [illegible] बांध को जब काट दिया गया और यह
बांध भी बंद है ताकि यहां आदमपुर का एरिया और हिसार में पानी न आ जाए ।
यह बांध आज भी बंद है । [illegible] फैसला कर रहे हैं लेकिन [illegible]
बालसमंद बांध को बंद कर दिया ताकि आदमपुर में पानी न जा पाये । चौ० एस०
[illegible] ने अपने हल्के को तो निकाल ही लिया और उसको बचा लिया, लेकिन दूसरे
चाहे कितने भी लोग डूब जायें, उसकी कोई फिक्र उनको नहीं हुई । सिवाय, [illegible],
[illegible] आदि गांव [illegible] बंद पड़े हैं । इन इलाकों के
लोग पानी के लिए तरस रहे हैं । बालसमंद बांध को बंद किया हुआ है । मेरी कांस्टी-
च्यूएंसी के गांव और हरियाणा प्रांत के दूसरे गांव जो बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, उस
बारे में यह कुछ भी बात है कि वहां न तो पानी की व्यवस्था की गई है और न
ही दवाई दी गई और न कोई रिलीफ की व्यवस्था की गई । आज सरकार इस बात
को सुनिश्चित करे कि बरसात के कारण जहां पर पानी खड़ा हुआ है, बीमारियां न
फैलें, उसकी रोकथाम के लिए तुरन्त पग उठायें । जो मकान गिर गए हैं, उनको
उचित मुआवजा दिया जाये और जिनकी फसल बर्बाद हो गई है, उनको उचित मुआ-
वजा दिया जाये । आज सरकार जो 400 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा
देने की बात कह रही है, यह किसानों के साथ एक मजाक है । इसलिए मैं चाहता
हूं कि किसानों को कम से कम 5000 रुपया प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया
जाना चाहिए । फसल की बिजाई, खाद, नलाई और लेबर आदि का खर्च है । जहां
सावनी और साढ़ी दोनों फसलें खराब हो रही हैं वहां कम से कम 10 हजार रुपये
प्रति एकड़ के हिसाब से प्रभावित किसानों को कम्पेंसेशन देना चाहिए । स्पीकर
सर, जहां तक [illegible] की [illegible] की बात है, उसके लिए सरकार
को कम से कम 50,000 रुपये मुआवजा प्रभावित लोगों को देना चाहिए । गरीब
हरिजनों और दूसरे व्यक्तियों के परिवार जो [illegible] में रहते थे,
उनके [illegible] को ज्यादा नुकसान हुआ है । उनके पास कोई [illegible]
नहीं है । (विघ्न) स्पीकर सर, मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है......
(घंटी) स्पीकर सर, मैं कनक्लूड कर रहा हूं । [illegible] को [illegible] किया
जाना चाहिए । जहां तक बिजली के बिलों का ताल्लुक है, वे माफ कर दिए जाने
चाहिएं । एक महत्वपूर्ण बात मैं और कहना चाहता हूं । स्पीकर सर, [illegible] के
अन्दर पुलिस की गोली से [illegible] लोग मरते हैं तो सरकार उस जिम्मेदारी को [illegible]
करती है और [illegible] रुपये कम्पेंसेशन देती है । मैं सरकार को अपील करता

है कि सरकार मुआवजा के अपने फैसले को रिव्यू करे (विघ्न) बाढ़ से मरने वाले परिवारों को कम से कम 2 लाख रुपये प्रति व्यक्ति सरकार को देना चाहिए और रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम करना चाहिए। जिन लोगों के घर बह गये हैं, उनको कम्पन-सेशन भी सरकार को देना चाहिए क्योंकि यह किसान की संपत्ति है। सभापति महोदय, इसके साथ ही मैं एक अहम मसले की बात उठाता हूं। मुख्य मंत्री जी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं, ताजपुर और सिकन्दरपुर गांवों के खूनी मर्डर केस का मामला चल रहा है। एडमिनिस्ट्रेशन का उसमें कोई कान्ट्रिब्यूशन रहा है या नहीं, मैं यह नहीं जानता। सभापति महोदय, वहां पर केवल हरिजन ही नहीं, सारे हिन्दुस्तान का सबसे बैकवर्ड कांस्टीट्यूएन्सी बिहार के अन्दर है। वहां पर मुसलमान किसान में जो ईसाई लोग मारे गये थे, जो जख्मी हुए थे। ... ताजपुर सिलाव का एक पत्नी जो ... अरेस्ट ... उसकी लाश भी। सभापति महोदय, एडमिनिस्ट्रेशन की ... चाहिए। मैं कहता हूं नवादा और ... कोई इसको अरेस्ट नहीं कर सका, ... लेकिन उसको ... करने के लिए वे इन्तजाम नहीं कर सके। ... के अधिकारियों ने ... को बार-बार ... किए, बार-बार ... किसी ... टेलीफोन करके ... अरेस्ट कर ... कि ... हो सकता है। मुसलमान ... चाहिए, मैं इस बात से सहमत हूं लेकिन किसी को बचाने के लिए ... और गांवों को बरबाद कर दिया जाए, यह ठीक बात नहीं है। सरकार इस ... को ... में जिसमें ... नहीं कर सकी, इससे ... कोई नहीं हो सकता। ... के अन्दर पुलिस ने ... ताजपुर ... और सिकन्दरपुर गांवों को बरबाद कर दिया। उसमें 9 आदमी ... एक दिन के अन्दर ... हो गए। इस प्रकार सरकार की ... इस बारे में ... कि सरकार इस मामले में ... हुई है। ... और एडमिनिस्ट्रेशन ... को बचाने के लिए ... लेकिन गांवों के ... भारतीय ... से ... जा रही है। ... के समय 150-200 ... में ... नहीं था। सभापति महोदय, मैं ... में मुख्य मंत्री जी से ... कि ताजपुर और सिकन्दरपुर गांवों को ... हुई है। आज भी वहां पर पानी ... है, ... में ... जाए। मुख्य मंत्री जी इस मामले में इन्टरवेन्शन क्यों नहीं करते, ... गांवों में ... को ... जाए। (व्यवधान) मैं ... हूं। सरकार को इस रिस्पॉन्सिबिलिटी को ... करना चाहिए। ... ही जवाहरलाल नेहरू जी ... 6 महीनों के लिए जो ... रिस्पॉन्सिबिलिटी है, ... इसके लिए ... देना चाहिए। सभापति महोदय, ... के ... पर ... सकें। मैं ... लोगों ... और ... हुए सभापति महोदय, आपका भी आभार

[डा० छतर पाल सिंह]

धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे अपने इलाके की और हरियाणा राज्य के लोगों की समस्याओं को हाईलाईट करने के लिए अवसर प्रदान किया है । धन्यवाद ।

श्री राम भजन अग्रवाल (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का टाईम दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । अध्यक्ष महोदय, फ्लड के ऊपर डिस्कशन के लिए दो दिन का टाईम दिया गया था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जसवीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । मेरा आपसे यह सबमीशन है कि सदन में डिस्कशन चल रहा है और आज हरियाणा प्रदेश बाढ़ से घिरा हुआ है । भिवानी जिले का बहुत बुरा हाल है और भिवानी जिले से सिर्फ एक ही मेम्बर बैठा हुआ है । अगर आप इन्हें टाईम दे देंगे तो ये ही बोलते चले जाएंगे । मेरी आपसे प्रार्थना है कि पहले आप मुझे बोलने का मौका दें ।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि रोहतक और भिवानी सबसे इफैक्टिड एरिया है और इस सदन का फर्ज था कि पहले यहां के सदस्यों की बात सुनी जाती, उनके दर्द को सुना जाता । रोहतक के बारे में जब बजाज साहब बोलने लगे तो उनकी भी पूरी बात नहीं सुनी गई । मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि मुझे भी आखिर में ही बोलने का मौका दिया गया और इसमें भी टोका-टाकी की जाती है । भिवानी एरिया के लोग बहुत ज्यादा इफैक्टिड हैं और बहुत दुखी हैं । वे लोग अपना दुख यहां पर नहीं कह सकते हैं इसलिए उनकी बात को यहां पर कहना मेरा कर्तव्य है । मुख्यमंत्री जी, भिवानी के यह हालात हैं कि वहां पर चाहे शहर का एरिया हो या गांव का एरिया हो, चाहे भिवानी के [illegible] इलाकों में, चाहे शिव नगर कालोनी हो, एम०सी० कालोनी हो या रोहतक रोड हो या [illegible] हास्पिटल हो, अब भी वहां पर 3-3 फुट पानी खड़ा है । मुख्यमंत्री जी 12 तारीख को वहां पर आश्वासन देकर आए थे कि 3 दिन के अन्दर अन्दर पानी निकाल दिया जाएगा । लेकिन बहुत ही अफसोस की बात है कि आज भी मेरे शहर के अन्दर बहुत इलाके ऐसे हैं जहां से ट्रैक्टर पर बैठकर भी नहीं निकला जा सकता है । मैं खुद वहां पर गया था और कल ही वापिस आया हूं । जहां तक गांवों का सवाल है, [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], गोरीपुर, [illegible] और [illegible] गांवों में अभी भी पानी खड़ा हुआ है । शहर के अन्दर [illegible] रोड पर डाक्टर [illegible] के [illegible] के पास आज भी इतना पानी है कि वहां पर ट्रैक्टर भी नहीं जा सकता है, वहां पर लोग कैसे रह सकते हैं ? अध्यक्ष महोदय, मेरे शहर को बहुत तबाही हुई है । वहां पर बहुत ज्यादा [illegible] हुई है । जब मैं हनुमान गेट पर से आ रहा था तो वहां पर एक [illegible] 4-5 दिन की बेटी को गोद में उठाकर पानी में से निकल रहे

थीं लेकिन आगे बढ़ना आ गया। इस मौसम के हुक्म से वह बच्ची गिर गई। जब माँ अपनी बच्ची को बचाने लगी तो वह खुद भी उस पानी में बह गई। इस के बाद ही उसी मोहल्ले में 8 साल का लड़का मनोहर का, पानी में डूब कर मर गया। अध्यक्ष महोदय, अगर आप वहां पर जाएंगे तो आप देखेंगे कि सारे स्कूल, कालिजिज और धर्मशालाएं बेमरम्मत बनी हुई हैं। वहां पर गुंडों और दंगों के कारण 22-22 और 23-23 साल के बच्चे मर गए हैं और उनकी दाद कोई सुनने वाला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर समाजसेवी संस्थाएं और हमारी पार्टी के कार्यकर्ता, लोगों को खाना, कपड़ा और उनकी सुविधाओं के लिए कई चीजें दे रहे हैं, सरकार का तो केवल मात्र प्रचार ही है। सरकार को कम से कम इन संस्थाओं को एप्रीशिएट तो करना चाहिए और अपना यह जो प्रचार कर रही है, उसको बन्द करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, सरकारी अधिकारी इस बात का प्रमाण हैं। वहां पर जो डिप्टी कमिश्नर और एस० एस० पी० थे, हम उनसे मिलने के लिए कहते रहे लेकिन हमें वहां पर जाने ही नहीं दिया गया। हमें उन लोगों से लड़ना पड़ा, हमने कहा कि हम जनता के प्रतिनिधि हैं, हमें उनसे मिलने दिया जाए, इस बारे में सरदार सिंह जी बताएंगे। मैं जो कह रहा हूं, यह सच्चाई है। आज तक मंत्री एंड कम्पनी ने हैलीकाप्टर रैस्ट हाऊस के अन्दर योजनाएं बनाते रहे हैं और शहर डूबता रहा। मुझे कहते हुए शर्म आती है कि मुख्य मन्त्री जी ने भिवानी के दुःख को देखने की कोशिश नहीं की। मैं कहता हूं कि ये गांव में बैठकर वहां पर गये थे लेकिन ये तो भिवानी के रैस्ट हाऊस में बैठकर ही वापस आ गए क्योंकि इनको भिवानी से डर लगता था, भिवानी की तकलीफ देखने की इनकी हिम्मत नहीं थी। यह तो चाहते थे कि भिवानी ऐसे ही डूबता रहे, लेकिन अध्यक्ष महोदय, दुःख के समय भेदभाव नहीं होना चाहिए। यह तो भावनाओं की बात है, इसलिए मैंने चण्डीगढ़ से नीची निगाह करके इनसे बात करी थी क्योंकि दुःख के समय आदमी क्या नहीं करता।

13.30 बजे

मेरा शहर डूब रहा था, आदमी मर रहे थे इसलिए मैंने इनसे बात की थी लेकिन जैसा इनका स्वभाव है, इन्होंने बहुत ही सभ्य और मीठा जवाब दिया और कहा कि मैं ठीक कुछ ठीक कर दूंगा। हवाई जहाज से सामान वहां पर भिजवाऊंगा, अधिकारियों से भी कहूंगा लेकिन जब कुछ भी नहीं हुआ तो अगले दिन फिर मैंने इनसे बात करने की कोशिश की और बताया कि या तो आपके अधिकारी आपकी बात नहीं मानते या फिर आप हमें मिसगाइड करते हो। इसके बाद मैंने फिर इनसे बात करनी चाही तो मुझे पता लगा कि ये आदमपुर गए हैं। मैंने आदमपुर में बात करने की कोशिश की तो मुझे पता लगा कि मुख्यमन्त्री जी बाथरूम में हैं, इसलिए मैंने फिर 15 मिनट बाद इनसे बात करने की कोशिश की तो मुझे बताया गया कि ये पूजा कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह कोई 6.30 बजे की बात है। मुझे पता नहीं कि इनके पी०ए० या सैक्रेटरी इनको बताते हैं या नहीं। मैंने सोचा यहां मुख्यमन्त्री जी की पूजा खत्म नहीं होती है। मैंने फिर बात करनी चाही लेकिन इनके पी०ए० ने फिर कहा कि मुख्य मन्त्री जी कार्यालय में बैठे हैं, इसलिए

[श्री राम भजन अग्रवाल]

मन्द आप बात नहीं कर सकते । मैंने दुखी होकर कहा कि मेरा शहर डूब रहा है, मैं बहुत दुखी हूं । मैं तो स्वयं ही उनसे बात नहीं करना चाहता था लेकिन दुखी आदमी क्या नहीं करता । आखिर वे मुख्यमन्त्री हैं इसलिए उनको तरफ देखना ही पड़ता है और फिर मैंने उनसे बात करने की कोशिश की । मुझे मंत्री जी ने धक्के देते हुए कि मुख्यमन्त्री जी ने मुझसे बात नहीं की । सर, अगर आप चाहें तो इस बात की तहकीकात करवा सकते हैं, इसलिए मैंने उनको अवश्य भी कहा । उनके पी0ए0 ने कहा कि आप लोग कौन हिसाब से मुख्यमन्त्री जी से बात करेंगे लेकिन मैंने कहा कि अगर मुख्य मंत्री जी के अन्दर कुछ मानवता है तो वह मुझसे बात कर लें क्योंकि मेरा शहर डूब रहा है, लोग बहुत दुखी हैं । इतनी मैचुरिटी वहां हो रही है लेकिन इन्होंने हमारे से बात करना उचित नहीं समझा और न ही यह सोचा कि वह जनता का प्रतिनिधि और कुछ मैं बात करना चाहता है । सर, इससे बड़ी शर्म की और क्या बात हो सकती है ? जब वे पोलिटिकल मीटिंग करने के लिए जगह जा सकते हैं और जा सकते हैं तो वे हमारे से बात क्यों नहीं कर सकते थे ? सर, हमारे पास और कोई चारा नहीं था इसलिए हमने विपक्ष के लोगों को बताया कि सरकार कुछ करना ही नहीं चाहती । वे एक दिन वहां आए भी थे लेकिन आने के बाद इन्होंने हमारा कोई दुख नहीं देखा और न ही हमें बुलाया । जब हमने डी0सी0 से कहा कि हमें सी0एम0 से मिलना है तो हमें निराशा का ही जवाब मिला कि मुख्य मन्त्री जी बात ही नहीं करना चाहते । वहां पर पुलिसवालों की आंखों आप देख लें, आज भी हनुमानगेट के अन्दर तीन से चार फीट पानी भरा हुआ पड़ा है । इसी तरह से स्वर्ग जिस जिसमें कमाने का इलाका डूबा हुआ है, वहां आज भी काम नहीं आ सकते । सारा शहर डूबा हुआ है लेकिन सरकार कह रही है कि हम पानी निकाल रहे हैं । पहले वहां पर 18 पम्प काम कर रहे थे लेकिन हम उनको देखकर आए हैं, अब केवल तीन पम्प ही काम कर रहे हैं । वहां पर जो पांच ट्यूबवैल के पम्प लगाए गए थे, उनमें से केवल दो पम्प ही काम कर रहे हैं । यह तो भगवान की कृपा हो गयी कि धूप निकल गयी और कुछ पानी जमीन में सोख लिया तिरछी जगह से थोड़ा पानी निकल गया । हमें नहीं पता कि वह पम्प सरकार ने क्यों बन्द कर दिए हैं या फिर उनको उठाकर दूसरी जगह कर दिया है ? अध्यक्ष महोदय, जहां तक डिस्पोजल का सवाल है, वैसे तो शहर के डूबने में प्रकृति का प्रकोप था, लेकिन कुछ और भी विशेष कारण थे जिनके बारे में हमने पिछले सैशन में भी कहा था एवं पिटीशन कमेटी में भी यह मामला उठाया था और लिखकर भी भेजा है । शहर के डूबने के तीन ही कारण हैं—पहला कारण तो यह था कि सीवरेज की सफाई हमारे कहने के बावजूद नहीं की गयी । अगर सीवरेज साफ होती तो पानी कम भाग हो जाता । इसी तरह से यदि नहरों की डीसिल्टिंग की गयी होती तथा नहरों की कैपेसिटी पूरी होती, तो वह पानी ले जाती । इसके अलावा एक कारण शहर डूबने का स्थानीय भी है । जितने भी यहां डाक्टर

थे, वे सब कट दिए गए । ये तटबन्ध हमारे पूर्व प्रधान मंत्री और उन लोगों के जो मुख्य मंत्री रहे के प्रभाव में है, उन्होंने कट किए और उन पर मकानात बना लिए। नालियां बन्द किए, नहरों की डी-सिल्टिंग की नहीं, सीवरेज की सफाई नहीं की । अगर यह सफाई हो जाती तो यह जो पानी का सैलाब था, इसको कम किया जा सकता था । बाढ़ पहले 26-27 अगस्त को आई थी। यह अंदाजा ने वार्निंग दी थी उसमें भी पानी बढ़ता जा रहा था । उसके बाद 5-6 दिन बाद फिर आ गई । पानी लगातार बरसात से 5-6 दिन तक चलता रहा था लेकिन डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन सोया रहा । यह ठीक है कि मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को सस्पेंड किया लेकिन यह कोई इलाज नहीं था । अगर ठीक अधिकारी लगाए हुए होते तो शहर का कुछ कल्याण होता, हमारी तकलीफ कुछ कम होती । अब जब पानी कुछ उतरा है तो बीमारियां फैलने की संभावना उत्पन्न हो गई है, ऐसे में दो बातों की विशेष जरूरत है। शहर के अन्दर गन्दगी के ढेर लगे हैं, लेकिन नगरपालिकाओं के पास कर्मचारियों और सफाई कर्म-चारियों को तनख्वाह देने के लिए भी फंड नहीं है। गन्दगी के कारण सड़कों से निकला नहीं जाता । अध्यक्ष महोदय, मुझे समझ नहीं आता कि लोग किस तरह से रह रहे हैं, शहर का तो बहुत बुरा हाल है । अब वहां फौरी तौर पर दवाइयों की व डी0डी0टी0 के छिड़काव की जरूरत है । रोगियों के इलाज का प्रबन्ध किया जाए । मैं और डा0 कंवर सिंह चौहान जब डी0एम0साहिब से मिले थे तो उन्होंने कहा था कि दवाइयों की कोई कमी नहीं है लेकिन जब हम गांवों में जाते हैं तो कहते हैं कि वहां कोई डाक्टर ही नहीं । वहां नहीं दवाइयां भेजी हैं गांवों के पास रखी हुई हैं । दूसरी तरफ कहा जाता है कि काफी लोग रास्ते के बन्धे काट दिए, सिंचाई भाग हैं, किसानों बहे हैं । हैलीकाप्टर से फूड पैकेट्स गिराए गए हैं, कुछ तो कुछ पैकेट लाए गए ये उनके अन्दर की पूरियां थीं, उनमें बदबू आ रही थी । कहीं जगह रहे थे, लोगों ने फैंक दी, पशुओं तथा बकरियों ने भी नहीं खाई उसका भर पाते । हम जब राशन बांटने के लिए जा रहे थे तो रास्ते में हमारा ट्रक फंस गया । हमने डी0सी0 से रिक्वैस्ट की कि हम एक गांव में खाद्य सामग्री बांट चुके हैं, दूसरे गांव में बांटने जाना है लेकिन उन्होंने हमारी कोई सहायता नहीं की । वहां तो कुछ था कि वहां पर मिलिटरी के आदमी थे, उन्होंने ट्रक निकलवाकर सामान का वितरण करवाया । अभी हाल की बाढ़ में गाड़ियां फंस गई उनको निकालने के लिए ट्रैक्टर जा रहा था, वह दलदल में फंस गया । दूसरा ट्रैक्टर भेजा वह भी फंस गया । हमने डी0सी0 से प्रार्थना की कि चार ट्रैक्टर फंसे हुए हैं और इनमें गाड़ियां भी हैं जिनको वहां से जाने के लिए कोई साधन नहीं रहा है । मैं रोडवेज के जी0एम0 से मिला और उन्हें फोन देने के लिए कहा, तो उन्होंने कहा कि चार दिन से फोन खराब है । ऐसे हालात में कैसे तबाही हो रही है, सड़कों पर रास्ते न हों और रोडवेज वाले कहते हैं कि फोन ठीक नहीं है, फोन नहीं जान-बूझकर नहीं देते या गलत से उठाते हैं । शहर में जो संस्थाएं और धार्मिक लोग काम कर रहे हैं, सरकार उनकी भी प्रशंसा नहीं कर रही है । अगर सामाजिक संस्थाएं न होती तो क्या दुर्गति होती, यह भगवान ही जाने । सरकार ने

[श्री राम भजन अग्रवाल]

हमारी मदद नहीं की, हमने तो अपने मैडीकल कैम्प खोले हैं, लंगर चलाए हैं और लोगों को खाना दे रहे हैं। हमने डी०सी० और अधिकारियों से कहा कि हम जनता के लिए जो लंगर लगा रहे हैं, उसके लिए फेयर डिस्ट्रीब्यूशन करने के लिए उचित बलाक कर दीजिएगा ताकि हमें किसी किस्म की कोई दिक्कत न हो, क्योंकि कई जगहों पर एक दफा खाना जाता है तो दूसरी जगह पर जाता ही नहीं। कई जगहों पर दो दो दफा जाता है। आगे से वे क्या कहते हैं? वे कहते हैं कि पहले आप यह कहो कि यह खाना सरकार की ओर से आया है। मेरा रोशन बलाक तो भी है, आप रैस्ट हाउस में ले जाओ, हम बांटेंगे, हम फेयर डिस्ट्रीब्यूशन करेंगे। लेकिन जो सामाजिक संस्थाएं थीं, वह इनके ऐसे व्यवहार से चिढ़ गईं जिस की वजह से कई जगहों पर हमें अपना यह काम बन्द करना पड़ा जिससे लोगों को दिक्कतें आईं। पैसा हम लगाएं, वर्कर हमारे काम करें और सरकार व उनके अधिकारी हमारे साथ ऐसा व्यवहार करें? ये बिल्कुल हमारे साथ सहयोग करने के लिए तैयार नहीं हैं लेकिन हमने बड़ी मुश्किल से यह लंगर चलाए हैं, क्योंकि यह तो एक मानवता की बात है। सरकार चाहे हमें सहयोग दे या न दे, चाहे सरकार भिवानी के साथ कैसा भी व्यवहार करे, भिवानी को इग्नोर करे, लेकिन हम अपना कर्तव्य मानवता के नाते करते रहेंगे और कर भी रहे हैं। इतना होते हुए भी हमारे लोग जनता की सेवा में लगे रहे। शायद सरकार ने भिवानी को हरियाणा के नक्शे से निकाल रखा है लेकिन मैं तो यही कहूंगा कि मानवता का तकाजा यही है। मैं मुख्यमंत्री महोदय से यह कहूंगा कि स्टेट के हर जिले से चाहे भिवानी हो, चाहे कोई और हो, सरकार को एक-सा व्यवहार करना चाहिए और पर्टीकुलर किसी एरिया को इग्नोर नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही साथ मैं सरकार से यह भी कहना चाहता हूं कि भिवानी के अन्दर बहुत सारे मकान गिरे हैं, जिस के कारण लोग दुःखी हैं। इसके साथ साथ यह भी कहना चाहता हूं कि आज शहर के अन्दर पीने का स्वच्छ पानी नहीं है। जो नलों के पानी है, उनमें सीवरेज का मिला हुआ पानी आता है। लोग इस पानी को पीने से बीमार हो जाएंगे और मरेंगे। कुछ टैंकर्स सरकार ने या मिलिटरी ने लगाए थे, वे वापिस चले गए हैं। अब हम अपने टैंकरों से लोगों को पानी सप्लाई कर रहे हैं। क्या सरकार शहर के अन्दर पीने के स्वच्छ पानी का इन्तजाम करेगी, यह मेरी रिक्वैस्ट है? क्योंकि अगर लोगों को यह पानी मिलेगा तो अच्छा नहीं होगा, इसमें सीवरेज का पानी मिला हुआ होगा। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि लोगों से पानी के दो-तीन महीनों के बिल न लिए जाएं। इसी तरह से बिजली का भी यही हाल है, कहीं पर है, कहीं पर नहीं है। इसलिए भिवानी के बिल भी सरकार कुछ देर के लिए मुआफ कर दे और इसी तरह से हाउस टैक्स की रिकवरी को भी सरकार छोड़ दे। इस दुःख की घड़ी में सरकार को लोगों का साथ देना चाहिए। म्युनिसिपल कमेटी के कर्मचारी हमें मिले, वे कर्मचारी हाउस टैक्स के बिल बांट रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधान जी ने हमें कहा है कि आज

500 मिल प्रवाह छोड़ कर आता है। हमने कहा कि सिवा कौन, लोग तो पानी के अन्दर घिरे बैठे हैं। इसलिए मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि हाथ के पैसा देने की बजाए काम शुरू किया जाए और फिर किसानों के लिए लोगों को कुछ टाइम दिया जाए। इस राज्य में कॉटन की बहुत ज्यादा प्रोडक्शन है। यदि मैनेजमेन्ट यहां नोटिस में न लाई तो कुछ दिनों के बाद कहलाएगा कि हमारे एरिया में बहुत सी मुश्किलें व मकान गिर गए हैं। उनमें जो रेजीडेन्ट्स रहते हैं, [illegible] मालिक मकान व टैनेन्ट्स भी लगते होंगे। मालिक मकान बनवाएगा नहीं और टैनेन्ट निकलेगा नहीं। इसलिए [illegible] सरकार [illegible]। कोई [illegible] किरायेदार है, उसका मकान गिर गया और दूसरा उसे मिलेगा नहीं, यह कहा जाएगा। मालिक मकान उसको रहने नहीं देगा। इस विषय में सरकार कोई ऐसा प्रावधान करे कि जो मकान गिर गए हैं, उन मकानों के मालिक अपने किरायेदारों को निकाल न पाएं। उनको [illegible] का काम [illegible] करें।

इसके साथ साथ अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि अब [illegible] का नोटिस ले रहा हूं। अब मैं पहले तो सरकार से यह कहना चाहता हूं कि [illegible] इसके लिए [illegible] सरकार [illegible] लोगों को [illegible] आम लोगों को [illegible] पहले सारे किसानों [illegible] की [illegible] करवाई जाए, और [illegible] सरकार [illegible] में [illegible] रहते हैं या कुछ ऐसे भी [illegible] सरकार [illegible] रहते हैं तो [illegible] लोगों को [illegible] न [illegible] किए जाएं [illegible]। जैसे पहले सरकार [illegible] में [illegible] किया गया है कि [illegible] अपने [illegible] का [illegible] करेंगे, लेकिन हमारे विचार से [illegible] यह तब कुछ [illegible] में ही होगा। इसलिए हम यह चाहते हैं कि सरकार एक सम्मानित लोगों की कमेटी बनाए जिसके द्वारा यह सारा काम किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, बहुत सी [illegible] हुई हैं। [illegible] के [illegible] और [illegible] के [illegible] गए हैं। इसके अलावा, कुछ पशु पानी के बहाव में भी [illegible]। कुछ [illegible]। मैं चाहता हूं कि उनको उचित मुआवजा दिया जाए। धन्यवाद।

[illegible] (रमेश? [illegible]): अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में बाढ़ के प्रकोप से भी तबाही हुई है, जो विनाश हुआ है, उसके ऊपर सदन में जो [illegible] से चर्चा चल रही है। फसलों को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। जो फसलें खड़ी थीं और हम यह सोच रहे थे कि अब की बार [illegible] होगा। यह सारा नष्ट हो गया। [illegible] गांव [illegible] हो गए, करोड़ों रुपए का [illegible] का नुकसान हुआ है। हजारों [illegible] के [illegible] में चले गए हैं और [illegible] खुले आसमान के नीचे [illegible] बैठे हैं। प्रदेश के करीब 75 प्रतिशत भाग में [illegible] हैं। [illegible] में [illegible] हरिजन [illegible] और [illegible] तौर से जो पूरे इस

[हिन्दी रूपान्तर देखें]

गुजरते हैं, उनका विशिष्ट होना स्वाभाविक है। विपक्ष के सदस्यों ने इस पर काल अटेन्शन नोटिस और ऐडजर्नमेंट मोशन दिए। उनका यह हक था। आपने और सदन के नेता ने जो फ़ाइनेंस के हक पर बहस के लिए दो दिन का समय दिया, इसके लिए भी हम आपके धन्यवादी हैं ताकि हम विस्तार से चर्चा कर सकें। स्पीकर साहब, यह बात भी ठीक है। इससे पहले तीन बार बाढ़ें मैंने अपनी आंखों से देखी हैं। इस बार जो इतनी तेज बाढ़ आई, मुझे लोगों ने कहा कि ऐसी बाढ़ कभी देखने में नहीं आई। स्पीकर साहब, कहते हैं कि अनुमान से कहीं ज्यादा बारिश और तूफान आया। हमारे बुजुर्गों ने यह भी बताया कि जहां पर पहाड़ छूते हैं और वहां पानी नहीं जाता, वहां भी पूरी की पूरी फसल के नुकसान हो चुके हैं। जान माल का भी कोई अंदाजा नहीं है। ऐसी हालत के बाद हम सब की भारी जिम्मेवारी बनती है। ऐसे समय न तो आरोप और प्रत्यारोप से लोगों को राहत मिल सकती है, न ही पॉलिटिक्स खेल के राहत मिल सकती है। अगर राहत मिल सकती है तो मिलकर काम करके और उनके साथ संवेदना प्रकट करके मिल सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो सत्ता पक्ष के साथी हैं, उनकी ज्यादा जिम्मेवारी है क्योंकि हमारा वैलफेयर स्टेट है। हर एक की जानमाल की हिफाज़त, हर एक के दर्द की जिम्मेदारी सरकार के ऊपर है। जिस तरह से कुदरत का यह कहर बरपा है, यह हम सब के लिए एक चेतावनी है। परमात्मा यह दिखाना चाहता है कि यह जगत का संकेत है। [illegible] के सामने सारे विज्ञान और ज्ञान कुछ नहीं रह जाता। ऐसा विनाश हो सकता है, कोई अन्दाज़ा नहीं लगेगा। शायद इसलिए कि इंसान अपने स्वार्थ पर चलने लगता है। वैसे हमारे शास्त्रों में लिखा है कि जीव की जो रचना की गई है वह सुख के और एक दूसरे का भला करने के लिए की गई है। हम आपस में मिल कर भाईचारे के लिए शांति और सद्भावना से काम करें। हमारे बीच में अलगाववाद की बातें और दूसरी बातें जो आ रही हैं, उनको उभरने न दें। हम इस बात को भी ध्यान रखें कि यह कितने दिन की जिन्दगी है, और कब क्या हो सकता है, इस बात का ध्यान रखें। मैं इस बात में ज्यादा नहीं जाना चाहता और शायद इस वक्त मैं ज्यादा कहना भी चाहता नहीं था। क्योंकि पहले जब [illegible] की मीटिंग हुई थी, उसमें हम भी शामिल थे। इसके बाद [illegible] जी के साथ में ये बातें आई थीं। वे खुद भी [illegible] गए हैं। मैं तो यह कहता हूं कि जिस किसी किसान का भी नुकसान हुआ है, वह तो हमारी चिन्ता का विषय है। एक व्यक्ति भी [illegible] है, वह भी हमारी चिन्ता का विषय है। लेकिन मैं यह बात कहना चाहूंगा कि सर्वाधिक नुकसान रोहतक में हुआ है और रोहतक में भी [illegible] सबसे ज्यादा पीड़ित है। वहां पर इतनी बुरी हालत है कि वहां अब भी पानी खड़ा है, जिसकी वजह से [illegible] का कोई भी रास्ता दिखाई नहीं देता है। स्पीकर साहब, मेरे हल्के के [illegible] और [illegible] ऐसे गांव आते हैं जो बहुत ऊंचाई पर स्थित हैं। इन

गांवों को हमेशा सूखे का सामना करना पड़ता है। ये और नहरों की टेल पर हैं। इन गांवों को हमेशा सूखे का सामना करना पड़ता था लेकिन आज वहां पर चार चार फुट से लेकर 11-11 फुट तक पानी खड़ा है। इस पानी की एक ऐसी झील बनी हुई है जो 13 किलोमीटर दूर से लेकर बेरी है और 8 किलोमीटर की चौड़ाई में पूरे भिवानी रोड से कलानौर और [illegible] किलोमीटर तक खड़ा है। ऐसे हालात ने मेरे क्षेत्र के चार गांवों के लोग, मजदूरों को, किसानों को अपनी झुग्गियां डाल कर बैठे हुए हैं। लेकिन माननीय सदस्य दो दिन से लगातार * * * * रहे हैं कि करतार देवी ने नहर कटवा दी, करतार देवी नहर कटवाना चाहती है। दो दिन से इन्होंने यही रट लगा रखी है। (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादियान : स्पीकर साहिब, यह शब्द अन-पार्लियामैंटरी है, इसलिए इस शब्द को एक्सपंज करवाएं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : यह शब्द रिकार्ड न किया जाए। (शोर)

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहिब, माननीय सदस्य दो दिन से लगातार कह रहे हैं कि करतार देवी ने नहर कटवाई है। वह अपने ही एरिया की बात [illegible] नहीं, उनमें शायद किसी भी किस्म की सूझबूझ का पता न हो। ड्रेन नम्बर 8 में [illegible] कैपेसिटी में पानी चलता रहा है। [illegible] ड्रेन कटने से मेरे हलके के 8 गांव [illegible], [illegible] और [illegible] आदि पानी की चपेट में आ गए। [illegible] जिस [illegible] की चर्चा कर रहे हैं, [illegible] का भी [illegible] न हो यह बात यहां पर आई है। हमारे क्षेत्र के चार गांवों के अलावा जिनमें [illegible] के लोग भी शामिल हैं ......(शोर)

श्री [illegible] सिंह चौहान : स्पीकर साहिब, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मुझे यह [illegible] है कि हम दुखी हैं और वह इसलिए भी [illegible] दुखी हैं। बहन जी ने यहां पर जिस [illegible] से कार्यवाही की है, वह ठीक नहीं की। स्पीकर साहिब, मैं आपके माध्यम से बहन जी से प्रार्थना करता हूं कि अगर यह बात ठीक न हो तो [illegible] कि [illegible] 7 तारीख को साढ़े तीन बजे पुलिस फोर्स की सहायता से उन्होंने भिवानी रोहतक रेलवे लाईन को 10 जगहों से नहीं कटवाया तो मैं कसूरवार हूं वरना ये कसूरवार हैं। स्पीकर साहिब, मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि [illegible] हाऊस की एक टीम वहां पर भेज दें और वह इस बारे में तहकीकात करता है। यह टीम जाकर तफ्तीश और [illegible] जाए, अगर वहां के लोग यह कह दें कि उसको कटवाने में श्रीमती करतार देवी का हाथ है तो यह करतार देवी की जिम्मेदारी बनती है, वरना मैं कसूरवार हूंगा। इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं और इस बारे में मैंने सिंचाई मंत्री जी से प्रार्थना की है कि [illegible] से 490 क्यूसिक्स पानी चल रहा है और निकासी का पम्प केवल 350 क्यूसिक्स पानी उठा रहा है जिसके कारण 140 क्यूसिक्स पानी दूसरे इलाके के गांवों में भरता जा रहा है।

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[प्रो० छत्तर सिंह चौहान]

मैं आपको बताना चाहूंगा कि गांव कैलाश में 8-9 फुट पानी खड़ा है। वहां पर इरीगेशन ने बांध बनाए हैं लेकिन जब तक पानी को आगे निकालने का रास्ता नहीं मिलेगा तो यह गांव डूब जाएगा। अब तक [illegible] से गांव [illegible] में वाले पानी निकालने का रास्ता नहीं दिया जाता तब तक इसमें और अधिक पानी न डाला जाए।

चौधरी करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों के गांवों के डूबने की बात कहते हैं उस बारे मैं ऐसा कहना है कि बाढ़ गांवों के डूबने के कारण ही मेरे हल्के के गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मेरा गांव [illegible] डूबा क्योंकि उसमें दूसरे गांव का पानी आ गया। [illegible] गांव भी डूबने के लिए था। गांव में 8-8 फुट पानी खड़ा था। उनके साथ के दूसरे गांव के लोग कहने लगे कि हम दूसरे गांव का पानी अपने गांव में नहीं आने देंगे। मैं भी वहां पर किसी तरह से पहुंची। मैंने उसी गांव वालों को हाथ जोड़ कर कहा कि लड़ाई झगड़े की जरूरत नहीं है। [illegible] व [illegible] गांव के आदमी अकेले नहीं गए। उनके साथ डी०सी०, एस०डी०एम० भी गए। वहां पर [illegible] आदमी गए और उन्होंने बिल्कुल गलत फैसला किया। (विघ्न) वहां पर लोग कुल्हाड़ियां और [illegible] लेकर लड़ने-भिड़ने के लिए तैयार खड़े थे। मैंने लोगों को बहुत समझाया। मैं बात साफ कहती हूं कि मेरे हल्के के [illegible] पांच गांव इस बाढ़ की वजह से डूबे हैं। [illegible] गांव में [illegible] लोगों को [illegible] रहे हैं उनको [illegible] रहे हैं। गांव के गांव डूबे हैं क्योंकि मेरे हल्के के गांवों में बाढ़ का पानी खड़ा है। बाढ़ की [illegible] आपके अकेले की नहीं है। हमारा भी यहां पर सभी पर इतना ही अधिकार है जितना आप अपना समझते हैं। स्पीकर साहिब, मैं बताना चाहती हूं कि मेरे जो पांच गांव डूबे पड़े हैं उनमें बहुत अधिक पानी खड़ा है। [illegible] गांव में तो 11-11 फुट पानी अब भी खड़ा है। [illegible] गांव की तो हालत यह है कि वहां पर किश्ती भी नहीं जा सकती। मेरे पांचों गांवों की हालत बहुत ही खराब है। हम इस दुख की घड़ी में इन लोगों के आंसू भी पोंछने में असमर्थ हैं। वहां पर सरकार ने बड़ी मुश्किल से खाने-पीने की चीजों का प्रबन्ध किया है। ये ऐसे हालात में भी राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। इस दुख की घड़ी में इस महान सदन के सामने यह विचार रखना चाहती हूं कि मेरे हल्के के 24 के 24 गांवों का पानी, जो निकल सकता है तो यह ड्रेन नं० 8 के माध्यम से ही निकल सकता है। [illegible] ने काम भी बहुत किया है। यह पानी [illegible] के रास्ते से निकलेगा जी, लेकिन 5 गांवों का पानी निकालने के लिए, लोगों को [illegible] देने के लिए और कोई रास्ता नहीं है। [illegible] मैं [illegible] का नाम लूं, तब भी यहां [illegible] कहूंगी और [illegible] का नाम लूं, तो भी यहां बात कहूंगी, लेकिन मैं यह बात जरूर कहना चाहती हूं कि 5 गांवों की आबादी इस बाढ़ के लिए [illegible]

रही है क्योंकि वहीं पर जिरवाड़ नाली बह रहा है। पीछे से जो और पानी आ रहा है वह कम नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में जो कदम उठाए गए हैं, उनके लिए मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी की आभारी हूं कि प्रशासन ने वहां पर पूरी मदद भेजी है, चाहे वह राशन की मदद हो, चाहे दूसरी तरह की राहत हो, वह भिजवाई गई है। स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं एक और बात भी कहना चाहती हूं, चाहे इसकी मन्त्री जी सर्वाधिक भी कम होती होंगी लेकिन मैं यह जरूर कहूंगी कि दोनों जिलों के बीच में हम पिस रहे हैं। को-आर्डिनेशन न होने की वजह से अधिकांश रकमें लैप्स हो सकते हैं, इसलिए मेरा मुख्य मन्त्री जी से यह अनुरोध है कि इसको ठीक करवाया जाए ताकि लोगों को कुछ राहत पहुंच सके। अभी हमारे खेतों में पानी खड़ा है, गांवों में पानी भरा है, गलियों में पानी खड़ा है, ऐसी बुरी हालत कहीं पर भी नहीं होगी जैसी हमारे यहां है।

स्पीकर सर, इसके साथ ही मुझे जो मौका मिला है, उसमें मैं स्वास्थ्य के बारे में भी एक बात कहना चाहूंगी। स्वास्थ्य के बारे में सभी सदस्यों ने चिन्ता व्यक्त की है। सभी की चिन्ता जायज है। हो सकता है पहले 3-3 दिन हम पूरी तरह से सिचुएशन को सम्भाल न पाए हों, लेकिन आज की तारीख में हमने 2 हजार के करीब मैडिकल टीमें बनाकर गांवों में भेजी हैं तथा डाक्टरों की व्यवस्था की गई है। हर मैडिकल अफसर और डिस्पेंसरी की व्यवस्था के बारे में निर्देश दिए गए हैं। हर जिले में दवाईयों का प्रबन्ध है। 10 लाख से कहीं ज्यादा मरीजों को 22 तारीख तक देखा गया है। आगे के लिए भी मैं इस महान सदन को आश्वासन देना चाहती हूं कि जहां तक किसी महामारी के फैलने का सवाल है तथा लोगों को महामारी से स्वस्थ रखने का सवाल है, हालांकि यह बात गारन्टी से नहीं कही जा सकती, क्योंकि इसमें जनता की जरूरत है लेकिन हम अपनी मेहनत में कोई कोताही नहीं करेंगे। कोशिश करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करती हूं। स्पीकर साहब, आपने मुझे अपनी बात कहने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं। धन्यवाद।

चौधरी जिले सिंह (तोशाम) : अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन में दो दिन से फ्लड की सिचुएशन पर बहस चल रही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बाढ़ से हरियाणा प्रदेश के अन्दर भारी बारिश से तबाही हुई है लेकिन पानी के जो नैचुरल फ्लो थे, वे लोगों ने उलट-पलट कर दिए। जहां जिसकी मर्जी आई, वहां से पानी काट दिया। ऐसी जगहों पर पानी पहुंच गया जहां पर जाने की कभी उम्मीद भी नहीं थी। स्पीकर सर, 1977 की बाढ़ भी हमने देखी है। जिन गांवों में 20-20 फुट पानी था और जिन्हें लोग कहते थे, वे गांव इस बाढ़ में सूखे पड़े हैं और उनके साथ एक किलोमीटर हटके गांव जो टिब्बे पर थे, उनमें 5-6 फुट पानी खड़ा है। यह इसलिए हुआ क्योंकि पानी को जिस-जिसने ने ऐसे मोड़ा

[चौधरी छिले सिंह]

जैसे कहा दिया गया है हरियाणा की सारी स्टेट के अन्दर पानी आया है तथा बहुत ज्यादा गांव इससे प्रभावित हुए हैं । अध्यक्ष महोदय, दादरी और रोहतक के अन्दर 27-28 तारीख को पानी आ गया था । मैं 27 तारीख को भिवानी गया था, दादरी पावर हाउस के पास जहां नहर की पैट्रोल पम्प है, उसके आगे 15 फुट के अन्दर, एक-एक फुट पानी दादरी की तरफ बढ़ रहा था जब मैं वापिस आया तो वह पानी बढ़ कर दादरी के नजदीक पहुंच गया था और फिर मैं झज्जर के दादरी के पास कालियावास गांव में 27 तारीख को आया और 27 तारीख को ही वापिस रोहतक में आया था । जनता ने कहा कि सुनारिया गांव ने हमें डुबो दिया । अध्यक्ष महोदय, मैं 31 तारीख को रोहतक गया और 22 तारीख को आया बहादुरगढ़ मुझे मजबूरी में वापिस आना पड़ गया था । जब मैं बेरी से निकला तो बेरी के पावर हाउस में 3-3 फुट पानी भरा था और बेरी का पानी बहादुरगढ़ की सड़क काट कर, बादुर [illegible] की तरफ निकल रहा था । अध्यक्ष महोदय, आसन्दा गांव से जब हम पुल से निकले, आसन्दा से लेकर 3 किलोमीटर तक, 3-3 फुट पानी सड़क पर खड़ा था । जब हम सुनारिया गांव के अन्दर 31 तारीख को पहुंचे तो वहां पर 5-5 फुट पानी खड़ा हुआ था और जनता यह कहती है कि सुनारिया गांव ने हमें डुबो दिया । अध्यक्ष महोदय, 31 तारीख को भूकड़ा चौक के अन्दर तक पानी आ गया था । अध्यक्ष महोदय, आखिर 4 तारीख को हुई और अब 6 तारीख को आई है, जो पानी 31 तारीख को दादरी, भिवानी और रोहतक में आ गया था, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि उसके लिए प्रशासन ने क्या कदम उठाए थे ? मैं यह कहता हूं कि इन्होंने कोई कदम नहीं उठाए थे । अध्यक्ष महोदय, अगर सारी ड्रेनें साफ हो जातीं तो ऐसी नौबत नहीं आती । मैंने 24 तारीख को ड्रेन नं० 8 को बहादुरगढ़ से सूनेटी के [illegible] तक देखा था । सूनेटी से तीन किलोमीटर [illegible] तक ड्रेन नं० 8 जाम पड़ी हुई थी । यह इसलिए था क्योंकि पीछे से पानी बह नहीं सकता था, वहां ड्रेनें पानी खींच नहीं रही हैं । वहां पर 20 किलोमीटर तक घास लगी हुई है । अगर इन ड्रेनों की टाईम पर सफाई हो जाती तो आज यह नौबत नहीं आती । विशेषकर रोहतक को, जहां पर बहुत सी ड्रेनें हैं, उसको डूबने से बचाया जा सकता था । अध्यक्ष महोदय, जगदीश नेहरा जी ने कल जवाब दिया था कि ड्रेनों की सफाई के लिए जमुना वाटर सर्किल रोहतक के अन्दर 37.71 लाख रुपया खर्च किया गया है । अध्यक्ष महोदय, मैं यह चाहूंगा कि आप सदन की एक कमेटी बनाएं और कुछ सदस्यों की [illegible] ड्रेनज की सफाई के लिए किस-किस ड्रेन पर क्या क्या काम हुआ और कितना-कितना पैसा खर्च हुआ । अध्यक्ष महोदय, मैं और चौधरी [illegible] जी विधान सभा में एक मीटिंग में आ रहे थे । हमने ड्रेन नं० 8 के अन्दर तीन ट्रैक्टर खड़े देखे और उनमें से दो ट्रैक्टर ड्रेन की सफाई कर रहे थे और एक ट्रैक्टर के ऊपर से मोटी [illegible] रखा था । नेहरा जी यह भी बताएं कि इन ड्रेनों की सफाई किस चीज से करवाई

है क्योंकि इसकी जो ड्रेनें जो सफाई करने वाली मशीनें थीं, वे ठीक नहीं हुई थीं। ड्रेनों की सफाई हुई ही नहीं है, अगर सफाई हो जाती तो आज ये हालात न होते। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को पता है कि ... लिंक ड्रेन की सफाई के लिए वर्ल्ड बैंक से पैसा आया था और इस पैसे के लिए एक्सईएन ने सी०ई० से कहा था कि इसका एस्टीमेट बनाएं क्योंकि इतनी इसकी सफाई करनी है। सी०ई० ने नालियों के अनुसार, नहरों की कितनी कैपेसिटी है, उसमें दो साल में कितनी गाद भर सकती है, क्यूबिक्स का हिसाब लगाया और उसके अनुसार प्रति हजार फीट 80 हजार रुपए का एस्टीमेट बनाया था। ... में कहा गया था कि वर्ल्ड बैंक का पैसा है, इसलिए एस्टीमेट कुछ ज्यादा बनाओ। वह सी०ई० वहां से भाग गया और उसकी जगह पर जो सी०ई० आया था, उसने वहां एस्टीमेट साढ़े चार लाख का बनाया। अध्यक्ष महोदय, वहां पर भी लाख रुपए की पेमेंट हो गई। इस बारे में मुख्य मंत्री जी के पास कम्पलेंट भी हुई तथा डिपार्टमेंट ने इसकी विजिलेंस से इंक्वायरी भी करवाई। आज डिपार्टमेंट वाले कह रहे हैं कि वह रिपोर्ट दाब के बैठ गई है। यह बात इनके नोटिस में है और इस बारे में मुख्य मंत्री जी बताएं कि स्थिति क्या है और इसकी रिपोर्ट इस सदन में पेश करें। जब ऐसे हालात होंगे तो प्रदेश में बाढ़ आनी ही थी। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार सरकार ने बाढ़ के ऊपर खर्च किया और किन-किन मदों पर किया है, मैं तो यह कहता हूं कि जब पहले चार तारीख को आया था तो 5, 6, 7 और 8 तारीख को लोगों को सहायता की जरूरत थी, खाने की जरूरत थी, लोगों को खाने की सामग्री के पैकेट की जरूरत थी लेकिन जब मैंने दिल्ली ... या किसी दूसरी जगह पर सैकड़ों हो गए थे तो उनको कुर्सियां, 100-100 मन खाद और मोमबत्तियां देकर, ... देना तो उन लोगों के साथ बहुत एक मजाक हुआ था।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय एक घंटा और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय एक घंटा और बढ़ाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

चौधरी बिजेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, 14 तारीख को रोहतक के अन्दर 12 लाख सिलिंडरों की परचेज हुई है। खरीदी हुई वस्तुओं में एक सब्जी की कीमत 26

[चौधरी जिले सिंह]

रुपए हैं जबकि आज तनख्वाह 90 रुपए दे रही है। इसी तरह से वे इतने रुपये को मोनिटरिंग करते नहीं हैं। मेरी समझ में नहीं आता कि इतने सारे पैसे को बरबाद करने की क्या जरूरत थी? आज भी मजदूर खाली बैठे हैं, जो किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ खाली बैठे हैं और जो जगह जगह पर डिग्गियों पर पड़े हैं, आज 25 दिन हो गए हैं, अगर इस पैसे से ड्रेन नं० 8 को उन ट्रैक्टरों वाले किसानों से, मजदूरों से काम करवाते तो यह ड्रेन भी बन जाती और यह पैसा भी बरबाद न होता अपितु इन खाली बैठे लोगों को रोजगार भी मिलता। आज जो आप उनको 300–300 रुपए यदि व्यक्ति बांट दे रहे हो, इससे उनका क्या होगा? इतना आटा तो हम किसी भिखारी को ही दे देते हैं। इतना आटा देकर हम उनकी कितनी मदद कर सकते हैं? इस तरह से आपने लोगों की क्या मदद की है? आपको तो लोगों को सेल्फ डिपेंडेंट बनाना चाहिए ताकि वे अपने आप कमाने में सक्षम हो सकें। अध्यक्ष महोदय, आज एक मकान पांच लाख रुपये में बनता है, जबकि सरकार उनको पांच या दस हजार रुपये दे रही है। यहां पर रेवेन्यू मिनिस्टर साहब बैठे हैं, इनको भी पता होगा कि 22 x 12 x 16 के एक जमींदार के मकान में कम से कम तीन या चार कमरे तो होते ही हैं और एक कमरा 90 हजार रुपये में बनता है, इसलिए ऐसा थोड़ा मोड़ा मुआवजा देने से कोई फायदा नहीं है। सर, जितना भी फ्लड का पैसा है, उसका मिसयुटिलाइजेशन न हो; इसके लिए एक कमेटी बननी चाहिए जो यह देखे कि यह पैसा ठीक तरह से यूटिलाइज हो रहा है या नहीं। सर, आज भी लोग [illegible] और पूरी [illegible] रहे हैं, स्वयंसेवी संस्थाओं ने लोगों की बहुत मदद की है लेकिन सरकार सो रही है। यहां पर इतने इतने बड़े [illegible] हैं। अगर सरकार ट्रैक्टरों वालों को 90 रुपए देने के बजाए 150 रुपए दिहाड़ी दे ताकि इनको पूरी दिहाड़ी मिले और वे अपने खेतों का तथा दूसरे लोगों के खेतों का भी पानी निकालें और सड़कों तक भी पानी निकालें। इस तरह की व्यवस्था की जाए ताकि फसल बरबाद न हो तथा पैसे का भी यूटिलाइजेशन ठीक ढंग से हो सके। मैं तो कहूंगा कि इसके लिए हाउस की एक कमेटी बनायी जानी चाहिए या फिर कोई ऐसा ही दूसरा सिस्टम बनाया जाए ताकि हजारों जो मकान और कुएं डैमेज हुए हैं, उनकी तुरन्त इसी पैसे से मुरम्मत हो सके। आज सबसे बड़ी समस्या इस बात की है कि बाढ़ की वजह से जिन किसानों और मजदूरों पर भारी मार पड़ी है, उनकी यह फसल तो तबाह हो ही गयी है लेकिन अगली फसल की बिजाई के लिए उनके खेतों का पानी निकालना जरूरी है। अगर अगली फसल भी नहीं बोयी गयी तो उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ेगा। आज उनके मकान गिर गए, गेहूं, चना, जौ और चारा सब कुछ पानी में बह गया। उनके पास आज कुछ भी नहीं बचा है। इसलिए अगर उनकी अगली फसल की बिजाई हो जाएगी तो शायद वे इस हादसे को भूल ही जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, किसानों के खेतों में जो कुएं लगे हुए थे, वे भी ढह गए। जो ज्वार बाजरे की खेती लगी होती है, वह भी गल गयी है और इसके

किसानों का अपने पशुओं के लिए चारे का इन्तजाम सबसे ज्यादा है। दिल्ली के अन्दर चारे का रेट बढ़ाई रुपए और तीस रुपए क्विंटल है। यह चारा यहां पर हरियाणा से ही जा रहा है अगर इसी तरह से चारा दिल्ली जाता रहा तो यहां पर चारा ढूंढ़ने से भी नहीं मिलेगा। सर, एक व्यक्ति का पेट भरने के लिए कम से कम सवा किलो अनाज जरूरी होता है लेकिन एक भैंस, एक गाय, एक बैल का पेट भरने के लिए तीस चालीस किलो चारे की आवश्यकता होती है। इस प्रकार से एक किसान 150-160 रुपए क्विंटल का चारा अपने एक पशु को कैसे खिला पायेगा? इसलिए चारे का एक्सपोर्ट बन्द करना बहुत जरूरी है (विघ्न) जहां तक किसानों का ताल्लुक है, इस बारे कम से कम किसानों को खाद पर और बीज पर सब्सिडी दी जानी चाहिए। इसी तरह से ट्यूबवैल पर थोड़ी बहुत सब्सिडी दी जाए और जितनी भी किसानों की तरफ तकावी रहती हुई है, बिल्स हैं, लोन वगैरह हैं, उनको सरकार कम से कम 6 महीनों तक किसानों से न ले। इसके अलावा, जो सबसे जरूरी मामला यह है कि रोहतक के अन्दर जो सीवरेज का पानी है तथा जो ड्रेन नम्बर चार पर है जिसका आउट लेट सोनीपत की तरफ जाता हुआ ड्रेन नं0 8 में गिरता था, उसको सोनीपत वाले लोगों ने, डूबने के डर से उस जगह से बन्द कर दिया क्योंकि पानी वहां पर ज्यादा आ गया था। सर, सब अपना अपना बचाव करते हैं। मैंने इस बारे में अपनी काफी अटेंशन मोशन भी दे रखा है। यह पानी आज जे0एल0एन0 नहर में डाला जा रहा है जबकि उसे जे0एल0एन0 नहर के साथ के कई गांव बाहर पड़ते हैं। पहले जो मरे हैं, वे तो मर ही चुके हैं, लेकिन रिठाल, महमूदपुर और कान्हीपाल के जो गांव अभी बच रहे हैं, क्या उन गांवों के लोगों को भी यह गन्दा पानी पिलाकर मारने की नीयत है? हम नहीं कहते कि रोहतक का पानी न निकालो, लेकिन जे0एल0एन0 नहर 11 किलोमीटर की दूरी पर है जबकि ड्रेन नं0 8 रोहतक से एक फर्लांग भी नहीं है। गन्दे पानी को ड्रेन में डाल दो और नहरों का जो साफ पानी है, उसे जे0एल0एन0 फीडर में डाल दो, उसमें कोई दिक्कत नहीं है। कोई ऐसा कानून नहीं है कि इतने गन्दे पानी को ट्रीट करके लोगों को पिलाया जा सके। यह फैसला ठीक क्यों नहीं, क्यों 5 किलोमीटर लम्बी ड्रेन खोद के जे0एल0एन0 फीडर में पानी डाल दिया गन्दे नाले का? क्या इसका कोई परमानेन्ट सोल्यूशन है? सोनीपत के लोगों ने इसको परमानेन्टली बन्द कर दिया है। मेरी गुजारिश है कि उस पानी को जे0एल0एन0 से हटाकर ड्रेन नं0 8 में निकालें और जो गन्दा पानी है, उसे जे0एल0एन0 में बिल्कुल न डालें। इससे भी कम से कम सैंकड़ों गांवों को पानी सप्लाई जे0एल0एन0 नहर से की जा रही है। अगर उनको इतना गन्दा पानी पिलाया जाएगा तो जो लोग पहले से पीड़ित लोगों को असहाय कर रहे हैं, वे क्या ठीक रह पाएंगे जब सब ही बीमार पड़ जाएंगे?

अध्यक्ष महोदय, बिजली का बहुत बुरा हाल है, कलानौर सब-डिवीजन का बुरा हाल है। मैंने मंत्री जी को कई बार कहा है कि वहां न कोई एस0डी0ओ0 है, न एस0डी0ओ0 है, न कोई अधिकारी है। पूरे रोहतक जिले का सबसे ज्यादा

[चौधरी बिजे सिंह]
ट्रांसफार्मर और डिस्ट्रीब्यूशन लाइनें पड़ी हैं। 6-6 महीनों की पड़ी हुई है लेकिन एक भी कर्मचारी एक नट लगाने के लिए 3-3 दिन तक नहीं आता। मैं मन्त्री जी और चेयरमैन जी से शिकायत कर चुका हूं, कह चुका हूं कि ऐसे लोगों को सस्पेंड कर दें, लेकिन उन्होंने कागज रद्दी की टोकरी में डाल दिया है। स्पीकर सर, बिजली का इतना बुरा हाल किया कि जो गांव ब्लैक लिस्टिड नहीं थे, उन गांवों को भी बिजली नहीं मिल पाई। मेरे हलके के 8-10 गांव ब्लैक लिस्टिड थे। वे कहते कि जिन गांवों में धक्के हैं, उन की बिजली चालू करने के लिए आपकी बिजली काट दी है, तो हमने कहा कि कोई बात नहीं। हमने एक हफ्ते इंतजार किया, फिर वहां गए तो देखा कि एस॰डी॰ओ॰, जे॰ई॰ और एस॰ई॰ कोठी पर दारू पी रहे हैं, रात के 9 बजे का समय था। हमने कहा कि तुम को शर्म नहीं आती? लोग तड़प रहे हैं और तुम एक फ्यूज लगाने के लिए नहीं जा सकते? कोसली गांव के 50 आदमी इकट्ठे हो गए। हम उनको पकड़ कर ले गए, तब जाकर वहां लाइट चालू की। लाइट चालू होने के बावजूद भी इतना बुरा हाल है कि 3-4 गांवों में लाइट नहीं है। कोसली सब-डिवीजन में आज भी कोई जिम्मेदार आदमी नहीं है, न एस॰डी॰ओ॰ है और न एक्स॰ई॰एन॰, मगर कोई आए या जाए। मैं तो यह कहूंगा कि जो लोग इकट्ठे होकर वहां बैठे हैं उनको सस्पेंड कर दें ताकि इस इलाके के अन्दर जो 150-200 गांव आते हैं, उनकी बिजली की सप्लाई बहाल की जा सके, लोगों को सुविधाएं दी जा सकें। बिना बिजली के न सिंचाई हो सकती है, न कुछ किया जा सकता है। बिजली के बिना जीवन ही नहीं है इसलिए मेरा बिजली मन्त्री जी से अनुरोध है कि इस तरफ ध्यान देकर अधिकारियों को आदेश दिलाएं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, कोसली का जो सब-डिवीजन है, वहां एस॰डी॰ओ॰ की नियुक्ति हो चुकी है और यह सब-डिवीजन पहले कन्ट्रोल और रोहतक के साथ था, अब हमने इसको बदल दिया है, रिवाड़ी के साथ इसको कर दिया है। इससे अब डिस्टेंस बहुत कम हो गया है और अब यह बेहतर मैनेज होगा। माननीय सदस्य के कहने पर हमने यह हल निकाला है, हल यही निकला है कि इन इसको रोहतक की बजाय उस तरफ कर दें, यह हो गया है।

चौधरी बिजे सिंह : स्पीकर सर, मैं माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि कोई जिम्मेदार आदमी वहां लगाया है या नहीं? 24 तारीख तक तो मैं वहां था, तब तक वहां कोई नहीं लगा था।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : आर्डर हो चुके हैं।

चौधरी बिजे सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा पी0 ईश्वर सिंह चौहान......

श्री अध्यक्ष : आपका टाइम हो चुका है।

चौधरी शिव सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट का समय लूंगा। श्री जी0 आर0 सिंह चौहान ने कहा है कि कुछ ऐसा नहीं रहा है, यह ठीक नहीं है। 24 तारीख को मैं कालियांवाला और भरोल के गांवों में गया था। जब मैंने इनको देखा तो वहां कम से कम 2-3 फुट पानी खड़ा था। 18 तारीख को जब मैं गया तो सोचे था और 24 को जब गया तो वहां एक फुट के करीब पानी वहां खड़ा था। इस एरिया में मेरे हल्के के दो गांव बरोटा और कालियांवाला पड़ते हैं, पांच छः गांव दादरी हल्के के पड़ते हैं। इन गांवों के सारे के सारे पानी की कोई निकासी नहीं है, जब तक कि बदवाना डिस्ट्रीब्यूटरी या लोहारू कैनाल न खोलें। इसके अलावा, पानी को पम्प आउट करने का कोई जरिया नहीं है। बदवाना डिस्ट्रीब्यूटरी के ऊपर जगहों में दरार रखी है और वहां खेतों का सारा रेत भरा पड़ा है। लोहारू कैनाल में रेत के कारण, जो सारे पम्प हैं, वे भी सारे बंद पड़े हैं। जब तक वे पम्प नहीं चलेंगे ठीक इस इलाके के जो सारे आठ गांव हैं, उनमें पानी की निकासी नहीं होगी। इसलिए बदवाना डिस्ट्रीब्यूटरी और लोहारू कैनाल को तुरन्त चालू किया जाए ताकि उनका पानी उतरना शुरू हो जाए। जैसा कि मैंने पहले सरकार को पत्र बताते हुए कहा था, उसी बारे में मैं बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के में एक भुड़ाना गांव है, उसके अन्दर जब पानी पड़ रहा था तो उस के अन्दर एक रिंग बांधा गया। लोगों ने कहा कि सरकार से कोई मदद नहीं थी। हमने कहा कि आप अपने आप लग जाओ। नन्दा चन्दा, जीत बिन्दराज हम देंगे! जो जितने गांव के मजदूर थे, वे अपने अपने ट्रैक्टर लेकर आ गए। गांव में 80 के करीब ट्रैक्टर थे, वे सारे के सारे आ गये और हम सब ने मिलकर तीन चार दिनों के अन्दर ऊंचा कर दिया। जब हम श्री एस0डी0एम0 के पास गए तो उन्होंने कहा कि न तो हमारे पास बोरियां हैं, न तेल है, न कर्मचारी हैं। लोगों ने कहा कि हम क्या करें, वहां पर लोग मरे हुए हैं। सब से ज्यादा बुरी हालत तो हरिजन भाइयों की हुई है। तब कहीं जाकर एस0डी0एम0 ने कहा कि अपने अपने पैसे निकलवा लो। नौ-नौ, आठ-आठ हजार रुपये पंचायतों ने अपने निकलवाए। तो अध्यक्ष महोदय, कल को कोई वाकिया हो सकता है, पंचायत के लिए उनके पास क्या पहुंचा है? अकाल के लिये उन्होंने सारा सामान खरीद लिया। कल को सरकार कहेगी कि पंचायत ने ऐसा क्यों किया, इसको दोष दो। इसलिये मेरा कहना यह है कि इन लोगों को क्या कहा गया कि आप अपने पास से पैसे निकलवा लो, हमारे पास कुछ नहीं है? यहां तक भी कह दिया कि अपना पानी अपने आप पम्प के जरिए पम्प आउट करवा लो। हमारे पास इसके लिये कोई प्रबन्ध नहीं है। यह कहा गया कि एस0डी0एम0 तेल खरीद देंगे लेकिन कुछ नहीं किया गया। एक बूंद भी तेल की नहीं दी गई, बल्कि पंचायतों ने से तेल लेकर के अपना और गांवों का किया। तब पन्द्रह दिन बाद कहीं जाकर पानी निकलवाया गया। इसलिये मेरा आपसे अनुरोध है कि जो सुझाव इन लोगों ने रखे हैं, उन पर सरकार पूरा पूरा विचार करे और आगे के लिये ऐसा प्रबन्ध किया जाये ताकि आगे से स्टेट के अन्दर ऐसी स्थिति पैदा न होने पाए। जय हिन्द।

श्री बीर चन्द (रतिया, एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद, आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं केवल अपने हलके की ही बात कहूंगा, ज्यादा नहीं कहूंगा, क्योंकि मेरी तबीयत भी कुछ ठीक नहीं है। गांव 16 के 16 मेरे जिले, पानी आने के कारण बरबाद हुए पड़े हैं। यह जो घग्घर दरिया का प्रकोप था, रतिया के अन्दर 30 गांव पड़ते हैं जिनमें से फतेहाबाद के अन्दर 13 और रतिया के अन्दर 22 गांव पड़ते हैं। वहां पर एक रंगोई नाला पड़ता है जो घग्घर के साथ चलता है। यह नाला पहले भी तबाही करता था लेकिन इस बार तो इतना पानी आया कि जमींदारों की तमाम जीरी की फसलें पूरी तरह से बरबाद हो गईं। इस के बचाव के लिये हमारे सभी कर्मचारियों ने कोशिश की। मेरा सरकार नहरी महकमा भी इस काम में लगा रहा, मैं भी लगा, जिसकी वजह से बाढ़ आबादी में तो नहीं आने दी। हमारी कोशिश यही रही कि रंगोई नाले का पानी आबादी में न जाए। यही हमारी कोशिश थी लेकिन उसके बावजूद भी केवल आबादी के गांवों को ही बचा पाए। रतिया में कई जगह अब भी कमर तक पानी है। इसका कारण यह है कि अब भी काफी बहुत बाढ़ का पानी चलता। पंजाब के एरिया में भाइयों ने पानी का रुख हमारी तरफ मोड़ दिया। उनकी तरफ तीन नाले हैं जिनका रुख इधर को मोड़ दिया, इस वजह से रंगोई नाले के ऊपर जो दो तीन पुल थे, उनमें रुकावटें पैदा हो गईं, उनके ऊपर से पानी चला गया। वहां पर भी बाढ़ के पानी का लेवल भी ज्यादा हो गया, इस वजह से इन नालों में पानी ऊपर आ गया। तो मैं आपके द्वारा सदन में भी और सरकार से भी निवेदन करूंगा कि जो दो तीन पुल बने हुए हैं, इनको चौड़ा और मजबूत करें ताकि आगे के लिये इन पंचायत गांवों को पूरी तरह से साफ किया सके। रंगोई नाले की खुदाई चौधरी भजन लाल की सरकार तीन चार बार करवा चुकी है, लेकिन वहां खुदाई मिट्टी वहां से खाली है, वह फिर भर जाता है। पानी के रुकने के कारण रंगोई नाला सब को परेशान करता है। गरीब आदमियों के कच्चे मकान थे, वे सब बरबाद हो गए हैं। हरिजनों की बस्तियां इस गांव के बाहर नीची जगह पर बनी हुई हैं, इस वजह से वे सारे गांव पानी के अन्दर डूब गए। कई लोगों ने पक्का मकान भी बनाया, वह भी गिर गया। तो मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि सरकार इन गरीब आदमियों को राहत दे। जिन किसानों का नुकसान हुआ है, उनको भी ज्यादा से ज्यादा पैसा दिया जाए। जिन जमींदारों की फसलें बरबाद हुई हैं, उनका बहुत भारी नुकसान हुआ है, उनको भी ज्यादा से ज्यादा सहायता दी जाए। इसके इलावा, मैं यह भी कहूंगा कि कर्मचारियों के साथ जो हरिजन लगे हैं, उन्होंने भी बहुत मेहनत की है, उनको भी उनकी मेहनत के मुताबिक मुआवजा दिया जाए। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि जब यह सरकार चाहती है कि इनको राहत दी जाए, इसलिये अगर उनको ज्यादा से ज्यादा मदद दी जाएगी तो बहुत बड़ी बात होगी, उनको भी उनका हिस्सा दिया जाना चाहिये। मेरा सरकार से ऐसा एक निवेदन यह भी है कि जिन आदमियों के मकान गिरे हैं या जिनकी फसलों का नुकसान हुआ है, उनको जल्दी से जल्दी मुआवजा दिया जाए ताकि वे अपने कच्चे पक्के मकान बना सकें। सरकार किसानों की फसलों की

की दुबाई के लिये भी मदद करें, यह हमारे मरीज की मदद है, जानवरों की मदद है। इसमें कोई सन्देह नहीं है कि सरकार ने हमारे इलाके में लोगों को आटा, दाल और तेल और हर किस्म की दवाई देने में काफी मदद की है और तमाम के तमाम इलाके में दवाईयां बांटी हैं। इन्द्री और रादौर हल्के के लोगों को किसी किस्म की तकलीफ नहीं हुई, बल्कि दूसरी जगहों नारनौंद और हांसी हल्कों में भी दवाइयां पहुंची हैं, लेकिन फिर भी मेरे कुछ साथियों को नाराजगी है कि उनके इलाकों में नहीं पहुंचीं। मेरे हल्के के विशेषकर गांव खानपुर, सिवानी, तलवाड़ा, राजपुरा, पबेरा और फतेहाबाद के साथ लगते हुए गांव बाढ़ की चपेट में आए हैं। कुल मिलाकर मेरे हल्के के 32 गांव हैं और 15 गांव भाखड़ा के हैं, ये तमाम गांव बाढ़ के कारण तबाह हुए हैं। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से और फाइनेंस मिनिस्टर से निवेदन करूंगा कि मेरे हल्के के गांवों को जल्दी से जल्दी मुआवजा दे कर मदद करें। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

चौधरी भरत सिंह (कलायत, एस०सी०) : स्पीकर साहब, वैसे तो सारा हरियाणा प्रदेश बाढ़ की चपेट में आया है लेकिन मेरा हल्का कलायत सबसे ज्यादा चपेट में आया हुआ है। मेरे हल्के के 40 गांव बाढ़ की चपेट में आए हैं। उन गांवों के मकान पानी में बह गए। उनकी सारी फसलें बरबाद हो गईं, पानी में बह गईं। लोग बेघर हो गए। सरकार ने उनकी कोई मदद नहीं की। हमारे नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला साहब किश्ती में बैठ कर, उन गांवों में गये। उन गांवों के लोगों को न दवाईयां दी गईं, न आटा दिया गया, न तेल दिया गया और न ही कोई दूसरी मदद दी गई। सरकार की तरफ से उन लोगों को कुछ नहीं मिला। समाजवादी जनता पार्टी की तरफ से कैम्प में जाकर दवाईयां बांटी गईं। मेरे हल्के में 7 आदमी बाढ़ में बह गए और मर गए। दो जवान बुढाखेड़ी के बह गए। दो जवान डुंडाखेड़ा के बह गए। एक जवान बाछू का बह गया और दो जवान ढाकल के बह गए। सरकार ने उनकी कोई मदद नहीं की। स्पीकर साहब, मेरे हल्के के 8 गांव ऐसे हैं जहां अब भी पांच पांच फुट पानी खड़ा है। उन गांवों का पानी निकालने के लिये सरकार की ओर से अभी तक कोई पम्प नहीं भेजा गया है। यह गांव हैं—ढाकल, बुढाखेड़ी, सिवाना, अमोह, कुलतार, कलायत और अमरगढ़, इन गांवों में अभी तक बाढ़ का पानी खड़ा है। उन गांवों के मकान पानी में बह गए हैं। सभी 40 के 40 गांवों में मकानों का सत्यानाश हो गया और सारी फसलों का नाश हो गया। किसी का ऊंट, किसी की भेड़-बकरी और किसी के सूअर पानी में बह गए। स्पीकर साहब, गाय और भैंसें आज के दिन 20-20 हजार रुपये की है। एक सूअर की कीमत भी आज के दिन 10 हजार की है। इसी प्रकार से एक एक बकरी की कीमत भी 1500-1500 रुपये है। इन सभी को सरकार की तरफ से उचित मुआवजा मिलना चाहिये। मेरे हल्के के खरकड़ा के गांव में तीन आदमी एक दो मंजिला मकान के गिरने से छत के नीचे दब गए। उनमें से दो घायल तो बचा लिए गए और उनको निकाल लिया गया लेकिन तीसरा आदमी

[चौधरी करण सिंह]

19.00 बजे. मारा गया। इसलिये मेरी मांग है कि बाढ़ से जो लोग मारे गए हैं, उनको कम से कम दो दो लाख रुपया मुआवजा मिलना चाहिये और मकानों को 50-50 हजार रुपया मिलना चाहिये। वहां पर प्रशासन की तरफ से किसी प्रकार की कोई मदद नहीं मिली है। वहां के जो बी०डी०ओ० और नायब तहसीलदार हैं, उनके पास जब लोग गए तो जो नायब तहसीलदार राधेश्याम हैं, उसने ठीक ढंग से बात तक नहीं की और उल्टा गलत ढंग से पेश आये। मेरे हल्के में बिजली के खंभे भी गिर गए हैं। मैं बिजली के एस०डी०ओ० से मिला लेकिन आज तक गिरे हुए खंभों को उठाया नहीं गया। मेरी मांग है कि जो वहां पर बी० डी० ओ० चन्द्रभान और नायब तहसीलदार राधेश्याम हैं, उनको सस्पैंड किया जाये और किसी ईमानदार आफिसर को इन दोनों की जगह पर नियुक्त किया जाये ताकि वहां राहत लोगों को मिल सके। यदि ईमानदार आफिसर नायब तहसीलदार होगा तो वह ठीक प्रकार से सर्वे करवा पायेगा और लोगों को उचित मुआवजा मिल सकेगा। धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, आज सदन में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा चल रही है। अध्यक्ष महोदय, बाढ़ की वजह से फसलों को बहुत भारी नुकसान हुआ है। तमाम फरीदाबाद जिले में जहां से यमुना का पानी गुजरता है, यमुना के दोनों तरफ हरियाणा की जमीन है और उस यमुना के पानी की वजह से हमारी 23 हजार एकड़ फसल नष्ट हो गई। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि खेतों का जो नुकसान हुआ है या फसल नष्ट हुई है, उन किसानों को उचित मुआवजा मिलना चाहिये। इसके साथ, आपके माध्यम से मैं माननीय सिंचाई मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि बाढ़ का जो पानी था, उस को कम किया जा सकता था, अगर हरियाणा सरकार के अधिकारियों ने उस पानी को आगरा नहर में डलवाने का कोई प्रयास किया होता। मुझे यह बताते हुए दुख होता है कि यमुना में बहुत जबरदस्त पानी था। आगरा नहर यमुना नहर के साथ गुजरती है। किसान जो आगरा नहर की टेल पर बैठे हुए हैं, वे बराबर पानी की मांग कर रहे थे। उनके रजबाहों में पानी नहीं था क्योंकि आगरा नहर में पानी नहीं था। यमुना में इतना जबरदस्त पानी था कि गांव चांदहट और दूसरी तरफ के गांवों के किसानों की फसल बुरी तरह से तबाह हुई। अगर प्रशासन ने इस पर कोई ध्यान दिया होता और यमुना के पानी को आगरा कैनाल में डाईवर्ट कर दिया होता तो टेल पर स्थित किसानों के खेतों को पानी मिलता और दूसरी तरफ यमुना में जो पानी का तेज प्रवाह था रहा था, वह भी कम हो जाता जिससे किसानों की फसल नष्ट होने से बच जाती। मेरे अपने हल्के पलवल के स्थिति के बारे में सिंचाई मंत्री जी ने कहा कि वहां पर बाढ़ से कोई नुकसान नहीं हुआ। मैं माननीय मन्त्री जी को गांवों के नाम बताता हूं जहां नुकसान हुआ है। बारिश का पानी इतनी भारी मात्रा में इकट्ठा हुआ है कि कई-कई गांवों में हजारों एकड़ खेत अभी भी पानी में डूबे हुए हैं। मितरौल के और पर.

अध्यक्ष महोदय, सिरोही गांव है जो मैं समझता हूं हमारे पलवल, हथीन और होडल सब-डिवीजन का सब से बड़ा गांव है। वहां के ज्यादा सिरोही गांव के खेत अभी भी पानी में डूबे हुए हैं। इसी तरीके से एक [illegible] गांव मेरे हलके में है, इस के खेतों में इतना पानी भरा हुआ है कि फसल डूबी हुई है। स्पीकर सर, जब यह बारिश हो रही थी, मेरे हलके में एक असावटपुर गांव है और [illegible] मिल्क प्लांट वहां पर लगा हुआ है। स्पीकर सर, मैं स्वयं उस गांव में जा कर आया हूं। बेचारे हरिजनों के घरों में 3-3, 4-4 फुट पानी था। असावटपुर गांव में 2-2, 3-3 फुट पानी था। हमने प्रशासन से आग्रह किया कि [illegible] मिल्क प्लांट के पानी को बन्द करवाया जाए। एक तरफ तो बारिश का पानी गांव में घुस रहा था और दूसरी तरफ [illegible] मिल्क प्लांट का पानी गांव के अन्दर घुस रहा था। स्पीकर सर, हमारे सामने डिप्टी कमिश्नर महोदय ने आदेश दिया कि फैक्टरी को थोड़ी देर बन्द कर दिया जाए, गांव से ज्यादा फैक्टरी जरूरी नहीं हो सकती, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह आदेश बीच में कहां पर अटक गया। [illegible] मिल्क प्लांट आज तक बन्द नहीं हुआ है। उस गांव के लोग आज भी रो रहे हैं कि गांव से पानी नहीं निकल रहा है। प्रशासन न तो उस मिल्क प्लांट को बन्द करता है और न ही पानी को निकालने के लिये कोई इन्तजाम कर सकता है। इसी तरीके से स्पीकर सर, असावटपुर के साथ लगते हुए फिरोजपुर गांव वालों की रिपोर्ट है। जितने भी गरीब आदमी थे उनके कच्चे और पक्के मकानों में या तो दरार पड़ चुकी है या गिर गए हैं, उनको उचित मुआवजा मिलना चाहिए। जिन हरिजन भाईयों और गरीब आदमियों के मकान गिरे हैं, उनको सही तौर पर कम से कम 10-15 हजार रुपये का मुआवजा मिलना चाहिये। [illegible] गांव में बाल्मीकियों के मकान गिरे पड़े हैं। 100 से ज्यादा बाल्मीकि सड़कों पर घूमते रहे लेकिन उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं था। मेरी आपसे प्रार्थना है कि जिन गांव के गरीब आदमियों के मकान गिरे हैं, हर एक गरीब आदमी को उचित तौर पर मुआवजा मिलना चाहिये। स्पीकर साहिब, यह जो हमारा [illegible] एरिया है, इसमें बाढ़ की वजह से तीन आदमी मारे गए। अध्यक्ष महोदय, चाहे कोई भी आदमी मारा गया हो, उनके परिवार को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिये। हरियाणा में बाढ़ के ऊपर काफी देर से चर्चा चल रही है और इस बारे में कई सुझाव भी आए हैं। मेरी मंत्री जी से, मुख्य मंत्री जी से और अधिकारियों से प्रार्थना है कि जहां से वे [illegible] बाढ़ों के बारे में जानने के लिये [illegible] गए थे, वैसे ही हॉलैण्ड में जाकर देखें। उसी तरह से हॉलैण्ड में [illegible] सी-लेवल से नीचे है और बहुत ज्यादा बारिश होती है लेकिन उन का सिस्टम बहुत बढ़िया है। वहां पर ड्रेन की सफाई इतनी अच्छी तरह से होती है कि बाढ़ नहीं आती और न ही बारिश से कोई नुकसान होता है। इसलिये सरकार को वहां जाकर उन के सिस्टम के बारे में जानकारी प्राप्त करनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, अगर हमारे मंत्रियों और अधिकारियों को इसकी कोई शिक्षा होती या कोई उचित कार्य किया होता तो शायद आज हरियाणा बाढ़ में न डूब जाता। हमारे मुख्यमंत्री जी तो दिल्ली, चण्डीगढ़ और बड़े-बड़े शहरों में बैठे

[श्री करण सिंह दलाल]
रहते हैं, जबकि हो वे किसी गांव या क्षेत्र पर गए हों। इनके चार साल के राज में शायद ही कोई ऐसा मौका होगा जब वे कहीं पर गए होंगे। अगर इन्होंने इस ओर ध्यान दिया होता तो आज यह प्रोबलम हो न आती। इनको इस तरफ ध्यान देना चाहिये। दूसरे, मैं सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि आज जो सरकारी कर्मचारी और अधिकारी हैं, चाहे कोई भी कर्मचारी किसी भी पद पर है, उन्होंने अपनी तनख्वाह से पैसे कटवाकर बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिये दिये हैं। क्या किसी मंत्री ने या मुख्यमंत्री ने अपने खर्चे से या तनख्वाह में से ऐसा किया है? इन्होंने ऐसा नहीं किया है।

स्थानीय शासन राज्य मन्त्री (चौधरी धर्मबीर यादव): अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि मैंने खुद अपनी जेब से 11,000 रुपये दिए हैं। ये बातें बताने वाली नहीं होतीं और न ही इनको ऐसी कोई बात कहनी चाहिये।

श्री करण सिंह दलाल: स्पीकर साहिब, जितना भी हरियाणा में बाढ़ से नुकसान हुआ है और जो लोग हरियाणा में बाढ़ से घिरे पड़े हैं, उन लोगों को रोजमर्रा में काम आने वाली वस्तुएं भी पहुंचाई जानी चाहियें। सरकार चाहे किसी की भी ड्यूटी लगाए, उन लोगों तक उनकी जरूरतों की चीजें पहुंचाए। अभी भरत सिंह जी ने सुझाव दिया था कि अगर कहीं से चारपाइयां इकट्ठी हों या गूदड़े इकट्ठे हों, तो उन चीजों को भी उन लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिये। चाहे [illegible] से चाहे रजाई हो, कपड़े हों या मिट्टी के बर्तन एवं पीतल के बर्तन हों, हमें इन गांवों को बसाने के लिये; उनकी हौसला अफजाई के लिये सरकार की तरफ से या स्वैच्छिक सेवी संस्थाओं की तरफ से देने चाहियें। अब, आज फरीदाबाद जिले के खेतों में फसल पूरी तरह से नष्ट हो गयी है लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी ने या पटवारी ने वहां जाकर यह नहीं पूछा कि अगर आपकी फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है तो हम इसकी स्पेशल गिरदावरी करवाएंगे। मैं कहना चाहता हूं कि जिन किसानों की फसलें नष्ट हो गयी हैं इसके लिये सरकार को मुआवजा देना चाहिये। केवल यही नहीं समझना चाहिये कि बाढ़ रोहतक, भिवानी या जींद जिले में ही आई है और फरीदाबाद में बाढ़ से बिल्कुल नुकसान नहीं हुआ है। यह बात हम मानते हैं कि जितना नुकसान इन जिलों में हुआ है, उतना हमारे जिले में नहीं हुआ है लेकिन फरीदाबाद में भी ज्यादा बारिश होने की वजह से और सरकार एवं अधिकारियों के निकम्मेपन की वजह से काफी नुकसान हुआ है। सरकार को इस नुकसान की भरपाई करनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, फसलों के नुकसान के साथ ही साथ जिन प्रदेशवासियों के मकान गिर गए हैं, उनको भी अधिक से अधिक मुआवजा देना चाहिये और भविष्य में बाढ़ की रोकथाम के लिये सरकार को उपाय भी करने चाहियें। अध्यक्ष महोदय, हमारे फरीदाबाद जिले के साथ [illegible] हुआ नुकसान किया है। हमने वहां अपनी पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल जी के साथ निरीक्षण किया था। वहां पर फिरोजपुर झिरका में आगे जो बांध बनाए हुए हैं, वहीं

से राजस्थान का पानी हरियाणा में दाखिल हो रहा है लेकिन हमारे अधिकारियों ने इस पानी को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया जिसकी वजह से मेवात के फिरोजपुर झिरका और गांव पानी के अन्दर डूब गए। अध्यक्ष महोदय, इस वजह से जो नुकसान हुआ है, उसके लिये मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जिन गरीब आदमियों और किसानों का बाढ़ की वजह से नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए सरकार मुआवजा दे।

श्री राम कुमार कटवाल (राजौंद) : अध्यक्ष महोदय, मेरा हल्का तीन हिस्सों में बंटा हुआ है। मेरे हल्के का कुछ भाग तो कैथल में और कुछ करनाल जिले में पड़ता है। मैं पहले आपका ध्यान किठाना गांव की तरफ दिलाना चाहता हूं। माननीय चौधरी नरेन्द्र शर्मा जी और मदान साहब के हलके से बताना चाहूंगा। किठाना गांव में एक मंडी बनी हुई है, वहां पर गेहूं की बोरियां उठाने के लिये कलायत यूनियन ने ठेका ले लिया। इस ठेके के अनुसार एक लाख बोरियां उठानी थीं लेकिन राम ताहिर और मदान साहब ने इस यूनियन से मिलकर कमीशन के चक्कर में जिसकी वजह से 54 हजार गेहूं की बोरियां किठाना मंडी में सड़ गयी। (शोर)

डिप्टी स्पीकर (चौधरी नरेन्द्र मेहरा) : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। यहां पर फ्लड के बारे में बात चल रही है, जबकि यह अनाप-शनाप ऐलीगेशन लगा रहे हैं।

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा राज्य मन्त्री (श्री ईश्वरदास नरूला) : स्पीकर सर, ऐसे गैर जिम्मेदाराना बातें ये जो बोलते हैं ये गलत हैं। नहीं बोलनी चाहिये। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी नरेन्द्र मेहरा : स्पीकर सर, आज विपक्ष के साथियों ने जिस ढंग से बाढ़ की समस्या पर बातें की हैं सर, यह समस्या केवल इनकी ही नहीं, बल्कि सारे हरियाणा की है, इसमें सब जुड़ा हुआ है। ये इस वक्त जो बातें बोल रहे हैं, क्या उनका बाढ़ से कोई सम्बन्ध है? सर, ये इस तरह से अनाप-शनाप ऐलीगेशन लगा रहे हैं, अगर हम भी करें तो कोई फायदा नहीं होगा। मेरा आपसे अनुरोध है कि अगर कोई विषय से हटकर बोले तो उसे आप रोकिए . .

श्री अध्यक्ष : मैंने इनके लिये पहले ही कह दिया है।

चौधरी जीत सिंह बोहाला : अध्यक्ष महोदय, इनकी पूरी बात सुनने का तो मौका नहीं दिया गया। ये यह बता रहे थे कि जिस व्यक्ति ने बोरियों के कैरेज का ठेका लिया था, उसकी लापरवाही की वजह से 54 हजार बोरियां फ्लड आने की वजह से खराब हो गईं। इनकी समझ में कुछ नहीं आता है लेकिन ये समझने का प्रयास नहीं करते। अध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी के सदस्य श्री राम कुमार कटवाल जी फ्लड से जुड़ी बात कह रहे हैं। मेहरा जी समझने का प्रयास नहीं करते और बार-बार प्वाइंट आफ आर्डर पर उठकर खड़े हो जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, 50 हजार बोरी उनकी लापरवाही की वजह

[चौधरी धीरा प्रकाश चौटाला]

से मामले में आई गई। वे यह कहने जा रहे थे कि वे कौन लोग थे जिनको ठेका दिया गया, उनसे पैसा वसूल किया जाए। किसी की बात सुनने से पहले ही कहते हैं कि प्वायंट आफ आर्डर है। जिस किसी ठेकेदार को ठेका दिया गया है, उसकी जिम्मेवारी थी। आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाया गया है कि 60 हजार बोरी नहीं में बह गई, यही बात कहने जा रहे थे। क्या यह तरीका है किसी को बीच में टोकने का? (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम कुमार कटवाल : अध्यक्ष महोदय, दूसरा मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि 9 तारीख को बड़ा भारी तूफान आ गया जिसकी वजह से इसके 5 हजार वृक्ष गिर गए। जिनमें से बाद में वृक्षों को तेजेन्द्र सिंह मान ने कब्जा किया। या तो आप इस बात की इन्क्वायरी करवाने के लिये एक कमेटी बनायें। अगर मेरी बात गलत निकले तो मुझे जो चाहे सजा दे देना। (विघ्न) अकालियों गांव से ने 15 शीशम के पेड़ कटवाकर तेजेन्द्र सिंह मान ने अपने घर भिजवा दिए, उनके खिलाफ एक कमेटी बनाकर इन्क्वायरी करें।

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेन्द्र पाल मान) : स्पीकर सर, आप राम कुमार कटवाल को * * * * कहने से रोकिए। यह क्या तरीका है बोलने का? इनको आप * * * * * से बोलने से रोकिए।

चौधरी धीरा प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को बोलने का ज्ञान नहीं है। इन्होंने जो * * * * * * * * वाली बात कही है, यह रिकार्ड पर न जाने पाए।

श्री अध्यक्ष : राम कुमार कटवाल जी, आपके नोटिस को कोई पूरा कर रहा है, कोई कोई पूरा कर रहा है। आप तैयार होकर आया करें।

श्री राम कुमार कटवाल : स्पीकर सर, पिछले सेशन में मेरा सवाल लगा हुआ था और मैंने मुख्यमंत्री जी से निवेदन किया था कि जुलाना ड्रेन पर सिंचाई हाल में आगर जुलाना ड्रेन पर सिंचाई चालू होती तो आज यह हालत न होती। अनिरुद्धजी कर सरकार के पिछले सदस्यों के हल्के में यह कैसा बिलाई। अगला मेरा गांव करसाणा पड़ता है, वहां एक रात का लड़का पानी के बहाव में बह गया था, उसे वे दाखिल हुआ था लेकिन नहर बहने से मर गया। तीसरा स्पीकर साहब, मेरा गांव राय चन्दवाला है। कुछ दिनों पहले यहां पर पानी का रेड कम्प हुआ बारिश हुई थी। आज तक

---

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

डी० सी० महोदय कहीं पर नहीं पहुंचे डी० सी० महोदय कहां जाते हैं । जहां बांदराम गुप्ता अपने बच्चों के साथ पांव का पानी निकालते के वहां पिकनिक मनाने जाते हैं और बच्चों को कहते हैं कि इस तरह का फ्लड होता है एक धर्मपेल गांव है वहां पर जब मोमबत्ती जलाते हैं तो बच्चे लिख कर वहां पर किसी व्यक्ति को कहते हैं कि तेरे हाथ निकाल लो पर मोमबत्ती नहीं बुझनी चाहिए । यह कितने शर्म की बात है ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : कटवाल साहब, यह बातें सब्जेक्ट से तो सम्बन्धित नहीं हैं। (शोर)

श्री राम कुमार कटवाल : अध्यक्ष महोदय, एक बसेरा गांव है वहां पर बिजली शार्ट सर्किट हुई थी लेकिन मुख्यमन्त्री महोदय ने एक पैसा तक राहत नहीं दी। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप बिल्कुल इर्रेलेवेंट बोल रहे हैं। (शोर)

श्री राम कुमार कटवाल : स्पीकर साहब, यह सारी बातें फ्लड से ही सम्बन्धित हैं। मैं सरकार को नोटिस की बात कर रहा हूं। मैं कहना चाह रहा हूं कि बोवाराम सिंह का मकान उसके घर का बिजली का महीने का बिल आया है 2049-45 पैसे। यह बिजली मन्त्री का काम है। पानी घर से निकासी नहीं, मकान पानी में बह गए और यह बिल भी उस घर पर पहुंच गये, कितने दुख की बात है, जबकि किसान आज दर-दर के द्वार पर खड़ा है ? इसलिये मेरा मुख्य मन्त्री जी से अनुरोध है कि लोगों के साथ ऐसा अन्याय न करें। जिन गांवों की फसलें खराब हो रही हैं, उनको एक एकड़ के लिये 3 हजार रुपये और इसके अलावा भी डेढ़ लाख रुपये प्रति व्यक्ति पक्के मकानों के लिये 50 हजार रुपये और कच्चे मकानों के लिये 35 हजार रुपये का सरकार मुआवजा दे ताकि लोगों को राहत मिल सके। जिन लोगों के पशु नष्ट हो गये हैं, उनको 15–13 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाये । अन्त में मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया । जय हिन्द।

श्री जसवन्त सिंह (राई) : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया । बड़े अफसोस की बात है कि सोनीपत के जिले के मंत्री बैठे जरूर हैं लेकिन वे श्री किशन सिंह मलिक जो किसानों के हमदर्द हैं, किसानों के दुख दर्द को सुनने वाले हैं, वे आज इस हाउस में उपस्थित नहीं हैं। सोनीपत के सिंचाई मन्त्री, पता नहीं किस रैस्ट हाउस में बैठे हैं या कहीं आने जाने में लगे हुए हैं । वे हाजिर होते तो मेरी बातों पर गौर करते । चूंकि जो मैं शायद मेरे हल्के के साथ नहीं बैठे, लेकिन मैं आज

[श्री जय पाल सिंह]

यकीन के साथ कह सकता हूं कि मेरे हल्के के 20 गांवों में जल भराव का पानी भरा पड़ा है । एक ही ड्रेन नम्बर 8 का पानी मुजफ्फर जिलोमीटर घूमता हुआ मेरे हल्के में गया है । पंजाब से लेकर मेरे हल्के तक, सारी ड्रेन का मुंह राई हल्के की तरफ लगता है कि 16 गांवों की कवेज में गिर हुए हैं जिस के कारण जमीन का एक एक चप्पा जिसका फसल पड़ता वे आ गया है । एक तरफ यमुना चढ़ गई और दूसरी तरफ ड्रेन नम्बर 8 का पानी आ गया । दोनों का मुकाबला राई में हुआ । स्पीकर साहिब, एक बात अफसोस की है जो मैं कहना चाहता हूं । राई में दिल्ली की हकूमत रोजाना कहीं न कहीं मुख्य मन्त्री मदन लाल खुराना सिंचाई मन्त्री और मैम्बर पालियामैंट श्री बैकुंठ लाल शर्मा जी आए । उन्होंने एक तजवीज बनाई कि हरियाणा को डुबोने के लिए । उन्होंने डूब भाग डाला कहा जहां मैं खड़ा था । बैकुंठ लाल शर्मा ने कहा कि यह ड्रेन नं० 8 कभी न कभी दिल्ली को डिस्टर्ब करेगी, इसलिये मैं सरकार से कह कर एक नया बांध बनाने जा रहा हूं । मुख्य मन्त्री जी, अगर वह बांध बन गया तो सारा हरियाणा डूब जाएगा । इससे मेरा हल्का राई तो डूबेगा ही लेकिन सारे का सारा सोनीपत जिला बर्बाद हो जाएगा । मैंने तुरन्त वहां डूब भाग वालों को पकड़ कर खींच और कहा कि अगर सैन्टर की सरकार ड्रेन नं० 8 की पटरी ले ले और तीन किलोमीटर तक ऊंचा करके इस पर सड़क बना दे तो यह ड्रेन नं० 8 की पटरी ही दिल्ली को बचा सकती है, न कि कोई नया बांध दिल्ली को बचा सकता है । क्योंकि इस बांध से किसानों की काफी जमीनें जाएंगी । एक एक किल्ला जोत कर इसे पर मिट्टी पड़ेगी जिससे किसान बर्बाद हो जाएंगे । इसलिये मैं आपकी मार्फत सरकार से कहना चाहता हूं कि हमारे बागियों गांव तो यमुना की चपेट में चले गए । एक किल्ला भी बाकी नहीं रहा, बर्बाद हो गया । जो लोगों के मुंह से .... (विघ्न) मुख्य मन्त्री जी, आप कह रहे हैं इंतजाम करवा दें, भेड़ा गांव में गलती भी लगाए नहीं है । हमने कहीं भर भर कर उन लोगों को दिए लेकिन कब तक देंगे ? उनके घर भी यमुना में बह गए । खड़े हुए भूखे प्यासे के भी लाल पड़े पानी के बहाव में । बहालगढ़, सैदपुर, जाखौली, कामसपुर, मनौली, पबसरा, टूंडपुर, जगदीशपुर, बढ़खालसा, पृथ्वीपुर, रसूलपुर और जैनपुर ये सारे गांव यमुना के दरिया में आते हैं । इन गांवों का सैलाब रुका हुआ पड़ा है, फसलें खराब हो चुकी हैं लेकिन आज तक सरकार का कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचा है । वहां न कोई दवाई है, न खाद है और न चारा है । ऐसा मुनासिब इस फसल की वजह से है । आप सोनीपत की बात करते हैं, वहां तो डिप्टी कमिश्नर भी है, डी० सी० बैठा है, एस० पी० बैठा है, एस० डी० ओ० और बी० डी० ओ० बैठे हैं लेकिन उन सबका के परिवार में कोई भी कर्मचारी आज तक सहायता के लिये नहीं गया है ।

भाग दौड़ करके उन अफसरों से पहुंचा लेकिन मेरे पास क्या है ? यहां एक मोड़ बांध बनाए और अपने लिए थे, वे भी मेरे मिले हुए पड़े हैं। उनको भी पता नहीं कि वह * * * * * * * या कहां गए, कहां नहीं गए ! मुझे 6 लाख 55 हजार रुपये 1994-95 में मिले थे और यह ऐसे सब बनाये गए होंगे लेकिन मुझे उसका भी पता नहीं ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि डी0 सी0 पैसे खा गया । किसी अफसर के बारे में ऐसी बात कहना ठीक नहीं है, इसलिये ये शब्द हाउस की कार्यवाही में से निकाल दें ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, ये शब्द रिकार्ड न किए जाएं ।

श्री जय पाल सिंह : मैं मुख्य मन्त्री जी को सब इसका प्रमाण बजरिए डाक भेज दूंगा। अगर हाल ही के डी0 सी0 ने मुझे जो रिपोर्ट दी है, आप उन से पूछें कि 1994-95 का पैसा कहां गया । उन्होंने 6 लाख 55 हजार रुपए मेरे हल्के में खर्च किए दिखाए हैं, उनको का मुझे पता नहीं कि कहां गए ?

चौधरी भजन लाल : जाने का पैसा उनके पास पड़ा होगा, वह भी आपको मिलेगा ।

श्री जय पाल सिंह : उनके पास पड़ा होगा तो आप आर्डर करें कि वह मुझे मिले क्योंकि मेरे हल्के में तो आज यहां ज्वार नहीं है, फूस नहीं है। आप हुक्म करें कि वह पैसा मुझे मिल जाए । जो डी0 सी0 ने मुझे आर्डर दिया है, उसकी कापी मैं आपको भेज दूंगा। स्पीकर साहिब, 5-6 और गांव हैं। उमेदा बहादुरपुर से लेकर जगदीशपुर, गणेशपुर, गनीमपुर और तरहरी मोहड़ा, ये गांव आज ऐसे हैं जो पानी में डूबे हुए हैं । आठ गांव जो मैंने अब बताए हैं, बाहर के पानी ने इनकी फसलें बर्बाद कर दीं। इसलिये मैं चाहूंगा कि जैसे मेरे साथी राम कुमार ने कहा था, उसकी बात को मैं दोहराता हूं । हर किसान को फसल का मुआवजा पांच हजार रुपए प्रति एकड़ से कम न हो, मरने वाले व्यक्ति के परिवार को दो लाख रुपए हों, मकानों की जो क्षति हुई है उसके लिये 50 हजार रुपए पक्के मकान के होने चाहिएं और 15 हजार रुपये कच्चे मकान के होने चाहिएं । जो गाय भैंस और बैल मवेशी मरे हैं, उनकी एवज में कम से कम 10—12 हजार रुपए प्रति डंगर के हिसाब से मिलनी चाहिए । उमीद तो है नहीं देना चाहिए जिसके पास है ? पैसा यहां जिसने पैसा खाया हो, जो वे कुर्सी में, उसी से लेना चाहिए । स्पीकर

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री जयपाल सिंह]

साहब, आखिर में मैं यही कहूँगा कि मेरे हल्के की रिपोर्ट ठीक होने के बाद आगे पीड़ितों के साथ न्याय हो।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस सहमत हो तो हाउस का समय आधा घंटा बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी, बढ़ा दें।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय आधा घंटा बढ़ाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़) : अध्यक्ष महोदय, समस्त हरियाणा प्रदेश पर इस प्राकृतिक प्रकोप की मार पड़ी है। सारे प्रदेश के लोगों पर इस विनाश लीला से संबंधित जो प्रस्ताव है, उस पर लगभग सभी माननीय सदस्य बोले हैं विशेषकर सभी दलों के नेता बोले हैं। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला, चौधरी बंसी लाल, राम बिलास शर्मा और अन्य सभी माननीय सदस्य गण ने अपने अपने विधान सभा क्षेत्रों में आये प्राकृतिक प्रकोप से जो विनाश लीला हुई है, इस सदन के माध्यम से, उसकी तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। इस विनाश लीला में प्रदेश के लाखों लोगों के जान और माल का नुकसान हुआ है। सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी ने भी इसको एक बहुत बड़ी चुनौती के रूप में माना है। सदन के सभी साथियों ने अपने विचार रखते हुए सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। आप स्वयं जानते हैं और मैं नेहरू जी से भी निवेदन करूंगा कि हमारे फरीदाबाद जिले की जो भौगोलिक स्थिति है, आप उससे वाकिफ हैं। आप जानते हैं कि यमुना ओखला से आगे यमुना नदी हरियाणा प्रदेश को छूती हुई निकलती है, यही यमुना चलती जाती है महेन्द्र प्रताप सिंह जी का विधान सभा क्षेत्र है, मेरा भी है और आगे भाई राम रतन जी का विधान सभा क्षेत्र हसनपुर है। अध्यक्ष महोदय, यह नदी 7 किलोमीटर से ज्यादा लम्बाई में कभी एक तरफ से और कई जगहों पर दो तरफ से छूती हुई जाती है। प्रायः हर वर्ष जब बाढ़ आती है, इस नदी के पानी से इन तीनों विधान सभा क्षेत्रों की ग्रामीण जनता को भारी नुकसान होता है। इस

वर्ष भी इस बाढ़ का कहर सारे हरियाणा प्रदेश की जनता को झेलना पड़ा और नदी के आस पास के गांवों में बहुत भारी नुकसान हुआ है। विशेष कर जसरपुर, खिज़राबाद, महमूदपुर, लालपुर, रतनपुर, शेखपुर, मंडावरा, बडकला नांदपुर, साजावाद, धांगड़ा, लालपुर और बदले इन सारे गांवों में बाढ़ आई इनकी सैंकड़ों एकड़ जमीन जिसमें बहुत अच्छी पैदावार होती थी, जहां पर धान और फसलें होती थी वहां इस वर्ष कुछ नहीं होगा। जिन गांवों की जमीन और घर यमुना नदी की तरफ हैं, वे सब बरबाद हो गए, आज उनका निशान तक नहीं है। मेरे हल्के के तकरीबन 20-25 गांव ऐसे हैं जो यमुना के बीच में पड़ते हैं। ये गांव हर साल अधिक बारिश होने के कारण बहुत बुरी तरह पानी में फंस जाते हैं और सारे हरियाणा प्रदेश से कट कर अलग हो जाते हैं। ऐसे हालात में उन लोगों को कोई भी सुविधा देना बहुत मुश्किल होता है। इन दिनों खाने की सामग्री या दवाईयां भी केवल हैलीकाप्टर से ही जाती हैं। भारी बरसात के कारण बाढ़ के कारण मेरे हल्के के ... गांव के चार बच्चे एक ही परिवार के मारे गए और एक व्यक्ति अस्पताल में बहुत बुरी हालत में है। मैं भी दूसरे सदस्यगण की तरह सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं। भविष्य में इस प्रकार की कोई विनाश लीला की पुनरावृत्ति न हो, दुबारा ऐसी स्थिति देखने न पड़े इसलिये हमें कोई मास्टर प्लान तैयार करके काम करना चाहिए। मैं चाहता हूं कि इस मास्टर प्लान में हमारे एरिया का 60-65 किलोमीटर एरिया जो यमुना का पड़ता है, उसके बचाव के लिए विशेष ध्यान रखा जाए, क्योंकि हर साल वहां पर उपजाऊ भूमि बाढ़ के कारण कटती जा रही है। दूसरे मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जो रिंग बांध बने हुए हैं, उनका रखरखाव भी ठीक प्रकार से किया जाये और जहां पर नए बांध बनाने की आवश्यकता है वे शीघ्र बनाए जाएं। इसी प्रकार से जो स्टडज बने हुए हैं, उनका ठीक प्रकार से रख रखाव न होने के कारण एक तरह से बेकार हो गए हैं। इसलिये मैं चाहता हूं कि इस तरफ सरकार ध्यान दे और स्टडज को पक्का किया जाए तथा नए स्टडज भी बनाए जाएं। मेरे हल्के का ढांगरा गांव यमुना नदी पर पड़ता है, के 50-60 घर बह गए, वह जगह अब ऐसे लगती है जैसे मकान नाम की कोई चीज वहां थी ही नहीं।

अध्यक्ष महोदय, कुछ माननीय साथियों ने बोलते हुए कहा कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के कारण भी अधिक नुकसान हुआ है। मैं भी इस बात को मानता हूं कि कुछ लापरवाही कुछेक अधिकारियों की रही है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ लापरवाही बरतने के कारण कार्यवाही की जानी चाहिए इसके साथ ही साथ मैं यह भी ध्यान में लाना चाहता हूं कि ऐसे मौके पर हमारे कुछ अधिकारीगण ऐसे भी हैं जो अपनी जान की परवाह न करते हुए

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]

पानी में तैर कर, लोगों तक पहुंचे और उनको खाद्य सामग्री को सप्लाई की तथा मेडिसन व दवाईयां पहुंचाईं। ऐसे अधिकारियों ने, जिन्होंने पूर्ण निष्ठा के साथ अपनी ईमानदारी भी प्रस्तुत किया है और इतने लोगों के जान माल को बचाने की कोशिश की है, उन अधिकारियों द्वारा सराहनीय काम करने के बदले में कुछ न कुछ देने की व्यवस्था सरकार की तरफ से होनी चाहिए।

पलवल के एस0 डी0 एम0 ने बहुत अच्छा काम किया है। रात के ग्यारह साढ़े ग्यारह बजे यह पता लगा कि 5—6 लोगों को अगर अस्पताल न पहुंचाया गया तो उनका बचना मुश्किल है। अध्यक्ष महोदय, मैं यहां बार बार बधाई देना चाहता हूं कि उस अधिकारी ने अभूतपूर्व साहस दिखाया। वह रात के ग्यारह साढ़े ग्यारह बजे किनारे पर जा कर, मोटर बोट लेकर पानी में चला गया। वहां पर लाईट का भी कोई प्रबन्ध नहीं था लेकिन वह रात में लालटेन ले गये। बीच में जा कर मोटर बोट का इंजन फेल हो गया लेकिन बड़ा भारी जोखिम उठा कर उस अधिकारी ने बिमार महिलाओं और बच्चों को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया और उनकी जान बचाई। इसी तरह से श्री आनन्द मोहन ने इन सभी गांवों का दौरा किया और वहां के गरीब और मुसीबतज़दा लोगों की मदद पहुंचाने में बहुत बड़ा कार्य किया है। स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि जिन अधिकारियों ने सराहनीय काम किया है, उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए लेकिन जिन अधिकारियों ने अपनी ड्यूटी में कोताही की है या लापरवाही दिखाई है, उनको दंडित करना चाहिए (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं यह निवेदन करना चाहूंगा कि जो पुराने सिंचाई बांध हैं, जो 15—20 साल पुराने हो चुके हैं, उनकी मुरम्मत होनी चाहिए। जो टूट गए हैं उनको ठीक करवाया जाए उनकी मुरम्मत के लिये पूरा पैसा दिया जाना चाहिए। स्पीकर सर, कई जगहों पर यमुना का पानी आता है और जो बांध बने हुए हैं पिछले 2—3 साल से उनकी मुरम्मत नहीं हुई है, जिसकी वजह से हमारे गांवों में पानी आया है और गांवों में बड़ा भारी नुकसान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि खादर के क्षेत्र में, कम से कम 25 हजार एकड़ की फसल पूर्ण रूप से बरबाद हो चुकी है, इसलिये वहां पर गिरदावरी की आवश्यकता नहीं है बल्कि सरकार को चाहिए कि इस बारे में सीधा निर्णय ले, वहां पर गिरदावरी की आवश्यकता नहीं है क्योंकि 25 हजार एकड़ की फसल तो टोटल तबाह हो चुकी है। टोटल लॉस मान कर लोगों को मुआवज़ा दिया जाना चाहिए। कई गांवों की तरफ तो बड़ा भारी कटाव हुआ है। इस कटाव को रोकने के लिये मैं मंत्री साहब से निवेदन करूंगा कि इसके लिये स्पेशल पैसा रिलीज करें या स्टड वगैरा बना कर इसको

कोई प्रबन्ध करवाएं ताकि इन गांवों को कुछ राहत महसूस करें। बाढ़ की वजह से गांवों में जिन लोगों के मकान बह गए हैं या मकानों को नुकसान हुआ है उनको भी मदद दी जानी चाहिए और सरकार अपने इस उत्तरदायित्व को पूरी तरह से निभाए।

श्री करतार सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी बात के हक में हूं। साथ में सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहता हूं कि एक कृष्णा कालोनी है, जिसमें आज भी बहुत ज्यादा पानी भरा हुआ है। मैं सिंचाई मन्त्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वे हमारे हल्के पलवल में, जहां पर पानी खड़ा है उसको निकलवाने के लिये कोई प्रभावी काम करवाएं। इसके साथ ही वहां पर जिन लोगों के मकान गिर गए हैं या बाढ़ के कारण जिन के मकानों को नुकसान पहुंचा है, इन लोगों को सरकार की तरफ से उचित मुआवजा भी जल्दी दिया जाना चाहिए। (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल (असन्ध) : स्पीकर सर, मेरे असन्ध हल्के के 35 गांव, सन् 1993 से 1995 तक तीन साल बाढ़ से प्रभावित होते रहे हैं। इस फसल से वहां पर बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। सारा इलाका बाढ़ से बरबाद हो गया है। 1995 में असन्ध हल्के के 35 गांव प्रभावित हुए हैं। [illegible] गांव की 12 हजार वोट है, उस गांव की 3 हजार एकड़ की फसल बिल्कुल बरबाद हो गई है और [illegible] मकान बाढ़ के कारण गिर गए हैं। वहां के राजपूत परिवार का एक आदमी फसल बचाने की वजह से [illegible] अपने घर से सिर पर सामान रख कर बाहर निकाल रहा था तो उसकी [illegible] की हड्डी टूट गई और हास्पिटल में ले जाने के बाद उसकी मृत्यु हो गई, लेकिन सरकार की तरफ से इसका नाम लिखने के बाद नहीं किया गया और न ही इसके परिवार को कोई मुआवजा दिया गया। इसी प्रकार से [illegible] सिंह नाम का बाल्मीकि लड़का [illegible] में जो वहां पर [illegible] तूफान आदि की वजह से एक बिजली का पोल गिरा हुआ था। जैसे ही उस लड़के ने खेत में पैर रखा तो उसका पैर उन बिजली की तार पर आ गया और वह मौके पर ही मारा गया। इसका नाम भी सरकार द्वारा रिकार्ड नहीं किया गया। इसी तरह से बरसात में पानी खड़ा होने की वजह से कई प्रकार की बिमारियां फैल गई हैं पहले लोगों को बुखार हुआ बाद में डिप्थीरिया फैल गया जिस की वजह से 12 लोगों की मृत्यु हुई, यह खबर समाचार पत्र में भी आई थी। हमारी पार्टी की तरफ से चौटाला साहिब ने मुझे आदेश दिए और मैं उस गांव में [illegible] 12 डाक्टरों की एक टीम लेकर गया [illegible] वहां के लोगों को उस बिमारी के इलाज दिलवाई। बाद में [illegible] सी०एम०ओ० और डी०सी० [illegible] उन्होंने ने उन्हें [illegible] किए। [illegible] डिपार्टमेंट की तरफ से [illegible]

[श्री कृष्ण लाल]

इन्स्पेक्टर घूम रहा था * * * * * *
* * * * * * * उस बारे में सरकार की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसके इलावा आज भी चार चार फुट पानी में डूबा पड़ा है जिसकी वजह से सारी फसल बर्बाद हो गई है।

श्री अध्यक्ष : यह जो इन्होंने [illegible] पांच गोलियां लेकर मारने वाली बात कही है, यह कार्यवाही से निकाल दी जाए।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, इन गोलियों की वजह से 12 लोग मारे गए हैं। इसके बाद [illegible] में [illegible] हुई, [illegible], [illegible] और [illegible] गांवों की फसल बर्बाद हो गई है। किसान लोग जो चारे का [illegible] बनाते हैं, वह भी बाढ़ से बह गया है। गरीब मजदूर जो ड्रेन के किनारे रहते हैं वह बर्बाद हो गए हैं। इसी तरह से [illegible] फार्मों और [illegible] जो [illegible] हैं, वे भी बाढ़ की वजह से प्रभावित हुए हैं और सारी फसलें बर्बाद हुई हैं। इतना ही नहीं [illegible] गांव है जिसको [illegible] में से काट दिया गया था वहां के किसान डी.सी. के पास गए हैं क्योंकि एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की तरफ से जो ट्यूबवैल्ज उन्हें दिए गए हैं, वे बर्बाद हो गए हैं, इसलिये उनकी गिरदावरी कर दी जाए। डी.सी. साहब कहते हैं कि आपके गांव का नाम फ्लड अफैक्टिड एरिया में नहीं आता। अध्यक्ष महोदय, हमारे इलाके के 24 गांवों में पानी भरा है। जिससे सारे ट्यूबवैल्ज और होदियां टूट गई हैं। जो ट्यूबवैल्ज की होदियां हैं, ये 50–60 हजार रुपए में तैयार होती हैं। इस बारे में आप भी जानते हैं। आज किसान दफ्तरों में चक्कर काटता है और प्रशासन के अधिकारी उनको कहते हैं कि अभी गिरदावरी करने के लिए हमारे पास अभी कोई आर्डर नहीं आया है। किसानों का जो मैंटल नुकसान है, उसकी गिरदावरी कब की जाएगी? मेरा अनुरोध है कि सरकार गिरदावरी के जल्दी से जल्दी आर्डर करे। स्पीकर साहब, जिलाना [illegible], [illegible], [illegible] और [illegible] में चार गांव पड़ते हैं, वहां पर ड्रेन ओवर फ्लो हो गई और इन चारों गांवों को डुबो दिया है। अध्यक्ष महोदय, [illegible] की वजह से [illegible] रोजाना टूट रही है। 12 तारीख को जो तूफान आया था, उसमें [illegible] में सारे [illegible] के पेड़ टूट गए हैं। पांच तारीख को प्रशासन के लोगों से मिन्नतें करते रहे कि आप [illegible] इस बारिश में हमारी मदद करें। हमारे इलाके के सभी मजदूर भाइयों ने भी [illegible] के अन्दर रास्ते को साफ कर दिया था लेकिन आज फारेस्ट डिपार्टमेंट की तरफ से उनके चालान काटे जा रहे हैं और कहा जा रहा है कि आपने [illegible] क्यों काटा

* अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

है ? आज उन मजदूर भाईयों को तंग किया जाता है । यह जो चालान काटे जाने वाली कार्यवाही है, इसको तुरन्त बंद किया जाना चाहिए । स्पीकर साहब, करनाल के अन्दर बाढ़ की वजह से जितना भी नुकसान हुआ है, उसका सर्वे होना चाहिए ! मेरे हल्के के 25 गांवों के किसान ट्रैक्टरों पर बैठ कर दफ्तरों के चक्कर काटते हैं लेकिन उनसे कहा जाता है कि फलाना-फलाना गांव लिस्ट में नहीं है । मैंने 35 गांवों के नाम डी०सी० को नोट करवाये थे । ये सारे गांव फ्लड से प्रभावित हैं, इन सभी की गिरदावरी होनी चाहिए और मुआवजा मिलना चाहिए । मेरे हल्के के अन्दर कई गांवों में मकान गिर गए हैं । इन्द्री शहर के अन्दर कोई पांच सौ मकान गिरे हैं । कोई गांव ऐसा नहीं है जहां पर सौ या दो सौ मकान न गिरे हों । टोटल 3500 के करीब मकान मेरे हल्के में गिर गए हैं । इन सभी मकानों को बाढ़ से प्रभावित मकान मानकर मुआवजा दिया जाना चाहिए । सर, आज सरकार ने यह पॉलिसी बनायी है कि फ्लड की वजह से जो रोड्स डैमेज्ड हुई हैं, उनसे पहले शहरों की सड़कें ठीक करवायी जाएंगी । मेरे हल्के के अंदर कई गांवों की सड़कें पानी की वजह से टूट गयी हैं, इसलिए उनकी पहले मरम्मत की जानी चाहिए और पंचायतों का जो जितना नुकसान हुआ है, उसका भी मुआवजा दिया जाना चाहिए । इसी तरह से किसानों के खेतों में जो बिजली की तारें गिर गयी हैं, वे आज तक खड़ी नहीं की गयी हैं । किसान लोग जब दफ्तर में जाते हैं तो अधिकारीगण कहते हैं कि दो चार दिन में इन खम्भों को खड़ा कर देंगे । मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जो किसान भाई फ्लड से प्रभावित हैं, तुरन्त उनको राहत दी जाए । मेरे हल्के के अन्दर मजदूरों की जितनी भी झुग्गियां एवं डेरे हैं, वे बिल्कुल तबाह हो गए हैं इसलिए उनको भी राहत दी जानी चाहिए । मेरे गांव के अन्दर, कर्मपाल राजपूत निवासी का 22 साल का एक लड़का छत के गिरने से मर गया है, इसलिए उनके परिवार वालों को भी सरकार की तरफ से मुआवजा दिया जाना चाहिए । अपोजीशन का हल्का होने के कारण मेरे हल्के की तरफ सरकार की तरफ से कोई भी ध्यान नहीं दिया जाता । मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि पानीपत जिले के अंदर, करनाल जिले के अन्दर और इन्द्री हल्के में जो नुकसान किसान भाईयों का हुआ है, वह तो हुआ ही है, लेकिन अब जीरी की फसल में एक और बीमारी आ गयी है जिसकी वजह से जीरी सफेद फूल की तरह हो जाती है । अभी जीरी पकने की पोजीशन में है । सारे किसान इस बीमारी की वजह से बहुत परेशान हैं क्योंकि पहले तो उनकी फसल फ्लड से प्रभावित हो गयी, जो बाकी बची थी, उसमें यह बीमारी आ गयी है । मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी से एक टीम बुलायी जानी चाहिए जो इस बात की रिसर्च करे कि यह कौन सी बीमारी है ताकि किसान भाईयों की फसलों को बचाया जा सके । इसके अलावा, मैं यह भी अनुरोध करूंगा कि किसानों का और मजदूरों का जितना भी नुकसान हुआ है, जितने मकान गिरे हैं, उनके हिसाब से पांच हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जाना चाहिए । पच्चीस हजार रुपये पक्के मकानों के लिए और दस हजार रुपये कच्चे

[श्री कृष्ण लाल]
मकानों के लिए दिए जाने चाहिएं। जिन लोगों की डूबने से मृत्यु हुई है, उनको कम से कम दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए तथा जो पशु मरे हैं, उनके लिए कम से कम दस हजार रुपये प्रति पशु दिए जाने चाहिएं। धन्यवाद।

श्री [illegible] सिंह (कलानौर, अ0 जा0) : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से बाढ़ के बारे में सरकार से कुछ बातें कहना चाहता हूं। मेरे हलके में भी बाढ़ आई है लेकिन चौ0 देवी लाल की वजह से गांव तो बच गए, लेकिन फसलें पूरी तरह से खराब हो गयी। मेरे यहां एक [illegible] गांव है, वहां का सरपंच जब एस0 डी0 एम0 के पास खाली कट्टे मांगने गया तो उन्होंने कहा कि आप यह कट्टे अपनी पंचायत से खरीदो। हमारे पास नहीं हैं। सरपंच के बार-बार कहने पर उसने दो रुपये पर कट्टे के हिसाब से 800 खाली कट्टे 1600 रुपये में दिए। यह हालत आज हरियाणा में है। इसी तरह से ऐडिशनल पब्लिक हैल्थ ने, मेरे हलके में भी सरकार ने [illegible] था और जो [illegible] नं0 आठ का गंदा पानी था, लोगों को पिलाने के लिए वह पानी डिग्गी में डाल दिया गया। सर, वह [illegible] मेरे पास पड़ा है। [illegible] करने की जरूरत नहीं है क्योंकि मैंने इसके फोटो खींचे हुए हैं। मैं आपको यह फोटो दिखा सकता हूं। यह पानी मैंने आपको पहले भी दिखाया था, तब आपने कहा था कि विधान सभा में इस बारे में बात करना, पानी की बोतल लाने की कोई जरूरत नहीं है।

श्री अध्यक्ष : आपने यह पानी दिखाया तो था लेकिन हमें पता नहीं कि आप यह पानी कहां से लाए थे?

श्री [illegible] सिंह : स्पीकर सर, मेरे पास जो फोटो हैं, वे स्वयं बता देंगे कि यह पानी कहां से लाया गया और कौन सा [illegible] है? दो तारीख को जो तूफान आया था, उससे बिजली के खंभे गिर गए और बिजली के तार टूट गए। 20-25 गांवों में ट्रांसफार्मर जल गए, इसलिए मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि ट्रांसफार्मर ज्यादा भेजे जाने चाहिएं। ट्रांसफार्मर बार-बार जल जाते हैं और किसानों को बार-बार परेशानी होती है, इसलिए जहां 100 पावर के ट्रांसफार्मर की जरूरत हो, वहां 150 पावर का देवें ताकि बिजली बार-बार न जाए। फसलों का मुआवजा दिया जाना चाहिए। एक किल्ले के पांच हजार रुपये कम से कम दिए जाने चाहिएं। जैसे नहरें टूट रही हैं, उनके लिए 15-20 हजार रुपये देने चाहिएं, मेढ़ के 1500 रुपये दिए जाने चाहिएं। [illegible] मुश्किल से 500 या 700 रुपये का ही आता है लेकिन किसानों का खर्च 10 हजार रुपये से कम नहीं होता। मेरे हलके में बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए पैसा आया था, राशन आया था, लेकिन वहां का ऐम0 एल0 ए0 अपने घर ले गया। यहां जो [illegible] की तरफ से आई थी, वह भी ऐम0 एल0 ए0 अपने घर ले गया।

[illegible] (श्री धर्मवीर गाबा) : अध्यक्ष महोदय, वह शरीफ आदमी भी यहां मौजूद नहीं है। इनकी बात कह रहे हैं जिसने मेरे सामने गैस के 40 सिलैंडर दान किए थे, उसके बारे में आप ऐसी बात क्यों कह रहे हो ?

चौधरी निर्मल सिंह : जो चालीस सिलैंडर की बात की, उनको उसने सौ-सवा सौ रुपये में ब्लैक किया था। उसके बाद वहां के एस०एच०ओ० को उसने कहा था कि मेरे सिलैंडर चोरी हो गए हैं। एस०एच०ओ० ने कहा कि मैं इसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं करूंगा। फिर एस०पी० से मिलकर उस एस०एच०ओ० को ट्रांसफर करवाया और दूसरे एस०एच०ओ० ने वह रिपोर्ट दर्ज की। (विघ्न)

श्री धर्मवीर गाबा : स्पीकर सर, 40 सिलैंडर उसने दान किए थे ताकि लंगर के काम आ सकें और रोटी बनाकर रोहतक में बांटी जा सके।

श्री हरिमन्द्र सिंह : स्पीकर सर, क्लार्क वाला केस एम०एल०ए० * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : चूंकि वे यहां पर हाजिर नहीं हैं, इसलिए उनकी बात आप मत करें। [illegible] जो बात कही गई है, वह रिकार्ड पर न आए।

20.00 बजे

श्री दरियाव सिंह : अध्यक्ष महोदय, 203 घर हरिजनों के बाढ़ से बर्बाद हो गए हैं। मैं रात के 10-10 बजे इन गांवों में गया हूं। हरेक हलके के गांवों में गया हूं। मैं आपको क्या बताऊं, मेरे घर के आगे से एक किसान जा रहा था, अपने बैल और भैंस लेकर जा रहा था। बेशक कलयुग है फिर मैंने बैल के आंसू देखे और किसान भी पूरी तरह से रो रहा था। मैंने उसे कहा कि रो नहीं, मैं एस०डी०एम० से मिलकर चारे का इन्तजाम करा दूंगा। अन्त में मुझे स्पीकर सर, यह कहना है कि—"चले हैं छोड़कर वतन को, वतन का राज क्या करना ?
जहां कोई सुनता हो न हो, वहां फरियाद क्या करना।"

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधे घण्टे के लिये और बढ़ा दिया जाए। (शोर)

आवाजें : ठीक है, स्पीकर साहब।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय आधे घण्टे के लिये और बढ़ाया जाता है।

---

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री राम रतन (हसनपुर-एस0सी0) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। मेरे कांस्टीच्युएंसी का सारे का सारा हल्का यमुना के किनारे बसता है। मेरे इलाके हसनपुर के 22-23 गांव ऐसे हैं जो यमुना के किनारे पर हैं और कुछ यमुना के परली तरफ भी हैं। वे गांव हैं-रामपुर खादर, हसनपुर, मोहना, गुरवाड़ी, महेशपुर, चांदहट, पहाड़पुर, मुबारकपुर, घरौंडा, नोबली, पुर, अलहेड़ा, इस्माइलपुर, कुशक, छपरा, मित्रोलपुर, धतीर, कारमपुर, हथीन का नगला, बहरपुर, फाजलपुर, मण्डावली, हसनपुर व माहौली। यह सारे के सारे गांव यमुना के किनारे पर बसते हैं। इन सारे गांवों में फ्लड की वजह से इतनी तबाही हुई है कि कुछ कहना भी मुश्किल है। इन गांवों में लोगों ने जो फसलें बो रखी थीं, चाहे चावल, चाहे गन्ना या दूसरी फसलें थीं, वे सारी की सारी पूरी तरह से बरबाद हो गई और जो इन इलाकों की जमीन थी, वह काफी सारी यू0पी0 में चली गई। मेरा मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध है कि जो हरियाणा के किसानों की जमीन कट कर फ्लड की वजह से यू0पी0 में चली गई है, उसे वापिस लाने के लिये सरकार कोई न कोई समाधान ढूंढे ताकि किसान फिर से अपनी जमीनों को वो सकें ऐसे किसानों की सरकार अवश्य ही अपनी ओर से मदद दे। सरकार तो यह देखे कि क्या यू0पी0 वाले जिन भूमि को वापिस लिये, किसानों को जमीन कौन देंगे? इसके लिये सरकार उस कटी हुई जमीन को वापिस दिलाने का यत्न करे और साथ की फसल का जो किसानों का करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है, उसका मुआवजा भी दिया जाए। जिन गरीब लोगों के, हरिजनों के मकान गिर गये हैं, उनको भी ज्यादा से ज्यादा मुआवजा मिलना चाहिये। हमारे मुख्य मंत्री महोदय हल्के को अगर समय पर न बचाते तो हमारे इलाके का भी बहुत भारी नुकसान होता। वहां से लोग मारे जाते लेकिन हमारे एस0 डी0 एम0 कौशिक साहब वहां थे, डिप्टी कमिश्नर साहब वहां थे और पुलिस साहब थे, जिन्होंने मिलकर सारा काम किया और लोगों की सहायता की, वहां से फ्लड का पानी भी निकाला, राहत दी, राशन बांटा, दवाईयां बांटी और हर तरह की सुविधा दी। लेकिन इससे काम नहीं चलेगा, क्योंकि जो लोग बेघर हो गये हैं, जैसे इन्द्रानगर कालोनी है, नंगलीपुर का इलाका है, इनको बसाने के लिये सरकार को प्रबन्ध करना चाहिये। पंचायतों की कोई न कोई भूमि उन लोगों को दी जाए ताकि उस भूमि को वो बो कर अपने बाल बच्चों का पालन पोषण कर सकें। अध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके में सब से ज्यादा नुकसान हुआ है। लोग भी जो किसान हैं, चाहे वह हरिजन भाई हैं, चाहे बैकवर्ड भाई हैं, मकान ढह जाने के कारण वे आज सारे के सारे सड़कों पर बैठे हैं। कुछ लोग स्कूलों की बिल्डिंगों में रह रहे हैं लेकिन उनको पूछने वाला कोई नहीं है। उनको सरकार पूरी सुविधाएं प्रदान करे ताकि वे अपना व अपने बच्चों का सही तौर पर पालन पोषण कर सकें। जब तक अगली फसल तैयार न हो जाए, तब तक सरकार उनको

अपना गुजारा करने के लिये कोई न कोई उचित मुआवजा प्रदान करे, चाहे वह पैसे की शक्ल में हो, चाहे किसी और शक्ल में हो, चाहे उन के बच्चों के लिये नौकरी की शक्ल में हो जिस से वे लोग अपना गुजारा चला सकें। इसके साथ साथ मैं यह भी कहूंगा कि मेरे इलाके की जो सड़कें टूट गई हैं, उनकी मरम्मत भी करवाई जाए। जो कच्ची सड़कें हैं, जिनका ज्यादा नुकसान हुआ है, उनकी ओर सरकार खास तवज्जो दे, उनकी मरम्मत भी करवाई जाए। अगर सड़कें समय पर बन जाती हैं, उनकी रिपेयर हो जाती है तो आने-जाने में सुविधा होगी। इसलिये स्पीकर साहिब, मैं आपके माध्यम से अपनी सरकार से, विशेष रूप से मुख्यमन्त्री महोदय व श्री नेहरा साहिब से प्रार्थना करूंगा कि यमुना में ठोकरें लगाई जाएं। अगर समय पर यमुना में ठोकरें लगाई जाती तो हरियाणा की जमीन कट कर यू०पी० में न जाती। इसलिये ठोकरें लगानी बहुत जरूरी हैं। अफसरों ने लापरवाही करते जिन्होंने ठोकरें नहीं लगाई, इसीलिए बाढ़ से नुकसान हुआ है। इसके अलावा, जिन अफसरों ने रात दिन मेहनत की, उनको भी सरकार कोई न कोई प्रशंसा पत्र दे। सरकार ने भी जो दिन रात मेहनत की है और लोगों को बचाया है, उसके लिए हम सरकार के आभारी हैं। मैं सरकार से यह भी प्रार्थना करूंगा कि जिन लोगों का नुकसान हुआ है, उनको ज्यादा से ज्यादा मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा, मैं एक सुझाव और देना चाहता हूं। जो चारा आज कल यहां से दिल्ली में जा रहा है उस पर पाबन्दी लगाई जाए। यह चारा दिल्ली में न जाए और उन किसानों को दिया जाए जिनके पास चारा नहीं है। मैं चाहता हूं कि आप ही मुख्य मन्त्री जी अफसरों को हिदायत दें कि वह चारा गांवों में भेजना चाहिए। धन्यवाद।

श्री अमर सिंह धांडे (गुहला-एस० सी०): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। आज सारा हरियाणा बाढ़ की चपेट में है। चाहे रोहतक है, भिवानी है, कैथल है या जीन्द है, आज हरियाणा के सारे जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अभी श्री भरत सिंह और जैन साहिब ने बताया कि कैथल जिले में भी बाढ़ से बहुत नुकसान हुआ है। मैंने पिछले सेशन में भी कहा था कि मेरे हल्के गुहला के बीचों बीच घग्गर नदी निकलती है। यह हर साल हमारे लिए तबाही का कारण बनती है। इस पानी का सरकार कोई इन्तजाम करे। पिछले तीन सालों से लगातार मेरे हल्के में इसके कारण तबाही हो रही है। हमारे घग्गर के साथ लगते 20-25 गांव हैं, जिनमें घग्गर का पानी नुकसान करता है। अध्यक्ष महोदय, यह पानी पटियाला से, बनूड़ से, पंचकूला से और हिमाचल की साइड से आता है। यह सारा घग्गर के होते हुए मेरे इलाके में तबाही मचाते हुए आगे जाता है। इसी वजह से रोहतक, भिवानी और जीन्द जिले भी बुरी तरह से पानी में डूब गए। घग्गर का पानी पूरे प्रैशर के साथ हमारे हल्के से निकलता है और बुरी तरह से नुकसान करके आगे निकलता है। यह बात ठीक है कि आज मेरे हल्के में पानी नहीं है लेकिन जिस तरीके से बाढ़ का पानी नुकसान करता है,

[श्री अमर सिंह ढांडे]

उनके किसानों की फसलें बिल्कुल बर्बाद हो जाती हैं । पिछले तीन सालों से फसलें बर्बाद हो रही हैं । आपको पता है कि अब इन किसानों के पास क्या बचा है ? अध्यक्ष महोदय, 1993 में भी फ्लड आया था लेकिन उसमें और इस बार के फ्लड में बहुत फर्क है । आपको पता है 1993 के फ्लड के बाद तो कोई फसल नहीं थी लेकिन अब की बार किसानों ने फसल बोने के बाद पूरा खर्च किया । उसने दवाइयां डालीं, बीज डाला और खाद डाली । फसलें पकने को तैयार हो गई थी लेकिन वे सारी तबाह हो गई । इसलिए सरकार को चाहिए कि किसानों को पूरा मुआवजा दिया जाए । मैं चाहता हूं कि घग्गर नदी के साथ रिंग बांध बांधे जाएं । मेरे हलके के लोग यह चाहते हैं कि सरकार अगर यह इन्तजाम नहीं कर सकती तो हमारे सारे गांव छोड़ने के लिए तैयार हैं । हम चाहते हैं कि इन गांवों को पंचायतों के अन्दर जगह दी जाए और जो हमारा हलका है, उसमें पंचायतें बना लें । मेरे हलके के जिन गांवों का नुकसान हुआ है उनके नाम हैं—कठोवा, कम्बोपुरा, सरसा खेड़ा, थेह, नरवाना, मीरांपुर, कांगथली, चीका, ... हरनोली, बैनड़ा, मझेड़ी, हरिपुर, भूसला, रत्ताखेड़ा, मंगलपुर, सिहाली, टटियाना, खेड़ी, कल्लड़, इन्डोला, सिद्धु कनेरी, बाटपुर, खुशालपुर इत्यादि । अध्यक्ष महोदय, 20-25 गांव तो पूरी तरह से तबाह हो गए हैं । जिस तरह से सरकार ने फसलों का मुआवजा रखा है, उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा । मेरा हलका गुहला घग्गर के साथ लगता है । घग्गर के कारण मेरे हलके के आधे गांवों की फसलें बर्बाद हो जाती हैं और आधी फसलें बच जाती हैं । मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि सरकार पूरे गांव को एक इकाई न मान कर, एक किसान को एक इकाई मान कर चले, जिसका नुकसान हुआ है, जिसकी फसल बरबाद हुई है, उसके हिसाब से उसको मुआवजा दे । जिन किसानों के कच्चे-पक्के मकान गिर गए हैं और जिनके ट्यूबवैल बह गए हैं, उनके लिए सरकार मुआवजा दे रही है । उसके बारे में सरकार पटवारियों और तहसीलदारों को हिदायत दे ताकि मुआवजा असली हकदार को मिले । इसके अलावा, मैं कहना चाहूंगा कि जिस तरह से हमने मरने वालों के परिवारों को दो दो लाख रुपया मुआवजा देने की मांग की है, वह सरकार को देना चाहिए । मेरे हलके गुहला के गांव रामपुर के दो हरिजन भाई मकान गिरने से उसके नीचे दब गए और वे चण्डीगढ़ पी.जी.आई. में एडमिटिड हैं । अध्यक्ष महोदय, जब हम मुआवजा दिलाने के लिए सरकार के पास गए और मुआवजा देने के लिए कहा तो सरकार के अधिकारियों ने बड़ी * * * की बात कही । यह कहा कि जब ये मर जाएंगे उसके बाद ही इन इनको 50-50 हजार रुपए देंगे । इससे पहले हम पैसा नहीं देंगे । अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि बाढ़ के पानी में जो लोग घायल हुए हैं.........

श्री अध्यक्ष : आपको सरकार के बारे में ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए । यह शब्द कोई अच्छा शब्द नहीं है । इसे रिकार्ड न किया जाए ।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अमर सिंह धांडे : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के अधिकारी यह बात कहते हैं कि जब वह मर जायेंगे उसके बाद उनको मुआवजा दिया जाएगा । मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं, उनको भी सरकार उचित मुआवजा दे । अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि सरकार कम से कम किसानों को खाद आदि मुफ्त देवे, और एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे । जो लोग बाढ़ के कारण मर गए हैं उनको दो दो लाख रुपए दे । जो कच्चे-पक्के मकान बाढ़ में गिर गए हैं, उनको कम से कम 50-50 हजार रुपए दें क्योंकि महंगाई बहुत ज्यादा हो गई है और थोड़े पैसे में मकान नहीं बनते । जिनके कच्चे मकान गिरे हैं, वे ज्यादातर गरीब हरिजन हैं । सरकार कच्चे मकानों को कम से कम 15000 रुपए मुआवजा दे । जिन किसानों के पशु बाढ़ में मर गए हैं, उनको 10-10 हजार रुपए मुआवजा दें । जिस तरह से चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली के बिल माफ किए थे, उसी तरह से यह सरकार कम से कम तीन महीने के बिल किसानों के माफ करे । हम चाहते हैं कि बाढ़ के पानी का कोई न कोई परमानेंट इलाज हो । थोड़ा देने से तो किसानों की मदद करने से कोई काम नहीं चलता । बाढ़ के पानी का पूरा इंतजाम किया जाए । मेरा हल्का मुंडलाना बाढ़ के कारण बुरी तरह से तबाह हो गया है । मैं चाहता हूं कि सरकार नहर के पानी का पूरा इंतजाम करे ताकि अगली फसल बचाई जा सके । मैं यह मानता हूं कि रोहतक और भिवानी जिलों में पहली बार फ्लड आया है लेकिन मेरे हल्के मुंडलाना में लगातार पिछले पांच साल से आ रहा है और बहुत नुकसान हुआ है. मैं चाहता हूं कि सरकार मेरे हल्के के किसानों को उचित मुआवजा दे ।

श्री अध्यक्ष : रोहतक जिले में पहली बार फ्लड नहीं आया है, वहां हमेशा फ्लड आता रहता है ।

श्री अमर सिंह धांडे : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में 1983 से लगातार फ्लड आ रहा है । मैंने पिछले बजट सेशन में भी कहा था कि मेरे हल्के में घग्गर नदी में जो पानी आता है, वह पटियाला और संगरूर की तरफ से आता है और तबाही मचाता हुआ आगे निकलता है । इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि सरकार इस पानी का कोई न कोई परमानेंट इलाज करे । इसी तरह से पंजाब एस०वाई० एल० के अन्दर जो बाढ़ का पानी आता है, उसका भी इलाज किया जाए ताकि यह पानी आगे न आए । धन्यवाद ।

श्री कुलवीर सिंह कादियान (गनौर) : स्पीकर साहब, रूल 84 के तहत जो मोशन है, मैं उसके बारे में अपने विचार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूं । स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश सिंह जी ने इसलिए आमरण अनशन किया कि बारिश पड़नी चाहिए परन्तु सरकार का यह दायित्व है कि उसको इकट्ठा करे और उस पानी का सही उपयोग करे लेकिन हरियाणा में जो बाढ़ आई, वह

[श्री सतबीर सिंह कादियान]

परमानेंट नेचर प्रोब्लम है । स्पीकर साहब, मैं ड्रेनेज की इसलिए चर्चा कर रहा हूं कि हम आज इस सदन पर बैठे कि हजारों आदमी और लाखों एकड़ जमीन आज बाढ़ की चपेट में है और चौधरी भजन लाल की मौजूदा सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया । जब भी इसको खोलने का वक्त मिलता है तो वे तीन दिन से पहले भी कोई बात नहीं करते । ज्यादा से ज्यादा तीन दिन का टाईम देते हैं कि तीन दिन में सारा पानी निकाल दिया जाएगा । आज बाढ़ के पानी को खड़े हुए 15-20 दिन हो गए हैं । चाहे भिवानी जिला है और चाहे रोहतक जिला है । रोहतक जिले के मेरे विधान सभा क्षेत्र का मैंने परसों दौरा किया । स्पीकर साहब, मैं अभी पीछे मेरे हलके गांव में ही फंस गया था । वहां पर पानी बहुत अधिक था । वहां पर केवल एक नहर निकाली गई थी, वह भी अब नहीं है । वहां पर 4-5 फुट पानी खड़ा है । लोगों को जंगल जाने का भी स्थान नहीं मिल पा रहा, इसलिए मजबूरी में वे सड़क के किनारे पर शौच के लिए जाते हैं । जब मैं वहां गया था तो ड्रेन नं0 8 से होता हुआ जा रहा था । ड्रेन नं0 8 की इतनी बदतर हालत थी कि पूछो मत, क्योंकि उसमें जगह जगह पर पेड़ खड़े थे और साइफन था जिस के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी, इसलिए हालत खराब हुई । मैं जे0एस0एन0 कैनाल से होता हुआ रंभल पहुंचा था, वह भी आधी मिट्टी से भरी पड़ी थी । चीफ साहब को तो यहां पर आने की फुर्सत नहीं क्योंकि वे तो रैस्ट हाउस में ही बैठकर अधिकारियों से बातचीत करके वापस हो लेते हैं । यह ड्रेन नं0 8 और जे0एस0एन0 कैनाल आज से भरी पड़ी है, यह आज की समस्या तो नहीं है बल्कि कई वर्षों से है । इसका कारण यह है कि इसको सफाई नहीं हो पा रही । जो पैसा इसकी सफाई के लिए मिलता है, उसको ठेकेदार और अफसर मिल कर उस पैसे को बड़े अच्छे ढंग से सफाई कर जाते हैं जिसका कुछ पता नहीं चलता । कन्ट्री एण्ड टाउन प्लानिंग विभाग स्टेट्स में और केन्द्र में है लेकिन हमारे यहां पर कन्ट्री एण्ड टाउन प्लानिंग का जो महकमा है, उसको कोई प्लान नहीं है जिस कारण सारी अव्यवस्था है । अगर प्लान से कोई काम हो तो पानी की निकासी का भी उचित प्रबंध हो सकता है । अगर हमारी प्लानिंग ठीक हो तो पानी यहां पर नहीं रुकना चाहिए, चाहे वह पानी हमारे यहां से यू0पी0 में जाये या दिल्ली में जाये, हमें क्या लेना, लेकिन हमारे यहां पर बरसात के दिनों में पानी नहीं रुकना चाहिए । अब हालत यह है कि एक गांव में जब पानी इकट्ठा हो जाता है तो वह बाढ़ की चपेट में आ ही जाता है लेकिन जब वे उस पानी को रोक देते हैं तो दूसरे गांव को भी नुकसान पहुंचता है । इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जितनी भी हमारी कैनाल्स हैं और ड्रेनज हैं, इन सभी में से झाड़-फूस की और उगे हुए पेड़ों की सफाई की जाये ।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में इस बाढ़ के दौरान 172 जानें गईं । पानीपत जिले में 31 जानें गईं । पानीपत जिले को तो यह सरकार बाढ़ की दृष्टि से कोई

महत्व नहीं देती । सरकार कहती है कि पानीपत में तो बाढ़ आती ही नहीं । मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर बाढ़ के कारण एक गांव में दो लड़कियों व एक लड़के की मृत्यु हो गई । इसी प्रकार बाबरपुर गांव में भी हादसा हुआ । इसी प्रकार उग्राखेड़ा कॉलोनी-न्यूसी में हादसे हुए ।

अध्यक्ष महोदय, अनेक कस्बों में गांवों के पानी की समस्या बनी हुई है । कुराड़ और दूसरे गांवों की बाहर सफाई में 4-4, 5-5 फुट पानी भरा पड़ा है । मैं उस गांव में ट्रैक्टर पर बैठ कर गया । वहां कहीं पर तो चार फुट तक पानी था, कहीं पर हमारी गर्दन तक पानी था । इस बाढ़ के बारे में एक रोचक बात यह है कि पानीपत शहर से एक मंत्री बलबीर पाल शाह हैं, वे किसी भी गांव में लोगों के आंसू पोंछने के लिए नहीं गए और न ही उनकी नजरों में बाढ़ से हुए नुकसान का कुछ है । यह हरियाणा सरकार 40* * * * *

श्री अध्यक्ष : ये शब्द रिकार्ड न किए जाएं ।

श्री सतबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, पानीपत जिले में मलेरिया की रोकथाम के लिए एक मलेरिया कमेटी बनाई हुई है । मैं उस कमेटी की मीटिंग में गया था । इसकी डी0 सी0 श्रीमती अनुराधा गुप्ता हैं, मैंने इस बारे में उनसे भी कहा था । मैंने कहा था कि मलेरिया की दवाई का स्प्रे हमारे विधान सभा क्षेत्र के गांवों में भी होना है । मैंने 20-30 गांवों के नाम इनको लिखाए थे लेकिन उनमें से किसी भी गांव में मलेरिया का स्प्रे नहीं हुआ । 140 नियंत्रण दवाई बनती है, और हिसाब लगा लें जिसमें हमारे जिलेवार यह दवाई है । यह दवाई जहर है । जहर की पैकिंग ही होती है जिसको उसमें पानी मिलाया जाता है, लेकिन किसी भी गांव में दवाई नहीं छिड़की गई । केवल इसराना गांव में दवाई छिड़की गई और वह भी अनाज मंडी में । इसराना अनाज मंडी में दवाई तब छिड़की गई जब फंक्शन हो चुका था और वहां पर चीफ मिनिस्टर साहब का 31 तारीख का प्रोग्राम था । इसराना अनाज मंडी में दवाई छिड़की गई जबकि वहां पर आबादी नहीं है बल्कि वहां पर पुलिस कर्मियों ने रहना है । गुरुद्वारे के अन्दर कोई नहीं रहता लेकिन फिर भी 40 कमरों में दवाई छिड़की गई क्योंकि वहां पर भी सुरक्षा कर्मियों ने ठहरना था या दूसरे बाहर से आए लोगों ने रहना था । जहां पर होना चाहिए वहां नहीं किया जाता है । इसराना के अन्दर फंक्शन वाले और हरिजन भाई इकट्ठे स्कूल के अन्दर रहे । पुठर गांव भी चारों तरफ से बाढ़ से घिरा था । वहां पर सरकार की एक टीम आई जिसमें डॉक्टर्स शामिल थे, तब मैंने डी0सी0 को टेलीफोन किया था कि जिन गांवों में मलेरिया की दवाई का छिड़काव नहीं हुआ है, उनमें छिड़काव करवाइए, जिन गांवों के चारों तरफ पानी भरा हुआ है, उनमें तो

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री सतबीर सिंह कादियान]

करने के लिए अफसरों ने मुझे जवाब दिया कि हम उनमें पहले से नहीं करेंगे। पहले यह देखेंगे कि वहां मलेरिया हुआ या नहीं। अगर गांव में मलेरिया होगा, फिर छिड़काव करेंगे। स्पीकर सर, मैंने यह बात डिप्टी कमिश्नर को भी नोट करवाई थी। मैं इसका जिक केवल विधान सभा में करने के लिए नहीं कह रहा हूं, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या मलेरिया की दवाई तब छिड़की जायेगी जब लोग मलेरिया से मरेंगे, क्या सरकार पहले लोगों को मलेरिया से मरवाना चाहती है और उसके बाद गांव का छिड़काव करवाना चाहती है? मेरे हल्के में किसी भी गांव में मलेरिया की दवाई का छिड़काव हुआ है। स्पीकर सर, लाडू गांव के अन्दर एक बहुत पुरानी ड्रेन है जो गांव के अन्दर से जाती है। हमारी सरकार के दिनों में इस ड्रेन को पक्का किया गया था परन्तु बाद वाली सरकार की वजह से हरिजन बस्ती तबाह हो गई है। मैं चाहता हूं कि इस ड्रेन को गांव के बाहर से डायवर्ट किया जाए, इसको ऊपर से लिया जाए या दूसरी तरफ से मर्जी निकाल दिया जाए। (विघ्न) इसी तरह से झाबड़ गांव को जोड़ने वाली सड़क जो अच्छी हालत में है, मेरे हल्के का आखरी गांव है। यहां पर ड्रेन का पानी भारी नुकसान कर रहा है तथा किसानों की सारी फसलें नष्ट हो गई हैं। ड्रेन का पानी गाजुपुर से आता है लेकिन गाजुपुर ड्रेन में पानी नहीं जा रहा है। स्पीकर साहब, पाकसी ड्रेन गांव नहर के दूसरी तरफ है, वहां सारी सड़क का पानी भरा पड़ा है लेकिन पानी निकालने का कोई इन्तजाम नहीं है। डगलाना और पीर गांवों के बीच एक ड्रेन है जिसकी सफाई के लिए ठेकेदार का इस्तेमाल किया गया था। स्पीकर सर, ठेकेदारों ने ड्रेनों की सफाई नहीं ठीक करवाई। मैं मेहता साहब से कहना चाहूंगा कि आप तो फ्रेस तरफ़ीज करेंगे पर अच्छी सफाई करेंगे। स्पीकर सर, एक बार ड्रेनें साफ़ कर देते हैं और दूसरी बार खड़ी फेर देते हैं जिससे कुछ घास कट जाती है लेकिन कुछ घास रह भी जाती है। स्पीकर सर, इस प्रकार के कुछ स्थानों पर ड्रेनों की सफाई की है लेकिन यह ड्रेनों की सफाई नहीं हुई, यह तो किनारों की घास की सफाई हुई है। सामन, खानपुर, सैन, कालूवाला, खानकला और फरीदपुर गांवों में हरिजन बस्तियों के डेरे हैं, वे सभी लोग बेचारे बेघर हो गए हैं। डगलाना में 400-500 घरों के डेरे हैं, जिनमें 10-10 फुट पानी खड़ा है तथा गुरुद्वारे तक लोग डूब गए। यह सब इस सरकार की गलत प्लानिंग की वजह से हुआ है। मन्त्री महोदय उन लोगों ने ड्रेनों की सफाई नहीं करवाई। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि इलैक्शन से पहले मेहता साहब और चौधरी भजन लाल जी लोगों से कहते थे कि हमारी सरकार बनने के 6 महीने के अन्दर-अन्दर एस० वाई० एल० नहर का पानी ला कर देंगे। इन्होंने पानी तो नहीं दिया लेकिन इस पर एक भी पैसा खर्च नहीं किया। स्पीकर सर, इनका यह वायदा था कि पानी ला कर देंगे लेकिन इन्होंने फाइल बन्द कर दिया है। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, प्लानिंग ऐसी होनी चाहिए जैसे श्री हुड्डा सिंह बराड़ ने जिक्र किया था, लेकिन उनका जिक्र अधूरा था।

अध्यक्ष महोदय, हालैण्ड एक ऐसा देश है जो समुद्र तट से 50 फुट नीचे बसा हुआ है वहां से मशहूर एम्सटर्डम की गलियों में किश्तियां चलती हैं। वहां पर ट्रैफिक कंट्रोल भी किश्तियां ही हैं। लोग इस देश का नजारा भी लेते हैं और ड्रेनेज का काम भी होता है। वे लोग इस बात का फक्र करते हैं कि— 'The man made the world, dutches made the Holland.' इस तरह का मन्सूबा कोई हमारे यहां भी होना चाहिए। परन्तु हमारी सरकार पिछले चार साल से मौज ले रही होती हुई है और कोई ऐसा काम करके नहीं दिखाया है। हमारी सरकार को चाहिए था कि ऐसे जलघर बनाते, ऐसे जलाशय बनाती जो बरसात के समय पानी को रोक सकें। स्पीकर सर, आज हमारी लाखों एकड़ जमीन बाढ़ से प्रभावित हुई जिससे हमारी फसल नष्ट हुई। खेत में हमने खाद डाला, बीज डाला, दवाई डाली, बिजली के बिल भी 3 गुणा अपने जेब से दिये, वे भी दिए, लेकिन फिर भी फसल नहीं है। जब अगली फसल की हमें उम्मीद नहीं तो क्यों न हम ऐसे एरिए में बड़े-बड़े पानी के स्टोर बनाएं ताकि पानी को रोका भी जा सके और फसलों के लिए, पीने के लिए इस्तेमाल कर सकें। मुआवजे का जिक्र जो सरकार बार बार करती है तो ये बहकाने की कोशिश करते हैं कि हम एक हजार रुपया प्रति एकड़ और हैक्टेयर पर मुआवजा देंगे, जैसे लोग समझते ही न हों कि हैक्टेयर और एकड़ में क्या अन्तर है। सरदार बेअन्त सिंह जी ने भी मरने से पहले वायदा किया था कि हम एक हजार रुपए प्रति एकड़ या हैक्टेयर मुआवजा देंगे। मैं आपको कहना चाहता हूं कि हमें किसी की नकल नहीं करनी चाहिए, हमें नकलची बन्दर नहीं होना चाहिए। हमें पांच हजार रुपए प्रति एकड़ किसान को इनाम देने चाहिएं क्योंकि हरियाणा प्रदेश में चाहे कोई भी गांव है, किसान आठ या दस हजार रुपया प्रति एकड़ जमीन पट्टे पर लेता है। राव साहब भी यहां पर बैठे हैं, वे भी जानते हैं कि डी० ए० पी० और यूरिया खाद का एक कट्टा 535 रुपये का पड़ता है। इसलिए मेरा गवर्नमेंट को यह सुझाव है कि वह कम से कम पांच हजार रुपए प्रति एकड़ दे, वरना उनको कुछ भी न दें क्योंकि महकमे के पटवारी और तहसीलदार लोगों की गिरदावरी करते समय उनका पैसा ही खा जाएंगे। इस वजह से लोगों को कुछ भी मिलने वाला नहीं है। मेरे इलाके में इसी तरह हुआ है। जब मैं गांव में जाता हूं तो तहसीलदार और दूसरे अधिकारी आते हैं और मुझे कहते हैं कि इसमें से कट करें। मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या इन्होंने बाढ़ राहत देने के लिए कोई टारगेट फिक्स कर रखा है?

अध्यक्ष महोदय, मैं सड़कों का भी जिक्र करना चाहता हूं। (विघ्न) जहां तक सड़कों का ताल्लुक है, हमारे इलाके में बाढ़ से बहुत सी सड़कें टूट गई हैं, बहुत सी सड़कें तो बाढ़ से पहले की ही टूटी हुई थी। अध्यक्ष महोदय, 1995 में जब इलेक्शन आया था और उस वक्त जो पैसा मिला था, वह पैसा कहां गया, उसका कुछ पता ही नहीं था। आज भी बाजपुर से .... की सड़क, जिसके बारे

[श्री सतबीर सिंह कादियान]

मैं भी हमेशा विधान सभा के सत्र में कहता हूं कि यहां पर सैंट नहीं चलती है। सड़क पर रोड़े डाल दिए जाते हैं, लेकिन वे 6-6 महीने पड़े रहते हैं, फिर वे उनको वहां से उठा कर ले जाते हैं। कुराना गांव के अन्दर गर्ल्स मिडल स्कूल खोले भी गए लेकिन वे स्कूल में नहीं जा पाए। मैं भी उनके साथ वहां ट्रैक्टर पर बैठ कर गया था। न तो वे लड़कियों के स्कूल गए और न ही लड़कों के स्कूल जा पाए। वहां पर एक पी0 डब्ल्यू0 डी0 की सड़क है। इस बारे में हमने पैटिशन कमेटी में भी कहा था। इस सड़क को बनाने के लिए जो प्लेटफार्म होता है, वहां हम अफसरों को कह सकते हैं। इसके अलावा, कुराना गांव के सरपंच, मंत्री जी से मिले और उन्हें लालच भी दिया कि हम आपको वहां पर बुला लेंगे। उन्होंने कहा कि आपकी सड़क पक्की हो जाएगी, इसको रैगुलर हो जाएगी। वे तीन पंचों जी को रैस्ट हाउस में मिले थे। मंत्री जी को और क्या चाहिए था जो उसको रिपेयर नहीं करवाई। हमें यह बताया जाए कि किस तरह से सड़कों की रिपेयर होती है ताकि हम वैसा ही करें। हमारे हल्के में सरकार ने एक किस्म का ब्लैकमेल बना रखा है जो समाज में अच्छी बात नहीं है। इसके कांग्रेसी भी ये समझेंगे। हमारा यह कर्तव्य है कि हम लोगों की भावनाओं को अफसरों तक और सरकार तक पहुंचाएं। अगर कोई [illegible] हो तो उसको प्रैस के माध्यम से कन्डैम करें। हम सरकार को अपने सुझाव देंगे जो हम देते भी हैं।

दूसरा मेरा सुझाव है कि जो बिजली के बिल हैं, जो किसान ट्यूबवैल्ज नहीं चलाते हैं, उनके टैम्परेरी डी0 कनैक्शन (टी0 डी0 सी0) होने चाहिएं। जो किसान बिजली प्रयोग नहीं करते, उनसे बिल क्यों लेते हैं? हमने इस बारे में प्रीविलेज कमेटी में भी कहा था और अफसरों को भी लिखकर दिया है कि सरकार की हिदायतें हैं कि किसान को 8 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिलेगी और इंडस्ट्री को 20 घंटे बिजली मिलेगी। यह बात हमने पानीपत में डी0सी0 के सामने कही थी। पानीपत में एक्सीयन बदल गया है लेकिन हमसे यह भेदभाव क्यों है? एक-एक महीने के बाद हमें ट्रांसफार्मर मिलते हैं और पानीपत में ट्रांसफार्मर उसी दिन मिल जाता है। इसका क्या कारण है? हमें दो नम्बर का नागरिक क्यों माना जाता है। मैं मंत्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि कम से कम तीन महीनों के लिए बिजली के बिल माफ किए जाएं। सर, जैसे कालका में कांड हुआ है कहीं ऐसा न हो कि पानीपत में भी ऐसा कांड हो जाए, इसलिए इस चीज को देखते हुए उसी हिसाब से बिजली के बिल चार्ज किए जाने चाहिएं ताकि ऐसा कांड पानीपत में न हो। हमारे यहां पर 70-70 फुट पर नीचे ट्यूबवैल्ज हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस सहमत हो तो हाउस का समय 15 मिनट और बढ़ाया जाये ?

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय 15 मिनट और बढ़ाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री सतबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा अगर आप किसानों को अच्छे बीज नहीं दे सकते तो जो गेहूं हैफेड, एफ0 सी0 आई0 या कृषि विभाग के पास पड़ा है, उसको आप किसानों को बीज के रूप में दें, उनकी अच्छी फसल की बिजाई करवाने का काम करें तथा सस्ता खाद भी दिलवाने का काम करें। सर, हमारी सरकार के समय में डी0 ए0 पी0 का एक कट्टा 180 रुपये का था जबकि आज इसकी कीमत 536 रुपये हो गयी है और साथ ही यूरिया खाद के दाम भी बढ़े हैं। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि किसानों को पुराने सस्ते दामों पर ही सब्सिडाइज्ड रेट पर बीज, खाद एवं दवाईयां दी जानी चाहिए। साथ ही कुछ जलघर बने हैं, कुछ मकान बनवाने के लिए पैसे दे रखे हैं तथा उनके ट्यूबवैल की जो हौदियां गिर गयी हैं, उनको बनाने का अभी वक्त है, उनकी मरम्मत की जाए। बाद में तो किसान अपने ट्यूबवैल चलाने के लिए अपनी हौदियों को ठीक कर सकते हैं लेकिन जब वे ठीक कर लेंगे तो आपका पटवारी, डी0 सी0, तहसीलदार और एस0 डी0 एम0 वहां जाएगा और यह कहेगा कि आपका तो नुकसान ही नहीं हुआ, इसलिए फौरी तौर पर इस ओर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जब ड्रेनें खोदी जाती हैं तो इसका पता संबंधित एम0 एल0 ए0 को भी होना चाहिए कि फलां गांव की ड्रेन खोदी जाएगी और इस पर इतना पैसा खर्च होगा। ग्राम पंचायत को, ब्लॉक समिति को भी पता होना चाहिए एवं जिला परिषद के मैम्बर को भी पता होना चाहिए। जब इसके टैंडर इन्वाईट होते हैं तो उसकी चिट्ठी हमें भी और पंचायत को भी जानी चाहिए। हमें यह तो पता होना ही चाहिए कि इस ड्रेन पर कितना पैसा खर्च हुआ है। जब हम इस बारे में पूछते हैं तो वह कहते हैं कि चार हजार रुपये लगे हैं। सर, हमको यह इन्फॉर्मेशन जानी चाहिए चाहे वह मौके पर जाएं या न जाएं। काम तो अफसरों ने ही करना है लेकिन जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को कम से कम इस बात का ज्ञान तो होना ही चाहिए कि इस ड्रेन की सफाई हुई है और इसकी नहीं हुई है ताकि समय रहते हुए हम भी कोई अपने सुझाव दे सकें, हम भी कोई नयी बात कह सकें। इसके अलावा, एक प्रश्न के अंदर

[श्री करतार सिंह भडाना]

जो भी आदमी शहीद हुए हैं, उन के बारे सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द उनके परिवार वालों को दे । जब सरकार गोली चलवाती है, चाहे भिवानी हो, चाहे नारनौल हो या यह कादमा हो, जब गोली चलने वालों को सरकार की तरफ से हुक्म दिये जाते हैं और उनका कसूर भी माना जाता है तो यह कसूर भी सरकार का हो गया है, इसलिए उनको मुआवजा देना ही चाहिए । इससे सरकार को क्या फर्क पड़ता है ? न सी० एम० साहब के घर से कुछ जाने वाला है, न नेहरा साहब के घर से कुछ जाने वाला है और न ही दूसरों का खजाना खाली होने वाला है । सर, जिसकी नीयत अच्छी होती है, उसकी नीति भी ठीक बन जाती है भगवान भी उसका साथ दे देता है । अगर आपकी नीति ठीक होगी तो ज्यादा पैसा देकर आपको पास आयेगा । स्पीकर सर, सरकार को गिरे हुए मकानों दोबारा बनवाने के लिए कम से कम 50 हजार रुपये देने चाहिए । काफी मकानों में दरारें आ गई हैं । जिनके मकान गिर गए और उनके परिवार मर गए, उन को भी तो सरकार मुआवजा देती है । सरकार को अंदाजा देख लेना चाहिए कि वे मकान गिरने वाले हैं या नहीं । मेरे हलके के कई गांवों में मकान गिर गए हैं । इनमें कई व्यक्ति तो बहुत ही गरीब हैं । सरकार को उनके मकान बनवाने के लिए कम से कम दस-दस हजार या पांच-पांच हजार या फिर सात-सात हजार रुपये देने चाहिए । जब मिनिस्टर गांवों में आते हैं तो रेस्ट हाउसों में बैठे रहते हैं । लोगों को कितनी तकलीफ है, यह तो उन को पता ही नहीं है । नेहरा साहब कह गए कि मैंने मॉडल टाउन को बचाने के लिए दूसरी जगह पानी छोड़ दिया । स्पीकर सर, आज सारा प्रशासन एक तरह से फेलियर हो चुका है । हमें व्यक्तिगत बातों को छोड़कर, राजनैतिक मतभेदों को छोड़कर, एकजुट होकर यह सोचना चाहिए कि कैसे लोगों को राहत दी जाए । कोई पॉलिसी फॉर्मूला होना चाहिए । चाहे सिंचाई डिपार्टमेंट हो, चाहे रोड डिपार्टमेंट हो, इसके लिए कोई ऐसी कमेटी या सब कमेटी कांस्टीच्यूट होनी चाहिए जो फ्लड के समय से पहले निरीक्षण करे । एक तरफ तो नेहरा साहब कहते हैं कि नहरों के रखरखाव के लिए साढ़े आठ सौ करोड़ रुपया आ रहा है और डेढ़ सौ करोड़ रुपया तो आ भी चुका है । कहां यह पैसा गया, कैसे इसको खर्च करेंगे ? नेहरा साहब, हम तो इस बारे में बहुत दुखी हैं । स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री करतार सिंह भडाना : स्पीकर सर, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है । स्पीकर सर, आप सारे हाउस के मास्टर हैं और हमारे अधिकारों के कस्टोडियन हैं, लेकिन हमारे साथ जिस तरह इस विधान सभा में काम करने वाले मुलाजिम बैठे हैं, आज इनके मुरझाये हुए चेहरे देखकर ऐसा लगता है कि वे बेचारे सवेरे के लिख-लिख कर थक गये हैं लेकिन इनको कोई तनख्वाह देने की कोई बात यहां नहीं है । आपके बराबर ... साहब बैठे हैं, मैं समझता हूं कि सवेरे से शाम हो गई, शायद इनको कोई

जुर्माने लगाए नहीं । बेशक आप कार्यवाही पूरे दिन की करें । (विघ्न) मैं व्यवस्था को भंग कर रहा हूं । आप संवैधानिक कार्यवाही चलाएं लेकिन इन मामलों के लिए कोई न कोई उचित व्यवस्था होनी चाहिए । जो निर्धारित कार्यवाही सिखाते हैं, उनकी कठिनाई भी देखनी चाहिए और अगर उनकी कमी है उसको पूरा करना चाहिए और आपको फ़ौरन मार्गदर्शन बनाने चाहिएं । यह मेरी आपसे प्रार्थना है ।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : इनके बारे में भी कोई न कोई कार्यवाही करेंगे ।

श्रम एवं रोज़गार राज्य मन्त्री (चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा) : स्पीकर सर, आपने सदन में मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । स्पीकर सर, मेरे चुनाव क्षेत्र किलोई में विपक्ष के आदमी ने इस प्राकृतिक आपदा का नाजायज ढंग से फायदा उठाने का असफल प्रयास किया है । एक तरफ तो लोग मर रहे थे, पशु मर रहे थे और लोगों की तबाही हो रही थी और दूसरी तरफ लोग अपने वोट बनाने के लिए गांवों में जा रहे थे । मेरे चुनाव क्षेत्र में इनकी पार्टी के प्रधान श्री ओमप्रकाश चौटाला 16 दिन बाद पहुंचे हैं; लोगों ने उनकी बड़ी प्रतीक्षा की और इनकी पार्टी के जो कथित लीडर हैं, वे अभी तक पूरे चुनाव क्षेत्र में नहीं पहुंच पाए हैं । (विघ्न) मेरे गांव में गए हैं क्योंकि मेरे गांव का एक आदमी इनका कैंडि-डेट है । मेरे गांव में इन्होंने लोगों से छेड़-छाड़ करने की कोशिश भी की है कि हमारी सरकार की तरफ से कोई सहायता आई है लेकिन उनको लोगों ने करारा जवाब दिया । इनके कहने के बावजूद जब वहां पहुंचे तो 20 आदमी भी वहां इकट्ठे नहीं हुए । ये कलायत और भालौठ के बाहर गए थे । (शोर) आपने भी शोर करना है, अध्यक्ष महोदय, इनमें साथ खड़ा होने की हिम्मत नहीं है । (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । इस गांव में आदमी है तो कहां ? वहां से सब व्यक्ति पलायन कर रहे हैं । गांव के गांव छोड़ रहे हैं और इनकी सरकार की नीतियों से उजड़ रहे हैं । इनके अपने गांव के अन्दर भी लोगों ने ऐतराज किया और कहने लगे कि हमारे घरों से तो तुम्हें पूछा तक नहीं । इतनी बेकदरी हालांकि इनके खिलाफ इनके अपने ही गांव के अन्दर है । ये वहां पर जा ही नहीं सकते । स्पीकर सर, मैं स्वयं इनके गांव में गया था, इन लोगों ने बताया । (शोर)

चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा : स्पीकर साहब, यह बिल्कुल झूठ बोल रहे हैं । अगर इनमें सच्चा कहने की हिम्मत होती तो ये बोलते समय अपने भाषण में इस बात का जिक्र करते । इन्होंने बोलते हुए कुछ नहीं कहा । (शोर) इस बारे एक शब्द भी इन्होंने मेरे खिलाफ नहीं कहा । अब मैंने सफाई बता दी तो इनको बुरा लगने लगा और बीच में उठकर बोलने लग पड़े । अगर मेरे खिलाफ कुछ किसी ने गांव में कहा

[चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा]

होता तो पता नहीं ये लोग कहां-कहां भागते फिरते । (शोर) बाकी हमारे भाइयों के बारे में भी इन्होंने पता नहीं क्या कुछ नहीं कहा । कितनी उल्टी सीधी बातें इन्होंने कहीं । इन्होंने यह भी कह दिया कि रोहतक शहर को बचाने के लिये, सुन्दरपुर गांव में ड्रेन नम्बर 8 को काट डाला । यह बात चौधरी ओम प्रकाश चौटाला व सम्पत सिंह जी, दोनों ने कही है जो बिल्कुल निराधार है । इन्होंने कहा कि सुन्दरपुर गांव के परली तरफ यह नहर काटी गयी । इन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन ने नहीं काटी है । आप अपना रिकार्ड देख लीजियेगा पर हकीकत यह है कि सुन्दरपुर गांव ड्रेन नम्बर 8 से 500 फुट की दूरी पर है । पूरा गांव इससे इतना भयभीत था कि अगर यह ड्रेन टूट गई होती तो यह गांव पूरे का पूरा बह गया होता । इसीलिये लाठियां, गंडासियां लेकर सारे का सारा गांव उस ड्रेन नम्बर आठ पर बैठा था और हकीकत यह है कि जब उन्होंने देखा कि वे डूबने लगे हैं तो कुछ लोगों ने यह ड्रेन परली तरफ से काट दी और उसी परली तरफ मेरा हल्का पड़ता है, मेरे सुसाना ठोल का एरिया पड़ता है । मेरे गांव सिंहपुरा के बारे में भी इन्होंने बहुत कुछ कहा । मेरे विचार से सम्पत सिंह जी ने यह गांव शायद आज तक देखा भी न होगा । (शोर) अगर आप उस गांव में गये होते तो उस गांव का जिक्र अवश्य करते कि मैं वहां गया था । इन्होंने कहीं भी बोलते हुए मेरे गांव का जिक्र तक नहीं किया । (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं वहां गया था । यह कैसे कहते हैं कि मैं नहीं गया ?

चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा : चलो स्पीकर साहब, मैं मानता हूं कि मेरे गांव में ये गये थे लेकिन इन्होंने जो कुछ यहां कहा उससे हाउस को गुमराह किया कि वहां कोई आदमी नहीं था, इनको कोई आदमी नहीं मिला । पूरे का पूरा गांव वहां पर ही था । कुछ हरिजन बस्तियों में पानी अवश्य था । उन लोगों को स्कूलों में अवश्य शिफ्ट किया गया था लेकिन इन लोगों ने उन बेचारों को छोटी सी राहत भी नहीं पहुंचाई, बल्कि लोगों को गुमराह करने की कोशिश की । मैं स्वयं वहां डाक्टरों की टीम लेकर गया था । हर गांव के अन्दर हमने कैरोसिन, और दूसरी चीजें लोगों को पहुंचाई । इसके साथ साथ इन्होंने यह भी कहा कि इस ड्रेन की सरकार ने सफाई नहीं करवायी थी जिसकी वजह से यह हालात हुए । अब से पहले मेरे हल्के में पानी लगा था और 80 परसैन्ट पानी आया । साथ में इन्होंने यह भी कहा कि अभी भी वहां पर चार-चार, पांच-पांच फुट पानी खड़ा है । मैं कहता हूं कि ये मेरे से शर्त लगा लें, मैं इनको वहां अपने साथ ले जाने के लिये तैयार हूं, अगर एक फुट से ज्यादा पानी खड़ा हो तो जो सजा चाहें मुझे दें । ये बिल्कुल झूठ-निराधार बात कहकर हाउस को गुमराह करने की कोशिश करते हैं । मैं उस गांव में तीन चार बार गया हूं, ये शायद एक ही बार गये होंगे ।

प्रो0 सम्पत सिंह : 24 तारीख की शाम को हम वहां होकर आये हैं। इन दिनों के अन्दर ही वह पानी चार पांच फुट से घटकर डेढ़ फुट ही रह गया? (शोर) यह कैसे हो सकता है ?

चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहता हूं कि सरकार ने फ्लड से बचाव के लिये बहुत बढ़िया काम किया है। (शोर) आप लोग गलत बात करते हो और सच्चाई को सुनने की कोशिश ही नहीं करते। (शोर)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप चेयर को ही ऐड्रैस करें।

चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा : स्पीकर साहब, इन्होंने आज तक लोगों को गुमराह करने के सिवाये किया ही क्या है ? इसके साथ ही ये लोगों में गलत प्रचार भी करते रहे हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय पांच मिनट और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : बैठक का समय पांच मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा : स्पीकर साहब, इन्होंने बाढ़ का नाजायज फायदा उठा कर लोगों का शोषण किया है, लोगों को गुमराह किया है। मेरे हल्के के अन्दर इनके लीडर घूमे भी नहीं सके। मैंने अपने हल्के को एक हफ्ते के अन्दर पूरा कवर कर लिया था। मैं एक एक गांव में दवाई, जानवरों की दवाई और कपड़े को लेकर गया। स्पीकर साहब, इन्होंने हमारे एक अधिकारी का जिक्र किया, मैं उसका नाम बता दूंगा। वह है श्री राम फल पहल जो ऑल इंडिया रेडियो में [illegible] है। ऑल इंडिया रेडियो के अन्दर उस समय 6 फुट पानी था। (शोर)

वाक आउट

आवाजें : स्पीकर साहब, आप गलत बोल रहे हैं, इसलिए हम एज-ए-प्रोटेस्ट वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

चौधरी कृष्ण मूर्ति हुड्डा : स्पीकर साहब, इनको तो वाक आउट करने के लिए कोई न कोई बहाना चाहिए था। मैं अपने जिले के साथियों से कहना चाहता हूं कि वे मेरी एक बात सुन कर जाएं। (शोर) मेरे इलाके में जो एस0 वाई0 एल0 का पानी आना है, जो पंजाब, चण्डीगढ़, हरियाणा और राजस्थान का पानी है, वह हमारी जे0 एल0 एन0 नहर और बी0 एस0 बी0 में आता है। स्पीकर साहब, मैंने मुख्य मन्त्री जी को चिट्ठी भी लिखी है और अब मैं आपके द्वारा दोबारा मुख्य मन्त्री जी को कहना चाहता हूं कि पंजाब ने हमें इस बारे बहुत दुःखी किया है। इन्हें पंजाब सरकार से इसके लिए मुआवजा मांगना चाहिए। मुख्य मन्त्री जी को केन्द्रीय सरकार से भी इसके लिए बात करनी चाहिए। स्पीकर साहब, हमारे डाक्टरों ने और हमारे नहर के महकमें के इंजीनियर्स ने, बाढ़ के दौरान मेरे चुनाव क्षेत्र में दिन रात मेहनत की, वरना वहां बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था। इस संबंध में मेरे [illegible] है। स्पीकर साहब, बस मैंने यही बातें आप से कहनी थी। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : क्या किसी और मैम्बर ने भी बोलना है?

(इस समय कोई भी सदस्य बोलने के लिए खड़ा नहीं हुआ)

Mr. Speaker : Now, the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow.

20.47 hrs. (The Sabha then adjourned till 9.30 A.M., on Thursday the 28th September, 1995.)

27337—H.V.S.—H.G.P., Chd.